राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 10 अंक 11

मूल्य ₹8.00 नई दिल्ली, सोमवार, 22 जून, 2026

www.jagran.com

पृष्ठ 14

वैभव के तूफान में उड़ा श्रीलंका-ए

>> 11

पहाड़ की चोटियों से समुद्र तट तक योगमय हुई दुनिया

प्रधानमंत्री मोदी ने कोलकाता में 35 हजार लोगों संग किया योगाभ्यास

कहा-70 की उम्र में 50 जैसा दिखें, योग इसमें मददगार, यह सबको जोड़ता है

राष्ट्रपति मुर्मु ने जबलपुर में किया योग, बताया, विश्व समुदाय को अमूल्य उपहार

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर रविवार को पूरी दुनिया योगमय दिखी। पहाड़ की ऊंची चोटियों से लेकर समुद्र तट तक, कोलकाता से कैलिफोर्निया तक लोगों ने योग किए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कोलकाता के रेड रोड पर हजारों लोगों की मौजूदगी में योग के माध्यम से दुनिया को शांति से लेकर स्वास्थ्य, मानव एकता, आंतरिक संतुलन व सामूहिक कल्याण का मंत्र दिया। दुनिया में जारी युद्धों और भू-राजनीतिक तनावों के बीच प्रधानमंत्री ने कहा कि योग न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है बल्कि वैश्विक शांति का मार्ग प्रशस्त करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने हर आयु वर्ग के लोगों से योग को अपनाने का आह्वान किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने जबलपुर में तो रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शिलांग में वायु सेना के एडवांस्ड लैंडिंग ग्राउंड में योग सत्र में शामिल हुए।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को कोलकाता की ऐतिहासिक रेडरोड पर जनता के साथ योग करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। एएनआइ

पीएम ने 40 मिनट के सत्र में प्रशिक्षक की भूमिका भी निभाई

बंगाल में नई भाजपा सरकार बनने के बाद कोलकाता में पहली बार आयोजित योग दिवस के मुख्य समारोह में प्रधानमंत्री ने रेड रोड पर करीब 35,000 लोगों संग योगाभ्यास किया। सफेद टी-शर्ट व पैंट पहने मोदी 40 मिनट के सत्र के दौरान प्रशिक्षक की भूमिका में प्रतिभागियों के बीच घूम-घूमकर योगासन सिखाते, मुद्राएं सुधारते व लोगों का मार्गदर्शन करते भी दिखे। इस वर्ष की थीम 'बढ़ती उम्र में योग से रहें निरोग' का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा, लोगों का लक्ष्य उम्र बढ़ने के साथ कमजोर होना नहीं बल्कि अधिक सक्रिय व सक्षम होना चाहिए। 70 की उम्र में भी व्यक्ति 50 जैसा सक्रिय दिख सकता है। योग इसमें सबसे बड़ा सहायक है। हमारा लक्ष्य होना चाहिए कि हम 20 साल की उम्र की तुलना में 40 साल में अधिक लचीले हों, 30 की तुलना में 50 में अधिक ऊर्जावान हों। 70 की उम्र में भी बीमारियों से लड़ सकें। कहा, योग को सिर्फ एक दिन या विशेष अवसर तक सीमित न रखें, बल्कि इसे अपने जीवन, परिवार व आने वाली पीढ़ियों की दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। पीएम के साथ राज्यपाल आरएन रवि व सीएम शुभेंदु अधिकारी ने भी योगाभ्यास किया। विशेष बात रही कि बंगाल ने 12 वर्षों में पहली बार योग दिवस के राष्ट्रीय समारोह की मेजबानी की। स्कूलों, कालेजों व सार्वजनिक स्थलों पर योग सत्र में लाखों लोग शामिल हुए। हुगली नदी में 500 नावों पर सामूहिक योग किया गया।

योग दुनिया को भारत की सांस्कृतिक विरासत की अनमोल देन पेज>>5

चढ़ावा चोरी मामले में एसआइटी जांच रिपोर्ट में ट्रस्ट के पुनर्गठन की संस्तुति

- मुख्यमंत्री आदित्यनाथ को आज सौंपी जा सकती है प्रारंभिक जांच रिपोर्ट
- ट्रस्टी चंपतराय, डा. अनिल मिश्र, गोपाल राव सहित 14 पर आ सकती है आंच

जागरण संवाददाता, अयोध्या

राम मंदिर के चढ़ावा चोरी मामले की जांच कर रही एसआइटी ने प्रारंभिक जांच रिपोर्ट तैयार कर ली है। सूत्रों के अनुसार, एसआइटी सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को रिपोर्ट सौंपेगी। अभी तक की जांच में ट्रस्ट महासचिव चंपतराय, सदस्य डा. अनिल मिश्र, व्यवस्थापक गोपाल राव, व्यवस्था से जुड़े रामशंकर यादव टिन्नू सहित 14 लोगों पर आंच आ सकती है। एसआइटी ने रिपोर्ट में ट्रस्ट का पुनर्गठन करने समेत कई महत्वपूर्ण संस्तुतियां की हैं।

चढ़ावा प्रकरण सामने आने के बाद राज्य सरकार द्वारा गठित एसआइटी ने गत सोमवार को जांच शुरू की थी। चंपतराय व गोपाल राव से व्यवस्थाओं की जानकारी लेकर जांच आगे बढ़ाई। नकदी की गणना व मंदिर व्यवस्था से जुड़े डेढ़ सौ लोगों के बयान दर्ज किए। ट्रस्टी डा. अनिल मिश्र के बयान का रामशंकर यादव टिन्नू से मिलान किया। असमानता मिलने पर तीन दिन तक दोनों से पूछताछ हुई। संदिग्ध पाए गए अनुकल्प मिश्र, लवकुश मिश्र, मनीष यादव, राजेश पाठक, रमाशंकर, अविनाश शुक्ल, कृष्णदेव तिवारी, सुभाष श्रीवास्तव सहित ट्रस्ट व बैंक से जुड़े 14 लोगों के लिखित बयान दर्ज किए। जांच में कई खामियां मिलीं। पता चला कि सेवादारों को गबन की जानकारी पहले से थी।

रविवार को एसआइटी द्वारा जांच रिपोर्ट सीएम को सौंपे जाने की चर्चा रही, पर सरकारी प्रवक्ता के अनुसार एसआइटी के अधिकारियों ने रविवार को मुख्यमंत्री से न तो भेंट की और न ही रिपोर्ट सौंपी है।

राम मंदिर। फाइल

एसआइटी ने की ये संस्तुतियां

- राम मंदिर ट्रस्ट का हो पुनर्गठन, सभी सदस्यों की तय हो समान जिम्मेदारी
- मंदिर ट्रस्ट में प्रशासनिक अधिकारी को सीईओ के रूप में नियुक्त किया जाए
- मामले की विस्तृत जांच के लिए विशेष जांच दल को और समय दिया जाए
- मंदिर के और बेहतर प्रबंधन के लिए पेशेवर तरीका अपनाने की सलाह
- दानराशि की गणना का साप्ताहिक आडिट किया जाए
- चढ़ावे में आने वाली नकदी की प्रतिदिन इंट्री की व्यवस्था की जाए
- सीसी कैमरों का डाटा स्टोरेज 45 दिन से बढ़ा कर 180 दिन तक किया जाए
- चंपतराय, डा. अनिल मिश्र व गोपाल राव सहित अन्य जिम्मेदारों को अयोध्या छोड़ने की अनुमति न दी जाए

जागरण विशेष

उर्वरक आयात घटने के साथ बढ़ेगी फसलों की उत्पादकता

नोएडा: राजस्थान के थार मरुस्थल में उगने वाले खेजड़ी के पौधे की जड़ों में पाई जाने वाली विशेष फफूंद (फंगस) से विकसित की गई रूटोनिक तकनीक किसानों के लिए नई उम्मीद जगा रही है। • पेज-6

संपादकीय

जन विश्वास से सुगम होता जीवन: सुधारों की प्रक्रिया के पीछे प्रधानमंत्री का

यही दृष्टिकोण है कि 21वीं सदी के भारत की आकांक्षाएं औपनिवेशिक काल के तौर-तरीकों से पूरी नहीं होंगी। **पीयूष गोयल** का आलेख।

पहले इंसान, फिर वाहन: पैदल चलने वालों के अधिकारों को मान्यता देकर अदालत ने अपनी जिम्मेदारी तो निभा दी है, अब सरकारों की बारी है। **अमरपाल सिंह वर्मा** का दृष्टिकोण। • पेज-8

विमर्श

होर्मुज संकट से निपटने की रणनीति: होर्मुज जल मार्ग से ऊर्जा की निर्बाध आपूर्ति को लेकर आशंका और अनिश्चितता के बादल अभी पूरी तरह से छंटे नहीं हैं। **श्री राम शा** का आलेख।

सतह पर फूट रहे अंतर्धारा के सोते: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सुझाव पर राजा सुहेलदेव राजभर एवं राजा बिजली पासी जैसी विभूतियों पर नाटक तैयार किए जा रहे हैं, जिनका मंचन प्रदेश के सभी जिलों में किया जाना है। **अजय शुक्ला** की उत्तर प्रदेश डायरी। • पेज-9

दैनिक जागरण सप्तरंग

साहित्य और संगीत का

राष्ट्रधर्मी युगांतकारी रचनाकार

स्वरों का वशीकरण मंत्र था उनका गायन • पेज-13

डाक्टर बनने का सपना लिए नीट-यूजी में बैठे 20 लाख छात्र

कड़ी सुरक्षा के बीच देश-विदेश के 5454 केंद्रों पर दोबारा हुई परीक्षा

एनटीए के कंट्रोल रूम से शिक्षा मंत्री प्रधान ने सीसीटीवी के जरिये रखी नजर

- मेडिकल प्रवेश परीक्षा में कहीं से किसी तरह की गड़बड़ी की नहीं मिली सूचना
- तीन मई की परीक्षा पेपर लीक के चलते की गई थी रद, सीबीआइ जांच जारी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

मेडिकल के स्नातक कोर्सों में दाखिले से जुड़ी नीट-यूजी रविवार को दोबारा देशभर में कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच संपन्न हुई। एनटीए और शिक्षा मंत्रालय के लिए राहत की बात यह रही कि इसमें कहीं से किसी तरह की गड़बड़ी की सूचना नहीं मिली। 20 लाख से अधिक छात्रों का डाक्टर बनने का सपना ओएमआर (आप्टिकल मार्क रिकाग्निशन) शीट में कैद हो गया। यह परीक्षा पेन-पेपर व ओएमआर के जरिये कराई गई है। अगले साल से एनटीए ने इसे सीबीटी (कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट) के जरिये कराने का फैसला लिया है। इससे पहले यह परीक्षा तीन मई को हुई थी, पर पेपर लीक का मामला सामने के बाद पूरी परीक्षा को रद कर दिया गया था। सीबीआइ मामले की जांच कर रही है।

एनटीए के मुताबिक, मेडिकल प्रवेश परीक्षा देशभर के 551 शहरों के 5440 केंद्रों और विदेश के 14 शहरों में बनाए गए केंद्रों पर एक साथ आयोजित की गई। इस सिलसिले में केंद्र सरकार के दर्जनों मंत्रालयों के साथ राज्य सरकार व केंद्रीय एजेंसियों ने करीब 37 दिन एकजुट होकर काम किया। एनटीए ने सभी केंद्रों पर परीक्षा तय प्रोटोकाल के मुताबिक कराए जाने का दावा किया है। साथ ही बताया कि ओएमआर शीट को भी प्रश्न पत्रों की तरह कड़ी सुरक्षा में लाया जा रहा है। इसमें भी वायु सेना व डाक विभाग की मदद ली जा रही है। परीक्षा माफिया की सक्रियता व दुष्प्रचार को देखते हुए एनटीए ने परीक्षा को लेकर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए थे। हर केंद्र पर पुलिस के साथ ही केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती की गई थी। हर शहर में साइबर कमांडो भी तैनात किए गए थे। हिंदी, अंग्रेजी सहित 13 भारतीय भाषाओं में आयोजित नीट-यूजी पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भी पैनी नजर रखी। वह एनटीए मुख्यालय में बनाए गए कंट्रोल रूम में पहुंचे और वहां से सीसीटीवी के जरिये परीक्षा पर नजर रखी।

नई दिल्ली में रविवार को एक नीट-यूजी परीक्षा केंद्र के बाहर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच छात्रों की सघन जांच करते पुलिसकर्मी। प्रेट्र

छात्रों को न हो दिक्कत इसलिए मोदी ने एयरपोर्ट पर ही बिताए 45 मिनट

नीट-यूजी के दौरान पीएम नरेन्द्र मोदी ने भी छात्रों की सुविधा का ध्यान रखा। हुआ यह कि कोलकाता से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का कार्यक्रम खत्म करके पीएम रविवार को 1.15 बजे दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे। वहां से उन्हें अपने आवास जाना था। हालांकि, यह छात्रों के परीक्षा केंद्रों पर पहुंचने का समय था। सूत्रों की मानें तो पीएम ने इस दौरान तय प्रोटोकाल के चलते लगने वाले ट्रैफिक जाम को देखते हुए उस समय एयरपोर्ट से बाहर नहीं निकलने का फैसला लिया। पीएम का मानना था कि परीक्षा के समय ट्रैफिक जाम के चलते छात्रों को समय पर परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने में दिक्कत आ सकती है। ऐसे में प्रधानमंत्री ने 45 मिनट एयरपोर्ट पर ही बिताए। वह एयरपोर्ट से तभी निकले, जब दो बज गए और सभी सेंटरों पर परीक्षा शुरू हो गई।

छात्रों को दिया गया था 15 मिनट का अतिरिक्त समय: दोबारा हुई परीक्षा में छात्रों को इस बार 15 मिनट अतिरिक्त समय दिया गया था। वैसे तो परीक्षा में छात्रों को अब तक तीन घंटे का समय दिया जाता था, जिसमें उन्हें परीक्षा से जुड़ी कागजी कार्रवाई के साथ ही प्रश्नपत्र हल करना होता था। इस बार 15 मिनट अतिरिक्त समय दिया था। परीक्षा देकर बाहर निकले छात्रों ने अतिरिक्त समय को लेकर खुशी जताई। ऐसे में दोपहर दो बजे से शुरू हुई परीक्षा शाम 5.15 बजे खत्म हुई।

हर छात्र का रखा गया ध्यान: परीक्षा के दौरान एक-एक छात्र का ध्यान रखा गया। परीक्षा में शामिल करीब 10 हजार दिव्यांग छात्रों के साथ ही 81 ऐसे छात्र भी शामिल हुए थे, जिनकी मेडिकल कंडीशन ठीक नहीं थी। इनमें कोलकाता की एक छात्रा भी थी, जो सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गई थी। वहीं एक छात्र ऐसा भी था जो कीमोथेरेपी करवा रहा था। एनटीए ने भी उनके लिए पूरा बंदोबस्त किया और परीक्षा कराई।

(**एनटीए ने 'टीम भारत' की कोशिशों को सराहा: पेज-6**)

निशांत करेंगे जदयू का नेतृत्व, राष्ट्रीय व राज्य परिषद की बैठक में सहमति

पटना: जदयू की राष्ट्रीय व राज्य परिषद की बैठक में रविवार को तय हो गया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत ही पार्टी की कमान संभालेंगे। राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष व राज्यसभा सदस्य संजय कुमार झा ने दोनों बैठकों में इसकी घोषणा की। (**पेज-4**)

मुद्दा

जंग की कीमत कब बहुरेंगे दिन • पेज-7

स्वदेशी तकनीक से निर्मित तीन युद्धपोत सेना में शामिल

कोलकाता: कोलकाता के श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट पर रविवार को आयोजित एक समारोह में स्वदेशी तकनीक से निर्मित तीन युद्धपोत आइएनएस दूनागिरि, आइएनएस संशोधक व आइएनएस अग्रय को सेना में शामिल किया गया। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, कोई भी राष्ट्र समुद्र में अपनी क्षमता बढ़ाए बिना बड़ी शक्ति नहीं बन सकता। समुद्र से ही विकास, सुरक्षा और समृद्धि जुड़ी है। उन्होंने कहा, हाल के वर्षों में 40 से अधिक स्वदेशी युद्धपोत व पनडुब्बियां भारतीय नौसेना में शामिल हुई हैं, जबकि वर्तमान में 45 बड़े नौसैनिक प्लेटफार्म निर्माणाधीन हैं। यह देश की औद्योगिक क्षमता और भविष्य की शक्ति का प्रमाण है।

(**विस्तृत समाचार-पेज 3 पर**)

कोलकाता के श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट पर रविवार को नौसेना में शामिल किया गया स्वदेशी तकनीक से निर्मित युद्धपोत आइएनएस दूनागिरी। एएनआइ

फीफा वर्ल्ड कप

22 जून का मैच
अर्जेंटीना vs आस्ट्रिया
स्थान: डलास समय: 10:30 पीएम
23 जून के मैच
फ्रांस vs इराक
स्थान: फिलाडेल्फिया 2:30 एएम
नार्वे vs सेनेगल
स्थान: न्यूयार्क समय: 5:30 एएम
जार्डन vs अल्जीरिया
स्थान: सैन फ्रांसिस्को 8:30 एएम
प्रसारण: युनाइट8 1 व 2 स्पोर्ट्स, जी5

स्विट्जरलैंड में अमेरिका-ईरान शांति वार्ता शुरू, ट्रंप ने ईरान को धमकाया

- अमेरिकी राष्ट्रपति ने चेताया, लेबनान में हिज्बुल्ला को रोके तेहरान, वर्ना ईरान पर करेंगे हमला
- कतर और पाकिस्तान की मध्यस्थता में 14 बिंदुओं वाले सहमति पत्र पर हो रही है वार्ता
- अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची कर रहे हैं वार्ता का नेतृत्व
- पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर भी पहुंचे

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में साढ़े तीन माह तक चले घमासान और लेबनान में अब भी जारी इजरायली हमलों से उभरी तमाम आशंकाओं के बीच रविवार को स्विट्जरलैंड के बर्जेनस्टाक में अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता शुरू हुई। वार्ता में कतर और पाकिस्तान मध्यस्थता कर रहे हैं। गत बुधवार को 14 बिंदुओं वाले प्रारंभिक समझौता मसौदे पर बनी सहमति के आधार पर अगले 60 दिनों तक तकनीकी पहलुओं पर वार्ता होगी।

उधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को नई चेतावनी दी है। उन्होंने कहा, तेहरान लेबनान में हिजबुल्ला को रोके, वरना अमेरिका पूर्व की भांति ईरान पर ताबड़तोड़ हमले शुरू कर देगा। वहीं, होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान की चेतावनी के बाद रविवार को एक भी जहाज नहीं गुजरा। ट्रंप ने होर्मुज को लेकर भी कहा है कि अगर 60 दिनों में ईरान समझौता नहीं होता है तो अमेरिका इस रणनीतिक समुद्री मार्ग से आने-जाने वाले जहाजों से टोल वसूलेगा। होर्मुज बंद रहने की खबरों के बीच खाड़ी देशों के शेयर बाजारों में गिरावट दिखी। विशेषज्ञों का अनुमान है कि सोमवार को कच्चे तेल की कीमतों में फिर तेजी आ सकती है। वहीं वैश्विक शेयर बाजारों पर भी असर दिख सकता है।

अमेरिका-ईरान वार्ता में मध्यस्थ बने कतर ने रविवार को वार्ता शुरू होने की घोषणा की। हालांकि, स्विट्जरलैंड में केवल रविवार को ही बातचीत प्रस्तावित है। वार्ता में अमेरिका की तरफ से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और ईरान की तरफ से संसद स्पीकर एमबी गलीबाफ अपने प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। इस वार्ता की गंभीरता का आकलन इससे किया जा सकता है कि मौके पर कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री अब्दुलरहमान अल थानी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर भी मौजूद हैं।

स्विटजरलैंड के बर्जेनस्टाक रिजार्ट में रविवार को शांति वार्ता से पूर्व ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची से मुलाकात करते पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, (पीछे दाएं) अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और (मध्य में) सलाहकार जेरेड कुशनर। रायटर

कतर ने बताया शांति वार्ता का रोडमैप पेज>>11

सख्ती का असर

दैनिक जागरण ने अवैध कटों पर हो रहे हादसों में मौतों के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था, इसके बाद जागा प्राधिकरण, पुलिस ने अवैध कटों पर हादसा होने पर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों पर केस दर्ज कराने के दिए थे आदेश

एफआइआर की चेतावनी पर एनएचएआइ ने बंद किए 50 अवैध कट

- उपायुक्त ने दो दिन में एनएच-44 के सभी अवैध कट बंद करने के दिए थे निर्देश, पानीपत से दिल्ली तक बंद किए गए कट

नंदकिशोर भारद्वाज • जागरण

सोनीपत: राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) पर अवैध कट बंद न करने पर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) के अफसरों पर केस दर्ज करने की पुलिस की चेतावनी का दो दिन में ही असर दिख गया। एनएचएचआइ ने कुंडली बार्डर से पानीपत तक सभी अवैध कट बंद कर दिए हैं। पुलिस आयुक्त ने चेतावनी दी है कि अगर किसी ने दोबारा अवैध कट खोला तो उस पर केस दर्ज किया जाएगा। ज्ञात हो, दैनिक जागरण ने इस मुद्दे को 18 जून के संस्करण में प्रमुखता से उठाया था। इसके बाद डीसी ने दो दिन में कट बंद करने के आदेश दिए थे।

एनएच-44 सोनीपत का सबसे असुरक्षित हाईवे है। हर माह जिले में सड़क हादसों में होने वाली कुल मौतों में से 50 प्रतिशत इसी हाईवे पर होती हैं। फरवरी से जून तक यातायात पुलिस 10 अवैध कटों को बंद कराने के लिए एनएचएआइ को चार बार पत्र लिख चुकी थी, पर अधिकारी सुन ही नहीं रहे थे। गत सप्ताह पुलिस आयुक्त एडीजीपी ममता सिंह ने आदेश दिए कि अगर अवैध कट पर कोई हादसा होता है तो एनएचएआइ को सीधे जिम्मेदार मानते हुए अधिकारी पर केस दर्ज किया जाएगा। दैनिक जागरण में खबर प्रकाशित होने के बाद उपायुक्त नेहा सिंह ने भी एनएचएआइ को दो दिन में ही सभी अवैध कट बंद करने के आदेश दिए। एनएचएआइ ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कुंडली बार्डर से पानीपत के सिवाह बस अड्डे तक 50 से अधिक अवैध कट सीमेंट के बैरिकेड रखकर बंद कर दिए। इनमें से अधिकतर कट पेट्रोल पंपों के सामने बनाए गए थे, जबकि कुछ ढाबों व अन्य प्रतिष्ठानों के सामने थे।

उपायुक्त ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर अवैध कट खुलवाने के लिए कई लोग सिफारिश कर रहे हैं, लेकिन कोई भी कट नहीं खुलने दिए जाएंगे। वहीं, पुलिस आयुक्त ममता सिंह ने कहा कि अगर किसी ने भी दोबारा अवैध कट खोला तो उसके खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया जाएगा। पुलिस व प्रशासन की सख्ती से हाईवे पर हादसों में होने वाली मौतों में कमी आने की उम्मीद है।

हाईवे पर अवैध कट से हादसा तो एनएचएआइ के अफसरों पर होगा केस

18 जून को दैनिक जागरण में प्रकाशित खबर।

मुरथल से बहालगढ़ की ओर नांगल खुर्द गांव के पास पेट्रोल पंप के सामने स्थित अवैध कट। जागरण

एनएचएआई द्वारा पेट्रोल पंप के सामने बंद किया गया अवैध कट। जागरण

21 जून को मानसून से पहले राजधानी में पहचाने गए 2,000 से ज्यादा गड्ढों को भरने के लिए पीडब्ल्यूडी ने अभियान शुरू किया। एक जनवरी से 4 जून, 2026 के बीच विभाग की सड़कों पर 14,757 गड्ढों की पहचान की गई थी, जिनमें से 12,762 गड्ढे पहले ही भर जा चुके थे।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण दैनिक जागरण सोमवार, 22 जून, 2026

आज का मौसम

गर्जन वाले बादल बनने, बिजली चमकने एवं 60 किमी प्रति घंटे तक की तेज रफ्तार हवा के साथ हल्की वर्षा होने की संभावना है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
22 जून	38.0	27.0
23 जून	38.0	26.0
नोएडा		
22 जून	40.0	27.0
23 जून	40.0	27.0
गुरुग्राम		
22 जून	39.0	26.0
23 जून	38.0	26.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

स्वजन के बीच सोया था मासूम, सुबह मिला खून से लथपथ शव

फरीदाबाद : दिल्ली से सटी शिवदुर्गा विहार कालोनी में रविवार को एक ऐसी वारदात सामने आई, जिसने हर किसी को झकझोर कर रख दिया। तीन वर्षीय मासूम आदित्य शनिवार रात अपने स्वजन के बीच निश्चिंत होकर सोया था, लेकिन रविवार सुबह लहूलुहान शव मिला। किसी ने ब्लेड से गला रेतकर उसकी हत्या कर दी। (जासं)

आइआइटी दिल्ली में खाली सीटों पर एससी-एसटी को मौका

नई दिल्ली : आइआइटी दिल्ली ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग की खाली सीटों को भरने के लिए विशेष अभियान शुरू किया है प्रशासन के अनुसार पीजी और पीएचडी कार्यक्रमों में कुल 81 सीटें खाली हैं, जिनमें 49 सीटें एससी और 32 सीटें एसटी वर्ग के लिए आरक्षित हैं। इन सीटों पर छात्र आनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 28 जून निर्धारित की गई है, जबकि 29 जून तक अभ्यर्थियों को अपने आवेदन में आवश्यक संशोधन करने का अवसर मिलेगा। (राब्यू)

आरोपित चिकित्सक को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली : माउंट कैलाश में घरेलू सहायिका हत्या मामले में दो दिन की रिमांड अवधि पूरी होने पर आरोपित चिकित्सक मनीष गुप्ता को रविवार को फिर कोर्ट में पेश किया जाएगा। रिमांड की मांग न होने पर कोर्ट ने उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। आरोपित ने बताया कि हत्या के बाद वह पत्नी व बेटे की हत्या के बाद खुद को मारना चाहता था। (जासं)

रिंग रोड पर 15000 करोड़ से बनेगा 55 किमी लंबा एलिवेटेड कारिडोर

मिलेगी जाम से मुक्ति ▶ सरकार ने दी सैद्धांतिक मंजूरी, रिंग रोड पर जाम कम करने के लिए कवायद

परियोजना का व्यवहार्यता अध्ययन कर तैयार कर ली गई है डीपीआर

राज्य ब्यूरो, जागरण • नई दिल्ली

लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) राजधानी की परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाने और जाम को कम करने की दिशा में एक बड़ी योजना पर आगे बढ़ा है। विभाग ने 55 किमी लंबे महात्मा गांधी रोड (रिंग रोड) को एलिवेटेड कारिडोर में बदलने की योजना बनाई है। इस परियोजना की व्यवहार्यता अध्ययन और विस्तृत रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर ली गई है, विभाग की ओर से इस पर अध्ययन और मंजूरी के लिए योजना का प्रस्ताव यूटीपैक (एकीकृत यातायात और परिवहन अवसंरचना - योजना एवं इंजीनियरिंग - केंद्र) में लगा दिया गया है। यूटीपैक से मंजूरी के बाद आगे का काम शुरू होगा। परियोजना पर छह चरणों में काम किया जाएगा।

दिल्ली सरकार ने इस परियोजना को सैद्धांतिक (मौखिक) मंजूरी दे दी है। करीब 15000 करोड़ की राशि वाली इस

दिल्ली में रिंग रोड। फाइल

योजना को लेकर कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के सामने लोक निर्माण विभाग ने प्रजेंटेशन दिया था, तब रेखा गुप्ता ने इस परियोजना को जनता के लिए बहुत बेहतर बताया था और इस जल्द काम शुरू करने के लिए कहा था। बन जाने पर राजधानी का यह सबसे बड़ा एलिवेटेट कारिडोर होगा। यह मार्ग दिल्ली की जीवनरेखा माना जाता है, जो उत्तर, दक्षिण और मध्य दिल्ली को जोड़ता है।

आजादपुर से धौलाकुआं होते हुए आश्रम तक 30 किमी लंबा हिस्सा : रिंग रोड 55 किमी लंबा है। इसे दो भागों में बांटा गया है। इसमें आजादपुर से धौलाकुआं होते हुए आश्रम तक पहुंचने पर सड़क की दूरी 30 किमी है। इसमें प्रमुख रूप से राजौरी गार्डन के सामने पथर मार्केट और दिल्ली कैंट मेट्रो स्टेशन के पास फुट ओवरब्रिज न बनाकर पैदल यात्रियों के लिए 30-30 सेकेंड की लालबत्ती लगाई गई है। इनसे पैदलयात्रियों को लाभ मिल जा रहा है, मगर यहां लंबा जाम लग जा रहा है। रिंग रोड के इस भाग में बड़ा बोटलनेक एम्स और सफदरजंग साल के पास बना हुआ है, जहां पर दोनों तरफ से प्रतिदिन सुबह शाम भीषण जाम की स्थिति बन जाती है।

आजादपुर से सराय काले खां होते हुए आश्रम चौक तक दूसरा सबसे बड़ा भाग : इसी तरह रिंग रोड का दूसरा भाग आजादपुर से सराय काले खां होते हुए आश्रम चौक तक का है। इस भाग में अभी माडल टाउन, तिमारपुर, खैबरपास, थाना सिविल लाइन, लुडलो कैसल स्कूल, चंदगीराम अखाडा शामिल हैं। चंदगीराम अखाडा बड़ी लालबत्ती है। वहीं, इस भाग में भी बडा बोटलनेक सराय काले खां में बनता है, जहां पर सुबह-शाम दोनों तरफ से भीषण जाम लगता है। जनता वर्षों से यहां भी अतिरिक्त फ्लाईओवर बनाने की मांग कर रही है। लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि महात्मा गांधी रोड सिर्फ एक परिवहन मार्ग नहीं, बल्कि दिल्ली की रीढ़ है। हमारा लक्ष्य इसे और अधिक स्मार्ट और सुरक्षित बनाना है। यह परियोजना कुशल राजधानी की दिशा में ठोस कदम है, जहां हर नागरिक बेहतर डिजाइन और सुगम यात्रा का अनुभव करेगा।

छह चरणों में इस तरह होगा कारिडोर का निर्माण

पहला : आजादपुर फ्लाईओवर (मंडी) से हनुमान मंदिर (आइएसबीटी) तक 9.5 किमी

दूसरा : चंदगी राम अखाड़ा से मजनू का टीला तक : 2.5 किमी

तीसरा : हनुमान मंदिर (आइएसबीटी) से डीएनडी फ्लाईओवर तक : 11.5 किमी

चौथा : डीएनडी फ्लाईओवर से मोती बाग मेट्रो स्टेशन तक : 10 किमी

पांचवां : मोती बाग मेट्रो स्टेशन से राजौरी गार्डन तक : 10 किमी

छठा : राजौरी गार्डन से पैसिफिक माल, पीतमपुरा से आजादपुर फ्लाईओवर तक : 11.5 किमी

अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी तो लापरवाही पर लगाम लगेगी : संधू

संजीव गुप्ता • जागरण

नई दिल्ली : सैदुलाजाब में इमारत गिरने की घटना हो, हौजरानी अग्निकांड हो या कोई और दुर्घटना। इन जैसी घटनाओं की बार-बार पुनरावृत्ति को लेकर एलजी तरनजीत सिंह संधू का मानना है कि अधिकारियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। विभाग चाहे कोई भी, जवाबदेही होगी तो लापरवाही पर लगाम लगेगी। उन्होंने यह भी कहा कि इन दोनों मामलों में जांच रिपोर्ट आने पर इस दिशा में पहल की जाएगी।

शनिवार शाम लोकनिवास में रखे गए एक मेल-मिलाप कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि लोकनिवास के जनशिकायत पोर्टल 'एलजी लिस्निंग पोस्ट' को लेकर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। समय-समय पर देखा जाएगा कि इस पोर्टल पर जो लोग शिकायत कर रहे हैं, उन्हें समाधान मिल भी रहा है या नहीं।

बातचीत के क्रम में एलजी ने कहा कि उन्होंने दिल्ली की सड़कों पर ट्रैफिक की अव्यवस्था को स्वयं महसूस किया है। वाहन चालकों को रांग साइड चलते भी देखा है। इसमें सुधार के लिए वह यातायात पुलिस से लगातार संवाद कर रहे हैं। स्कूल आफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) के साथ पायलट प्रोजेक्ट के तहत कुछ सड़कों की री-डिजाइनिंग पर भी प्लानिंग चल रही है। राजधानी में बढ़ते अपराध को लेकर

▶ **लोकनिवास में एक मेल-मिलाप कार्यक्रम में अनौपचारिक बातचीत में एलजी तरनजीत सिंह संधू ने बेबाकी से रखी अपनी बात**

तरनजीत सिंह संधू।

संधू ने कहा कि इसे लेकर पुलिस आयुक्त के साथ उनकी कई बैठकें हुई हैं। जल्द कुछ सख्त कदम उठाए जाएंगे। महिला सुरक्षा की स्थिति पर भी समीक्षा जारी है और इसी के चलते बसों में महिला मार्शल तैनात करने की बात की गई है।

मेट्रो स्टेशनों के नीचे बैटरी रिक्शा चालकों के अतिक्रमण और जहां-तहां सड़कों के संकरा हो जाने को लेकर उनका कहना था कि इसको लेकर डीडीए, एमसीडी और एनडीएमसी को निर्देश दिया जा चुका है। वायु प्रदूषण को लेकर उन्होंने कहा कि देश-विदेश में अनेक जगह वायु गुणवत्ता बेहतर हुई है। बीजिंग एवं इंदौर की तरह दिल्ली में भी ऐसा संभव है।

संधू ने यह भी दिल्ली को लंदन या पेरिस बनाने से पहले सही मायनों में देश की राजधानी बनाया जाना चाहिए। इसके लिए जन भागीदारी भी जरूरी है। सभी के समन्वित प्रयासों से निश्चित तौर पर सुखद एवं बेहतर परिणाम निकलेंगे।

डीटीसी सुबह चार बजे से विभिन्न रूटों पर बढ़ाएगी बसों की संख्या

राज्य ब्यूरो, जागरण • नई दिल्ली

दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) सुबह चार बजे से विभिन्न रूटों पर बसों की संख्या बढ़ाएगी। दिल्ली के बाहरी क्षेत्रों से हवाई अड्डा, रेलवे स्टेशनों और अंतरराज्यीय बस अड्डों आदि से इन्हें जोड़ने पर विचार किया जा रहा है। बसों की कमी को देखते हुए कुछ साल पहले चार बजे से बसों की सेवा में कमी की गई थी। बसों की कमी को देखते हुए कुछ साल पहले कई रूटों पर इस सेवा को चार की जगह पौने पांच बजे से शुरू कर दिया गया था। इस पहल का उद्देश्य उन यात्रियों के लिए सुबह-सुबह बसों की उपलब्धता बढ़ाना है, जो अपने कार्यालय पहुंचने के लिए समय से पहले अपनी यात्रा शुरू करते हैं। ये बसें उन महिला यात्रियों के लिए भी मददगार होंगी जिन्हें सुबह जल्दी अपने बच्चों को स्कूल छोड़ने जाना पड़ता है।

परिवहन आयुक्त और दिल्ली पुलिस आयुक्त के साथ एक बैठक के दौरान एलजी ने उन मार्गों की पहचान करने को कहा है जिन पर इन सेवाओं का विस्तार किया जा सकता है। इस योजना से हवाई अड्डे व रेलवे यात्री, बस अड्डे पर जाने वाले यात्रियों के साथ श्रमिक, स्वास्थ्य कर्मचारी, सुरक्षा कर्मी व घरेलू कामगारों को भी लाभ मिल सकेगा।

▶ **बाहरी क्षेत्रों से हवाई अड्डा, रेलवे स्टेशनों और अंतरराज्यीय बस अड्डों से इन्हें जोड़ने पर किया जा रहा विचार**

महिला व छात्राओं के लिए यू स्पेशल बसें चलाने पर विचार

अधिकारियों ने कहा कि सरकार को पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत अतिरिक्त बसें मिलने की उम्मीद है, और उनमें से कुछ को सुबह के मार्गों पर तैनात किया जाएगा। डीटीसी महिला स्पेशल और छात्राओं के लिए यू स्पेशल मिलाकर 50 और बसें चलाने पर भी विचार कर रही है। इन दोनों श्रेणियों में 25-25 बसें शामिल होंगी। इन्हें भी प्रधानमंत्री ई-ड्राइव योजना की बसें आने पर शुरू किया जाएगा।

200 ग्रेड-एक अफसरों की सीनियर स्केल पर पदोन्नति

राज्य ब्यूरो, जागरण. नई दिल्ली : दिल्ली सरकार के सेवा विभाग ने शुक्रवार को प्रशासनिक स्तर पर एक बड़ा फैसला लेते हुए ग्रेड-एक के 200 योग्य अफसरों को सीनियर स्केल (ग्रुप 'ए') के पद पर पदोन्नति (प्रमोशन) देने का आदेश जारी किया है। यह निर्णय उपराज्यपाल (एलजी) द्वारा डिपार्टमेंटल प्रमोशन कमेटी (डीपीसी) की सिफारिशों को मंजूरी दिए जाने के बाद लिया गया है।

आदेश के मुताबिक, यह पदोन्नति पूरी तरह से दिल्ली हाई कोर्ट में लंबित कुछ अदालती मामलों के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगी। यदि भविष्य में कोर्ट का फैसला इन अफसरों के खिलाफ आता है, तो उन्हें वापस उनके पुराने पद पर भेजा जा सकता है। सेवा विभाग ने आदेश में कहा है कि पदोन्नति पाने वाले सभी अफसरों को एक वचन पत्र भरकर जमा करना होगा। जिसमें अफसरों को यह लिखकर देना होगा कि वे कोर्ट के अंतिम नियमों और शर्तों को पूरी तरह से मानते हैं। इस पूरी प्रक्रिया को विभाग ने 'सर्वोच्च प्राथमिकता' दी है।

गड्ढे में गिरने से गई थी युवक की जान, डीजेबी दे स्वजन को 30 लाख : हाई कोर्ट

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा है कि सड़क पर खोदे गए गड्ढे में गिरने से युवक की मौत दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) की लापरवाही का नतीजा है। दुर्घटना के लिए ठेकेदार को जिम्मेदार ठहराकर दिल्ली जल बोर्ड खुद नहीं बच सकता है। इस टिप्पणी के साथ ही न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव की पीठ ने डीजेबी को मुआवजे के रूप में 30 लाख रुपये मृतक युवक के स्वजन को दिए जाने का आदेश दिया। पीठ ने कहा कि याची को डीजेबी से 50 हजार रुपये मिल चुके हैं। इसलिए बचे हुए 29.50 लाख रुपये का भुगतान तीन माह में किया जाए। साथ ही घटना की तारीख से लेकर भुगतान मिलने की तारीख तक छह प्रतिशत सालाना की दर से साधारण ब्याज भी दिया जाए।

याचिका के अनुसार 17 अप्रैल 2019 की रात एक बाइक सवार युवक ढिचाऊ कलां में जल बोर्ड द्वारा पाइपलाइन के लिए खोदे गए गड्ढे में गिरकर घायल हो गया था। अस्पताल में कुछ दिन चले उपचार के बाद उसकी मौत हो गई थी। इस मामले में मृतक युवक के स्वजन ने डीजेबी पर लापरवाही का आरोप लगाया था। जबकि डीजेबी का तर्क था कि खुदाई का काम ठेकेदार ने किया था और गड्ढे के चारों ओर बैरिकेड लगाए गए थे। हालांकि, अदालत ने कहा कि बोर्ड की यह जिम्मेदारी थी कि वह सार्वजनिक सड़क पर खतरनाक खोदाई वाली जगह पर लगातार निगरानी और तुरंत इमरजेंसी रिस्पान्स की व्यवस्था करे। ऐसे मामलों में सरकार व संस्थान की जिम्मेदारी सिर्फ बैरिकेड लगाने तक ही सीमित नहीं रहती। अदालत ने कहा, मृत व्यक्ति की पत्नी, मां और तीन नाबालिग बच्चे इस घटना के बाद से ही मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। कहा, यह घटना डीजेबी की लापरवाही के कारण हुई है। इसलिए वह ठेकेदार को जिम्मेदार ठहराकर बच सकता, लेकिन जल बोर्ड ठेकेदार से रिकवरी की कार्रवाई शुरू करने के लिए स्वतंत्र है।

अदालत ने रिकार्ड पर लिया कि सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2023 में सड़क निर्माण या मरम्मत के काम के कारण हुए हादसों में 8,246 लोग घायल हुए और 3,904 लोगों की मौत हुई। ऐसी घटनाएं अचानक या अनपेक्षित नहीं होतीं, बल्कि ये प्रशासनिक लापरवाही और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के काम के लिए जरूरी सुरक्षा उपायों को लागू न करने का नतीजा हैं।

▶ **कहा, दुर्घटना के लिए ठेकेदार को जिम्मेदार ठहराकर बच नहीं सकता डीजेबी**

▶ **घटना की तिथि से भुगतान किए जाने तक की समयावधि का देना होगा ब्याज**

दिल्ली हाई कोर्ट। फाइल

समाज की धुरी है परिवार, कर्तव्य बोध से समाज का होगा उत्थान : शांता

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

राष्ट्र सेविका समिति की प्रमुख संचालिका शांता अक्का ने कहा है कि परिवार समाज की धुरी है। यदि महिलाओं और समाज के नागरिकों में कर्तव्य बोध विकसित होगा, तभी समाज की वास्तविक उन्नति संभव है। धर्म आधारित जीवन ही समाज को सही दिशा दे सकता है, जिसका आधार पुरुषार्थ होना चाहिए। शांता अक्का ने कहा कि माता को संकल्प लेकर श्रेष्ठ संतान का जन्म देना चाहिए और उसे समाज के लिए सुसंस्कारित एवं कर्तव्यनिष्ठ बनाना चाहिए। वे संगठन के उत्तर क्षेत्र (हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और दिल्ली) के 15 दिवसीय शिक्षा वर्ग-प्रबोध के समापन कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। यह शिक्षा वर्ग दक्षिणी दिल्ली के नेहरू नगर स्थित जीएलटी सरस्वती बाल मंदिर में छह जून को प्रारंभ हुआ था, जिसमें 84 शिक्षार्थियों सहित कुल 143 सेविकाओं ने भाग लिया।

शांता अक्का ने अपने संबोधन में विवेकानंद, बाल गंगाधर तिलक और छत्रपति शिवाजी की माताओं का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत माता की मुक्ति के लिए उन माताओं ने श्रेष्ठ विचारों की स्थापना के साथ संतान की परवरिश की। ऐसे महान विचार केवल एक मां के ही हो सकते हैं, जो अपनी संतान को राष्ट्र के लिए समर्पित कर दे।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर श्रुति त्रिपाठी और मुख्य अतिथि औद्योगिका आरती सहगल ने शिक्षार्थियों एवं सेविकाओं का उत्साहवर्धन किया।

नेहरू नगर स्थित जी.एल.टी. सरस्वती बाल मंदिर में प्रबोध वर्ग की सेविकाओं को संबोधित करती राष्ट्र सेविका समिति की प्रमुख संचालिका शांता अक्का। जागरण

चार दिवसीय ब्रिक्स ऊर्जा सम्मेलन का आज होगा आगाज

जासं, गुरुग्राम : चार दिवसीय ब्रिक्स ऊर्जा सम्मेलन आज से साइबर सिटी के गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड स्थित होटल ग्रैंड हयात में शुरू होगा। पहले तीन दिन सभी देशों के ऊर्जा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी दिन-प्रतिदिन बढ़ रही ऊर्जा की मांग एवं पश्चिम एशिया में तनाव की वजह से उत्पन्न ऊर्जा संकट पर चर्चा करेंगे। चौथे और अंतिम दिन 25 जून को सभी देशों के ऊर्जा मंत्रियों का सम्मेलन होगा। उसमें अधिकारियों के मंथन से जो निष्कर्ष निकलेंगे, उसके ऊपर निर्णय लिए जाएंगे।

अंतिम दिन भारत सरकार की ओर से ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल के अलावा कई अन्य मंत्री भी शामिल होंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के भी शामिल होने की चर्चा है। पश्चिम एशिया संकट के दौरान आयोजित इस सम्मेलन का खास महत्व है। दुनिया के कई बड़े तेल निर्यातक देश मंच पर होंगे। इन देशों में रूस, ईरान एवं सऊदी अरब भी शामिल हैं। इन्हीं तीनों देशों से भारत सहित दुनिया के अधिकतर देश तेज आयात करते हैं।

बेरोजगार चिकित्सक खर्चा चलाने के लिए महिला बनकर करने लगा ठगी

जागरण संवाददाता, नोएडा

डेटिंग एप पर महिला बनकर पुरुषों को प्रेम जाल में फंसाने वाले एक ठग को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपित कोई साधारण अपराधी नहीं, बल्कि एमबीबीएस, एमडी की डिग्री धारक एक डाक्टर है। आंध्र प्रदेश में एक गलत आपरेशन के मामले में केस दर्ज होने के बाद वह फरार होकर यहां आ गया था। सालभर से बेरोजगार होने के कारण उसने अपना और अपने दो पालतू कुत्तों का खर्च निकालने के लिए ठगी का यह रास्ता चुना।

बेंगलुरु के इंजीनियर सैय्यद अय्यूब इमरान की शिकायत पर पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार किया है। शुरुआती जांच में इमरान समेत दो लोगों से करीब 10 लाख की ठगी का राजफाश हुआ है। डीसीपी साइबर सुरक्षा शैव्या गोयल ने बताया कि आरोपित की पहचान आंध्र प्रदेश के डा. पेदगावेदी रामाकृष्ण के रूप में हुई। वह वर्तमान में टेक्नो प्रोव्यू सिटी सोसायटी में अकेले रहता है। पूछताछ में पता चला है कि अस्पताल से नौकरी छूटने पर बेरोजगार हो गया था। खर्च चलाने के लिए पुरुषों को प्रेमजाल में फंसाकर ठगी करता था।

▶ **गलत आपरेशन के बाद छूटी थी नौकरी, खुद का और दो पालतू कुत्तों का खर्च चलाने के लिए की ठगी**

▶ **डेटिंग एप पर श्रीदेवी नाम से बनाई थी फेक प्रोफाइल, बेंगलुरु के इंजीनियर की शिकायत पर पकड़ा गया**

डेटिंग एप पर बनाई आकर्षक महिला की प्रोफाइल

फ्रेंड समेत डेटिंग एप पर आकर्षक फोटो लगाकर जून 2025 में श्रीशा उर्फ श्रीदेवी नाम से महिला की फेक प्रोफाइल बनाई थी। इससे इमरान व वरिष्ठ वर्मा नाम के दो लोगों को प्रेमजाल में फंसाया था। इमरान से 4.40 लाख रुपये अपने यूनियन बैंक आफ इंडिया के बैंक खाते में ट्रांसफर कराए थे। फिर सिम व वीवो मोबाइल को तोड़कर फेंक दिया था। वरिष्ठ वर्मा से भी ठगी की थी।

नोएडा एयरपोर्ट से एक जुलाई से 12 शहरों के लिए शुरू होंगी नई उड़ानें

जागरण संवाददाता, जेवर

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से एक जुलाई से इंडिगो एयरलाइंस देश के 12 प्रमुख शहरों के लिए कमर्शियल फ्लाइट का संचालन शुरू करेगी। एयरलाइंस ने नई उड़ानों का शेड्यूल जारी करने के बाद टिकट बुकिंग भी शुरू कर दी है। हालांकि इंडिगो 16 जून से ही नोएडा एयरपोर्ट से चार शहरों के लिए प्रतिदिन उड़ानें संचालित कर रही है। अकासा एयर भी नवी मुंबई और बेंगलुरु से नोएडा एयरपोर्ट के लिए फ्लाइटों का संचालन कर रही है। जल्द ही अकासा एयर भी नए शहरों को जोड़ने के लिए शेड्यूल जारी करेगी।

इंडिगो नोएडा एयरपोर्ट से एक जुलाई से नवी मुंबई, श्रीनगर, जोधपुर, धर्मशाला, भोपाल, देहरादून, बरेली, किशनगढ़, लखनऊ, जयपुर, पंतनगर, चंडीगढ़ के लिए अपनी उड़ानें शुरू करने जा रही है। ये उड़ानें प्रतिदिन होंगी। पहले से ही बेंगलुरु, जम्मू, हैदराबाद और अमृतसर के लिए नियमित उड़ानें संचालित की जा रही हैं। नोएडा एयरपोर्ट से कमर्शियल फ्लाइटों के संचालन के बाद से दिल्ली सहित एनसीआर के लोग दिल्ली के जाम से बचने के लिए नोएडा एयरपोर्ट से यात्रा कर रहे हैं। 16 शहरों के लिए उड़ानें संचालित होने के बाद एयरपोर्ट पर यात्रियों की संख्या में और बढ़ोतरी होगी।

कहीं दिल्ली एयरपोर्ट के बराबर तो कहीं का ज्यादा है किराया : नोएडा एयरपोर्ट से दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आइजीआइ) की तुलना की जाए तो ज्यादातर शहरों के लिए हवाई टिकट बराबर है या फिर ज्यादा है, लेकिन एनसीआर के लोग आइजीआइ एयरपोर्ट आने जाने में जाम की समस्या को देखते हुए नोएडा एयरपोर्ट को विकल्प के रूप में प्रयोग कर रहे हैं।

▶ **श्रीनगर, जोधपुर, धर्मशाला, देहरादून, लखनऊ, जयपुर, चंडीगढ़ सहित कुल 16 शहरों के लिए मिलेगी सीधी फ्लाइट**

नोएडा एयरपोर्ट। फाइल

नोएडा एयरपोर्ट और आइजीआइ एयरपोर्ट से तुलनात्मक किराया

शहर	नोएडा से किराया रुपये में	दिल्ली से किराया रुपये में
1.अमृतसर	3038-3390	3007-5019
2.मुंबई	10336	5639-5939
3.बरेली (सोम, बुध, शुक्र, रवि)	3239-3591	3239-3591
4.श्रीनगर	11804-17847	8240-16782
5.भोपाल	4267-4620	4187-4218
6.बेंगलुरु	8398-10148	9340-9501
7.धर्मशाला	4675-5028	6492-10345
8.चंडीगढ़	4837-5692	3433-5863
9.जयपुर	2564-2905	2501-3761
10.जोधपुर	3789-4141	4050-10975
11.पंतनगर	4058	3858-4022
12.किशनगढ़ (मंगल, बृह, शनि)	3998-4351	3992-4351
13.हैदराबाद	5737-6670	5722-7248
14. जम्मू	15279	7418-16482
15 लखनऊ	3053-4220	3002-4485
16.देहरादून	2694	2639 - 5887

तैयारी

जितने घंटे स्ट्रीट लाइट बंद रहेगी, कंपनी को उतने ही घंटों का जुर्माना भरना होगा, लाइट लगाने वाली कंपनी को पांच साल तक हर महीने किस्तों में भुगतान किया जाएगा, हर महीने की किस्त जारी होने से पहले उसमें से जुर्माने की कटी हुई राशि को घटाया जाएगा

खराब स्ट्रीटलाइट पर प्रति घंटे के हिसाब से लगेगा जुर्माना

राज्य ब्यूरो, जागरण • नई दिल्ली

महिला सुरक्षा और सड़कों पर अंधेरे की वजह से हो रहे अपराध से चिंतित सरकार ने अब दिल्ली की सड़कों को रोशन करने के लिए नई नीति लाने का निर्णय लिया है। इसमें स्ट्रीट लाइट खराब होने पर संबंधित एजेंसी को न सिर्फ जवाबदेह बनाया जाएगा, बल्कि प्रतिघंटे के हिसाब से जुर्माना भी वसूलने की तैयारी की जा रही है। इसके साथ ही कंपनियों को भुगतान भी अब मासिक किस्त में किया जाएगा। पायलट प्रोजेक्ट के तहत यह योजना अभी पीडब्ल्यूडी सड़कों पर लागू की जाएगी। इसके बाद विस्तार पर विचार किया जाएगा।

स्ट्रीट लाइट खराब होने के बाद महीनों तक ठीक नहीं किए जाने की लगातार शिकायतें मिल रही हैं। इससे न सिर्फ सड़कों पर अपराध बढ़ रहा है, बल्कि देर रात तक काम करने वाली महिलाओं को भी आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसे देखते हुए दिल्ली सरकार ने नई नीति लाने का निर्णय लिया है। इस पूरी योजना के वित्तीय माडल को सावधानी से तैयार किया जा रहा है, ताकि कंपनियों पर सीधे जुर्माना लगाया जा सके। यही नहीं कंपनियों को अधिक जवाबदेह बनाने के लिए स्ट्रीट लाइट लगाने और पांच साल तक रखरखाव का ठेका लेने वाली कंपनी को पूरा भुगतान एकमुश्त नहीं किया जाएगा। इसके बजाय, सरकार पांच वर्षों की अवधि में कुल 60 मासिक किस्तों में भुगतान देगी।

शिकायत का इंतजार नहीं करेगा डिजिटल कंट्रोल रूम : एक अत्याधुनिक डिजिटल कंट्रोल रूम का निर्माण किया जाएगा। हर स्ट्रीट लाइट इस कंट्रोल रूम से जुड़ी होगी। जैसे ही किसी भी कोने में कोई स्ट्रीट लाइट बंद होगी, उसकी सूचना बिना किसी हस्तक्षेप के कंट्रोल रूम को मिल जाएगी।

प्रतीकात्मक

पीडब्ल्यूडी के अंतर्गत 1440 किलोमीटर लंबी सड़कें आती हैं। जनता की सुरक्षा को देखते हुए इन सड़कों पर रोशनी हमारा पहला कर्तव्य है। इसके लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। दिल्ली भर में स्ट्रीट लाइटों के लिए नई व्यवस्था लागू की जाएगी। जिन कंपनियों को काम मिलेगा, उन्हें जवाबदेह बनाया जाएगा। जितनी लाइटें बंद रहेंगी, उसके जुर्माने को काट कर ही भुगतान होगा।

- प्रवेश वर्मा, लोक निर्माण मंत्री, दिल्ली

काकरोच जनता पार्टी का जंतर मंतर पर दूसरे दिन भी प्रदर्शन जारी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : काकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का जंतर-मंतर पर प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी रहा। एक दिन पहले जहां करीब दो हजार लोग प्रदर्शन में शामिल हुए थे।

रविवार को प्रदर्शनकारियों की संख्या 200 से भी कम हो गई। पार्टी को प्रदर्शन के लिए शनिवार शाम पांच बजे तक की अनुमति मिली थी। इसके बाद पार्टी अध्यक्ष अभिजीत दीपके ने इसकी समयसीमा बढ़ाने का अनुरोध किया था, लेकिन पुलिस ने मंजूरी नहीं दी। इसके बावजूद प्रदर्शन जारी है। दूसरे दिन महिलाओं की आजादी के नाम पर जहां विवादस्पद नारे लगे, तो समर्थकों में आपसी कलह और तिरंगे के अपमान को लेकर बहस होती रही। दूसरे दिन ही अनुमान के अनुसार जन समर्थन न मिलता देख अभिजीत दीपके ने प्रदर्शन के लिए किसानों का समर्थन मांगा।

17 से 19 जून तक भारतीय लोक प्रशासन संस्थान में निर्भय चेतना अभियान के तहत तीन दिवसीय मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम में 40 मास्टर ट्रेनर्स सम्मिलित हुए। आने वाले समय में देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 28,500 मास्टर ट्रेनरों के माध्यम से 17.5 लाख पुरुष प्रतिनिधियों तक पहुंचा जाएगा।

समुद्र में क्षमता बढ़ाए बिना कोई राष्ट्र बड़ी शक्ति नहीं बन सकता : मोदी

प्रधानमंत्री ने स्वदेशी तकनीक से निर्मित तीन युद्धपोतों आइएनएस दूनागिरि, आइएनएस संशोधक व आइएनएस अग्रय को सेना में किया शामिल

कोलकाता में स्वदेशी तकनीक से निर्मित तीन युद्धपोत सेना के बेड़े में शामिल

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कोई भी राष्ट्र समुद्र में अपनी क्षमता बढ़ाए बिना बड़ी शक्ति नहीं बन सकता। समुद्र से ही विकास, सुरक्षा और समृद्धि जुड़ी है। जब समुद्र में किसी भी स्थिति से निपटने में कोई सक्षम होता है तो इससे आर्थिक व रणनीतिक प्रभाव बढ़ता। वह स्वदेशी तकनीक से निर्मित तीन युद्धपोतों आइएनएस दूनागिरि, आइएनएस संशोधक व आइएनएस अग्रय को सेना में शामिल किए जाने के अवसर पर रविवार को कोलकाता के श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट पर लोगों को संबोधित कर रहे थे।

इस दौरान मोदी ने कहा, ये युद्धपोत आत्मनिर्भर, सुरक्षित व विकसित भारत के परिचायक हैं। आज दुनिया का अधिकांश व्यापार समुद्री मार्ग से होता है। दुनिया को जोड़ने वाले डाटा के विशाल नेटवर्क समुद्र के नीचे से गुजरते हैं। आने वाले समय में क्रिटिकल मिनरल्स, डीप सी रिसोर्सेस व नई ऊर्जा के स्रोत भी समुद्र से ही जुड़ेंगे। इसलिए जिस देश का समुद्र में सामर्थ्य जितना मजबूत होगा, उसका आर्थिक व रणनीतिक प्रभाव भी उतना ही बढ़ेगा। देश रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाने और स्वदेशी विनिर्माण को मजबूत करने के लिए लगातार कदम उठा रहा है। उन्होंने कहा कि 21 जून को 'वर्ल्ड हाइड्रोग्राफिक डे' के रूप में भी मनाया जाता है। यह अद्भुत संयोग है कि आज के दिन हमने देश के सबसे उन्नत हाइड्रोग्राफिक जहाज आइएनएस संशोधक का अनावरण किया है।

कोलकाता के श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह पर रविवार को आइएनएस दूनागिरि, आइएनएस संशोधक व आइएनएस अग्रय को नौसेना में सम्मिलित किए जाने के अवसर पर (बाएं से) नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन, बंगाल के राज्यपाल आरएन रवि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी। प्रेट्र

आने वाले वर्षों में बंगाल बनेगा देश की ब्लू इकोनामी

इस दौरान पीएम ने बताया किया कि हाल के वर्षों में 40 से अधिक स्वदेशी युद्धपोत व पनडुब्बियां भारतीय नौसेना में शामिल हुई हैं, जबकि वर्तमान में 45 बड़े नौसैनिक प्लेटफार्म निर्माणाधीन हैं। यह देश की औद्योगिक क्षमता और भविष्य की शक्ति का प्रमाण है। बंगाल आने वाले वर्षों में देश की ब्लू इकोनामी व सामुद्रिक निर्माण के मामले में प्रमुख केंद्र बनने की क्षमता रखता है।

ब्रह्मोस मिसाइल से लैस है दूनागिरि

आइएनएस दूनागिरि अत्याधुनिक हथियारों और सेंसर प्रणालियों के साथ ही ब्रह्मोस मिसाइल से लैस है। ब्रह्मोस सतह से सहत और सतह से से आकाश तक दुश्मन पर सटीक मार करने की क्षमता रखती है। युद्धपोत पर लगे अत्याधुनिक उपकरण व स्टेल्थ तकनीक के कारण यह रडार की पकड़ में नहीं आएगा।

संशोधक देश का चौथा सबसे बड़ा सर्वेक्षण पोत

आइएनएस संशोधक देश का चौथा सबसे बड़ा सर्वेक्षण पोत है। इसे तटीय क्षेत्रों व गहरे समुद्री इलाकों में हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण करने तथा रक्षा एवं नागरिक क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण आंकड़े जुटाने के उद्देश्य से विशेष रूप से डिजाइन किया गया है।

दुश्मन की पनडुब्बियों के छक्के छुड़ा देगा अग्रय

आइएनएस अग्रय पनडुब्बी रोधी युद्धपोत है। उथले समुद्री क्षेत्रों में दुश्मन की पनडुब्बियों और अन्य खतरों का मुकाबला करने में इसे बेहद प्रभावी माना जा रहा है। यह टारपीडो, स्वदेशी राकेट लांचर और उथले जल के लिए विकसित सोनार प्रणाली से लैस है, जिससे समुद्र के भीतर से आने वाले किसी भी खतरे का जवाब दिया जा सकेगा।

समुद्री हितों की रक्षा का अभियान होगा और शक्तिशाली : नौसेना प्रमुख

नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन ने कहा कि देश की युद्धपोत निर्माण क्षमता आधुनिक तकनीक, आत्मनिर्भरता व आत्मविश्वास के बल पर नई गति पा रही है। इन युद्धपोतों के शामिल होने से भारतीय नौसेना की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और समुद्री हितों की रक्षा का अभियान अधिक प्रभावी व शक्तिशाली बनेगा।

'100%' का भ्रामक दावा करने वाली दो कंपनियों पर सीसीपीए ने लगाया जुर्माना

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने 'स्टोरिया फूड्स एंड बेवरेजेज प्राइवेट लिमिटेड' और 'इंग्लिश ओवन' ब्रेड बनाने वाली कंपनी 'मिसेज बेक्टर्स फूड स्पेशलिटीज लिमिटेड' पर एक- एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। सीसीपीए ने रविवार को कहा कि यह जुर्माना इसलिए लगाया गया, क्योंकि इन कंपनियों ने अपने उत्पादों को लेकर विज्ञापनों में "100%" का भ्रामक दावा किया। सीसीपीए ने दोनों कंपनियों को यह भी निर्देश दिया है कि वे प्रोडक्ट की पैकेजिंग, आधिकारिक वेबसाइट और सभी डिजिटल प्लेटफार्म से उन दावों को तुरंत हटा लें।

सीसीपीए ने कहा, 100%' शब्द सटीक और और पूर्ण संख्यात्मक पैमाना है। इसे हल्के-फुल्के ढंग से, अंदाजन या मार्केटिंग स्लोगन के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। सीसीपीए ने 'स्टोरिया फूड्स' के उन विज्ञापनों पर खुद संज्ञान लिया जिनमें "100% टेंडर कोकोनट वाटर" (नारियल पानी) और 100% अनार, मिक्स्ड फ्रूट, आम और अमरूद-मिर्च वाले जूस का दावा किया गया था। इन प्रोडक्ट्स का प्रचार कंपनी की वेबसाइट, प्रोडक्ट पैकेजिंग और ई-कामर्स प्लेटफार्म पर किया गया था। जांच में पता चला कि 100% नारियल पानी का दावा गुमराह करने वाला था। नारियल पानी में प्रिजर्वेटिव्स थे।

पंचायती राज मंत्रालय ने शुरू किया 'निर्भय चेतना' कार्यक्रम

देशभर के 17.5 लाख पुरुष सरपंचों को मिलेगी महिला सुरक्षा की ट्रेनिंग

इनके प्रशिक्षण के लिए 28,500 मास्टर ट्रेनर किए जाएंगे तैयार

माला दीक्षित • जागरण

नई दिल्ली : कल्पना कीजिए एक ऐसे गांव की, जहां पंचायत का सरपंच महिला सुरक्षा को अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी मानता हो। जहां वार्ड का पंच किसी पीड़ित महिला को न केवल थाने तक पहुंचाने में सहयोग करे, बल्कि मुआवजे और कानूनी सहायता की पूरी प्रक्रिया में उसका साथ दे। जहां ग्राम सभा में महिलाओं की बात सुनी जाए, उनके निर्णयों का सम्मान हो। उनकी सुरक्षा को विकास की पहली शर्त माना जाए। यह सिर्फ कल्पना नहीं,पंचायती राज मंत्रालय की सुनिश्चित व सुविचारित पहल है जिसका नाम है 'निर्भय चेतना।'
सरकार का मानना है कि जब प्रधान का सोच बदलता है, तो गांव की तस्वीर बदलती है। इसे साकार करने को सरकार ने तय किया है कि देशभर में पंचायतों के 17.5 लाख से अधिक पुरुष निर्वाचित प्रतिनिधियों को महिलाओं से जुड़े मुद्दों, लैंगिक समानता, संवैधानिक मूल्यों, महिला अधिकारों व उनकी सुरक्षा व गरिमा के प्रति उत्तरदायित्व संबंधी विषयों पर प्रशिक्षित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्य, जिला व ब्लाक स्तर पर 28,500 मास्टर ट्रेनर्स तैयार होंगे, जो निर्वाचित पुरुष प्रतिनिधियों को प्रशिक्षित करेंगे। यह कार्यक्रम महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के सहयोग से निर्भया फंड से संचालित होगा। इसका उद्देश्य उन पुरुषों का सोच बदलना है, जिनकी बात गांव सुनता है।

प्रतीकात्मक

राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2024 में देशभर में महिलाओं के विरुद्ध 4.4 लाख से अधिक अपराध दर्ज हुए, अर्थात हर घंटे में करीब 50 महिलाएं किसी न किसी अपराध की शिकार हुईं। इनमें 42 प्रतिशत से अधिक केस घरेलू क्रूरता के थे। लिहाजा महिला सुरक्षा को लेकर पंचायती राज मंत्रालय ने इस बार नई पहल की है कि अगर हिंसा का स्रोत पुरुष का सोच में है तो समाधान भी वहीं से शुरू होना चाहिए। यह एक ऐसा कार्यक्रम है जो अपराध के बाद न्याय नहीं, अपराध से पहले रोकथाम की बात करता है।

ट्रांसफार्म रूरल इंडिया द्वारा विकसित निर्भय चेतना प्रशिक्षण माड्यूल, समावेशी विकास के लिए पंचायतों में पुरुषत्व की नई परिभाषा देता है जिसमें समूह चर्चा और अनुभव आधारित शिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों का स्वयं से आमना-सामना कराया जाता है। यह प्रशिक्षण एक दर्पण की तरह काम करता है जिसमें यह नहीं बताया जाता कि आप गलत हैं, बल्कि यह पूछता है कि क्या आप बेहतर हो सकते हैं। निर्भय चेतना अभियान शुरू हो चुका है और पिछले सप्ताह 17 से 19 जून तक भारतीय लोक प्रशासन संस्थान में तीन दिवसीय मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम चला। इसमें असम, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा और उत्तराखंड से 40 मास्टर ट्रेनर्स सम्मिलित हुए। यह पहला बैच था। आने वाले समय में देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 28,500 मास्टर ट्रेनरों के माध्यम से 17.5 लाख पुरुष प्रतिनिधियों तक पहुंचा जाएगा।

निर्भय चेतना के साथ ही 'निर्भय नेत्री' के अंतर्गत देशभर की 14.5 लाख महिला निर्वाचित प्रतिनिधियों को कानूनी साक्षरता और क्षमता निर्माण संबंधी प्रशिक्षण दिया जाएगा जिससे वे स्थानीय प्रशासन में अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकें। इसके अलावा 'निर्भय दृष्टि' के माध्यम से पंचायत स्तर पर सुरक्षा तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए सीसीटीवी जैसी व्यवस्थाओं को बढ़ावा दिया जाएगा।

ईरान के साथ ऊर्जा संबंधों को पटरी पर लाने पर होगी बात

जयप्रकाश रंजन • जागरण

- ईरान के पेट्रोलियम मंत्री पाकेनजाद और उप ऊर्जा मंत्री आ रहे भारत
- ब्रिक्स ऊर्जा मंत्रियों के सम्मेलन में रूसी पेट्रोलियम मंत्री भी होंगे शामिल

मोहसिन पाकेनजाद।

हरदीप सिंह पुरी।

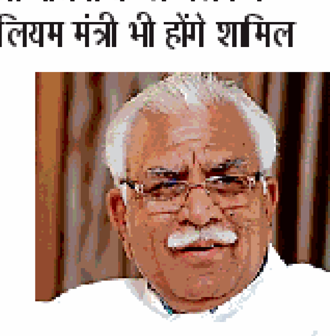
मनोहर लाल। फाइल

नई दिल्ली : पश्चिम एशिया में शांति स्थापित होने को लेकर बन रही उम्मीदों के बीच भारत, ईरान के साथ अपने पारंपरिक ऊर्जा संबंधों को मजबूती देने पर आगे बढ़ रहा है। ईरान की तरफ संकेत है कि वह नए माहौल में भारत के साथ ऊर्जा व्यापार बढ़ाने को तत्पर है। यही वजह है कि अगले हफ्ते ब्रिक्स ऊर्जा मंत्रियों के सम्मेलन (गुरुग्राम में) के लिए ईरान अपने पेट्रोलियम मंत्री मोहसिन पाकेनजाद के नेतृत्व में एक बड़ा दल भेज रहा है। इसमें ईरान सरकार में उप-ऊर्जा मंत्री व कुछ अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल होंगे। इनकी भारत के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी और बिजली मंत्री मनोहर लाल से अलग से द्विपक्षीय मुलाकात होने वाली है जिसमें दोनों देशों के बीच तेल एवं गैस खरीद के अलावा ऊर्जा से जुड़े अन्य मुद्दों पर भी विमर्श होने की संभावना है।

माना जा रहा है कि ईरान सरकार पश्चिम एशिया संघर्ष की समाप्ति के बाद जल्द से जल्द अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल व गैस की खुलकर बिक्री करने की तैयारी में है। अभी उसका सबसे बड़ा खरीदार देश चीन है। अमेरिकी प्रतिबंध की वजह से भारत, ईरान से तेल खरीदना बंद कर चुका है। दूसरी तरफ वैश्विक स्तर पर भारत, चीन के बाद तेल व गैस का दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा खरीददार है। माना जा रहा है कि कच्चे तल की खरीद में भारत, चीन को भी पीछे छोड़ देगा। यूरोप, जापान जैसे अन्य कच्चे तेल के खरीदार देशों में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री बढ़ने से कच्चे तेल की खरीद कम होने वाली है। ऐसे में ईरान के लिए भारत एक प्रमुख तेल क्रेता देश होगा। भारत दशकों तक ईरान से भारी मात्रा में तेल खरीदता रहा है। भारत की कई रिफाइनरियों को ईरान के तेल के लिए बेहद उपयुक्त भी माना जाता है। अब दोनों पक्षों को सिर्फ अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों की समाप्ति का इंतजार है।

अधिकारियों का कहना है कि 25-26 जून, 2026 को गुरुग्राम में ब्रिक्स ऊर्जा मंत्रियों की होने वाली बैठक वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र की स्थिति को देखते हुए काफी अहम होगी। इसमें ऊर्जा सुरक्षा, ऊर्जा तक सभी देशों की पहुंच (खरीद) व ऊर्जा क्षेत्र में समानता जैसे विषयों पर गहन विमर्श होगा। यह बैठक ऐसे समय हो रही है जब दुनिया भर के देश ऊर्जा सुरक्षा, किफायती मूल्य और स्थिरता के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं। साथ ही जलवायु परिवर्तन, तकनीकी बदलाव और ऊर्जा की बढ़ती मांग की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। भारत ब्रिक्स संगठन के ऊर्जा एजेंडा को काफी महत्व देता है क्योंकि इसके तीन प्रमुख देश (रूस, ईरान व यूएई) भारत के सबसे बड़े ऊर्जा सहयोगी देश रहे हैं।

बंगाल के लिए 60 हजार करोड़ रुपये के आवंटन की तैयारी

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

- आज विधानसभा में अपना पहला बजट पेश करेगी नव निर्वाचित भाजपा सरकार
- पीएम ने शुभेंदु को लिखे पत्र में विकास के लिए केंद्र के सहयोग का दिया भरोसा

बंगाल की भाजपा सरकार सोमवार को विधानसभा में अपना पहला बजट पेश करेगी। इसी बीच पीएम नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी को लिखे पांच पन्नों के पत्र में राज्य के विकास के लिए केंद्र की प्रतिबद्धता दोहराते हुए बताया कि बंगाल के लिए 60 हजार करोड़ रुपये का आवंटन प्रक्रियाधीन है।

पीएम ने पत्र में बताया कि जल जीवन मिशन और आधारभूत ढांचा परियोजनाओं समेत लंबित विकास कार्यों को गति देने के लिए करीब 40 हजार करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं। रेलवे के विकास के लिए 15 हजार करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। 60 हजार करोड़ रुपये का आवंटन प्रक्रियाधीन है। उन्होंने कहा,जहां-जहां भाजपा की सरकार है, वहां किसानों को नीति निर्धारण के केंद्र में रखा जाता है और उन्हें विश्वास है कि बंगाल भी इसका अपवाद नहीं होगा। पीएम कहा कि बंगाल में मत्स्य पालन, विनिर्माण, खाद्य प्रसंस्करण, बंदरगाह आधारित विकास, वस्त्र उद्योग, पर्यटन तथा डिजिटल अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। राज्य की रणनीतिक भौगोलिक स्थिति उसे व्यापार और संपर्क का प्रमुख प्रवेश द्वार बना सकती है।

डोभाल-वांग यी के बीच सीमा विवाद पर होगी बात

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- आज भारत के दो दिवसीय दौरे पर आ रहे हैं चीन के विदेश मंत्री
- सीमा विवाद सुलझाने के लिए विशेष प्रतिनिधि हैं डोभाल व वांग यी

अजीत डोभाल। फाइल

वांग यी। फाइल

चीन के विदेश मंत्री वांग यी सोमवार को भारत के दो दिवसीय दौरे पर आ रहे हैं। वह ब्रिक्स देशों के एनएसए की 16वीं बैठक में भाग लेंगे, पर इस यात्रा का सबसे अहम पहलू भारत के एनएसए अजीत डोभाल के साथ द्विपक्षीय वार्ता माना जा रहा है। इस बैठक में भारत-चीन सीमा विवाद और सीमा पर शांति-व्यवस्था जैसे मुद्दों पर गंभीर चर्चा होने की संभावना है। वांग यी व अजीत डोभाल दोनों भारत-चीन सीमा विवाद सुलझाने के लिए की जाने वाली वार्ता में विशेष प्रतिनिधि हैं। इनकी अगुआई में कई दौर की वार्ता हो चुकी है। हालांकि, खास प्रगति नहीं हुई है। इनके बीच सबसे हालिया बैठक (24वें दौर की) अगस्त 2025 में दिल्ली में हुई थी।

विशेष प्रतिनिधि स्तर की वार्ता की शुरुआत करने का फैसला जून, 2003 में तत्कालीन पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की चीन यात्रा के दौरान हुआ था। तब कहा गया था कि सीमा विवाद का राजनीतिक समाधान विशेष प्रतिनिधि स्तर की वार्ता से निकाला जाएगा, पर सीमा विवाद का अंतिम समाधान या वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के निर्धारण पर भी खास प्रगति नहीं हुई है। उल्टे विशेष प्रतिनिधि स्तर की वार्ता के बावजूद दोनों देशों के बीच रह-रहकर सीमा पर सैन्य तनाव पैदा हो जाते हैं।

भारत का मानना है कि चीन स्थायी समाधान के प्रति गंभीर नहीं है और वह एलएसी को बदलने की लगातार कोशिश करता है। दूसरी तरफ, चीन कहता है कि हमें दोनों देशों के बीच सीमा विवाद को पुराने नजरिए से नहीं देखना चाहिए। चीन पैकेज समाधान की भी बात करता रहा है, पर मामले में ठोस प्रगति नहीं दिखाई देती है। अगस्त, 2025 की वार्ता में भी दोनों पक्षों ने सीमा क्षेत्रों में शांति व स्थिरता बनाए रखने पर सहमति जताई थी।

भारत-चीन के बीच सीमा विवाद दशकों पुराना है। 2020 में पूर्वी लद्दाख की गलवन घाटी में हिंसक झड़प के बाद दोनों देशों के बीच गतिरोध गहरा गया था। कई दौर की सैन्य और कूटनीतिक वार्ताओं के बाद 2024 के अंत में डेपसांग और डेमचोक क्षेत्रों में काफी हद तक सैन्य वापसी हो चुकी है और सीमा पर अपेक्षाकृत शांति है। लेकिन इस बात के कोई संकेत नहीं हैं कि दोनों देशों के बीच सीमा विवाद के पूर्ण समाधान को लेकर कोई व्यवस्था बन पाई है। भारतीय पक्ष का स्पष्ट रुख है कि जब तक सीमा पर पूरी तरह से शांति व स्थिरता स्थापित नहीं हो जाती। विस्थापन के बाकी मुद्दों का समाधान नहीं निकलता, तब तक द्विपक्षीय संबंध सामान्य नहीं हो सकते।

वांग यी की यात्रा मुख्य रूप से ब्रिक्स के एनएसए की बैठक के लिए है, जो भारत की अध्यक्षता में 22-23 जून को नई दिल्ली में हो रही है। इस बैठक में ब्रिक्स देशों के एनएसए वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों, आतंकवाद, साइबर सुरक्षा व सितंबर में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की तैयारियों पर चर्चा करेंगे। भारत इस साल ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है। इस मंच का प्रयोग वह बहुपक्षीय सहयोग बढ़ाने के साथ-साथ द्विपक्षीय मुद्दों के हल के लिए कर रहा है।

केंद्र सरकार ने तुषार मेहता को तीन साल के लिए फिर सालिसिटर जनरल नियुक्त किया

- कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने दी नियुक्ति को मंजूरी

नई दिल्ली, आइएएनएस : केंद्र सरकार ने तुषार मेहता को अगले तीन साल के लिए फिर से भारत का सालिसिटर जनरल नियुक्त किया है। यह नियुक्ति एक जुलाई 2026 से प्रभावी होगी। कार्मिक व प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) के आदेश के अनुसार, कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने तुषार मेहता की पुनः नियुक्ति के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

सालिसिटर जनरल पद पर तुषार मेहता की तीसरी बार पुनर्नियुक्ति की गई है। अतिरिक्त सालिसिटर जनरल के तौर पर काम करने के बाद, मेहता को अक्टूबर 2018 में सालिसिटर जनरल नियुक्त किया गया था। उनका कार्यकाल 2020 और 2023 में भी बढ़ाया गया था। मेहता सालिसिटर जनरल के रूप में लगभग आठ वर्ष पूरे कर चुके हैं और नए कार्यकाल के अंत तक इस पद पर 11 वर्ष पूरे करने वाले हैं, जिससे वे देश के इतिहास में सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले विधि अधिकारियों में से एक बन जाएंगे। सालिसिटर जनरल के रूप में, मेहता ने सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न उच्च न्यायालयों के समक्ष कई महत्वपूर्ण संवैधानिक, नीतिगत और आपराधिक मामलों में केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व किया है। कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने सुप्रीम कोर्ट के लिए पांच अतिरिक्त सालिसिटर जनरल (एएसजी) की तीन साल के कार्यकाल के लिए पुनर्नियुक्ति को भी मंजूरी दे दी है। विक्रमजीत बनर्जी और केएम. नटराज की पुनर्नियुक्ति एक जुलाई से जबकि एसवी. राजू, एन. वेंकटरमन और ऐश्वर्या भाटी की पुनर्नियुक्ति 30 जून, 2026 से प्रभावी होगी।

तुषार मेहता। फाइल

इससे पहले दो बार बढ़ाया जा चुका है कार्यकाल

दिल्ली हाई कोर्ट के लिए एएसजी चेतन शर्मा की पुनर्नियुक्ति को मंजूरी : एक अन्य निर्णय में कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने दिल्ली हाई कोर्ट के लिए अतिरिक्त सालिसिटर जनरल चेतन शर्मा की पुनर्नियुक्ति को भी मंजूरी दी है। उनका कार्यकाल एक जुलाई, 2026 से छह माह के लिए या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, प्रभावी रहेगा।

सिर्फ शुल्क प्रतिपूर्ति से आरटीआई के दायरे में नहीं आएंगे निजी स्कूल

नईदुनिया प्रतिनिधि, बिलासपुर

- छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने सीआइसी का आदेश किया निरस्त,
- कहा- संस्था पर सरकार का गहरा व व्यापक नियंत्रण जरूरी

छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने निजी शिक्षण संस्थानों से जुड़े मामले में स्पष्ट किया है कि सिर्फ शुल्क प्रतिपूर्ति या सरकारी उपक्रम के साथ वित्तीय व्यवस्था होने मात्र से कोई निजी स्कूल सूचना के अधिकार (आरटीआइ) अधिनियम के तहत सार्वजनिक प्राधिकरण नहीं बन जाता। कहा, किसी संस्था को आरटीआइ के दायरे में लाने के लिए उस पर सरकार का व्यापक नियंत्रण या पर्याप्त सरकारी वित्तपोषण होना जरूरी है।

न्यायमूर्ति अमितेंद्र किशोर प्रसाद ने यह फैसला कोरबा स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल की याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। स्कूल प्रबंधन ने केंद्रीय सूचना आयोग (सीआइसी) के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें संस्था को सार्वजनिक प्राधिकरण मानते हुए उसके प्राचार्य को 'डीम्ड पब्लिक इंफार्मेशन आफिसर' घोषित किया गया था और सूचना उपलब्ध नहीं कराने पर पांच हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया था। मामला एक पूर्व कर्मी की सेवा समाप्ति के बाद शुरू हुआ था। कर्मी के स्वजन ने आरटीआइ के तहत स्कूल के प्रशासनिक व सेवा संबंधी मामलों की जानकारी मांगी थी। हाई कोर्ट ने पाया कि दक्षिण पूर्वी कोलफील्ड्स लिमिटेड के साथ स्कूल की व्यवस्था सिर्फ कर्मियों के बच्चों को रियायती शिक्षा मुहैया कराने व उससे होने वाले घाटे की भरपाई तक सीमित है। इसे 'पर्याप्त वित्तीय सहायता' नहीं माना जा सकता।

कह कर रहेंगे

माधव जोशी

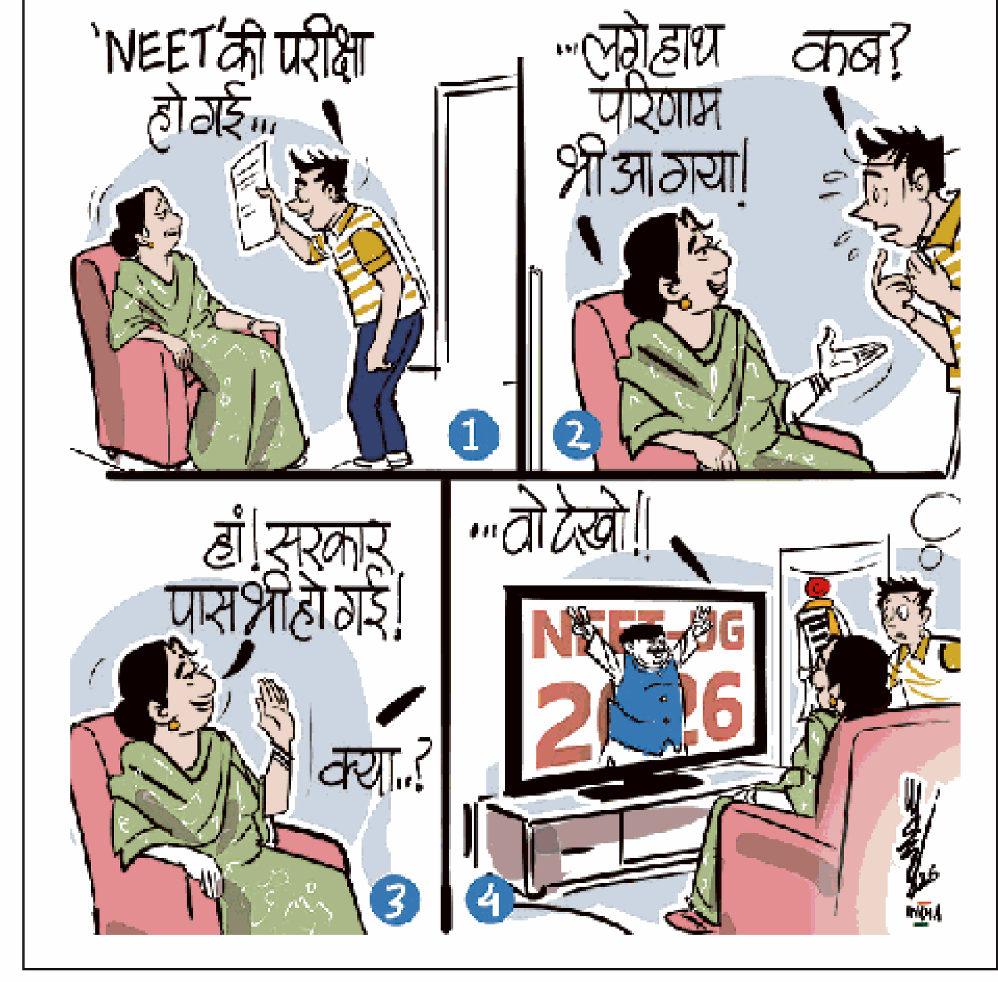

132 सीटें मिली थी भाजपा को 2024 के महाराष्ट्र विस चुनाव में। 57 सीटें एकनाथ शिंदे की शिवसेना को तो उद्धव की शिवसेना को 20 सीटें मिलीं थी।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार, 22 जून, 2026

निशांत करेंगे जदयू का नेतृत्व, राष्ट्रीय और राज्य परिषद की बैठक में सहमति

अगले 30–40 वर्षों तक जदयू का नेतृत्व करने में सक्षम रहेंगे निशांत : संजय झा

पार्टी की राष्ट्रीय परिषद की बैठक में जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर नीतीश के निर्वाचन की पुष्टि

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना

जदयू की राष्ट्रीय व राज्य परिषद की बैठक में रविवार को तय हो गया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत ही पार्टी की कमान संभालेंगे। राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष व राज्यसभा सदस्य संजय कुमार झा ने दोनों बैठकों में इसकी घोषणा की। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, रामनाथ ठाकुर, प्रदेश जदयू अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, जदयू विधायक दल के नेता एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार और मंत्री अशोक चौधरी ने भी अपने संबोधन में पार्टी की इस लाइन की पुष्टि की।

संजय झा ने कहा कि निशांत जदयू का नेतृत्व करने के लिए सक्षम हैं। स्वास्थ्य मंत्री के नाते वह अपनी क्षमता साबित भी कर रहे हैं। हम आशा करते हैं कि वह आने वाले 30-40 वर्षों तक पार्टी का नेतृत्व करेंगे। नीतीश कुमार के कार्यों को आगे बढ़ाएंगे। जदयू के सदस्यों की संख्या एक करोड़ से अधिक हो गई है। आने वाले दिनों में यह और बढ़े, हम सबको इसका प्रयास करना होगा। संजय झा और दूसरे नेता जब अपने संबोधन में निशांत को जदयू का भविष्य बता रहे थे, बैठक में शामिल प्रतिनिधि ताली बजाकर उसका समर्थन कर रहे थे।

निशांत। फाइल

राष्ट्रीय परिषद की बैठक में जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर नीतीश और राज्य परिषद की बैठक में प्रदेश अध्यक्ष के पद पर उमेश सिंह कुशवाहा के निर्वाचन की भी पुष्टि की गई।

विश्वास पर खरे उतरेंगे : स्वास्थ्य मंत्री निशांत ने उन पर विश्वास करने के लिए पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। कहा कि वह नेतृत्व और पार्टी के समर्थकों के विश्वास पर खरे उतरेंगे। नीतीश के कार्यों को आगे बढ़ाएंगे। कहा कि संगठन के विस्तार और मजबूती के लिए राज्य के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा करेंगे। उन्होंने पार्टी की सदस्यता अभियान की सफलता को जनता के अटूट विश्वास का प्रतीक बताते हुए कहा कि युवाओं को सम्मानजनक रोजगार, महिलाओं को आत्मनिर्भरता तथा बुजुर्गों को सुरक्षित सामाजिक जीवन उपलब्ध कराना हमारी प्रतिबद्धता है।

जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश ने सम्राट चौधरी के नेतृत्व में चल रही राज्य सरकार की प्रशंसा की। पार्टी की राष्ट्रीय परिषद की बैठक में उन्होंने कहा कि आने वाले पांच वर्षों में विकसित बिहार का लक्ष्य हासिल हो जाएगा। एक करोड़ लोगों को नौकरी और रोजगार देने के लक्ष्य को भी एनडीए की राज्य सरकार पूरा करेगी। सात निश्चय-3 के लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में भी राज्य सरकार सकारात्मक कदम उठा रही है। राज्य के विकास में योगदान के लिए नीतीश ने केंद्र सरकार की प्रशंसा की। कहा कि संगठन को मजबूत बनाने में उनकी भूमिका पहले की तरह रहेगी।

पार्टी संविधान में बदलाव के लिए नीतीश अधिकृत

जदयू की राष्ट्रीय परिषद ने दल के संविधान में परिवर्तन के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश को अधिकृत कर दिया है। बैठक में पारित प्रस्तावों की जानकारी देते हुए राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि इस आशय के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से मंजूरी मिल गई। उन्होंने बताया कि पार्टी की चल एवं अचल संपत्तियों से संबंधित प्रस्ताव में कहा गया है कि इसके लिए ट्रस्ट का गठन किया जाएगा।

सब कुछ गंवाकर उद्धव बागी सांसदों के विरुद्ध मोर्चा खोलने उनके क्षेत्रों में निकले

ओमप्रकाश तिवारी • जागरण

- शिवसेना (यूबीटी) के छह बागी सांसद अब खुलकर एकनाथ शिंदे की शिवसेना के पक्ष में आए
- आज से बागी सांसदों ने भी पूरा शक्ति प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने क्षेत्रों में जाने का निर्णय किया

मुंबई : एक तरफ शिवसेना (यूबीटी) के छह बागी सांसद अब खुलकर एकनाथ शिंदे की शिवसेना के पक्ष में आ गए हैं, तो दूसरी ओर अपने दो तिहाई सांसदों को गंवाकर उद्धव ठाकरे अब अपने बागी सांसदों के विरुद्ध मोर्चा खोलने उनके क्षेत्रों में निकल पड़े हैं। अब तक शिवसेना (यूबीटी) से धाराशिव के सांसद ओमराजे निंबालकर को लेकर ऊहापोह का माहौल बना हुआ था। वह खुलकर एकनाथ शिंदे की शिवसेना के पक्ष में नहीं आए थे। लेकिन, रविवार की शाम अपने कार्यकर्ताओं से चर्चा करने के बाद उन्होंने खुलकर कह दिया कि वह अपने क्षेत्र के विकास के लिए उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना में जा रहे हैं। उन्होंने उद्धव के प्रति पूरा सम्मान जताते हुए अपने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे मातोश्री के प्रति कोई अप्रिय बात न कहें। दूसरी ओर, उद्धव ने अब बागी सांसदों के क्षेत्रों में जाकर जनजागरण करने का फैसला किया है। पार्टी में फूट की खबर आने के बाद से ही वह स्वयं एवं उनकी पार्टी के प्रवक्ता शिवसैनिकों को भड़काते आ रहे हैं कि वे इन सांसदों से जवाब-तलब करें।

संजय राउत ने तो सांसदों को तोड़ने के लिए एकनाथ शिंदे की ओर से चलाए जा रहे आपरेशन टाइगर के जवाब में आपरेशन तुड़वा चलाने का भी आह्वान किया था। इस पर उद्धव ठाकरे गुट के शिवसैनिकों ने कुछ स्थानों पर बागी सांसदों के पुतले फूंके एवं उनकी प्रतीकात्मक शवयात्राएं भी निकालीं। प्रेट्र के अनुसार, राउत ने रविवार को कहा कि जनता के गुस्से से डरे कुछ बागी सांसद सेना (यूबीटी) के संपर्क में हैं। बहरहाल, अब उद्धव बागी सांसदों के क्षेत्र में जा-जाकर अपनी पार्टी का शक्ति प्रदर्शन करना चाहते हैं, ताकि यह सिद्ध कर सकें कि बागी सांसद अपनी ताकत के बल पर नहीं, बल्कि शिवसेना (यूबीटी) की ताकत के बल पर चुनकर आए थे। उद्धव ने आज इस अभियान की शुरुआत मुंबई उत्तर-पूर्व से टूटकर गए सांसद संजय दीना पाटिल के मुहल्ले भांडुप से कर दी है। अगले सप्ताह वह बाकी पांच सांसदों के क्षेत्र में भी जाएंगे। अब बागी सांसदों ने भी खुलकर मैदान में आने का निश्चय कर लिया है। सोमवार से इन सांसदों ने भी पूरा शक्ति प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने क्षेत्रों में जाने का निर्णय किया है। चूंकि वे सत्तारूढ़ महायुति का हिस्सा बनने जा रहे हैं, और उन्हें सरकार का संरक्षण प्राप्त है, इसलिए उनके भी हौसले बुलंद हैं। कल केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कोल्हापुर की एक सभा में कहा था कि अभी तक शिंदे की शिवसेना के आगे शिंदे गुट लगाना पड़ता था। लेकिन, अब कोई दूसरा गुट बचा ही नहीं है। अब शिंदे के नेतृत्ववाली शिवसेना ही एकमात्र शिवसेना रह गई है। राज्य विधानमंडल सत्र सोमवार को शुरू हो रहा है। इसकी पूर्व संध्या पर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए एकनाथ शिंदे ने संकेत दिया कि 'आपरेशन टाइगर' सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है, तो उनके बगल में बैठे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी यह कहकर चुटकी ली कि आपरेशन सफल हो गया है, अब शरीर बिल्कुल स्वस्थ है।

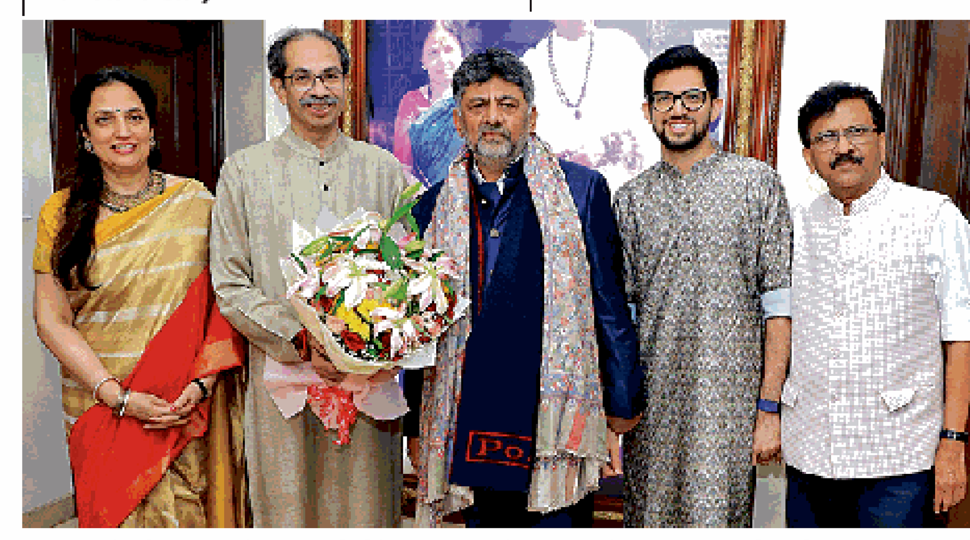
उद्धव ठाकरे की कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से मुलाकात के दौरान उद्धव की पत्नी रश्मिवाहिनी, उनके पुत्र आदित्य ठाकरे और पार्टी नेता संजय राउत भी उपस्थित थे। एक्स@ShivSenaUBT_

असली शिवसेना केवल मेरे नेतृत्व वाली : उद्धव ठाकरे

उद्धव ठाकरे ने अमित शाह के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व वाली पार्टी ही एकमात्र असली शिवसेना है। शाह ने कहा था कि केवल एकनाथ शिंदे गुट ही असली शिवसेना है। भांडुप में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उद्धव ने कहा कि उनके पिता बाल ठाकरे द्वारा स्थापित अविभाजित शिवसेना ने 30 साल तक कांग्रेस से लड़ाई लड़ी, लेकिन कांग्रेस ने कभी भी शिवसेना को चुराने या खत्म करने की कोशिश नहीं की, जैसा कि भाजपा कर रही है। बगावत की खबरों के बीच उद्धव ने स्पष्ट किया कि वे हतोत्साहित नहीं हैं।

उप्र कांग्रेस में बड़े बदलावों की हलचल

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- हट सकते हैं कई चुनावों की विफलता के बाद भी पदों पर जमे राष्ट्रीय सचिव
- संगठन के पुनर्गठन में कई जिलों में बदलाव संभव, अध्यक्ष पद पर असमंजस

उत्तर प्रदेश में विस चुनाव के लिए गर्माते माहौल के बीच कांग्रेस में भी बदलाव की हलचल शुरू हो गई है। कुछ राज्यों में पार्टी हाईकमान ने संगठन के पुनर्गठन का मन बना लिया है, जिसमें उत्तर प्रदेश भी शामिल है। प्रदेश अध्यक्ष पद को लेकर अभी असमंजस दिख रहा है, लेकिन कई चुनावों की विफलता के बाद भी पदों पर जमे राष्ट्रीय सचिवों का बदला जाना लगभग तय है। पहले ही आपत्तियों व शिकायतों का संज्ञान ले चुका पार्टी नेतृत्व कई जिलाध्यक्षों को बदलने की भी तैयारी में है।

कांग्रेस लोस चुनाव की तरह विस चुनाव भी सपा के साथ गठबंधन में लड़ने का निर्णय कर चुकी है। सीटों को लेकर बातचीत चल रही है, लेकिन प्रदेश स्तरीय नेताओं के बीच तालमेल के लिए अभी कोई व्यवस्था नहीं बनाई गई है।

पार्टी सूत्रों ने बताया कि पिछले दिनों राष्ट्रीय नेतृत्व ने पार्टी के प्रदेश अध्यक्षों और प्रभारी महासचिवों के साथ बैठक की थी। इसमें राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा भी शामिल हुए थे। प्रदेश की समीक्षा के दौरान वरिष्ठ नेताओं ने वहां हुए संगठन सृजन पर फिर नाखुशी व्यक्त की। इसके बाद से दिल्ली से लखनऊ तक चर्चा है कि कभी भी संगठन में बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। इनमें खास तौर पर धीरज गुर्जर, तौकीर आलम, राजेश तिवारी और प्रदीप नरवाल की जिम्मेदारी बदली जा सकती है।

प्रतीकात्मक।

जब प्रियंका प्रदेश की प्रभारी महासचिव बनी थीं, तभी से ये राष्ट्रीय सचिव जमे हुए हैं। चुनावी असफलताओं के बाद प्रदेश अध्यक्ष बदल दिया गया, लेकिन टीम प्रियंका बताए जाने वाले ये सचिव नहीं हटाए जा सके।

बताया जा रहा है कि राहुल गांधी के सीधे हस्तक्षेप के बाद ही प्रदेश संगठन में मजबूत दखल रखने वाले प्रियंका के करीबी संदीप सिंह को हटाया गया और अब इन सचिवों को भी हटाने की तैयारी है। जातीय समीकरणों को नए सिरे से सजाने के क्रम में प्रभारी महासचिव अविनाश पांडेय की जिम्मेदारी भी बदल सकती है। पार्टी के कुछ नेताओं का दावा है कि चूंकि सपा मुखिया अखिलेश यादव के साथ प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का तालमेल अपेक्षाकृत ठीक नहीं है, इसलिए गठबंधन को सहज व मजबूत रखने के लिए उनके स्थान पर किसी और को यह जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। तर्क यह भी है कि असमंजस के कारण ही अभी तक अजय राय को इतने समय बाद भी प्रदेश की टीम नहीं दी गई है।

सपा सांसदों के दलबदल की खबर प्रसारित करने पर मुकदमा

जासं, लखनऊ : समाजवादी पार्टी के सांसदों के दलबदल की खबर इंटरनेट मीडिया और यूट्यूब पर प्रसारित करने के विरोध में पुलिस से शिकायत की गई है।

मोहनलालगंज से सपा सांसद आरके चौधरी के मुख्य सलाहकार एवं पार्टी के जिला उपाध्यक्ष टीबी सिंह की तहरीर पर पुलिस ने अभिषेक शांडिल्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। टीबी सिंह ने आरोप लगाया कि इंटरनेट मीडिया पर सपा सांसदों के दलबदल संबंधी भ्रामक वीडियो और पोस्ट प्रसारित कर पार्टी की छवि धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि सपा के सभी 37 सांसद राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में एकजुट हैं। दलबदल की खबरें पूरी तरह निराधार हैं। सांसद प्रतिनिधि तरुण रावत ने बिना नाम लिए प्रदेश सरकार के एक मंत्री पर राजनीतिक लाभ के लिए अफवाहें फैलाने का आरोप लगाया है। इंस्पेक्टर सतीश चंद्र राठौर ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

अंदरूनी कलह के बीच उद्धव से मिले डीके शिवकुमार

- मुलाकात के बाद कांग्रेस के साथ विलय की अटकलें तेज, सांसदों को नया नोटिस जारी कर मांगा गया जवाब

मुंबई, एएनआइ : कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने मातोश्री में शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे से मुलाकात की। शनिवार को हुई यह अहम बैठक शिवसेना (यूबीटी) में चल रही अंदरूनी कलह के बीच हुई। पार्टी के छह लोकसभा सांसदों ने संसदीय दल की बैठक में हिस्सा नहीं लिया था। बैठक में उद्धव की पत्नी रश्मि ठाकरे, युवा सेना प्रमुख आदित्य ठाकरे और सांसद संजय राउत मौजूद थे। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा, मुंबई में महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और उनके परिवार के साथ-साथ सांसद संजय राउत से मिलकर खुशी हुई। हमारी अच्छी बातचीत हुई और हमने जनहित के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

'आपरेशन टाइगर' की चर्चाओं के बीच, शिवसेना (यूबीटी) के कई सांसदों के एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल होने की संभावना है। यह 2022 में हुई उस टूट जैसी स्थिति हो सकती है, जब पार्टी के नौ सांसद अलग हो गए थे।

शिवकुमार और उद्धव की मुलाकात के बाद कांग्रेस से विलय की अटकलें तेज हो गईं। हालांकि, ठाकरे ने साफ कर दिया कि पार्टी का कांग्रेस के साथ विलय नहीं होगा।

उन्होंने कहा, आपको लगता है कि शिवसेना कांग्रेस के साथ विलय कर लेगी, लेकिन ऐसा नहीं होगा।

इस बीच, शनिवार को लोकसभा में पार्टी के चीफ व्हिप अनिल देसाई ने पार्टी के उन सांसदों को एक नया 'शो-काज नोटिस' जारी किया जो अनुपस्थित थे, और उन्हें अयोग्य ठहराने की चेतावनी दी। उन्हें अपने व्यवहार के लिए लिखित स्पष्टीकरण देने के लिए 24 घंटे की सख्त समय-सीमा दी गई है।

लगातार हार से घिरा बघेल माडल, फिर भी कांग्रेस का भूपेश पर भरोसा बरकरार

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया • रायपुर

- पूर्व मुख्यमंत्री की देखरेख में कांग्रेस का प्रदर्शन पिछले कुछ साल में रहा है बेहद निराशाजनक
- भाजपा का तंज- बघेल जहां-जहां चुनाव प्रबंधन करते हैं, वहां पार्टी की हार हो जाती है निश्चित

झारखंड राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार प्रणव झा की अप्रत्याशित हार ने पार्टी आलाकमान को गहरा झटका दिया है। इस पराजय ने न केवल कांग्रेस की अंदरूनी गुटबाजी को उजागर किया है, बल्कि चुनाव पर्यवेक्षक और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के चुनावी प्रबंधन पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। बघेल के नेतृत्व में कांग्रेस की लगातार चुनावी विफलताओं का सिलसिला अब लंबा होता जा रहा है। इसके बावजूद, पार्टी नेतृत्व का उन पर भरोसा कायम रहना राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है।

2021 के असम चुनाव में बघेल को मुख्य प्रभारी बनाया गया था, जहां पार्टी को करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। इसके बाद 2023 में उनके मुख्यमंत्री रहते छत्तीसगढ़ की सत्ता हाथ से निकल गई। इतना ही नहीं, छत्तीसगढ़ के नगरीय निकाय चुनावों और रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भी बघेल अपने करीबी उम्मीदवार को जीत दिलाने में पूरी तरह नाकाम रहे। नगरीय निकायों व पंचायत चुनाव में भी कांग्रेस को अपेक्षित परिणाम नहीं मिला।

अजय चंद्राकर का तंज : बधाई देने आ रहे राहुल गांधी

भाजपा के कद्दावर नेता और पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने तीखा हमला बोला है। चंद्राकर ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का छत्तीसगढ़ दौरा दरअसल भूपेश बघेल को एक और हार की बधाई देने के लिए हुआ है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि बघेल जहां-जहां चुनाव प्रबंधन के लिए जाते हैं, वहां कांग्रेस की हार निश्चित हो जाती है।

महुआ के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की तैयारी में टीएमसी के बागी सांसद

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

- पार्टी की लोकसभा सदस्य महुआ का आरोप-सांसदों ने 40-40 करोड़ लेकर छोड़ी पार्टी

तृणमूल छोड़कर नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी आफ इंडिया (एनसीपीआइ) में शामिल हुए बागी सांसद पार्टी की लोकसभा सदस्य महुआ मोइत्रा के उस बयान के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की तैयारी कर रहे हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि गद्दारों ने 40-40 करोड़ रुपये में सौदा किया है। महुआ ने इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट में दावा किया था कि प्रत्येक सांसद को चार करोड़ रुपये अग्रिम मिले हैं और शेष 36 करोड़ रुपये 36 महीनों में एक-एक करोड़ रुपये की किस्तों में मिलेंगे।

सूत्रों के अनुसार, हाल में काकोली घोष दस्तीदार, शताब्दी राय समेत 20 बागी सांसदों ने वर्चुअल बैठक कर महुआ महुआ के खिलाफ उठाए जाने वाले कदमों पर चर्चा की।मानहानि का मुकदमा दायर करने के विकल्प पर भी विचार किया गया। बागी सांसदों का आरोप है कि महुआ ने सार्वजनिक मंचों और इंटरनेट मीडिया पर उनके बारे में अपमानजनक एवं निराधार टिप्पणियां की हैं। दरअसल, हाल के दिनों में तृणमूल में बड़े पैमाने पर टूट हुई है। लोकसभा के 28 में से 20 सांसद तृणमूल छोड़कर एनडीए समर्थित एनसीपीआइ में शामिल हो गए। महुआ ने पार्टी नहीं छोड़ी और वह पूर्व मुख्यमंत्री ममता तथा अभिषेक के साथ बनी हुई हैं। महुआ ने एनसीपीआइ के खुद को 'गरीब समर्थक' बताने वाले दावे पर तीखा तंज कसा। एनसीपीआइ के फेसबुक पेज पर दावा किया गया है कि पार्टी समाज के गरीब लोगों की मदद करती है। उम्मीद है कि वह तृणमूल छोड़कर पार्टी में शामिल हुए 20 'अमीर गद्दारों' की भी मदद करेगी।

महुआ मोइत्रा। फाइल

बागी सांसदों-विधायकों पर सवाल

महुआ ने तृणमूल के तीन आधिकारिक बैंक खातों को फ्रीज किए जाने के मुद्दे पर कहा कि बागी सांसदों और विधायकों को पहले यह स्पष्ट करना चाहिए कि हाल में संपन्न विधानसभा चुनाव में प्रचार के लिए पार्टी से मिला धन हिसाब-किताब में दर्ज था या नहीं। यदि बागियों का मानना है कि उन्होंने चुनाव में बेहिसाबी धन का इस्तेमाल किया और उसी के आधार पर जीत हासिल की, तो नैतिकता के आधार पर उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

रायपुर में राहुल गांधी बोले-पार्टी हित में गुटबाजी से रहें दूर

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया • रायपुर

- संगठन सृजन अभियान के तहत रायपुर में आयोजिक प्रशिक्षण शिविर में शामिल हुए राहुल

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने छत्तीसगढ़ कांग्रेस के जिलाध्यक्षों को गुटबाजी से दूर रहने की सलाह दी है। वे संगठन सृजन अभियान के तहत रविवार को रायपुर में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में पहुंचे थे। प्रशिक्षण शिविर में मौजूद जिलाध्यक्षों ने बताया कि राहुल ने कहा है कि जिलों के सभी वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं की बातों को ध्यानपूर्वक सुनें लेकिन अंतिम निर्णय लेते समय पार्टी के हित और संगठन की मजबूती को प्राथमिकता दें।

राहुल ने कहा कि ऐसा कोई भी कार्य नहीं होना चाहिए, जिससे पार्टी को नुकसान पहुंचे। यदि कोई नेता या कार्यकर्ता पार्टी की नीतियों के विपरीत कार्य करता है तो उसकी जानकारी प्रदेश नेतृत्व को देकर उचित कार्रवाई सुनिश्चित करें। आगामी विस चुनावों में जिलाध्यक्षों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। संगठनात्मक और राजनीतिक फैसलों में उनकी राय को महत्व दिया जाएगा। इस बीच प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने कहा कि जब-जब लोगों की जमीन छीनी जाएगी तब-तब वे छत्तीसगढ़ आएंगे। जरूरत पड़ी तो 10 बार भी आएंगे, लेकिन जनता की आवाज उठाने से पीछे नहीं हटेंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राहुल गांधी के रायपुर दौरे पर कहा कि पार्टी का काम है, लोग आते-जाते रहते हैं लेकिन सच्चाई यह भी है कि राहुल गांधी जहां-जहां जाते हैं, उसका हश्र क्या होता है, यह पूरा देश जानता है।

राहुल गांधी। फाइल

राष्ट्रीय फलक

बर्खास्त एएसआइ ने गोल्डी बराड़ से दिलाई थी डिफेंस कारोबारी को धमकी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

10 करोड़ की रंगदारी मामले में पंजाब पुलिस के बर्खास्त एएसआइ समेत तीन हो चुके हैं गिरफ्तार

- साजिश में शामिल कुछ अन्य आरोपितों के खिलाफ जारी किया गया है लुक आउट सर्कुलर

रक्षा उपकरण बनाने वाली देश की नामी कंपनी के मालिक साहिल लूथरा से खालिस्तान समर्थक और कुख्यात गैंगस्टर गोल्डी बराड़ गिरोह के नाम पर 10 करोड़ की रंगदारी मांगने की साजिश लूथरा की कंपनी में काम करने वाले पंजाब पुलिस के बर्खास्त एएसआइ जसवंत सिंह ने परिचित गुरपिंदर सिंह उर्फ प्रिंस और शमशेर सिंह उर्फ सैम के साथ मिलकर रची थी। तीनों को बीते 13 जून को तरनतारन और अमृतसर से क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया था। इनसे पूछताछ में चौकाने वाली जानकारी मिली है। जसवंत सिंह फिलहाल पुलिस रिमांड पर है, जबकि शमशेर और गुरपिंदर को जेल भेज दिया गया है। जसवंत सिंह मास्टरमाइंड है।

क्राइम ब्रांच के विशेष आयुक्त एचजीएस धालीवाल का कहना है कि गोल्डी बराड़ और गोदारा गिरोह को रंगदारी वसूलने की जिम्मेदारी सौंपने पर पिछले हफ्ते बराड़ ने साहिल लूथरा को धमकी दी थी। इसके बाद गोदारा ने कनाडा, अमेरिका, यूके, यूक्रेन आदि देशों के नंबरों से लूथरा को कई माह तक धमकी दी थी। धमकी दिलाने के लिए जसवंत सिंह ने गैंगस्टरों को मोटी रकम दी थी, लेकिन बात नहीं बनते देख उसने शमशेर और गुरपिंदर से धमकी दिलाना शुरू कर दिया था। इस मामले में अभी कई आरोपितों को गिरफ्तार किया जाना है। कुछ के खिलाफ क्राइम ब्रांच ने लुक आउट सर्कुलर भी जारी करवाया है। बार-बार धमकी देने के बावजूद पैसे नहीं देने पर बीते दिसंबर में बदमाशों ने चाणक्यपुरी के मालचा रोड पर स्थित साहिल की कोठी के बाहर डराने के मकसद से गोलियां भी चलवाईं थीं।

रेलमंत्री ने जयपुर में मेगा कोचिंग टर्मिनल का किया उद्घाटन

जासं, जयपुर : रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को जयपुर के खातीपुरा रेलवे स्टेशन पर 205 करोड़ रुपये की लागत से तैयार अत्याधुनिक मेगा कोचिंग टर्मिनल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने जयपुर-दरभंगा अमृत भारत एक्सप्रेस को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। नई ट्रेन में आठ स्लीपर और एक सामान्य कोच लगाए गए हैं, जिससे राजस्थान, उप्र और बिहार के यात्रियों को सुविधा मिलेगी। मेगा कोचिंग टर्मिनल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित निरीक्षण प्रणाली और आधुनिक रखरखाव सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे रेलों के रखरखाव की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

पंजाब को एटीएम की तरह प्रयोग कर रही आप सरकार : नितिन नवीन

विजय मौर्य • जागरण

- लुधियाना पहुंचे भाजपा अध्यक्ष, कहा-गुरुओं का अपमान करने वालों को सजा देने, अभिशापित सरकार को हटाने का समय

लुधियाना : भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन पंजाब के तीन दिवसीय दौरे के दूसरे दिन लुधियाना पहुंचे। यहां पार्टी के सर्किल कार्यकर्ताओं के सम्मेलन के दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी सरकार ने कर्ज ले-लेकर पंजाब को एटीएम की तरह इस्तेमाल किया है। राज्य में भाजपा की सरकार बनने पर उनसे पाई-पाई का हिसाब लिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि अब गुरुओं का अपमान करने वालों को सजा देने और अभिशापित सरकार को हटाने का समय आ गया है। इस सरकार ने लोगों को ठगा है। रंगला पंजाब का झूठा नारा दिया है। पंजाब इस समय नशे, गैंगस्टरवाद और कर्ज की मार झेल रहा है। इसी कारण आप सरकार के प्रति जनता का आक्रोश बढ़ गया है। इस संकट से पंजाब को भाजपा ही निकाल सकती है, क्योंकि भाजपा जो कहती है वह करती है। हमने कहा था अनुच्छेद 370 खत्म करेंगे, हमने करके दिखा दिया। उन्होंने दावा किया कि पंजाब की जनता बदलाव चाहती है और 2027 में भाजपा की सरकार बनेगी। सरकार बनने के बाद राज्य को कर्ज और भ्रष्टाचार से मुक्त बनाया जाएगा।

नितिन नवीन ने कहा कि पंजाब की जनता ने बड़ी उम्मीदों के साथ आम आदमी पार्टी को सत्ता सौंपी थी लेकिन सरकार लोगों की अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर सकी। केंद्र सरकार द्वारा विकास कार्यों के लिए भेजी गई बड़ी राशि का सही उपयोग नहीं हुआ।

पंजाब आज करीब 4 लाख 32 हजार करोड़ रुपये के कर्ज के बोझ तले दबा हुआ है। उन्होंने एलान किया पंजाब में भाजपा की सरकार बनने पर यहां से रेवेन्यू जनरेट कर कर्ज के बोझ को खत्म करने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जाएंगे।

22 राज्यों में भाजपा की सरकार, अब पंजाब की बारी

नितिन नवीन ने कहा कि बंगाल समेत 22 राज्यों में आज भाजपा की सरकारें है। अब पंजाब की बारी है। कार्यकर्ताओं से अपील कि अगर पंजाब में भाजपा की सरकार बनानी है तो इसके लिए वे बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करे।

21 जून 2015 से हुई थी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुरुआत। भारत के प्रस्ताव पर संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 11 दिसंबर 2014 को इसे मनाने की मंजूरी दी थी।

दुनियाभर में 'स्वस्थ बुढ़ापे' की थीम पर मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

जीवन के हर पड़ाव पर शारीरिक तंदुरुस्ती में योग की अहमियत पर दिया गया जोर

2014 में यूएन के अपनाने पर प्रतिवर्ष 21 जून को मनाते हैं अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

न्यूयार्क, प्रेट्र : न्यूयार्क, प्रेट्र : अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर रविवार को जापान में टोक्यो के ऐतिहासिक मंदिरों से लेकर अमेरिका में न्यूयार्क के मशहूर टाइम्स स्क्वायर तक योग प्रेमियों ने भारत की इस प्राचीन परंपरा के जरिये 'स्वस्थ बुढ़ापे' का संदेश दिया। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2014 में इसे अपनाए जाने के बाद से हर वर्ष 21 जून को दुनियाभर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम "स्वस्थ बुढ़ापे के लिए योग" था। इसमें जीवन के हर पड़ाव पर शारीरिक तंदुरुस्ती, मानसिक मजबूती और संपूर्ण सेहत को बढ़ावा देने में योग की अहमियत पर जोर दिया गया।

टोक्यो के ऐतिहासिक सुकिजी होंगन-जी मंदिर में भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित समारोह में 2100 से अधिक योग प्रेमियों ने हिस्सा लिया। अमेरिका के डेलावेयर में और न्यूयार्क के टाइम्स

न्यूयार्क के टाइम्स स्क्वायर पर भी विभिन्न देशों के योग प्रेमियों ने योग किया। रायटर

स्क्वायर पर भी अलग-अलग देशों के योग प्रेमियों ने योग किया। मास्को में भारतीय दूतावास के जवाहरलाल नेहरू सांस्कृतिक केंद्र ने मास्को सिटी की सरकार के साथ मिलकर योग दिवस का आयोजन किया जिसमें सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लिया।

चीन के शंघाई में भारत के महावाणिज्य दूतावास द्वारा आयोजित कार्यक्रम में राजनयिकों व शिक्षाविदों सहित लगभग 400 लोगों ने योग किया। ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त पी. कुमारन ने लंदन के हालैंड पार्क में योग प्रेमियों व भारतीय मूल के लोगों के साथ योग किया।

जर्मनी की राजधानी बर्लिन स्थित भारतीय दूतावास ने 'आर्ट आफ लिविंग' के सहयोग से 500 से अधिक लोगों के साथ योग दिवस मनाया।

आस्ट्रेलिया के कैनबरा में प्राचीन संसद भवन में बड़ी संख्या में लोगों ने 'योग आस्ट्रेलिया' के सीईओ जोश प्रायर के निर्देशन में योग किया। सिंगापुर में राज्यमंत्री व भारतीय समुदाय समेत सैकड़ों लोगों ने जोश के साथ योग किया।

न्यूजीलैंड में भारतीय उच्चायोग ने आर्ट आफ लिविंग फाउंडेशन के सहयोग से योग दिवस मनाया। फिनलैंड में भारतीय दूतावास ने संसद भवन के सामने ऊडी लाइब्रेरी में योग सत्र का आयोजन किया।

क्वालालंपुर में भारतीय उच्चायुक्त व नेताजी सुभाष चंद्र बोस भारतीय संस्कृति केंद्र द्वारा आयोजित योग सत्र में 1100 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। इटली में मिलान स्थित मशहूर 'आर्को डेला पेस' पर लोगों ने योग किया।

इसी तरह तुर्किये, स्पेन, सऊदी अरब, बांग्लादेश, नेपाल, कनाडा, श्रीलंका, ओमान, यूएई, स्लोवेनिया, रोमानिया, इंडोनेशिया, स्काटलैंड, मोजांबिक, आयरलैंड और कजाखस्तान में भी योग सत्रों का आयोजन किया गया।

दिल्ली की मुख्यमंत्री और उपराज्यपाल ने हजारों लोगों के साथ किया योग, दिया निरोग का संदेश

200 से अधिक स्थानों पर आयोजित योग शिविर में 50 हजार से अधिक लोगों ने किया योग

- हर वर्ग व आयु के लोगों ने उत्साहपूर्वक योग के विभिन्न आसन किए, साथ ही जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लिए

जेएलएन स्टेडियम में आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योग करते फिल्म अभिनेता अक्षय कुमार व केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया। विपिन शर्मा

योग दिवस पर असोला भाटी वन्यजीव अभयारण्य में योगाभ्यास करतीं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता। सौ. दिल्ली सरकार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

रविवार को दिल्ली योगमय हो गई। हर वर्ग व आयु के लोगों ने उत्साहपूर्वक योग के विभिन्न आसन किए और उसे जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लिया। इस वर्ष योग दिवस की थीम 'स्वस्थ आयु के लिए योग' रही, जिसमें लोगों को स्वस्थ, सक्रिय और संतुलित जीवन का संदेश दिया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने असोला-भाटी में नीली झील किनारे सैकड़ों योग साधकों के साथ योगाभ्यास किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली को स्वस्थ, सक्रिय और तनावमुक्त बनाने की दिशा में योग एक महत्वपूर्ण माध्यम है। नियमित योगाभ्यास लोगों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाएगा और एक स्वस्थ, ऊर्जावान और जागरूक दिल्ली के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री के साथ मंत्री सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा, सांसद रामबीर सिंह बिधूड़ी व विधायक करतार सिंह तंवर सहित वरिष्ठ नेता व अधिकारियों ने भी योगाभ्यास किया। उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने पूर्वी दिल्ली में सैकड़ों योग प्रेमियों के साथ विवेक विहार स्थित यमुना स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में योग किया। उनके साथ केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, डीडीए के उपाध्यक्ष एन सरवण कुमार उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में योग प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इसी तरह अन्य आयोजनों में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान व मनसुख मांडविया समेत दिल्ली सरकार के मंत्री, भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारी, विभिन्न विभागों के अधिकारी व समेत अन्य ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

योग दिवस की वैश्विक गूंज

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को विश्व भर के लोगों ने भाग लिया। (ऊपर बाएं से दाएं) न्यूयार्क के प्रसिद्ध टाइम्स स्क्वायर में, पोर्ट ब्लेयर में तीनों सेनाओं के जवानों और मिस्र में गीजा के पिरामिड के सामने, (मध्य बाएं से दाएं) लाहौर में महिलाओं, मैसूरु पैलेस के सामने और गुजरात के राजकोट में पूल में योगाभ्यास किया गया। जबकि (नीचे) लद्दाख की पैंगोंग त्सो झील के सामने भारतीय सेना के जवानों ने सूर्य नमस्कार के सभी चरणों को योग के माध्यम से प्रदर्शित किया। एपी/प्रेट्र/आइएएनएस

बिहार के स्कूल-कालेजों के पाठ्यक्रम में शामिल होगा योग : सम्राट चौधरी

जागरण संवाददाता, पटना

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि योगाभ्यास को जन-जन तक पहुंचाने के लिए अगले वर्ष से प्रदेश के विद्यालयों और कालेजों के पाठ्यक्रम में इसे शामिल किया जाएगा। बगैर कोई खर्च के योगाभ्यास स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन के लिए सबसे सरल और सटीक है। योग भारत की प्राचीन एवं अमूल्य सांस्कृतिक विरासत है। यह स्वस्थ शरीर, शांत मन और संतुलित जीवन का आधार है। अपनी दिनचर्या में योगाभ्यास को शामिल करें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से योग को वैश्विक पहचान मिली है। यह बातें उन्होंने पटना के कंकड़बाग स्थित पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स परिसर में रविवार को 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कही।

कहा कि योग केवल एक व्यायाम पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक समग्र शैली है। नियमित योगाभ्यास से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है तथा व्यक्ति तनावमुक्त एवं ऊर्जावान जीवन जी सकता है। लोगों को स्वस्थ रखने के लिए प्रतिवर्ष स्वास्थ्य विभाग एक बड़ा बजट खर्च करता है। बिहार सरकार राज्य में खेल, स्वास्थ्य एवं युवा कल्याण को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

अगले सत्र से तीसरी से नौवीं तक शामिल होगा योग : सैनी

जासं, पंचकूला : हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने घोषणा की है कि अगले शैक्षणिक सत्र में तीसरी कक्षा से नौवीं तक के पाठ्यक्रम में योग को शामिल किया जाएगा। वर्तमान में छठी कक्षा में योग पाठ्यक्रम का हिस्सा है। सीएम ने योग दिवस के मौके पर पंचकूला स्थित परेड ग्राउंड में 10 हजार से अधिक लोगों के साथ योग करने के बाद यह बात कही। प्रदेश के सभी विद्यालयों में योग और योग शिक्षा को नियमित रूप से प्रोत्साहित करने के लिए सभी पीटीआइ, डीपीइडी, पीजीटी और चिह्नित पीआरटी शिक्षकों को योगासनों का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।

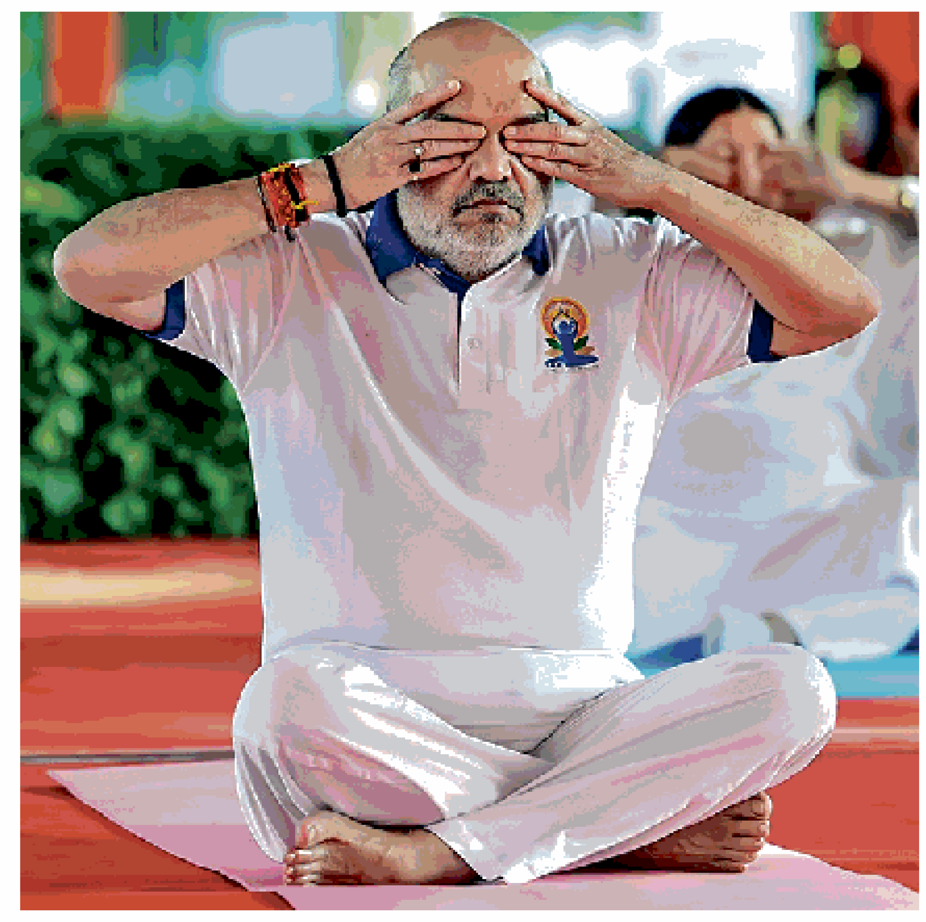
कुछ के लिए योग ना सिर्फ सामान्य जीवन का हिस्सा होता है बल्कि उसका सकारात्मक प्रभाव भी स्पष्ट रूप से दिखता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी रविवार को अहमदाबाद में एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। शाह की दिनचर्या की जानकारी रखने वालों के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने नियमित योग, व्यायाम और स्वस्थ जीवन शैली से 25 से 30 किलो वजन कम किया है। यह स्पष्ट तौर पर दिखता भी है। व्यस्ततम दिनचर्या के बावजूद वह प्रतिदिन डेढ़ से दो घंटे योग और व्यायाम करते हैं। इसके बल पर उन्होंने ना सिर्फ डायबिटीज को कम कर लिया है बल्कि इंसुलिन डोज तो काफी पहले बंद हो चुकी है। प्रेट्र

राष्ट्रपति ने कहा, योग दुनिया को भारत की सांस्कृतिक विरासत की अनमोल देन

प्रथम पृष्ठ से आगे

केंद्रीय मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों और राज्यपालों ने देश भर में हुए योग सत्रों में हिस्सा लिया। सफेद सलवार-कुर्ता पहने हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने जबलपुर के गैरिसन ग्राउंड में सामूहिक योग सत्र में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि योग दुनिया को भारत की सांस्कृतिक विरासत की एक अनमोल देन है, जो कई वैश्विक चुनौतियों के बीच मानवता को शांति और सद्भाव की ओर ले जाने में अहम भूमिका निभाता है। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन लद्दाख के स्पितुक में एस्ट्रो टर्फ स्टेडियम में सैकड़ों योग प्रेमियों के साथ शामिल हुए। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने झांसी किला परिसर में "आसन" किए। मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत ने सुप्रीम कोर्ट परिसर में कर्मचारियों, जजों व वकीलों के साथ योग किया।

सियाचिन में सेना के जवानों ने शून्य से भी कम तापमान में किया योग : देशभर में बड़ी संख्या में सशस्त्र बलों के जवानों ने योग

जबलपुर में रविवार को योगाभ्यास करतीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु। प्रेट्र

सत्रों में हिस्सा लिया। युद्धक्षेत्र सियाचिन में सेना के जवानों ने शून्य से भी कम तापमान में योग कर अदम्य साहस का संदेश दिया। यहां सेना के 'सियाचिन स्निफर्स' कहे जाने वाले प्रशिक्षित श्वान भी सत्र का हिस्सा बने। प्रसिद्ध डल झील के साथ ही गुलमर्ग, पहलगाम, गुरेज, सोनमर्ग, दूधपथरी आदि पर्यटन स्थलों के साथ ही उत्तराखंड में चीन-नेपाल सीमा के उच्च हिमालयी क्षेत्रों से लेकर गंगा घाटियों तक सामूहिक योगाभ्यास का भव्य आयोजन किया गया। चारधाम, आदि कैलास, पंच बदरी और पंच केदार सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों पर योग सत्र का आयोजन हुआ।

उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी और एटा जिलों के मदरसों में सैकड़ों छात्रों ने विशेष योग सत्रों में भाग लिया। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित आगरा के ताजमहल से लेकर तेलंगाना के वारंगल किले तक योग सत्र का आयोजन हुआ। उत्तर प्रदेश में फतेहपुर सीकरी, राजस्थान में डीग पैलेस, तेलंगाना में वारंगल किला, कर्नाटक में बीदर किला और केरल में बेकल किला में लोगों ने योग किया। एएसआइ के अधिकार क्षेत्र में देशभर में 3,686 पुरातात्विक स्थल और स्मारक हैं। ठाणे सेंट्रल जेल सहित देश की विभिन्न जेलों में भी योग सत्र के आयोजन हुए।

'फाइनेंसर को नही मिल सकता चोरी हुए वाहन का क्लेम'

माला दीक्षित • जागरण

- सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के फैसले को उचित ठहराया
- वाहन मालिक जिस वाहन को फाइनेंसर को सौंप चुका, उसके चोरी होने पर बीमा कंपनी से दावा नहीं कर सकता

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में ये बात स्पष्ट की है कि वाहन मालिक जिस वाहन को पैसा न चुका पाने पर फाइनेंसर को सौंप चुका है, उसके चोरी होने पर फाइनेंसर बीमा कंपनी से नुकसान भरपाई का दावा नहीं कर सकता। कोर्ट ने कहा कि कानून की यह तय स्थिति है कि बीमा अनुबंध सिर्फ बीमा कराने वाले व्यक्ति और बीमा कंपनी के बीच निजी कांट्रैक्ट होता है, और कोई तीसरा पक्ष उस कांट्रैक्ट के आधार पर कोई दावा नहीं कर सकता। अगर यह मान भी लिया जाए कि बीमा कराने वाले व्यक्ति ने गाड़ी अपीलकर्ता (फाइनेंसर) को सौंप भी दी थी, तब भी यह बात बनी रहती है कि अपीलकर्ता (फाइनेंसर) को गाड़ी का मालिक नहीं माना जा सकता, और इसलिए बीमा कंपनी को फाइनेंसर को नुकसान की भरपाई करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता।

क्या है पूरा मामला? : यह फैसला जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस विजय बिश्नोई की पीठ ने राष्ट्रीय

सुप्रीम कोर्ट। फाइल

उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के फैसले को सही ठहराते हुए सुनाया है। कोर्ट ने आयोग के फैसले के खिलाफ दाखिल अपील खारिज कर दी है। कर्नाटक के मैसुरु के इस मामले में सोमशेखर ने के. प्रकाशचंद्र से पैसे लेकर यानी फाइनेंस करा कर गाड़ी खरीदी। गाड़ी का बीमा भी कराया। लेकिन, बाद में आर्थिक तंगी के चलते वह कर्ज का भुगतान नहीं कर पाया और उसने 13 दिसंबर, 2003 को गाड़ी फाइनेंसर को सौंप दी। आरोपों के मुताबिक, जब वो गाड़ी फाइनेंसर के पास थी, चोरी हो गई। जिसकी एफआइआर हुई, लेकिन पुलिस गाड़ी नहीं ढूंढ पाई और क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर दी। इसके बाद फाइनेंसर ने बीमा कंपनी से गाड़ी का क्लेम मांगा। मगर बीमा कंपनी ने क्लेम खारिज कर दिया। इसके बाद अपीलकर्ता फाइनेंसर ने सेवा में कमी के लिए जिला उपभोक्ता फोरम के सामने शिकायत की और मुआवजा दिलाने की मांग की।

बीमा कंपनी की दलील : बीमा कंपनी की दलील थी कि अपीलकर्ता बीमा कंपनी और वाहन मालिक के बीच हुए कांट्रैक्ट का हिस्सा नहीं था, इसलिए वह सेवा में कमी का जिम्मेदार नहीं है। और न ही अपीलकर्ता द्वारा वाहन उसे सौंपे जाने का कोई दस्तावेज ही दिया गया है। लेकिन, जिला उपभोक्ता फोरम ने बीमा कंपनी को दो महीने के भीतर 5,27,850 रुपये देने का आदेश दिया। बीमा कंपनी ने आदेश को राज्य उपभोक्ता आयोग में चुनौती दी, मगर राज्य आयोग ने अपील खारिज कर दी। इसके बाद बीमा कंपनी ने राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग में पुनर्विचार याचिका दाखिल की। राष्ट्रीय आयोग ने उपभोक्ता फोरम और राज्य आयोग का आदेश खारिज करते हुए कहा कि बीमा कंपनी को क्लेम देने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। राष्ट्रीय आयोग के फैसले को अपीलकर्ता फाइनेंसर ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी जिसे उसने खारिज कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय आयोग के फैसले को सही ठहराते हुए कहा कि अपीलकर्ता और बीमा कंपनी के बीच अनुबंध न होने की स्थिति में अपीलकर्ता के कब्जे से वाहन चोरी होने पर बीमा कंपनी पर जिम्मेदारी डालना उचित नहीं होगा।

कोर्ट ने कहा कि राष्ट्रीय आयोग का यह कहना बिल्कुल सही है कि बीमा कंपनी को दावा स्वीकार करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता, क्योंकि अपीलकर्ता, बीमा कंपनी और बीमित व्यक्ति के बीच हुए अनुबंध का हिस्सा नहीं है। अपीलकर्ता और बीमा कंपनी के बीच कोई अनुबंध का संबंध नहीं है।

सम्मान

लाहौर के कालेज में पंजाब के पूर्व सीएम के नाम पर क्लासरूम

पाकिस्तान के सैयद बाबर ने दिया यह सम्मान, दोनों में भाइयों जैसा था रिश्ता, हरचरण सिंह बराड़ अगस्त 1995 से नवंबर 1996 तक रहे थे पंजाब के मुख्यमंत्री

जागरण संवाददाता, श्री मुक्तसर साहिब

लाहौर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान एचिसन कालेज में पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री हरचरण सिंह बराड़ के नाम पर एक क्लासरूम का नाम रखा गया है। मुक्तसर जिले के सरायनागा गांव के रहने वाले हरचरण सिंह बराड़ अगस्त 1995 से नवंबर 1996 तक पंजाब के मुख्यमंत्री रहे। उनका निधन सितंबर 2009 में हुआ था।

हरचरण सिंह बराड़ ने 1936 से 1943 तक इसी कालेज में पढ़ाई की थी। बराड़ की बहू और मुक्तसर से पूर्व विधायक करण कौर बराड़ ने बताया कि यह सम्मान उनके ससुर के बचपन के दोस्त और पाकिस्तान के नामी उद्योगपति सैयद बाबर अली दे रहे हैं। काफी समय पहले हरचरण बराड़ ने इस कालेज की लाइब्रेरी का उद्घाटन भी किया था। बाबर अली की 100वीं जन्मतिथि 30 जून को है, लेकिन मुहर्रम के कारण इसका जश्न सात जून को मनाया जा चुका है। इसी

हरचरण सिंह बराड़। फाइल फोटो

मौके पर क्लासरूम समर्पित हुआ है। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बराड़ की बेटी बबली बराड़ पाकिस्तान पहुंची थीं।

मां को उर्दू में चिट्ठियां लिखते थे बराड़ : बाबर अली ने पाकिस्तान में एक वीडियो इंटरव्यू में दोस्ती के किस्से साझा किए। उन्होंने बताया कि तीसरी कक्षा में वे अलग सेक्शन में थे, लेकिन चौथी में साथ आने पर बराड़ से उसकी पक्की दोस्ती हो गई। हरचरण पढ़ाई में अच्छे थे, मैं भी कम नहीं था। हमारी सोच मिलती थी। वह गुरुद्वारा जाते, मैं मस्जिद, पर धर्म कभी बीच में नहीं आया। दोनों साथ पढ़ते, पंजाबी में बात करते और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा रखते थे। उन्होंने यह भी याद किया कि बराड़ को उर्दू से खास लगाव था और वे अपनी मां को उर्दू में ही चिट्ठियां लिखते थे। विभाजन के बाद जब वे अमेरिका से लौटे तो बराड़ को फिरोजपुर बार्डर पर मिले। हालांकि, सुरक्षा के लिहाज से हम दोनों एक-दूसरे को कुछ नहीं दे सके। विभाजन से पहले एचिसन कालेज पाकिस्तान का सबसे प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान माना जाता था, जिसने कई बड़े राजनेता और अफसर दिए।

जानलेवा साबित हो रहे उत्तरी हरिद्वार के गंगा घाट

जागरण संवाददाता, हरिद्वार

- अधिकांश घाटों पर न सुरक्षा के इंतजाम और न चेतावनी बोर्ड, भीड़ से बचने के लिए सुनसान घाटों का रुख कर रहे श्रद्धालु

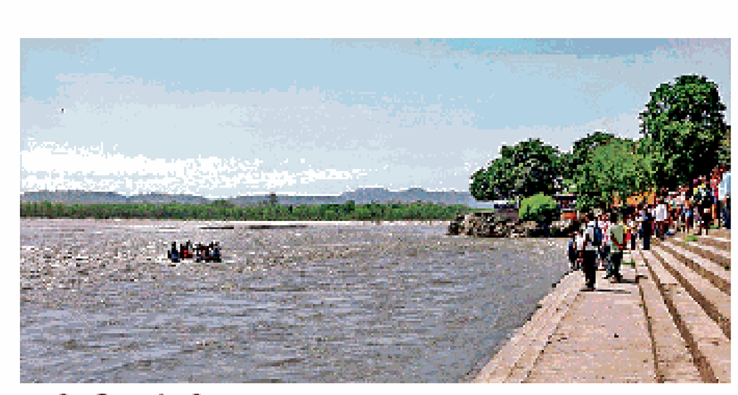
उत्तरी हरिद्वार के वीरान घाट : जागरण

चारधाम यात्रा सीजन में उत्तरी हरिद्वार के गंगा घाट श्रद्धालुओं के लिए जानलेवा साबित हो रहे हैं। दरअसल, हरकी पैड़ी क्षेत्र में भीड़ से बचने के लिए श्रद्धालु स्नान के लिए उत्तरी हरिद्वार का रुख कर रहे हैं। लेकिन वहां अधिकांश घाटों पर सुरक्षा के इंतजाम नहीं हैं और गंगा की मुख्य धारा होने के चलते पानी का बहाव और गहराई ज्यादा है। कई श्रद्धालु चेतावनी बोर्ड लगे होने के बावजूद निर्धारित सीमाओं से आगे बढ़ जाते हैं। कुछ लोग सेल्फी लेने या रोमांच के लिए भी तेज बहाव वाले हिस्सों तक पहुंच जाते हैं, जिससे दुर्घटनाएं हो रही हैं।

दो महीने के यात्रा सीजन में 10 से ज्यादा श्रद्धालु अपनी जान गंवा चुके हैं। महज एक सप्ताह के भीतर गुजरात व दिल्ली के दो श्रद्धालुओं सहित तीन लोगों की डूबने से मौत हुई है। चारधाम यात्रा सीजन इस समय अपने चरम पर है। हरकी पैड़ी से लेकर मध्य हरिद्वार तक सभी गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ है। वीकेंड पर शनिवार और रविवार को श्रद्धालुओं और पर्यटकों की भीड़ कई गुना बढ़ जाती है। ऐसे में भीड़ से बचने के लिए दूसरे राज्यों के श्रद्धालु उत्तरी हरिद्वार के अलग-अलग घाटों पर स्नान के लिए पहुंचते हैं। हरकी पैड़ी सहित हरिद्वार के प्रमुख घाटों पर जल पुलिस के गोताखोर तैनात रहते हैं। लेकिन उत्तरी हरिद्वार के गंगा घाटों पर न जल पुलिस तैनात है और न श्रद्धालुओं को खतरे वाली जगहों पर जाने से रोकने की कोई व्यवस्था है। कुछ घाटों पर चेतावनी बोर्ड जरूर लगे हैं।

कुछ श्रद्धालु व पर्यटक वीरान व असुरक्षित घाटों पर स्नान के लिए चले जाते हैं। ऐसे घाटों को चिह्नित कर चेतावनी बोर्ड भी लगाए गए हैं। हाल ही में सामने आई घटनाओं को देखते हुए पुलिसकर्मियों की तैनाती की जा रही है। – **नवनीत सिंह, एसएसपी हरिद्वार**

27 किलो हेरोइन बरामद की है बीएसएफ के जवानों ने भारत-पाकिस्तान सीमा के नजदीक शहूरा गांव में रविवार सुबह। बरामदगी के बाद दोपहर दो बजे तक बीएसएफ और पुलिस ने सर्च आपरेशन जारी रखा।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार, 22 जून, 2026

शासन-प्रशासन के सहयोग से मिली परीक्षार्थियों के हौसलों को उड़ान

अस्पताल में भर्ती छात्रा को लेकर शिक्षा मंत्री के दखल से परीक्षा के लिए किए गए विशेष इंतजाम

जेल में बंद छात्र को न्यायालय से अनुमति मिलने के बाद प्रशासन ने कड़ी सुरक्षा में उसे पहुंचाया परीक्षा केंद्र

जागरण टीम, नई दिल्ली

शासन और प्रशासन रविवार को नीट की तैयारियों को लेकर ही सतर्क नजर नहीं आया, बल्कि उसने साबित किया कि वह परीक्षार्थियों के हौसलों को उड़ाने देने के लिए भी हर संभव मदद को तैयार है। इसका उदाहरण कोलकाता, सीतामढ़ी और अजमेर से सामने आया है। नौ पसलियां टूटने और गंभीर सर्जरी के बाद भी कोलकाता में एक छात्रा अस्पताल से परीक्षा देने पहुंची तो सीतामढ़ी में जेल में बंद परीक्षार्थी न्यायालय की अनुमति लेकर हथकड़ी में परीक्षा केंद्र पहुंचा। अजमेर में धार्मिक परिधान को लेकर विवाद के बाद नियमों के अनुरूप अभ्यर्थी को प्रवेश मिला।

गत 14 जून को हुए भीषण सड़क हादसे में कोलकाता की सृष्टि दुबे की नौ पसलियां टूट गई थीं और फेफड़ों में गंभीर चोट लगने के कारण वैस्कुलर सर्जरी करनी पड़ी थी। कई दिन वेंटीलेटर पर रहने के बावजूद उन्होंने

दिल्ली सरकार ने नीट अभ्यर्थियों को गर्मी से बचाने के लिए कूलिंग जोन बनाए थे। एएनआइ

डाक्टर बनने का सपना नहीं छोड़ा और रविवार को अस्पताल से परीक्षा केंद्र जाकर परीक्षा दी। सृष्टि की गंभीर स्थिति को देखते हुए उनके पिता श्रीराम शिवजी दुबे ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पत्र लिखकर विशेष व्यवस्था की मांग की थी। प

त्र में लिखा था कि उनकी बेटी परीक्षा के लिए सालभर की गई मेहनत को बेकार नहीं जाने देना चाहती। वह अस्पताल के कपड़ों, चेस्ट ड्रेन और अन्य मेडिकल उपकरणों के साथ परीक्षा दे सकती है। मामले का संज्ञान लेते हुए धर्मेंद्र प्रधान ने मानवीय आधार पर एनटीए व स्थानीय प्रशासन को आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इसके बाद कोलकाता के ढाकुरिया में बिनोदिनी गर्ल्स हाई स्कूल स्थित परीक्षा केंद्र में सृष्टि के लिए भूतल पर अलग कक्ष की व्यवस्था की गई। सृष्टि के पिता बंगाल सरकार द्वारा संचालित स्कूल में शिक्षक हैं। बिहार के सीतामढ़ी में डुमरा स्थित कमला गर्ल्स स्कूल परीक्षा केंद्र पर नीट का एक परीक्षार्थी हथकड़ी में आया। उसे कड़ी सुरक्षा के बीच लाया गया था। वह मारपीट के एक मामले में पिछले 15 दिनों से मंडल कारा में बंद था। जेल में रहते हुए ही उसने नीट के लिए आवेदन किया था। न्यायालय से अनुमति मिलने के बाद प्रशासन ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जेल से उसे सीधे परीक्षा केंद्र पहुंचाया। सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कराने के बाद उसे परीक्षा में शामिल कराया गया।

अजमेर के एक केंद्र पर बुर्का पहन कर आई अभ्यर्थी को प्रवेश देने से रोके जाने पर देर तक हंगामा हुआ। कुलसुम नाम की अभ्यर्थी अजमेर के राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय सेंटर पर बुर्के में परीक्षा देने पहुंची थी। इस वजह से पुलिसकर्मियों के साथ कुलसुम और उसके पिता की काफी देर तक बहस हुई।

उसने इसके बाद एनटीए की गाइडलाइन की जानकारी दी। उसने बताया कि एनटीए के नियम संख्या आठ में साफ लिखा है कि यदि कोई धार्मिक पोशाक पहनकर आता है तो वह जांच के लिए थोड़ा पहले पहुंच जाए। वह पहले भी दो बार बुर्का पहनकर परीक्षा दे चुकी है। विवाद बढ़ा तो वरिष्ठ अधिकारियों ने हस्तक्षेप किया और मामले को शांत करते हुए गहन सुरक्षा जांच और बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन की प्रक्रिया के बाद उसे प्रवेश दिलाया।

छात्रों ने कहा, सबसे मुश्किल थे फिजिक्स के सवाल

- नीट-यूजी अभ्यर्थियों के अनुभव मजबूत विषय के आधार पर अलग-अलग रहे
- कुछ छात्रों को परीक्षा औसत लगी, वहीं दूसरों ने कहा-तैयारी की परख हुई

नई दिल्ली, एएनआइ : रविवार को दोबारा हुई नीट-यूजी में छात्रों ने फिजिक्स के सवालों को सबसे मुश्किल बताया, जबकि बायोलाजी और केमिस्ट्री को ठीक-ठाक माना। कई छात्रों ने फिजिक्स के पेपर को पिछली परीक्षा से कठिन बताया। तमिलनाडु, बंगाल, केरलम और जम्मू-कश्मीर के छात्रों ने कहा कि कुल मिलाकर पेपर पिछली बार के मुकाबले मुश्किल था।

अलग-अलग छात्रों के अनुभव उनके मजबूत विषयों के आधार पर अलग-अलग रहे। जहां कुछ छात्रों को परीक्षा औसत और ठीक-ठाक लगी, वहीं दूसरे छात्रों का कहना था कि इसमें तैयारी की परख हुई, खासकर फिजिक्स में।

चेन्नई के एक छात्र ने कहा, बायोलाजी ठीक-ठाक थी। फिजिक्स और केमिस्ट्री मुश्किल थे। पिछली परीक्षा आसान थी। इस बार पेपर ज्यादा मुश्किल थे।

बंगाल के एक छात्र ने कहा-परीक्षा अच्छी रही। बायोलाजी आसान था। फिजिक्स और केमिस्ट्री का लेवल ठीक-ठाक था। वहीं, तिरुअनंतपुरम के एक छात्र ने कहा कि परीक्षा मुश्किल थी।

प्रेट्र के अनुसार, मध्य प्रदेश में एक

जयपुर में रविवार को नीट-यूजी परीक्षा केंद्र के बाहर एक परीक्षार्थी की जांच करती महिला पुलिसकर्मी। आइएएनएस

उम्मीदवार ने बताया कि पेपर अच्छा था और इस बार इंतजाम भी काफी बेहतर था। हालांकि, दोबारा परीक्षा देना थोड़ा अजीब लगा, लेकिन मन में भरोसा और उम्मीद भी थी। एक अन्य छात्र ने कहा कि पेपर बहुत लंबा और उम्मीद से ज्यादा मुश्किल था। पिछली बार मेरा पेपर ठीक-ठाक गया था, लेकिन इस बार उतना अच्छा नहीं हुआ। बेंगलुरु में परीक्षा केंद्र से निकलते हुए एक अभ्यर्थी ने कहा कि सिर्फ फिजिक्स मुश्किल था। अन्य विषय आसान थे।

सबसे बुजुर्ग अभ्यर्थी ने दोबारा दिया नीट

जागरण संवाददाता, लखनऊ : राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) के लिए आलमबाग के गुरुनानक विद्यालय गर्ल्स इंटर कालेज पहुंचे 69 वर्षीय अशोक बहार सभी के आकर्षण का केंद्र बने। नीली जींस, नीली शर्ट, काला चश्मा, बेल्ट और घड़ी पहने अशोक केंद्र पर पहुंचे तो अभ्यर्थियों के साथ ही सुरक्षा कर्मियों में भी हैरानी थी। तलाशी के बाद चश्मा व बेल्ट घड़ी सब उतार कर परीक्षा दी। पिछली बार उनका सेंटर सदर के लखनऊ मांटेसरी स्कूल पड़ा था, इस बार सेंटर बदल गया। परीक्षा देकर बाहर निकले तो बोले, पिछली बार के मुकाबले पेपर कठिन था। चंदरनगर निवासी अशोक बहार ने बताया कि वह एक खाद कंपनी में मार्केटिंग प्रमुख रह चुके हैं तथा एमबीए की पढ़ाई भी कर चुके हैं। पत्नी डा. मंजुल बहार चिकित्सक हैं और वर्तमान में अमेरिका में कार्यरत हैं। परिवार में कई डाक्टर होने के कारण उनके मन में भी चिकित्सा क्षेत्र में आने की इच्छा जगी।

एनटीए ने 'टीम भारत' की कोशिशों को सराहा

प्रथम पृष्ठ से आगे

आइएएनएस के अनुसार, एनटीए ने नीट-यूजी के सफल आयोजन के लिए परीक्षा प्रक्रिया में शामिल हजारों लोगों और संस्थाओं का शुक्रिया अदा किया। एक्स पर एक पोस्ट में एनटीए ने कहा कि यह परीक्षा सामूहिक राष्ट्रीय प्रयास का नतीजा थी। यह सिर्फ एनटीए का काम नहीं था। इसके पीछे 'टीम भारत' की कोशिशें हैं। देशभर के लोगों की ऐसी श्रृंखला सामने आई, ताकि हर छात्र के लिए एक ही चीज मायने रखे-उनके सामने रखा पेपर।

एनटीए ने कहा कि परीक्षा के आयोजन में उसे कई मंत्रालयों और विभागों का सहयोग मिला, जिनमें शिक्षा मंत्रालय, गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, डाक विभाग, भारतीय वायु सेना, सीएपीएफ और एसबीआइ, केनरा बैंक, पीएनबी और यूको बैंक जैसे कई बैंकिंग पार्टनर शामिल हैं।

एनटीए के महानिदेशक अभिषेक सिंह ने कहा कि एजेंसी को प्रश्नपत्र लीक होने के बारे में कोई शिकायत नहीं मिली है। हम पूरी सुरक्षा के साथ परीक्षा आयोजित करने में सफल रहे। इस बार प्रक्रिया को लेकर हम 100 प्रतिशत आश्वस्त हैं।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम: त्रिस्तरीय जांच की गई :

- छात्रों को त्रिस्तरीय जांच के बाद ही परीक्षा कक्ष में जाने दिया गया।
- बायोमीट्रिक जांच, फिजिकल व दूसरे दस्तावेज की जांच की गई।
- सात लाख से अधिक पुलिस कर्मी, केंद्रीय सुरक्षा बल, पर्यवेक्षक व अधिकारी तैनात रहे।
- प्रत्येक परीक्षा कक्ष में कम से कम एक सीसीटीवी कैमरा लगाया गया था।
- 1.38 लाख से अधिक सीसीटीवी कैमरों से 95 हजार परीक्षा कक्षों की निगरानी की गई।
- इलेक्ट्रानिक गड़बड़ी से बचाने के लिए उच्च क्षमता वाले 53,311 जैमर लगाए गए।

दो लाख छात्र अनुपस्थित

2025 में कुल रजिस्ट्रेशन- 22.76 लाख, परीक्षा में शामिल हुए- 22.05 लाख छात्र, अनुपस्थित रहे- 66 हजार, 2026 में कुल रजिस्ट्रेशन- 22.79 लाख, तीन मई की परीक्षा में शामिल हुए- 22.05 लाख। अनुपस्थित रहे-करीब 74 हजार,21 मई की दोबारा परीक्षा में- कुल उपस्थित रहे करीब 20 लाख से अधिक। अनुपस्थित रहे- दो लाख से अधिक छात्र।

अनुपस्थिति के कारण

एनटीए से जुड़े सूत्रों की मानें तो इस बढ़ी अनुपस्थिति के कई कारण हैं। पहला- परीक्षा रद होने के चलते दोबारा तैयारी के लिए पर्याप्त समय का न मिलना। दूसरा-परीक्षा रद होने के बाद काफी छात्रों ने अपने दूसरे विकल्प जैसे जिन्होंने जेईई दी थी, उस तरफ शिफ्ट हो गए, या फिर बीएससी व नर्सिंग जैसे कोर्सों में दाखिला ले लिया।

बिहार में पकड़े गए नौ फर्जी परीक्षार्थी, सात मेडिकल के छात्र

जासं, लखीसराय : मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी में बिहार के लखीसराय से फर्जीवाड़े का बड़ा मामला सामने आया है। रविवार को जिले के चार परीक्षा केंद्रों पर आयोजित परीक्षा के दौरान प्रशासन ने तीन केंद्रों से नौ फर्जी परीक्षार्थियों (स्कालर) को हिरासत में लिया। इनमें सात मेडिकल के छात्र बताए जा रहे हैं। सभी दूसरे अभ्यर्थियों के स्थान पर परीक्षा देते पाए गए। प्रारंभिक जांच के बाद प्रशासन ने बायोमीट्रिक उपस्थिति बनाने के लिए प्रतिनियुक्त निजी एजेंसी के 38 कर्मियों को भी हिरासत में लिया है। उन पर नियमों की अनदेखी कर अभ्यर्थियों को प्रवेश देने का आरोप है। सभी से सेंट्रल स्कूल, लखीसराय में पूछताछ की जा रही है। जांच के दौरान केंद्रीय विद्यालय से सात, उच्च विद्यालय हसनपुर से एक तथा केआरके उच्च विद्यालय से एक फर्जी परीक्षार्थी पकड़ा गया।

सीबीएसई ने जारी किए बारहवीं के पुनर्मूल्यांकन व अंक सत्यापन के नतीजे

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- आवेदन करने वाले करीब 87 प्रतिशत विद्यार्थियों के परिणाम घोषित
- अंकों में बदलाव वालों को डिजिलाकर में मिल रही संशोधित मार्कशीट

सीबीएसई ने 12वीं के परिणाम के बाद छात्रों की तरफ दाखिल पुनर्मूल्यांकन व अंक सत्यापन के आवेदनों का निपटारा कर नतीजे जारी करने शुरू कर दिए हैं। कुल 1.6 लाख आवेदन आए थे। बोर्ड ने कहा कि करीब 87 प्रतिशत आवेदनों का निस्तारण कर परिणाम जारी कर दिए गए हैं। शेष आवेदनों की प्रक्रिया भी जल्द पूरी कर ली जाएगी। सीबीएसई की आन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली में मूल्यांकन और अंक दर्ज करने से जुड़ी विसंगतियों की शिकायतें सामने आने के बाद इस साल बहुत बड़ी संख्या में सत्यापन और पुनर्मूल्यांकन के आवेदन आए थे। यह भी आरोप लगे थे कि तकनीकी खामियों के कारण कुछ मामलों में बाहरी लोगों की छात्रों की उत्तर पुस्तिकाओं तक पहुंच संभव हो रही थी।

सीबीएसई ने स्पष्ट किया है कि जिन छात्रों के अंकों में पुनर्मूल्यांकन या अंक सत्यापन के दौरान बदलाव पाया गया है, उन्हें संशोधित अंकतालिका डिजिलाकर पर उपलब्ध कराई जा रही है। छात्र अपने आवेदन की स्थिति सीबीएसई की वेबसाइट पर देख सकते हैं। जिन मामलों में छात्रों द्वारा उठाई गई आपत्तियां सही पाई गईं, उनमें आवश्यक सुधार कर अंक संशोधित किए गए हैं। वहीं जिन विद्यार्थियों के आवेदन पर नो चेंज का परिणाम आया है, उन्हें भी अपनी उत्तर पुस्तिका देखने का अवसर दिया जाएगा। इसके लिए संबंधित क्षेत्रीय कार्यालयों में निरीक्षण की व्यवस्था की जाएगी और कार्यक्रम जल्द घोषित होगा। बोर्ड ने इस वर्ष 13 मई को 12वीं का परिणाम घोषित किया था, जिसमें करीब 17.69 लाख विद्यार्थी शामिल हुए थे।

तमिलनाडु में अमोनिया गैस लीक से दो कामगारों की मौत

- तिरुवल्लूर में निजी सीफूड प्रसंस्करण फैक्ट्री में 62 अन्य कामगार प्रभावित
- मुख्यमंत्री ने गठित की तीन सदस्यीय जांच समिति, 24 घंटे में मांगी अंतरिम रिपोर्ट

तिरुवल्लूर, प्रेट्र : तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में एक निजी फिश मील एक्सपोर्ट फैक्ट्री में अमोनिया गैस का रिसाव होने से रविवार को दो प्रवासी महिला कामगारों की मौत हो गई। दोनों ओडिशा की रहने वाली हैं। 62 अन्य कामगारों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शुरुआत में मरने वालों की संख्या सात बताई थी, लेकिन राज्य के स्वास्थ्य मंत्री के अनुसार हादसे में दो महिलाओं की मौत हुई है। मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित कर 24 घंटे में अंतरिम रिपोर्ट और तीन दिन में अंतिम रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है। उन्होंने मृतकों के स्वजन को मुख्यमंत्री राहत कोष से दो-दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। कंपनी के मालिक और मैनेजर को पुलिस ने पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया है। पुलिस के मुताबिक, जिले में पेरियापालयम के पास कनिगईपायर में स्थित 'सेंट पीटर्स पाल सीफूड्स एक्सपोर्ट्स' की फैक्ट्री में रविवार को

तिरुवल्लूर में फैक्ट्री में अमोनिया गैस के रिसाव से प्रभावितों को अस्पताल लेकर जाते कर्मचारी। एएनआइ

अमोनिया का गैस रिसाव हुआ। यहां बड़ी संख्या में प्रवासी कामगार काम करते हैं और कई लोग फैक्ट्री परिसर में ही रहते हैं। घटना के वक्त फैक्ट्री परिसर में लगभग 120 कामगार मौजूद थे, जिनमें असम, ओडिशा और झारखंड की महिलाएं शामिल हैं। गैस का रिसाव होते ही कई कामगारों को सांस लेने में तकलीफ होने लगी, जबकि कुछ के मुंह व नाक से खून निकलने लगा। स्वास्थ्य मंत्री केजी अरुणराज ने बताया कि इस स्तर का अमोनिया गैस का रिसाव पहले कभी नहीं हुआ। 64 कामगार प्रभावित हुए, जिनमें 60 महिलाएं और चार पुरुष हैं। दोनों मृतक कामगार ओडिशा निवासी हैं और उनकी पहचान 19 वर्षीय जुमानी जुवांग और 20 वर्षीय मलोथी के तौर पर हुई है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, प्रदेश के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने घटना में लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है और पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने गैस प्रभावितों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है।

अमोनिया की बहुत अधिक मात्रा से होती है मौत

अमोनिया की गंध सड़ी हुई मछली जैसी होती है। वातावरण में अमोनिया की सामान्य मात्रा से इंसानों की सेहत पर कोई बुरा असर नहीं पड़ता। अधिक मात्रा में अमोनिया के संपर्क में आने से त्वचा, आंखों, गले व फेफड़ों को नुकसान पहुंच सकता है और खांसी व जलन हो सकती है। अमोनिया की बहुत अधिक मात्रा के संपर्क में आने पर मौत भी हो सकती है।

ट्रेन के आगे कूदी महिला...छह कोच ऊपर से गुजरे, पर बच गई जान

जागरण संवाददाता, उन्नाव

- उन्नाव स्टेशन पर शनिवार रात ट्रेन के आगे कूदी महिला
- गांव जाने को स्टेशन पहुंची थी, चालक ने कूदते देख रोक दी ट्रेन

बाराबंकी के बाद उन्नाव में भी रेलवे ट्रैक पर ऐसी घटना घटी, जिसने आशंकाओं पर उम्मीदों को विजय दिलाई। उन्नाव रेलवे स्टेशन पर शनिवार देर रात प्लेटफार्म नंबर दो पर आम्रपाली एक्सप्रेस के सामने ट्रैक पर एक महिला कूद गई। ट्रेन के छह कोच उसके ऊपर से निकल गए। संयोग व रेलवे की सतर्कता से उसकी जान बच गई। इससे पहले गुरुवार रात ऐसा ही एक हादसा बाराबंकी में दरियाबाद के पास हुआ था, जहां एक युवक नशे की हालत में ट्रैक पर बीचोबीच लेट गया और उसके ऊपर से कैफियात एक्सप्रेस गुजर गई थी। दोनों ही मामलों में मामूली चोटें आईं।

मध्य प्रदेश के कोरबा जिले के आम्रपाली गांव की रहने वाली रामशिला

उन्नाव रेलवे स्टेशन पर ट्रैक पर लेटी महिला व ऊपर से गुजरती ट्रेन। वीडियो ग्रेब

अपने पति गंगाराम, बेटे सागर और भाई जय के साथ अचलगंज क्षेत्र स्थित एक ईंट भट्ठे पर काम करती है। परिवार कई महीनों से यहां रह रहा था। शनिवार रात अपने गांव लौटने के लिए सभी उन्नाव रेलवे स्टेशन पहुंचे। यहां प्रयागराज पैसेंजर का इंतजार कर रहे थे। बेटे सागर के अनुसार, पिता प्लेटफार्म पर सो रहे थे। वह कुछ सामान लेने के लिए स्टेशन से बाहर गया था। आरपीएफ इंस्पेक्टर हरीश कुमार ने बताया कि रात्रि 12:04 बजे लखनऊ से कानपुर की ओर जाने वाली आम्रपाली एक्सप्रेस उन्नाव रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या दो पर आ रही थी। ट्रेन की रफ्तार ज्यादा नहीं थी और इसी दौरान रामशिला ट्रैक पर कूद गई। ट्रैक के बीच लेट जाने से छह डिब्बे उसके ऊपर से निकल गए। जीआरपी व आरपीएफ ने उसे बाहर निकाला और कान में चोट देख जिला अस्पताल में इलाज कराया। आरपीएफ इंस्पेक्टर हरीश कुमार के अनुसार, महिला से कई बार ट्रेन के आगे कूदने के बारे में पूछा गया पर उसने कोई जवाब नहीं दिया।

जागरण विशेष

उर्वरक आयात घटने के साथ बढ़ेगी हमारी फसलों की उत्पादकता

एमिटी यूनिवर्सिटी के डा. अमित ने खेजड़ी के पौधे में पाई जाने वाली विशेष फफूंद से विकसित की नई तकनीक

चेतन राठौर • जागरण

नोएडा : पश्चिम एशिया संकट के बाद सरकार विदेशी मुद्रा बचाने की मंशा से लगातार उर्वरकों के आयात को कम करने पर जोर दे रही है। किसानों को भी जागरूक कर रही है कि वे फसलों पर उर्वरक का अंधाधुंध प्रयोग न करें। जरूरत से ज्यादा उर्वरक का इस्तेमाल फसल व उसके अनाज की पोषकता का क्षरण करता है। सरकार के इस कदम को मजबूती देने वाली ऐसी तकनीक सामने आई है, जिसमें कम खाद के इस्तेमाल से भी अच्छी फसल किसान ले सकेगा।

राजस्थान के थार मरुस्थल में उगने वाले खेजड़ी के पौधे की जड़ों में पाई जाने वाली विशेष फफूंद (फंगस) से विकसित की गई रूटोनिक तकनीक के उपयोग से विभिन्न फसलों की उत्पादकता में 40 प्रतिशत तक वृद्धि हो सकेगी। इस फंगस के उपयोग से खाद की आवश्यकता 25 प्रतिशत तक कम हो जाएगी। यह तकनीक एमिटी यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट आफ माइक्रोबियल टेक्नोलाजी के निदेशक डा. अमित सी खर्कवाल ने विकसित की, जिसे केंद्र सरकार से पेटेंट भी मिल चुका है। साथ ही ताइवान की एक कंपनी समेत कुल छह कंपनियों को इसको ट्रांसफर किया गया है। नोएडा की कंपनी ने भी इस तकनीक को खरीदा है।

रूटोनिक फंगस मिट्टी में फास्फोरस को अधिक घुलनशील बनाता है, जिससे पौधों को पोषक तत्व आसानी से उपलब्ध होते हैं। इसके अलावा यह पौधों की पानी अवशोषित करने की क्षमता बढ़ाता है। मिट्टी की सूखा सहनशीलता को मजबूत करता है और अधिक तापमान जैसी प्रतिकूल परिस्थितियों से निपटने में मदद करता है। इस तकनीक का आधार पिरिफार्मोस्पोरा इंडिका रूटोनिक नामक फंगस है। यह फसलों की वृद्धि और उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें जैविक एवं अजैविक तनावों जैसे रोग, सूखा और अन्य प्रतिकूल पर्यावरणीय परिस्थितियों के प्रति अधिक सहनशील बनाता है।

एक एकड़ खेत के लिए एक किलो फंगस की जरूरत: इस फंगस को फसल के बीज और मिट्टी में मिलाकर इस्तेमाल कर सकते हैं या इसके पाउडर का फसलों पर छिड़काव किया जा सकता है। इसका छिड़काव हर सीजन में फसलों पर करना होगा। एक सीजन में एक एकड़ फसल के लिए एक किलो फंगस ही पर्याप्त होगा। वैसे मात्रा फसल पर निर्भर करती है, कि कितनी आवश्यकता होगी। जैसे गेहूं, आलू और गन्ना की एक एकड़ फसल में एक किलो ग्राम, टमाटर और अन्य सब्जियों की फसल में सौ ग्राम से कम, ज्वार,बाजरा जैसी मोटे अनाज की फसलों में ढाई सौ ग्राम ही पर्याप्त है। यह बीज की जड़ों को कई गुना बढ़ा पैदावार बढ़ाएगा।

- राजस्थान के थार मरुस्थल में उगने वाले खेजड़ी के पौधे की जड़ों में पाई जाती है विशेष फफूंद से तैयार की गई तकनीक
- केंद्र सरकार से मिला पेटेंट, ताइवान की एक कंपनी समेत छह कंपनियों को तकनीक हुई ट्रांसफर
- नई तकनीक से खेती की लागत घटेगी और पर्यावरण पर पड़ने वाला दबाव भी होगा कम

40% तक उत्पादकता बढ़ाने में सक्षम है रूटोनिक तकनीक

25% तक घट जाएगा केमिकल फर्टिलाइजर का उपयोग

एमिटी स्थित लैब में पौधों पर फंगस का परीक्षण करते हुए डा. अमित सी खर्कवाल • स्वयं

फसलों में अधिक कीटनाशक का उपयोग सेहत और पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहा था। इसको देखते हुए रूटोनिक फंगस की तकनीक पर काम किया। राजस्थान में खेजड़ी का पौधा बहुत होता है, इसकी जड़ें बहुत तेजी से बढ़ती हैं, तो आसानी से उपलब्धता हो जाती हैं। हां, फंफूद को जड़ से निकालने की विशेष तकनीक और प्रक्रिया है। निश्चित ही यह किसानों के लिए और पर्यावरण के लिए बेहद लाभदायक साबित होगी।

- डा. अमित सी खर्कवाल, निदेशक, इंस्टीट्यूट आफ माइक्रोबियल टेक्नोलाजी, एमिटी यूनिवर्सिटी

इस तरह तैयार हुई तकनीक

थार मरुस्थल के बीस पौधों पर शोध किया गया, जिनमें से खेजड़ी के पौधे की जड़ से ऐसा फंगस मिला, जो फसलों की पैदावार को बढ़ाने में सक्षम था। मरुस्थल की भयानक गर्मी और पानी की कमी में उगने वाले इस पौधे की जड़ से फंगस निकाला गया और नोएडा स्थित एमिटी यूनिवर्सिटी की लेब्रोटरी में ट्रीट कर फंगस का कल्चर तैयार किया गया। इसको देश के विभिन्न राज्यों में 148 फसलों पर डालकर टेस्टिंग की गई, जोकि सफल रही। राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब सहित अन्य राज्यों की फसलों में उपयोग सफल रहा है।

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

रुद्रप्रयाग के नगरासू में गुरुद्वारे पर निहंगों के कब्जे से तनाव

जागरण संवाददाता, रुद्रप्रयाग

- नगरासू क्षेत्र छावनी में तब्दील, निहंगों से प्रशासन की वार्ता विफल
- रुद्रप्रयाग और कर्णप्रयाग में पूरे दिन बंद रही इंटरनेट सेवा
- कर्णप्रयाग की घटना के बाद गिरफ्तार किए गए निहंगों को रिहा करने की मांग कर रहे

बदरीनाथ हाईवे पर नगरासू में स्थित गुरुद्वारा दमदमा साहिब की दूसरी और तीसरी मंजिल पर शनिवार से सात-आठ निहंग कब्जा जमाए हुए हैं। इससे पूरे क्षेत्र में तनाव का माहौल है। रविवार को प्रशासन और निहंगों के बीच दिन में कई दौर की वार्ता हुई, लेकिन समाधान नहीं निकला। इस बीच निहंगों ने बंधक बनाए गए एक सेवादार को रिहा कर दिया। सुरक्षा के मद्देनजर रुद्रप्रयाग व कर्णप्रयाग में इंटरनेट सेवाएं सुबह से शाम पांच बजे तक बंद रहीं।

बीते 16 जून को कर्णप्रयाग में पार्किंग को लेकर स्थानीय निवासियों व निहंगों के बीच विवाद हो गया था। मामला इस कदर बिगड़ा कि निहंगों ने तलवारों से स्थानीय लोगों पर हमला कर दिया। इसमें चार लोग घायल हो गए थे।

निहंगों का आरोप है कि इस प्रकरण में स्थानीय गुरुद्वारा प्रबंधन की ओर से कोई आपत्ति दर्ज नहीं कराई गई, जिससे वे असंतुष्ट हैं। इसके चलते सात -आठ निहंग गुरुद्वारा पहुंचे और सेवादारों से हाथापाई के बाद छत पर चढ़कर तलवारें लहराने लगे। अभी भी निहंग गुरुद्वारे के भीतर मौजूद हैं, जिससे स्थानीय लोगों में आक्रोश है।

निहंग कर्णप्रयाग की घटना के बाद गिरफ्तार किए गए निहंगों को रिहा करने की मांग कर रहे हैं। प्रशासन की मौजूदगी में गुरुद्वारा प्रबंधन समिति और निहंगों के बीच फिर से वार्ता चल रही है। दूसरी ओर, इस घटनाक्रम के मद्देनजर चमोली के गैरसैंण क्षेत्र में भी पुलिस व अर्धसैनिक बल तैनात कर दिया गया है।

जंग की कीमत कब बहुरेंगे दिन

युद्ध विनाशक होता है। पहले तो यह सिर्फ दो लड़ने वाले देशों को ही तबाह करता था, लेकिन आधुनिक दुनिया में जिस कदर सभी देशों के हित एक दूसरे से गुंथे हैं उससे अब पूरी मानवता का भूत, वर्तमान और भविष्य रक्तरंजित हो उठता है। ईरान-अमेरिका युद्ध की विभीषिका इसका ताजा उदाहरण है। एक तरह से पिछले करीब साढ़े तीन महीने के दौरान दुनिया ठहरी रही। ठहराव का प्रतिकूल असर हर आदमी से लेकर देशों के बीच स्थापित उन सभी इकोसिस्टम में दिखा जिसके बूते किसी देश की अर्थव्यवस्था फलती-फूलती है और आम आदमी का कल्याण होता है। ट्रंप की जिद टूटी और समझौता हुआ, लेकिन सभी के जेहन में बड़ा सवाल यही कौंध रहा है कि इस जंग से अनावश्यक रूप से हुए नुकसान की भरपाई कब तक हो पाएगी? भारत की जरूरत बड़ी है। वह तेजी से विकास कर रहा था, लेकिन इस ठहराव ने उसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया। ऐसे में अमेरिका ईरान के बीच समझौते के बाद इस बात की पड़ताल बड़ा मुद्दा है कि इस युद्ध से पूर्व की स्थिति में भारत के दिन कब तक बहुरेंगे?

अमेरिका-ईरान युद्ध: वैश्विक और भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

वैश्विक नुकसान

500-1000 अरब डालर या इससे अधिक

- तेल आपूर्ति में बाधा
- समुद्री व्यापार प्रभावित
- वैश्विक महंगाई बढ़ी
- परिवहन और हवाई यात्रा महंगी हुई

प्रमुख कारण

20% तेल और गैस आपूर्ति होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरती है

25-30% तेल कीमत में वृद्धि

वैश्विक प्रभाव

- शिपिंग: लागत बढ़ी
- एविएशन: ईंधन महंगा
- खाद्य क्षेत्र: कीमतें बढ़ीं
- उद्योग: उत्पादन लागत बढ़ी
- अर्थव्यवस्था: विकास दर धीमी

रिकवरी टाइमलाइन

वैश्विक स्तर

70% तीन महीने में ऊर्जा क्षमता बहाल

90% छह महीने में ऊर्जा क्षमता बहाल

एक से दो वर्ष में ऊर्जा क्षेत्र सामान्य

वैश्विक अर्थव्यवस्था

सुधार क्षेत्र	समय
सप्लाई चेन सामान्य	6-12 महीने
महंगाई नियंत्रण	1-2 वर्ष
पूर्ण आर्थिक स्थिरता	2-3 वर्ष

भारत पर प्रभाव

80-85% तेल अपनी जरूरत का आयात करता है भारत, पश्चिम एशिया बड़ा स्रोत

भारत की रिकवरी

3-6 महीने महंगाई का दबाव कम

6-12 महीने व्यापार और मुद्रा स्थिर

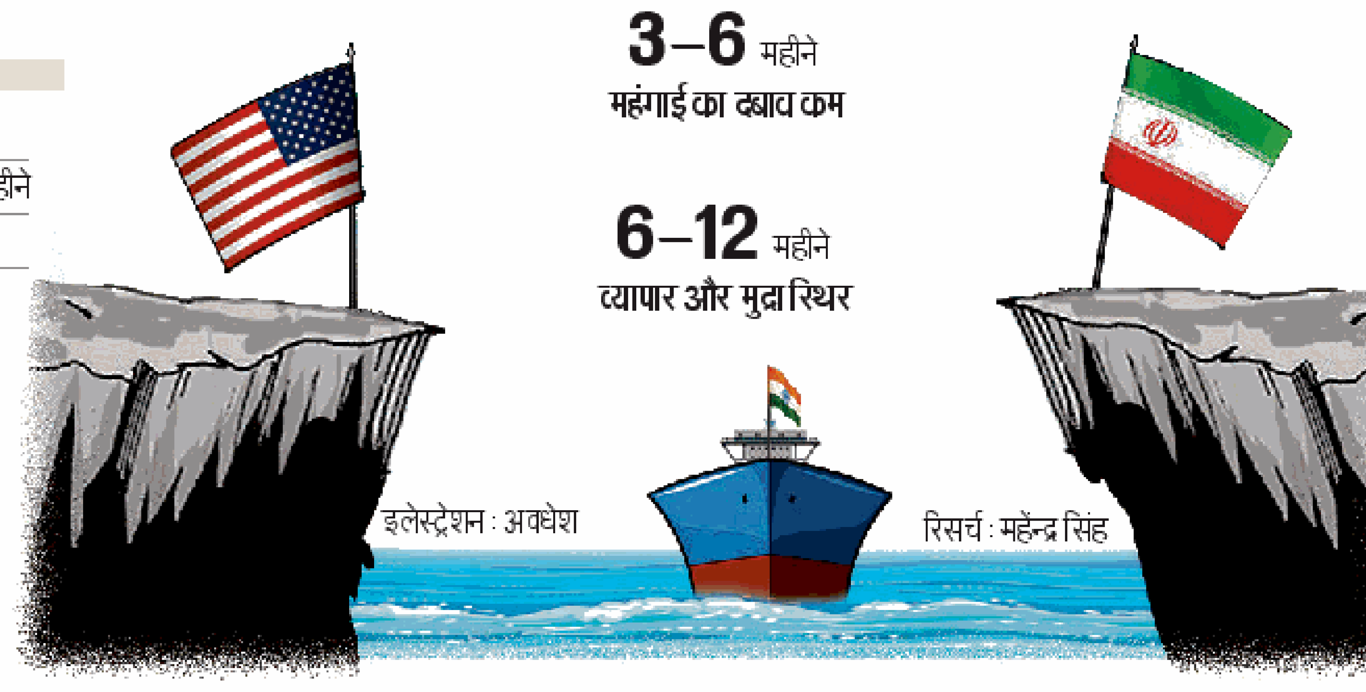

इलेस्ट्रेशन: अवधेश रिसर्च: महेंद्र सिंह

भारत पर असर

- परिवहन: डीजल और पेट्रोल महंगे
- कृषि: उर्वरक लागत बढ़ी
- उद्योग: उत्पादन लागत बढ़ी
- उपभोक्ता: महंगाई बढ़ी
- मुद्रा: रुपये पर दबाव
- भारत की मजबूती: मजबूत घरेलू मांग

दुनिया को उबरने में लगेंगे एक से तीन वर्ष

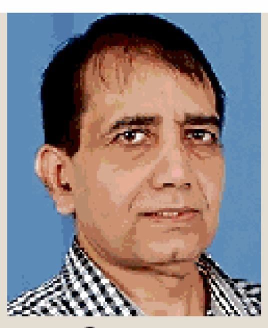

अजय श्रीवास्तव
संस्थापक, ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव

खाड़ी क्षेत्र में तेल संयंत्रों, रिफाइनरियों, बंदरगाहों, बिजली परियोजनाओं और लाजिस्टिक्स नेटवर्क को नुकसान पहुंचा। मरम्मत और पुनर्निर्माण पर अरबों डालर खर्च होने की संभावना है। सप्लाई चेन सामान्य होने, निवेशकों का विश्वास लौटने और वैश्विक अर्थव्यवस्था को उबरने में एक से तीन वर्ष लग सकते हैं।

अमेरिका और ईरान के बीच चार महीने तक चले युद्ध के बाद युद्धविराम हो गया है और होर्मुज जलडमरूमध्य फिर से खुल गया है। इससे दुनिया के बाजारों को राहत मिली है। युद्ध से हुई आर्थिक क्षति का पूरा असर अभी सामने आना बाकी है। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि इस युद्ध से दुनिया को 1 ट्रिलियन डालर यानी लगभग 93 लाख करोड़ रुपये से अधिक का आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। युद्ध का सबसे बड़ा प्रभाव तेल और गैस बाजार पर पड़ा। फरवरी 2026 में ब्रेंट क्रूड आयल की कीमत लगभग 72 डालर प्रति बैरल थी, जो युद्ध के दौरान बढ़कर 110 डालर प्रति बैरल से अधिक हो गई। संघर्ष के दौरान पश्चिम एशिया से प्रतिदिन लगभग 1.4 करोड़ बैरल तेल की आपूर्ति प्रभावित होने का खतरा पैदा हो गया था। इसके अलावा प्राकृतिक गैस और एलएनजी की कीमतें भी तेजी से बढ़ गईं। तेल आयात करने वाले देशों को ज्यादा पैसा खर्च करना पड़ा, जिससे उनके व्यापार संतुलन और मुद्रा पर दबाव बढ़ गया। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के लिए बेहद महत्वपूर्ण व्यापारिक मार्ग है। युद्ध के दौरान तेल टैंकरों का किराया दो से तीन गुना तक बढ़ गया। जहाजों के बीमा की लागत भी कई गुना बढ़ गई। इसका असर केवल तेल और गैस तक सीमित नहीं रहा। रसायन, उर्वरक, पेट्रोकेमिकल, धातु, प्लास्टिक और अन्य उत्पादों के वैश्विक व्यापार पर भी असर पड़ा। ईंधन महंगा होने से परिवहन, बिजली, खाद्य पदार्थों और औद्योगिक उत्पादन की लागत बढ़ गई। इससे कई देशों में महंगाई बढ़ी। निवेशकों ने जोखिम वाले निवेश से पैसा निकालकर सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख किया। इसके कारण कई विकासशील देशों की मुद्राएं कमजोर हुईं। युद्ध के दौरान खाड़ी क्षेत्र में तेल संयंत्रों, रिफाइनरियों, बंदरगाहों, बिजली परियोजनाओं और लाजिस्टिक्स नेटवर्क को नुकसान पहुंचा। इनकी मरम्मत और पुनर्निर्माण पर दसियों अरब डालर खर्च होने की संभावना है। विशेषज्ञों का मानना है कि सप्लाई चेन को सामान्य होने, निवेशकों का विश्वास लौटने और अर्थव्यवस्था को पूरी तरह संभलने में एक से तीन वर्ष लग सकते हैं। भारत उन देशों में शामिल है जो इस युद्ध से सबसे अधिक प्रभावित हुए।

आपकी आवाज

अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्ध से दुनिया के करीब सारे देशों पर ही कुछ न कुछ बुरा असर जरूर पड़ा हैं। इस युद्ध के दुष्प्रभाव से हमारा देश भी अछूता नहीं रहा। महंगाई की मार अब जनता को महसूस होने लगी है। होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने का असर भारत पर कुछ ज्यादा ही रहा क्योंकि कच्चे तेल का आयात भारी मात्रा मे खाड़ी देशो से ही होता हैं। अब अमेरिका और ईरान के बीच हुए शांति समझौते समझौते से उम्मीद बंधी है कि हालात सामान्य होंगे।। एक किसी भी चीज के बिगड़ने मे बहुत कम समय लगता है लेकिन उसी को फिर से बनाने मे काफी समय लगता हैं। -**मुन्ना स्वर्णकार**

अमेरिका-ईरान समझौते के बाद भारत को पटरी पर लौटने में थोड़ा वक्त जरूर लगेगा। शांति समझौते से भारतीय अर्थव्यवस्था को तुरंत और बहुत तेजी से बड़ी राहत मिल रही है। होर्मुज जलडमरूमध्य के दोबारा खुलने से वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें में कमी आई है इसलिए तनाव खत्म होते ही देश के प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों में तत्काल सुधार भी देखा जा रहा है इस समझौते से भारत का चालू खाता घाटा जो पहले जीडीपी का 2.1 प्रतिशत अनुमानित था, अब घटकर 1 से 1.5 प्रतिशत के सुरक्षित दायरे में आ सकता है। -**देवानंद राय**

पश्चिम एशिया में स्थाई शांति दूर की कौड़ी

डा. अभिषेक श्रीवास्तव
असिस्टेंट प्रोफेसर, जेएनयू

अमेरिका बातचीत और समझौतों के माध्यम से क्षेत्र में स्थिरता चाहता है। वहीं इजरायल ईरान की शक्ति और परमाणु महत्वाकांक्षाओं को पूरी तरह सीमित करना चाहता है। दोनों देशों में जब तक यह वैचारिक मतभेद बना रहेगा, तब तक इस समझौते पर दबाव रहेगा और पश्चिम एशिया में स्थाई शांति दूर की कौड़ी बनी रहेगी।

हाल ही में अमेरिका और ईरान के बीच हुआ नया समझौता पश्चिम एशिया में तनाव कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। लेकिन यदि इसे क्षेत्रीय राजनीति के व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जाए, तो यह स्थायी शांति स्थापित करने वाला समझौता नहीं, बल्कि बदलते शक्ति-संतुलन को संभालने का एक प्रयास मात्र है। इस समझौते की सफलता केवल अमेरिका और ईरान पर निर्भर नहीं करेगी, बल्कि इसमें इजरायल, सऊदी अरब और खाड़ी देशों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। यदि हालिया घटनाक्रमों को देखें, तो वर्ष 2023 में चीन की मध्यस्थता से ईरान और सऊदी अरब के संबंधों में सुधार हुआ था, वहीं अमेरिकी प्रयासों से हुए अब्राहम समझौतों के बाद कई अरब देशों और इजरायल के रिश्ते बेहतर हुए थे। इसके साथ ही खाड़ी देशों के बीच आर्थिक सहयोग भी बढ़ा और अमेरिका धीरे-धीरे इस क्षेत्र में अपनी सैन्य उपस्थिति कम कर रहा था। इसी पृष्ठभूमि में अमेरिका-ईरान समझौता सामने आया है। अमेरिका नहीं चाहता कि वह फिर से किसी बड़े पश्चिम एशियाई युद्ध में फंसे। दूसरी ओर, ईरान भी कड़े आर्थिक प्रतिबंधों से राहत चाहता है और संघर्ष से निकल कर क्षेत्रीय व वैश्विक स्तर पर अपनी स्वीकार्यता बढ़ाना चाहता है।

इसके बावजूद, यह समझौता क्षेत्र की सबसे बड़ी सुरक्षा चिंताओं का पूर्ण समाधान नहीं करता। इस समझौते के सामने सबसे बड़ी चुनौती इजरायल है। इजरायल लंबे समय से यह मानता रहा है कि ईरान को किसी भी स्थिति में परमाणु हथियार बनाने की क्षमता हासिल नहीं होनी चाहिए। इजरायल को डर है कि आर्थिक राहत मिलने के बाद ईरान भविष्य में अपनी परमाणु क्षमताओं को और तेजी से मजबूत कर सकता है। यही कारण है कि दो गहरे मित्र राष्ट्रों अमेरिका और इजरायल की सोच में इस मुद्दे पर स्पष्ट अंतर दिखाई दे रहा है। अमेरिका बातचीत और समझौतों के माध्यम से क्षेत्र में स्थिरता चाहता है। वहीं इजरायल ईरान की शक्ति और परमाणु महत्वाकांक्षाओं को पूरी तरह सीमित करना चाहता है। जब तक यह वैचारिक मतभेद बना रहेगा, तब तक इस समझौते पर दबाव रहेगा।

राष्ट्रीय फलक

सिमी और पीएफआइ के सदस्यों से भी जुड़ा था भोपाल का फराज

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया • भोपाल

- एटीएस ने देश विरोधी गतिविधियों के आरोप में मोहम्मद फराज को किया था गिरफ्तार
- काल व चैट का डाटा हटा देते थे आरोपित, जांच एजेंसी कर रही रिकवर करने का प्रयास

देश विरोधी गतिविधियों के आरोप में गिरफ्तार भोपाल का मोहम्मद फराज उर्फ खालिद सैफुल्लाह प्रतिबंधित संगठन सिमी और पीएफआइ (पापुलर फ्रंट आफ इंडिया) के सदस्यों से भी जुड़ा हुआ था। एटीएस की पूछताछ में उसने बताया कि सिमी के सदस्य अरशद बिलग्रामी से उसकी पहचान थी। फराज जिस अस्पताल में काम करता था वहां अरशद आता रहता था और दोनों की बातचीत होती थी। फराज ने पूछताछ में यह भी बताया कि पीएफआइ के सदस्य वसीम अख्तर ने भोपाल के ही एक अन्य अस्पताल में उसके साथ काम किया था, जिससे फराज उसके संपर्क में आ गया था।

बता दें कि देशविरोधी गतिविधियों के आरोप में केंद्र सरकार ने सितंबर 2022 में पीएफआइ को प्रतिबंधित संगठन घोषित कर दिया था। यह प्रतिबंध पांच वर्ष के लिए लगाया गया था। एटीएस की पड़ताल में यह भी सामने आया है कि आरोपित काल डिटेल और विभिन्न एप की चैट हिस्ट्री हटा देते थे। अब एटीएस डिलीट सामग्री को रिकवर करने का प्रयास कर रही है। मामले में चार आरोपितों को अलग-अलग राज्यों से गिरफ्तार किया गया था, जिसमें फराज को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। बाकी तीन पुलिस हिरासत में हैं। एटीएस ने उत्तर प्रदेश के सहारनपुर के रहने वाले नईम अब्दुल्ला, राजस्थान के अलवर के रहने वाले शाकिर मेव और बिहार के मधुबनी से इजहार उल हक को गिरफ्तार किया है।

सूत्रों का कहना है कि सभी आरोपित एक ही पाकिस्तानी हैंडलर के कहने पर देशविरोधी गतिविधियों में संलिप्त थे।

इंसाफ की चौखट पर न्याय की गुहार, सुप्रीम कोर्ट से सीबीआइ जांच की मांग

भोजपुर एनकाउंटर

- बिहार के भोजपुर जिले के बिलौटी गांव में हुए भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

चौतरफा दबाव के बीच सीए ने पूरे मामले की न्यायिक जांच कराने के आदेश दिए

नई दिल्ली, आइएएनएस : बिहार के भोजपुर जिले के बिलौटी गांव में 17 जून को हुए भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर का मामला अब देश की सबसे बड़ी अदालत तक पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस (सीजेआइ) जस्टिस सूर्यकांत के समक्ष एक जनहित याचिका दायर कर इस कथित मुठभेड़ पर स्वतः संज्ञान लेने की मांग की गई है। वकील नरेन्द्र मिश्रा द्वारा दायर इस याचिका में कोर्ट की निगरानी में मामले की निष्पक्ष जांच, प्राथमिकी दर्ज करने और मुठभेड़ से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने का आग्रह किया गया है। याचिकाकर्ता ने कहा कि बेहतर होगा कि यह जांच सीबीआइ या एसआइटी करे क्योंकि यह घटना कानून के शासन और संवैधानिक सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

समर्पण के बाद भी फायरिंग का आरोप : मृतक भरत भूषण तिवारी के स्वजनों और ग्रामीणों का आरोप है कि भरत ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था और अपनी पिस्तौल भी फेंक दी थी। इंटरनेट मीडिया पर बहु-प्रसारित हो रहे वीडियो भी इसी ओर इशारा करते हैं। याचिका में कहा गया है कि भरत कोई पेशेवर अपराधी नहीं था, बल्कि वह स्नातक था जो इंटरनेट मीडिया के जरिये बाढ़ और जनसमस्याओं की आवाज उठाता था। जब उसने आत्मसमर्पण कर दिया था, तो वह किसी के लिए खतरा नहीं था। ऐसे में पुलिस द्वारा जानलेवा बल का प्रयोग गैर-कानूनी है और यह सीधे तौर पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 103 (हत्या) के तहत अपराध की श्रेणी में आता है।

घटना से बिहार की सियासत में भूचाल : "एनकाउंटर सिर्फ आत्मरक्षा का अंतिम उपाय है, यह गिरफ्तारी या न्यायिक प्रक्रिया का विकल्प नहीं हो सकता।" इसी सिद्धांत को रेखांकित करते हुए याचिका में गवाहों और पीड़ित परिवार की सुरक्षा की भी मांग की गई है, क्योंकि न्याय की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों पर भी पुलिसिया कार्रवाई की जा रही है। इस घटना ने बिहार की सियासत में भी भूचाल ला दिया है। चौतरफा दबाव के बीच मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने हाईकोर्ट के एक सेवानिवृत्त जज से इस पूरे मामले की न्यायिक जांच कराने के आदेश दिए हैं।

सामूहिक दुष्कर्म का झूठा केस दर्ज कराने वाली महिला को 3 वर्ष की कैद

नईदुनिया प्रतिनिधि, धार

- मध्य प्रदेश के धार जिले का मामला, छह लोगों पर दर्ज कराया था मुकदमा
- गवाही मेम महिला अपने पूर्व के सभी बयानों से मुकरी, देना होगा जुर्माना

मध्य प्रदेश के धार जिले में न्यायालय ने सामूहिक दुष्कर्म का झूठा केस दर्ज कराने वाली महिला को तीन वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। महिला ने छह लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इसे न्यायिक प्रक्रिया को गुमराह करने का मामला मानकर न्यायालय ने महिला को दंडित किया है।

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी विवेक जैन ने महिला को धारा 193 के तहत दोषी ठहराते हुए तीन वर्ष के सश्रम कारावास के साथ एक हजार रुपये जुर्माने से भी दंडित किया है। मामला वर्ष 2018 का है। उसने छह लोगों के खिलाफ घर में घुसकर सामूहिक दुष्कर्म करने और जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बाद में महिला ने न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष धारा 164 सीआरपीसी के तहत भी अपने आरोपों का समर्थन किया। हालांकि, जब मामला अपर सत्र न्यायालय में पहुंचा तो गवाही के दौरान महिला अपने पूर्व के बयानों से मुकर गई। उसने अदालत में कहा कि वह आरोपितों को नहीं पहचानती और न ही उसने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। महिला ने यह भी दावा किया कि उसने पहले के बयान पति के दबाव में दिए थे।

परिवीक्षा का लाभ देने से भी इन्कार, सजा भुगतनी होगी : न्यायालय ने महिला को परिवीक्षा का लाभ देने से भी इन्कार कर दिया। आदेश के अनुसार उसको सजा भुगतनी होगी। जुर्माना जमा नहीं अदा करने पर 30 दिन का अतिरिक्त कारावास भुगतना पड़ेगा।

न्यायालय ने अपने फैसले में कहा कि महिला ने विभिन्न स्तरों पर एक जैसे बयान दिए और बाद में अदालत में उनसे मुकर गई। इससे स्पष्ट है कि उसने न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करने और अदालत को गुमराह करने का प्रयास किया।

सपा प्रमुख अखिलेश की बेटी पर अभद्र टिप्पणी करने वाला गिरफ्तार

जासं, कानपुर : इंटरनेट मीडिया पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की बेटी पर अमर्यादित टिप्पणी व गलत फोटो प्रचलित करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपित को मध्य प्रदेश के रीवा से गिरफ्तार किया है। दो अब भी फरार हैं।

सपा अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय सचिव प्रवीन यादव ने 11 जून को विनोद कुमार यादव, भरत कुमार पटेल और नागेश्वर सिंह बघेल के नाम से बने फेसबुक अकाउंट के खिलाफ आइटी एक्ट का मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप था कि तथ्यहीन बातें लिखकर सपा अध्यक्ष और बेटी की छवि बिगाड़ने की कोशिश की जा रही है।

मामला तूल पकड़ गया तो नागेश्वर सिंह के नाम से बने अकाउंट पर एक पोस्ट की गई, जिसमें लिखा गया- 'मैंने अखिलेश यादव की बेटी पर एक पोस्ट किया था। इसके भ्रामक होने की जानकारी होने पर पोस्ट हटा दिया। मेरी पोस्ट से किसी की भावनाएं आहत हुई हैं तो क्षमा करें।'

रविवार को रीवा जिले के निवासी नागेश्वर सिंह बघेल को उसके गृह क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है।

मुस्लिम धर्मगुरु बोले- जरदारी पाक को देखें, हमारे मामलों में दखल न दें

जागरण संवाददाता, वाराणसी

- गंज शहीदा मस्जिद पर पाकिस्तानी राष्ट्रपति की टिप्पणी पर काशी में नाराजगी
- बोले- यह हमारा आंतरिक और कानूनी मामला, हम खुद निपटाने में सक्षम

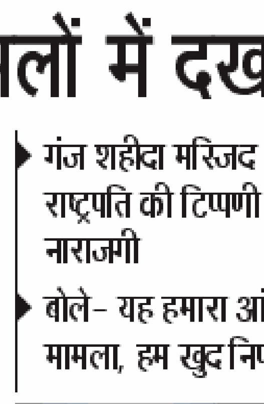

हाजी एजाजुद्दीन हाशमी, गद्दीनशीन रौजा गाजी मियां। स्रोत-स्वयं

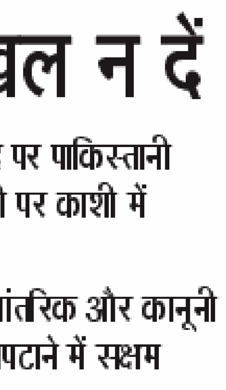

मौलाना अब्दुल बातिन नोमानी। स्रोत-स्वयं

काशी रेलवे स्टेशन के विस्तार कार्य के तहत गंज शहीदा मस्जिद को नोटिस जारी करने को लेकर उठा विवाद थम नहीं रहा है। इस मामले में पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी की टिप्पणी पर काशी के मुस्लिम धर्मगुरुओं ने कड़ी आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि यह भारत का आंतरिक और कानूनी मामला है और इसमें किसी बाहरी हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है।

शहर-ए-मुफ्ती बनारस मौलाना अब्दुल बातिन नोमानी ने कहा कि आसिफ अली जरदारी को अपने देश के हालात पर ध्यान देना चाहिए। भारत में कानून और अदालतें हैं और यहां के लोग अपने मामलों का समाधान करने में सक्षम हैं। अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद के संयुक्त सचिव मौलाना एसएम यासीन ने कहा कि गंज शहीदा मस्जिद का मामला कानूनी प्रक्रिया के तहत चल रहा है। भारत एक लोकतांत्रिक देश है और यहां लोग अपने मुद्दों को अदालत से लेकर संसद तक उठाना जानते हैं। इसलिए पाकिस्तान को इस मामले में दखल नहीं देना चाहिए। गद्दीनशीन रौजा गाजी मियां बड़ी बाजार हाजी एजाजुद्दीन हाशमी ने कहा कि यह भारत का अपना मामला है और इसका समाधान अदालत के माध्यम से होगा। उन्होंने कहा कि मस्जिद और रेलवे से जुड़े विवाद का फैसला कानून के दायरे में होगा, इसलिए पाकिस्तान का हस्तक्षेप उचित नहीं है।

कोर्ट कमिश्नर को मार खाते देखते रहे अपर थानाध्यक्ष समेत छह दारोगा निलंबित

जासं., मधुबनी : बिहार में मधुबनी जिले के अधवारी गांव में सिविल कोर्ट के निर्देश पर जमीन से अतिक्रमण हटाकर कब्जा दिलाने (दखल-देहानी) के दौरान कोर्ट कमिश्नर के साथ मारपीट मामले में दायित्व का निर्वहन नहीं करने पर छह पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया। पुलिस अधीक्षक योगेंद्र कुमार के निर्देश पर बेनीपट्टी डीएसपी द्वारा की गई जांच में बेनीपट्टी अपर थानाध्यक्ष सहित पांच एसआइ दोषी पाए गए। बताया गया कि 16 जून को अधवारी गांव में कोर्ट कमिश्नर के साथ ग्रामीणों ने मारपीट की थी।

बेनीपट्टी के डीएसपी अमित कुमार की जांच में पाया गया कि अतिक्रमण हटाकर कब्जा दिलाने के समय मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में पुलिस पदाधिकारी और जवान तैनात थे। कोर्ट कमिश्नर को घायल अवस्था में पुलिस वाहन से अस्पताल लाया गया था। घटनास्थल पर तैनात पुलिस अवर निरीक्षक संजय कुमार और जगदीश राम ने ही उन्हें बचाने का प्रयास किया था, अन्य पुलिस पदाधिकारियों ने सुरक्षा की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया।

आजम के जौहर ट्रस्ट को आयकर विभाग का नोटिस, 23 को सुनवाई

जागरण संवाददाता, रामपुर

- रामपुर सदर से भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने पांच साल पहले की थी शिकायत
- वर्ष 2023 में रामपुर भी आई थी आयकर विभाग की टीम, ट्रस्ट पर भ्रष्टाचार के आरोप

रामपुर स्थित जौहर यूनिवर्सिटी का मुख्य द्वार। जागरण आर्काइव

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां की मुश्किलें कम होती नहीं दिख रही हैं। उनकी जौहर यूनिवर्सिटी का संचालन करने वाले मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट को आयकर विभाग ने नोटिस जारी कर 23 जून को पूर्वाह्न 11:30 बजे लखनऊ कार्यालय में तलब किया है। विभाग ने ई-फाइलिंग पोर्टल के माध्यम से लिखित जवाब देने का विकल्प भी दिया है। यह कार्रवाई रामपुर सदर से भाजपा विधायक आकाश सक्सेना द्वारा वर्ष 2021 में केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड से की गई शिकायत और उसके बाद से चल रही जांच से जुड़ी है।

विधायक का आरोप था कि आजम खां ने सत्ता का दुरुपयोग कर लोगों को प्रभावित कर बड़ी मात्रा में संपत्ति हासिल की और उसी के आधार पर वर्ष 2006 में जौहर यूनिवर्सिटी की स्थापना की। इस विवि में वह कुलाधिपति भी बने। शिकायत में कहा गया कि कुछ ऐसे लोगों ने भी करोड़ों का चंदा दिया, जो नियमित आयकरदाता नहीं थे। विधायक ने ट्रस्ट में लगभग तीन हजार करोड़ रुपये के निवेश, भ्रष्टाचार और परिवारवाद के आरोप लगाते हुए जांच की मांग की थी। इसके बाद आयकर विभाग ने जांच शुरू की थी। सितंबर 2023 में विभाग की टीम रामपुर पहुंची थी। जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े मामलों में ईडी भी आजम खां से पूछताछ कर चुकी है, जबकि शासन स्तर पर एसआइटी जांच भी कराई जा चुकी है।

ट्रेन में फर्जी ई-टिकट के साथ यात्रा कर रहे यात्री भेजे गए जेल

जागरण संवाददाता, बस्ती : फर्जी ई-टिकट पर मुंबई की यात्रा कर रहे चार यात्रियों को रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की टीम ने पकड़ लिया। जांच में सामने आया कि दलाल ने दूसरे लोगों के नाम पर पहले से बुक टिकटों में नाम और आधार कार्ड के क्यूआर कोड में फेरबदल कर उन्हें महंगे दामों पर बेचा था। मुंबई के कथित टिकट दलाल अख्तर जहान के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी गई है। फर्जी आधार कार्ड, ई-टिकट, चैट और भुगतान से जुड़े प्रमाण भी जब्त कर लिए गए हैं।

वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त लखनऊ और सहायक सुरक्षा आयुक्त गोरखपुर की टीम को सूचना मिली थी कि ट्रेन संख्या 22537 कुशीनगर एक्सप्रेस में कुछ यात्री फर्जी टिकट पर सफर कर रहे हैं। शनिवार रात नौ बजे बभनान रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के एस-3 कोच की जांच में बर्थ संख्या 25, 26, 27 और 30 पर यात्रा कर रहे अब्दुल हकीम, अनीश अहमद, अफसाना खातून व सलीममुल्लाह को पकड़ा गया।

दैनिक जागरण
प्रत्येक व्यक्ति में कोई न कोई विशेष प्रतिभा होती है

स्वदेशी सैन्य शक्ति

प्रधानमंत्री ने कोलकाता के श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह पर जिन तीन नौसैनिक जहाजों आइएनएस दूनागिरि, आइएनएस संशोधक और आइएनएस अग्रय का शुभारंभ किया, उनकी विशेषता यह है कि वे स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित हैं। निःसंदेह यह एक उपलब्धि है और इस बात को रेखांकित करती है कि भारत को रक्षा क्षेत्र में अब केवल खरीदार बनकर नहीं रहना चाहिए, बल्कि उसे अपनी आवश्यकता की अधिकाधिक रक्षा सामग्री का उत्पादन देश में ही करना होगा। यह इसलिए आवश्यक है कि वर्तमान में किसी भी देश की सैन्य शक्ति का आकलन केवल इससे नहीं किया जाता कि उसके पास कैसे और कितने हथियार हैं, बल्कि इससे अधिक किया जाता है कि वह अपने स्तर पर रक्षा सामग्री का कितना अधिक निर्माण करता है? यदि भारत को आत्मनिर्भर बनना है तो उसके दायरे में रक्षा सामग्री अनिवार्य रूप से आनी चाहिए। यह ठीक नहीं कि भारत अभी भी रक्षा सामग्री के एक प्रमुख आयातक देश के रूप में जाना जाता है। अच्छी बात यह है कि धीरे-धीरे इस स्थिति में परिवर्तन हो रहा है। यह महत्वपूर्ण है कि पिछले कुछ वर्षों में 40 से अधिक स्वदेश निर्मित युद्धपोत और पनडुब्बियां भारतीय नौसेना में शामिल की गई हैं। एक समय ऐसा था जब भारत अपनी हर छोटी-बड़ी रक्षा सामग्री का आयात करता था। इससे रणनीतिक और सुरक्षा संबंधी चुनौतियां उत्पन्न होती थीं।

यह उल्लेखनीय है कि पिछले लगभग एक दशक में रक्षा सामग्री के स्वदेश में निर्माण को बल मिला है। इसके चलते देश में रक्षा उत्पादन में भी वृद्धि हुई है। जहां 2014 में भारत का कुल रक्षा उत्पादन 40 हजार करोड़ रुपये था, वहीं अब यह बढ़कर 1.8 लाख करोड़ रुपये हो गया है। यह रक्षा सामग्री के मामले में आत्मनिर्भरता को रेखांकित तो करता है, लेकिन अभी बहुत कुछ हासिल करना शेष है। कुछ समय पहले तक भारत में ज्यादातर रक्षा सामग्री का उत्पादन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में होता था। इसके चलते रक्षा सामग्री के उत्पादन की गति धीमी थी और उन्नत रक्षा सामग्री का निर्माण भी नहीं हो पाता था। यह अच्छा हुआ कि रक्षा सामग्री के निर्माण में निजी क्षेत्र का भी योगदान लेना शुरू किया गया। इसका परिणाम यह है कि पिछले कुछ वर्षों में भारत का रक्षा निर्यात भी बढ़ा है और वर्तमान में यह 38 हजार करोड़ तक पहुंच गया है। अब भारतीय रक्षा उत्पाद विश्व के करीब 80 देशों में निर्यात किए जाते हैं। यह ठीक है कि 2029 तक रक्षा निर्यात को 50 हजार करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है, लेकिन यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि देश में रक्षा सामग्री के उत्पादन की कई परियोजनाएं लंबित चल रही हैं। इनके कारणों की पहचान कर उनका प्राथमिकता के आधार पर निवारण किया जाना चाहिए।

पर्यटन प्रबंधन

यह अच्छा है कि हिमाचल प्रदेश में पर्यटक संख्या बढ़ रही है और मैदानों की गर्मी से बचने के लिए लोग ठंडे हिमाचल प्रदेश का रुख कर रहे हैं। यह और बात है कि मानसून अभी प्रसन्न नहीं हुआ है और हिमाचल प्रदेश के कतिपय क्षेत्र उतने ठंडे नहीं रह गए हैं, जितने समझे जाते हैं। इसके बावजूद, हरियाली और ठंडक अभी तक हिमाचल प्रदेश की परंपरागत विशेषताओं में सम्मिलित हैं। हिमाचल प्रदेश की ये विशेषताएं बची रहें, इसके लिए उसके प्रति सहानुभूतिपूर्वक विचार करना समय की मांग है। हिमाचल प्रदेश में कतिपय कारणों से लगातार बनती जाम की स्थिति आदर्श स्थिति नहीं है। इस बहस में गए बिना कि पर्यटन से हिमाचल प्रदेश कितनी कमाई कर रहा है, यह देखना बहुत आवश्यक है कि कतिपय कारणों से कहीं नकारात्मक छवि तो नहीं बन रही। भीड़ प्रबंधन, यातायात प्रबंधन एक पक्ष है, लेकिन सड़कों की स्थिति और पर्यटकों और कुछ स्थानीय लोगों का व्यवहार ऐसे कारक हैं जिन पर विस्तृत विमर्श होना चाहिए। पर्यटन स्थलों पर फैलता कचरा तो स्थूल प्रदूषण है, किंतु अब सांस्कृतिक प्रदूषण भी ऐसा रोग है जिसका उपचार आरंभ करना आवश्यक प्रतीत होता है। सफेद बर्फ पर प्लास्टिक कचरा और वाहनों से निकलती कालिख हिमाचल प्रदेश को किसी भी प्रकार से सफेद नहीं कर सकती। साहसिक पर्यटन के नाम पर गैर पंजीकृत गतिविधियों से होने वाला तात्कालिक लाभ दूरगामी हानि में बदल सकता है। इसलिए, हिमाचल प्रदेश के हित से जुड़े प्रत्येक पक्ष को विचार करना चाहिए कि पर्यटन प्रबंधन कैसे हो।

> हिमाचल में कतिपय कारणों से कई जगह जाम की स्थिति बनती है, इसके समाधान के लिए आगे बढ़ना होगा

जन विश्वास से सुगम होता जीवन

पीयूष गोयल

सुधारों की प्रक्रिया के पीछे प्रधानमंत्री का यही दृष्टिकोण है कि 21वीं सदी के भारत की आकांक्षाएं औपनिवेशिक काल के तौर-तरीकों से पूरी नहीं होंगी

अवधेश राजपूत

भारत की नियामकीय प्रणाली हमेशा दुविधा की मानसिकता के साथ काम करती थी और अक्सर छोटी प्रक्रियागत त्रुटियों या केवल आरोपों के कारण नागरिकों को कड़े दुष्परिणाम भुगतने पड़ते थे। मोदी सरकार ने प्रत्येक नागरिक के लिए विश्वास, सहानुभूति और सम्मान में निहित शासन को बढ़ावा देते हुए एक महत्वपूर्ण बदलाव की शुरुआत की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नागरिकों और व्यवसायों का समर्थन करने, अनुपालन को सरल बनाने और व्यवसायों के समक्ष व्यावहारिक कठिनाइयों का संज्ञान लेते हुए भारत के कानूनी परिदृश्य में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। चाहे अनुपालन बोझ घटाना हो, डिजिटलीकरण बढ़ाना हो, या एकल-खिड़की मंजूरी हो, कुल मिलाकर बदलाव का मकसद शासन को अधिक तर्कसंगत और कुशल बनाना रहा है।

प्रधानमंत्री का विश्वास और सहानुभूति पर आधारित शासन का मंत्र स्पष्ट रूप से जन विश्वास अधिनियम, 2026 और 2023 के इसी तरह के एक कानून में दिखाई देता है। नागरिक-अनुकूल नियामकीय परिवेश बनाने और अनुपालन को प्रोत्साहित करने के लिए नया कानून मामूली अपराधों से निपटने के लिए स्पष्ट सिद्धांत अपनाता है: दंड से पहले चेतावनी देना, अपराध की गंभीरता के अनुसार जुर्माना तय करना, त्वरित एवं पारदर्शी समाधान और जुर्माने का एक गतिशील ढांचा, जिसमें समय-समय पर संशोधन होता हो, ताकि नियम लागू करने का तरीका प्रभावी, प्रासंगिक और समय के साथ उत्तरदायी बना रहे। यह दृष्टिकोण, अनुपालन और प्रवर्तन के तरीके में एक बड़ा बदलाव है, जो प्रधानमंत्री के इस दृष्टिकोण के अनुरूप है कि 21वीं सदी के भारत की आकांक्षाएं औपनिवेशिक शासन के पुराने तरीकों के माध्यम से पूरी नहीं हो सकतीं।

इस सुधार का पैमाना अभूतपूर्व है। जन विश्वास अधिनियम 23 मंत्रालयों के 79 केंद्रीय कानूनों से जुड़े 784 प्रविधानों को संशोधित करता है। यह लोगों के जीवन को सुगम बनाने के लिए 717 प्रविधानों को अपराधमुक्त करता है और 67 प्रविधानों को तर्कसंगत बनाता है। यह स्वतंत्र भारत के विधायी इतिहास में सबसे बड़ी अपराधमुक्ति पहल है। यह 1,000 से अधिक अपराधों को तर्कसंगत बनाता है। पुराने अप्रचलित अपराधों को समाप्त कर आपराधिक न्यायालयों के बाहर निर्णय और अपील की व्यवस्था को मजबूत करता है। पूर्व की व्यवस्था में किसी घर, इमारत या वाहन में सूर्यास्त और सूर्योदय के बीच उपस्थिति को लेकर संतोषजनक जवाब न देने पर किसी व्यक्ति को तीन महीने तक की जेल हो सकती थी।

औपनिवेशिक काल में सामान्य आवाजाही को संदेह की दृष्टि से देखे जाने वाले इस प्रविधान को समाप्त कर दिया गया है। पहले किसी के ड्राइविंग लाइसेंस की समयसीमा समाप्त होने के तुरंत बाद गाड़ी चलाते पकड़े जाने पर उसे अपराध की दृष्टि से देखा जाता था। नए कानून में इस मोर्चे पर 30 दिन की छूट अवधि दी गई है। इसी क्रम में अप्रेंटिसशिप अधिनियम के तहत पंजीकरण का विवरण अद्यतन न कर पाना पहले आपराधिक कृत्य था, पर अब केवल नियमों की बार-बार अवहेलना पर ही सख्त कार्रवाई होगी। पहले किसी खनन कंपनी की दस्तावेजीकरण प्रक्रिया में चूक के कारण जेल तक हो सकती थी, लेकिन अब जुर्माना ही पर्याप्त है।

इस संदर्भ में जन विश्वास कानून वस्तुतः समस्त नागरिकों के जीवन को सुगम बनाने के पीएम मोदी के प्रयासों का ही प्रतीक है। प्रधानमंत्री के तौर पर देश-सेवा के 12 वर्षों में और उससे पहले गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर यह उनका प्रमुख मिशन रहा है। जन विश्वास, 2026 एक महत्वपूर्ण स्तंभ पर आधारित है। भारत ने 2023 में पहले जन विश्वास अधिनियम के माध्यम से 42 अधिनियमों के 183 प्रविधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया था। इस प्रयास ने दिखाया कि नियमों को लागू करने की प्रक्रिया को कमजोर किए बिना गैर-अपराधीकरण से शासन में सुधार संभव है। 2026 का कानून इस प्रक्रिया को लगभग चार गुना बढ़ाता है, जो यह संकेत है कि यह कोई एक बार की गई पहल नहीं है, बल्कि सुधार की दिशा में निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। समग्रता में देखें तो कम गंभीरता वाले आपराधिक प्रविधानों की जगह प्रशासनिक और मौद्रिक व्यवस्थाएं लाना, न सिर्फ आम नागरिक के लिए स्वागतयोग्य है, बल्कि छोटे व्यवसायों की भी मदद करता है। इससे प्रवर्तन एजेंसियां भी रोजमर्रा की तकनीकी गलतियों के बजाय गंभीर उल्लंघनों पर ध्यान केंद्रित कर सकती हैं।

नियमों में सुगमता के लाभ अर्थव्यवस्था और निवेश के मोर्चे पर भी मिलते हैं। तेजी से प्रतिस्पर्धी होती वैश्विक अर्थव्यवस्था में नियमों की विश्वसनीयता बहुत मायने रखती है। वर्षों तक मामूली गलतियों के लिए कानूनी शिकंजे का डर निवेश की राह में बड़ा अवरोध बना हुआ था, लेकिन अब नियमों को सुगम बनाने का परिणाम निवेश रुझानों में स्पष्ट दिखता है। देश में 2014 से 2025 के बीच प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआइ) में 143 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो सिलसिला निरंतर तेज हो रहा है। स्पष्ट है कि इन कदमों का उद्देश्य भारत को निवेश और कारोबार के लिए अधिक भरोसेमंद और स्थायित्व से परिपूर्ण गंतव्य बनाकर इस रुझान को और गति प्रदान करना है।

ऐसे सुधारों से न्यायिक प्रणाली को भी राहत मिलेगी। देश की विभिन्न अदालतों में लगभग 5.5 करोड़ मुकदमे लंबित हैं और इनमें एक बड़ी संख्या छोटे-मोटे उल्लंघनों की है, जिन्हें अब अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया गया है। ऐसे मामलों को प्रशासनिक निर्णय के लिए भेजना सिर्फ एक कारोबारी सुधार नहीं, बल्कि न्यायिक सुधार भी है। इससे अदालतों को अपने सीमित समय और संसाधनों को गंभीर विवादों और न्याय से जुड़े अहम सवालों पर केंद्रित करने का मौका मिलता है। इस बीच यह न भूला जाए कि गंभीर उल्लंघनों के लिए सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। जहां सख्ती जरूरी है, वहां कानून पूरी तरह सख्त बना रहेगा। बदलाव सिर्फ दृष्टिकोण में आया है। शासन अब संदेह से विश्वास, अभियोजन से सुधार और भय से स्वतंत्रता की ओर बढ़ रहा है।

(लेखक केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री हैं)
response@jagran.com

पहले इंसान, फिर वाहन

देश की सर्वोच्च अदालत ने हाल में एक ऐसा फैसला सुनाया है, जो केवल एक कानूनी निर्णय नहीं, बल्कि विकास को लेकर हमारे सोच पर भी गहरा सवाल खड़ा करता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि फुटपाथ पर सुरक्षित चलना हर नागरिक का मौलिक अधिकार है और सड़कों पर पैदल चलने वालों का अधिकार मोटर वाहनों से अधिक महत्वपूर्ण है। अदालत ने यह कहा है कि इंसान ने पहिए आने से बहुत पहले चलना सीख लिया था। यह केवल एक ऐतिहासिक तथ्य ही नहीं, बल्कि हमारी शहरी और ग्रामीण विकास नीतियों पर एक गहरी टिप्पणी भी है। यह फैसला एक दर्दनाक हादसे की सुनवाई के दौरान दिया, जिसमें एक पिता ने अपने पांच साल के बेटे को सड़क दुर्घटना में खो दिया था। अदालत ने इस मामले को केवल मुआवजे तक सीमित नहीं रखा, कोर्ट ने पैदल चलने वालों के अधिकार को संविधान के अनुच्छेद 19 और 21 से जोड़कर उसे मौलिक अधिकार का दर्जा भी दे दिया। कोर्ट ने मोटर वाहन अधिनियम की कमियों की ओर भी ध्यान दिलाया है।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला क्यों महत्वपूर्ण और दूरगामी है, इसके लिए कुछ बातों पर विचार करने की जरूरत है। दरअसल, पिछले कुछ दशकों में देश का विकास लगभग पूरी तरह वाहनों के इर्दगिर्द केंद्रित रहा है। शहरों में फ्लाईओवर बने, चौड़ी सड़कें बनीं, एक्सप्रेसवे बने, लेकिन पैदल चलने वालों के लिए सुरक्षित फुटपाथों की जरूरत को लगभग नजरअंदाज कर दिया गया। विडंबना यह है कि देश की एक बड़ी आबादी आज भी पैदल चलकर ही अपनी दैनिक जरूरतें पूरी करती है। गरीब, मजदूर, बुजुर्ग, महिलाएं, बच्चे, दिव्यांग और छोटे कस्बों के लोग सबसे ज्यादा पैदल यात्रा करते हैं, लेकिन सड़कें मानो केवल वाहनों के लिए आरक्षित कर दी गई हैं। अदालत का यह कहना पूरी तरह सही है कि शुरुआत में यह एक तरह का 'आभिजात्य प्रभाव' था। जब वाहन केवल अमीरों के पास थे, तब भी पैदल चलने वालों को महत्व नहीं मिला और जैसे-जैसे वाहन सस्ते हुए, पूरी सड़क पर वाहनों का कब्जा हो

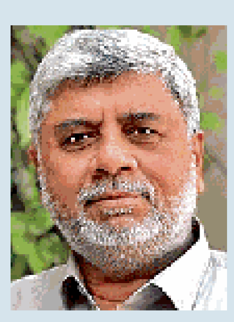

पैदल चलने वालों के अधिकारों को मान्यता देकर अदालत ने अपनी जिम्मेदारी तो निभा दी है, अब सरकारों की बारी है

अमरपाल सिंह वर्मा

फुटपाथ को रखना होगा अतिक्रमण से मुक्त। फाइल

गया। आज स्थिति यह है कि कई शहरों में फुटपाथ हैं ही नहीं और जहां हैं, वहां दुकानों, ठेलों, पार्किंग और अतिक्रमणों ने उन्हें निगल लिया है।

इस निर्णय में कई महत्वपूर्ण पहलुओं का समावेश है। यह निर्णय नागरिकों के लिए पैदल चलने के अधिकार को स्थापित करता है। अब फुटपाथ कोई सरकारी दया का विषय नहीं, बल्कि नागरिक अधिकार का प्रश्न है। इसके साथ-साथ अदालत ने नगर निगमों, विकास प्राधिकरणों, नगरपालिकाओं और ग्राम पंचायतों की जिम्मेदारी तय की है। अब वे यह कहकर नहीं बच सकते कि संसाधन नहीं हैं या यह उनकी प्राथमिकता नहीं है। अगर सड़क है तो फुटपाथ भी होना चाहिए। इस फैसले से नागरिकों को कानूनी अधिकार मिला है कि यदि फुटपाथ नहीं हैं, टूटे हुए हैं या उन पर कब्जा है तो वे अदालती दरवाजा खटखटा सकते हैं और हर्जाने की मांग भी कर सकते हैं। अगर इस फैसले को धरातल पर लागू किया जाता है तो इसके दूरगामी लाभ होंगे। सड़क दुर्घटनाओं में बड़ी कमी आएगी। आवाजाही सुगम होगी। प्रदूषण कम करने और पैदल चलने की संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा।

हालांकि कुछ सवाल भी हैं, जैसे कि सरकारें इस फैसले को कितनी गंभीरता से लेंगी? आज देश के अधिकांश छोटे शहरों और कस्बों में फुटपाथ नाम की कोई व्यवस्था नहीं है। जहां फुटपाथ बने भी हैं, वे दुकानों के आगे बढ़े चबूतरों, पार्किंग, सामान रखने के स्थानों और अस्थायी कब्जों में बदल चुके हैं। सवाल यह भी है कि क्या अब नगर निकाय फुटपाथों से अतिक्रमण हटाएंगे? क्या नई सड़क परियोजनाओं में पैदल यात्रियों को प्राथमिकता मिलेगी?

विभिन्न अदालतों ने समय-समय पर जनहित में फैसले किए हैं, पर उनका क्रियान्वयन कितना हुआ है, इसे देखे जाने की जरूरत है। फुटपाथों पर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद अब प्रत्येक शहर और कस्बे में फुटपाथों का सर्वे कराया जाए। अतिक्रमण हटाने के लिए विशेष अभियान चलाए जाएं। नई सड़क परियोजनाओं में फुटपाथ अनिवार्य किए जाने चाहिए। स्कूलों, अस्पतालों और बाजारों के आसपास पैदल यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता मिले। ग्रामीण क्षेत्रों में भी सुरक्षित पैदल मार्गों की योजना बनाई जाए। यह सब जरूरी है, क्योंकि किसी सभ्य समाज की पहचान उसकी चौड़ी सड़कों, फ्लाईओवरों और एक्सप्रेसवे से नहीं, बल्कि इस बात से होती है कि वहां सबसे कमजोर और असुरक्षित व्यक्ति कितनी सुरक्षा और सम्मान के साथ चल सकता है। जब पैदल चलने वाला नागरिक सुरक्षित होगा, तभी हम अपने विकास को सचमुच मानवीय विकास कह सकेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने अपनी जिम्मेदारी निभा दी है और एक स्पष्ट संवैधानिक दिशा दे दी है। अब गेंद कार्यपालिका के पाले में है। देखना यह है कि सरकारें इस ऐतिहासिक फैसले को केवल न्यायालय के पन्नों तक सीमित रहने देती हैं या उसे वास्तविकता का स्वरूप देकर साकार करती हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)
response@jagran.com

ऊर्जा

विचार और वाणी

मानव जीवन में विचार और वाणी दो महत्वपूर्ण घटक हैं। मनुष्य के अनुभव, ज्ञान और भावनाओं से उत्पन्न विचार वाणी को माध्यम बनाकर स्वयं को आकार देते हैं। वैचारिक उत्कृष्टता जितनी समृद्ध होगी, वाणी भी उतनी प्रभावी होगी। वाणी विचारों का ही अनुसरण करती है। इसलिए वाणी को विचारों का प्रतिबिंब कहना उचित होगा। जिस प्रकार अच्छी पुस्तकों का अध्ययन श्रेष्ठ विचारों का पोषक माना गया है, उसी प्रकार मन, बुद्धि और ज्ञान की छलनी से छनकर व्यक्त की जाने वाली वाणी को अंतस की आवाज समझा गया है।

वैचारिक शुद्धता और वाणी चातुर्य का मिश्रित रसायन ही मनुष्य की सफलता का आधार है, जो उसके मानसिक और वाचिक तप का प्रतिफल होता है। मानसिक तप से जैसे वैचारिक स्वच्छंदता को नियंत्रित किया जा सकता है, वैसे ही वाचिक तप से वाणी को कटुता रूपी अनर्थ का निमित्त बनने से रोका जा सकता है। मन की प्रसन्नता, शांत स्वभाव, मन का निग्रह और अंतःकरण की पवित्रता मानसिक तप है तो दूसरों को विचलित नहीं करने वाला मृदुभाष्य सत्यकथन और संवेदनशीलता वाचिक तप है। दोनों की साधना से मन की मलिनता का शमन होते रहने से मनुष्य के मन में न केवल श्रेष्ठ विचारों का प्रस्फुटन होने लगता है, वरन वह जैसा सोचता है वैसा ही बोलना भी आरंभ कर देता है। मानसिक विचार और वाणी का यह तादात्म्य उसकी वाक्पटुता की श्रेष्ठता को स्थापित कर उसे दूसरों के लिए प्रेरक बनाता है।

यूं तो मनुष्य की साधारण पहचान उसके चेहरे से होती है, किंतु उसकी समग्र एवं व्यापक पहचान उसके विचारों और वाणी से ही होती है। वैचारिक उत्कृष्टता के साथ वाणी का स्तर जिस मनुष्य का जितना श्रेष्ठ होगा, वह उतना ही आकर्षक और सर्वप्रिय होगा।

एसएन दुबे 'स्नेही'

दवाओं की सुरक्षा से खिलवाड़

सुभाष बुड़ावन वाला

> एक स्वस्थ राष्ट्र के लिए जरूरी है कि दवाएं भरोसे का माध्यम बनें, व्यापार का साधन नहीं

स्वास्थ्य किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी होती है, लेकिन जब दवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा पर सवाल उठते हैं, तो यह केवल प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन से जुड़ा गंभीर विषय बन जाता है। केंद्र सरकार ने हाल में 16 ऐसी फिक्स्ड डोज कांबिनेशन (एफडीसी) दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर रोक लगाया है, जिनमें दो या अधिक औषधियों को मिलाकर तैयार किया जाता था। सरकार का कहना है कि इन दवाओं के उपयोग का पर्याप्त वैज्ञानिक आधार नहीं मिला और इनके लंबे समय तक सेवन से नुकसान की आशंका थी, लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि यदि ये दवाएं जनस्वास्थ्य के लिए उचित नहीं थीं, तो इन्हें वर्षों तक बाजार में आने की अनुमति कैसे मिलती रही?

दवाओं को मंजूरी देने वाली व्यवस्था की जिम्मेदारी केवल प्रतिबंध लगाने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि कोई भी दवा बाजार में आने से पहले कठोर वैज्ञानिक परीक्षणों और सुरक्षा मानकों से गुजरे। इससे यह संकेत मिलता है कि देश की दवा नियामक व्यवस्था में लगातार निगरानी और समय पर कार्रवाई की आवश्यकता है। यदि किसी दवा की उपयोगिता और सुरक्षा वर्षों बाद जांची जाती है, तो यह व्यवस्था की कमजोरी को दर्शाता है। विकसित देशों में नई जानकारी सामने आते ही दवाओं की समीक्षा कर ली जाती है, लेकिन भारत में कई बार ऐसी दवाओं पर कार्रवाई देर से होती है। इस देरी का खामियाजा आम नागरिकों को भुगतना पड़ता है। ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सकीय सलाह के अभाव में लोग आसानी से उपलब्ध दवाओं का उपयोग कर लेते हैं। एक और गंभीर समस्या दवाओं के विज्ञापनों की है। कई बार आकर्षक प्रचार के माध्यम से लोगों को ऐसी दवाएं लेने के लिए प्रेरित किया जाता है, जिन्हें डाक्टर की सलाह के बिना लेना नुकसानदायक हो सकता है। सर्दी, दर्द, कमजोरी, गैस या अन्य सामान्य समस्याओं के नाम पर लोग स्वयं दवा लेने लगते हैं, जिससे गलत इलाज और दवाओं के दुरुपयोग की समस्या बढ़ती है। दवाओं के विज्ञापन पर अधिक सख्त नियंत्रण हो और जनता को सही स्वास्थ्य जानकारी उपलब्ध कराई जाए।

ग्रामीण क्षेत्रों में नीम-हकीमों द्वारा स्टेरायड मिश्रित दवाओं का अनियंत्रित उपयोग भी चिंता का विषय है। ऐसी दवाएं मरीज को तुरंत राहत तो दे सकती हैं, लेकिन लंबे समय में शरीर को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती हैं और कई बार मरीज को इनकी आदत लग जाती है। इसलिए केवल दवाओं पर प्रतिबंध लगाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य शिक्षा, डाक्टरों की उपलब्धता और दवा बिक्री की निगरानी भी जरूरी है। सरकार, दवा नियामक संस्थाओं और स्वास्थ्य मंत्रालय को ऐसी प्रणाली विकसित करनी होगी जिसमें किसी भी संदिग्ध दवा की पहचान और कार्रवाई तुरंत हो सके।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

पूर्वाग्रह से ओतप्रोत विचार

19 जून के संस्करण में भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी का लेख 'संभव नहीं नेहरू और मोदी की तुलना' में नेहरू को खलनायक सिद्ध करने की जो कोशिश की गई, वह एकतरफा और पूर्वाग्रहयुक्त है। लेखक यह भूल गए कि नेहरू को किस दयनीय दशा में भारत मिला था। तब भारत में खाने को अनाज, चिकित्सा एवं शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं तक का अभाव था। उन विपरीत परिस्थितियों में नेहरू ने कठिनाई से भारत को आगे ले जाने के सफल प्रयास किए। जब मोदी के हाथों भारत की बागडोर आई थी, तब तक पहले के प्रधानमंत्रियों के प्रयासों से भारत हर क्षेत्र में उन्नति कर तेजी से आगे बढ़ रहा था। विश्व में भारत की पहचान नेहरू ने बनाई और उन्हें विश्व के अग्रणी नेताओं की श्रेणी में देखा जाने लगा। त्रिवेदी जी ने अपने लेख मे मोदी जी की केवल उपलब्धियों को तो खूब बढ़ा-चढ़ाकर बखान किया, लेकिन मोदी सरकार की असफलताओं की पूरी तरह अनदेखी कर दी। विदेश नीति के साथ देश के आंतरिक मामलों मे भी मोदी सरकार हर मोर्चों पर सफल नहीं रही। तीन कृषि कानूनों को केवल एक छोटे वर्ग के दबाव के कारण वापस लेना, नोटबंदी का विफल हो जाना। कई प्रतियोगी परीक्षाओं के पर्चे लीक होना और उसके कारण कुछ होनहार छात्रों द्वारा आत्महत्या करना, अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी आदि कई ऐसे मामले हैं, जिनमें मोदी सरकार पूरी तरह विफल रही है। सुधांशु त्रिवेदी का नेहरू विरोध स्वाभाविक है, लेकिन बेहतर होता यदि वे 1949 में नेहरू की जन्मतिथि पर सरदार पटेल के उस पत्र को पढ़ लेते,

मेलबाक्स

जिसमें लिखा था कि मैं जानता हूं कि आपने देश के लिए कितना कष्ट सहा है।

शैलेंद्र टंडन, अवकाशप्राप्त न्यायाधीश, लखनऊ

एआइ क्रांति का दूसरा चेहरा

इस वर्ष अब तक 164 कंपनियों ने एक लाख 16 हजार से अधिक कर्मचारियों की छंटनी की है। इनमें ओरेकल, टीसीएस, माइक्रोसाफ्ट, अमेजन और मेटा जैसी दिग्गज कंपनियां शामिल हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) के बढ़ते उपयोग के कारण कंपनियां इस क्षेत्र में निवेश बढ़ा रही हैं। इसके चलते पारंपरिक सपोर्ट और मेंटेनेंस टीमों के बजट को कम करके साफ्टवेयर और क्लाउड व्यवसायों की ओर मोड़ा जा रहा है। एआइ की प्रगति जहां तकनीकी क्षेत्र में नए अवसर पैदा कर रही है, वहीं यह पारंपरिक आइटी नौकरियों के लिए बढ़ते खतरे के रूप में भी उभर रही है।

दत्तप्रसाद शिरोडकर, मुंबई

नौसेना की शक्ति बढ़ी

भारतीय नौसेना की शक्ति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री मोदी ने कोलकाता के श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट पर तीन स्वदेशी नौसैनिक पोतों की त्रि-कमीशनिंग की। इनमें पहला है आइएनएस दुनागिरि। यह नीलगिरि श्रेणी का स्टील्थ फ्रिगेट है। स्टील्थ तकनीक के कारण यह रडार पर कम दिखाई देता है। यह ब्रह्मोस मिसाइल, बराक-8 वायु रक्षा प्रणाली तथा टारपीडो से लैस है। दूसरे नौसैनिक पोत का नाम आइएनएस संशोधक (जे-17) है। यह सर्वे वेसल लार्ज (एसवीएल) श्रेणी का पोत है। यह समुद्र की गहराई मापने, नौवहन चार्ट तैयार करने तथा पनडुब्बियों के लिए सुरक्षित मार्ग खोजने का कार्य करता है। इसे "समुद्र का डाक्टर" भी कहा जाता है। इसकी विशेषता यह है कि यह जीपीएस के बिना भी समुद्री मानचित्र तैयार करने में सक्षम है। तीसरा कमीशन किया गया पोत आइएनएस अग्रय (जे-16) है। यह भी सर्वे वेसल लार्ज श्रेणी का पोत है। 'अग्रय' का अर्थ है- 'आगे बढ़ने वाला'। यह समुद्री हाइड्रोग्राफी का कार्य करेगा, बंदरगाहों के मानचित्र तैयार करेगा तथा समुद्री प्रदूषण की निगरानी करेगा। आवश्यकता पड़ने पर यह युद्धकाल में पनडुब्बी-रोधी अभियानों में भी सहयोग करेगा। मोदी सरकार के कार्यकाल में जहां सैन्य शक्ति का निरंतर विस्तार हुआ है, वहीं भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में भी तेजी से बढ़ रहा है।

धर्मेंद्र नाथ रस्तोगी, गाजियाबाद

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल : response@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व. नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए; नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली-110001 से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा-201309 से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण)-विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष: नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHI/2017/74721 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी. समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क र-2 अतिरिक्त।

1.5 लाख से 1.85 लाख टन ठोस कचरा निकलता है भारत में हर दिन लगभग। इस कुल कचरे का लगभग 25 प्रतिशत से 30 प्रतिशत हिस्सा ही रिसाइकल या प्रोसेस हो पाता है, जबकि बाकी कचरा सीधे लैंडफिल में फेंक दिया जाता है।

आजकल

होर्मुज संकट से निपटने की रणनीति

श्री राम शा
shriramshaw@nda.jagran.com

अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते को लेकर 'सहमति' बनना पश्चिम एशिया के साथ-साथ पूरी दुनिया के लिए एक राहत भरी खबर तो हो सकती है, लेकिन होर्मुज जल मार्ग से ऊर्जा की निर्बाध आपूर्ति को लेकर आशंका और अनिश्चितता के बादल अभी पूरी तरह से छंटे नहीं हैं। क्षेत्र में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और होर्मुज जल मार्ग में आपूर्ति बाधित रहने की आशंका को भारत के लिए केवल एक बाहरी संकट नहीं, बल्कि एक 'रणनीतिक चेतावनी' माना जाना चाहिए।

विकसित एवं आत्मनिर्भर बनने के लिए आयातित ऊर्जा पर निर्भरता घटाए भारत। फाइल

पश्चिम एशिया का संकट दक्षिण एशिया की खुशहाली के लिए एक आर्थिक खतरा बन चुका है। हालांकि यह दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ता आर्थिक क्षेत्र है, पर विश्व बैंक ने चेतावनी दी है कि ईंधन, गैस और उर्वरकों की बढ़ती कीमतें इसे सबसे अधिक प्रभावित कर सकती हैं। संकट के इस प्रभाव के कारण दक्षिण एशिया की आर्थिक विकास दर साल 2025 के सात प्रतिशत से घटकर 2026 में 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। तमाम कोशिशों और ईरान युद्ध समाप्त करने तथा होर्मुज जलमार्ग को खोलने पर 'समझौते' के बावजूद, तेल और ऊर्जा संकट रातों-रात खत्म नहीं होगा। समुद्री बारूदी सुरंगों के खतरे के कारण जहाजों का आवागमन अभी भी बहुत कम है और इस मार्ग को पूरी तरह सुरक्षित बनाने तथा तेल उत्पादन को सामान्य होने में अभी महीनों का समय लग सकता है। ऊर्जा की ये बढ़ती कीमतें और आपूर्ति में रुकावटें आज भी आम जनजीवन और बाजारों को बुरी तरह प्रभावित कर रही हैं।

अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते को लेकर 'सहमति' बनना पश्चिम एशिया के साथ-साथ पूरी दुनिया के लिए एक राहत भरी खबर तो हो सकती है, लेकिन इस मार्ग से ऊर्जा की निर्बाध आपूर्ति को लेकर आशंका और अनिश्चितता के बादल अभी पूरी तरह से छंटे नहीं हैं। क्षेत्र में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और होर्मुज में आपूर्ति बाधित रहने की आशंका को भारत के लिए केवल एक बाहरी संकट नहीं, बल्कि एक 'रणनीतिक चेतावनी' माना जाना चाहिए। होर्मुज संकट ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा के सामने एक गंभीर चुनौती खड़ी कर दी है। फरवरी 2026 से होर्मुज जलमार्ग के प्रभावी रूप से बंद होने के कारण भारत के तेल बाजार पर गहरा असर पड़ा है। इस संकट ने साफ कर दिया है कि भारत को अब ऊर्जा सुरक्षा को सिर्फ 'खरीद' के नजरिये से देखना बंद करना होगा और एक दीर्घकालिक, आक्रामक और लचीली रणनीति अपनानी होगी। इस वैश्विक उथल-पुथल से सीख लेते हुए भारत को भविष्य के भू-राजनीतिक संकटों से निपटने के लिए कच्चे तेल के नए आपूर्ति मार्ग खोजने होंगे, अपने स्टोरेज बफर को और बड़ा करना होगा तथा आयात-लिंक्ड ईंधनों पर निर्भरता को तेजी से कम करना होगा। दशकों से भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए इस बेहद संवेदनशील समुद्री मार्ग पर निर्भर रहा है। यदि इस मार्ग से तेल और गैस की आपूर्ति लंबे समय तक बाधित होती है, तो इसका सीधा गंभीर असर हमारे परिवहन, कृषि, उद्योग, मुद्रास्फीति और समग्र आर्थिक स्थिरता पर पड़ेगा। इसका समाधान केवल नए तेल आपूर्तिकर्ता खोजने में नहीं, बल्कि भारत के पूरे ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र को नए सिरे से गढ़ने में है।

कचरे से कंचन: भारत का सबसे बड़ा ऊर्जा संसाधन जमीन के नीचे नहीं, बल्कि देश के हर गांव, कस्बे और शहर की सड़कों पर बिखरा पड़ा है। नगरपालिकाओं का ठोस कचरा, कृषि अवशेष, पशुओं का गोबर और जैविक कचरा हर दिन पहाड़ों की तरह जमा हो रहा है। वर्तमान में इस कचरे का एक बड़ा हिस्सा या तो जला दिया जाता है या बिना किसी उपचार के डंपिंग यार्ड में छोड़ दिया जाता है, जिससे प्रदूषण और बीमारियां फैलती हैं। इस कचरे को समस्या नहीं, बल्कि एक 'रणनीतिक राष्ट्रीय संसाधन' माना जाना चाहिए। इसके लिए भारत को पंचायत स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक एक 'राष्ट्रीय कचरा-से-ऊर्जा मिशन' शुरू करने की आवश्यकता है। इसका उद्देश्य अत्यंत स्पष्ट होना चाहिए-कचरे के हर एक किलोग्राम से या तो ऊर्जा बने या जैविक उर्वरक बने या फिर राजस्व पैदा हो। इस मिशन को सफल बनाने के लिए हमें एक बहु-स्तरीय माडल अपनाना होगा। ग्रामीण स्तर-गांवों में उपलब्ध पशुधन के गोबर और कृषि अवशेषों को सामुदायिक बायोगैस संयंत्रों के माध्यम से ऊर्जा में बदला जाए, जिससे पंचायतें खुद आत्मनिर्भर ऊर्जा उत्पादक बन सकें। जिला स्तर-गांवों के समूहों को मिलाकर बायो-मीथेन और कंप्रेस्ड बायोगैस इकाइयां स्थापित की जाएं, जो स्थानीय उद्योगों और परिवहन के लिए ईंधन की आपूर्ति कर सकें। शहरी स्तर-नगर निगमों द्वारा एकीकृत कचरा प्रसंस्करण सुविधाएं बनाई जाएं, जहां बिजली, गैस और पुनर्चक्रण योग्य सामग्रियां तैयार हों। राष्ट्रीय स्तर-बड़े पैमाने पर औद्योगिक भागीदारी के साथ विशाल वेस्ट-टू-एनर्जी पार्क विकसित किए जाएं। यह विकेंद्रीकृत दृष्टिकोण कुछ बड़े संयंत्रों पर निर्भर रहने के बजाय देश भर में लाखों छोटे ऊर्जा केंद्र स्थापित कर देगा।

नवाचार एवं तकनीक: भारत की असली ताकत उसके प्राकृतिक संसाधन नहीं, उसकी युवा मेधा है। सरकार को आइआइटी, एनआइटी, विश्वविद्यालयों और स्कूलों के छात्रों के लिए एक 'राष्ट्रीय कचरा नवाचार चुनौती' शुरू करनी चाहिए। इस प्रतिभा को देश की ऊर्जा सुरक्षा से जोड़ा जाना चाहिए। कचरा संग्रहण, पृथक्करण, मीथेन कैप्चर और कचरे से बिजली बनाने की सस्ती एवं कुशल तकनीकों को विकसित करने वाले स्टार्टअप्स को विशेष अनुदान, इनक्यूबेशन सहायता और व्यावसायिक मंच दिया जाए। जब युवा इस क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा करेंगे, तो भारत के पास अपनी स्वदेशी तकनीक होगी।

इसके साथ ही, कचरा प्रबंधन में एआइ और भारत के डिजिटल बुनियादी ढांचे का समावेशन क्रांतिकारी साबित हो सकता है। एआइ के माध्यम से कचरा पैदा होने के पैटर्न की पहचान की जा सकती है। कचरा उठाने वाले वाहनों के रूट को अनुकूलित कर परिवहन लागत घटाई जा सकती है। स्मार्ट बिन और सेंसर-आधारित प्रणालियों से कचरे के प्रकार का सटीक पता लगाया जा सकता है, जिससे रीसाइक्लिंग की उत्पादकता कई गुना बढ़ जाएगी। जब तक कचरे को आर्थिक रूप से आकर्षक नहीं बनाया जाएगा, तब तक यह जनआंदोलन नहीं बन सकता। कचरा अलग करने वाले नागरिकों को करों में छूट, आवासीय सोसायटियों को रिबेट और रीसाइक्लिंग करने वाले स्कूलों को पुरस्कृत किया जाना चाहिए। देश के बड़े कारपोरेट घरानों को 'गोद लें एक जिला' नीति के तहत एकीकृत कचरा प्रबंधन पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

जनभागीदारी एवं सौर ऊर्जा का विस्तार: कचरे से ऊर्जा बनाने के समानांतर, सौर ऊर्जा का विस्तार युद्ध स्तर पर होना चाहिए। सरकार की 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' एक शानदार शुरुआत है, लेकिन इसके पैमाने को कई गुना बढ़ाना होगा। भारत की हर छत-चाहे वह घर हो, स्कूल, सरकारी इमारत, फैक्ट्री या मंदिर-मठ-एक मिनी पावर स्टेशन में बदल जानी चाहिए। आसान ऋण, सरल प्रक्रियाओं और लक्षित सब्सिडी के माध्यम से आम जन को ग्रिड में बिजली योगदानकर्ता बनने के लिए प्रेरित करना होगा। केवल नवीकरणीय ऊर्जा रातों-रात हाइड्रोकार्बन (तेल और गैस) की जगह नहीं ले सकती। इसलिए भारत को एक 'दोहरी रणनीति' पर काम करना होगा, जिसके तहत आपूर्ति स्रोतों का रणनीतिक विविधीकरण किया जा सके।

होर्मुज पर निर्भरता कम करने के लिए मध्य एशिया, रूस, तुर्कमेनिस्तान और म्यांमार जैसे देशों के साथ अपने संबंधों को और प्रगाढ़ करना होगा। वैकल्पिक पाइपलाइन कारिडोर, दीर्घकालिक गैस समझौते और एलएनजी बुनियादी ढांचे का विस्तार हमारी राष्ट्रीय प्राथमिकता होनी चाहिए। आधुनिक बंदरगाहों और सुरक्षित समुद्री मार्गों के साथ 'बंगाल की खाड़ी' को भारत के एक नए ऊर्जा प्रवेश द्वार के रूप में उभरना होगा।

राष्ट्रीय मिशन बने ऊर्जा कूटनीति

चूंकि भारत आने वाले कुछ दशकों तक पूरी तरह से आयात मुक्त नहीं हो सकता, इसलिए हमारी सुरक्षा वास्तुकला में चौथा और सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ 'ऊर्जा कूटनीति' होना चाहिए। जिस तरह रक्षा कूटनीति आज हमारी विदेश नीति का एक अहम हिस्सा है, उसी तरह ऊर्जा कूटनीति को भी एक राष्ट्रीय मिशन बनाना होगा। दुनिया भर में तैनात हर भारतीय राजदूत और राजनयिक मिशन का यह प्राथमिक दायित्व होना चाहिए कि वे अपने संबंधित देशों में तेल, गैस, महत्वपूर्ण खनिजों और नई ऊर्जा तकनीकों के अवसरों की पहचान करें। हमें अपनी ऊर्जा खोज को केवल खाड़ी देशों तक सीमित न रखकर मंगोलिया, दक्षिण-पूर्वी एशिया, अफ्रीका और लाटिन अमेरिका तक फैलाना होगा। विदेश मंत्रालय के भीतर एक समर्पित 'ऊर्जा कूटनीति ढांचा' स्थापित किया जाना चाहिए। भारतीय दूतावासों से मिलने वाले इनपुट की समीक्षा एक उच्च-स्तरीय 'ऊर्जा सुरक्षा परिषद' द्वारा की जानी चाहिए, जिसमें मंत्रालयों के प्रतिनिधि, विज्ञानी, उद्योग जगत के नेता और नीति विशेषज्ञ शामिल हों। यह परिषद सीधे देश के शीर्ष नेतृत्व को रिपोर्ट करे।

आत्मनिर्भरता की ओर पंच वर्षीय पंचप्रण: इस रणनीतिक परिवर्तन को हासिल करने के लिए भारत को एक स्पष्ट समयबद्ध रोडमैप पर चलना होगा। प्रथम वर्ष-देशव्यापी कचरा मैपिंग, नीतिगत सुधार और पायलट प्रोजेक्ट्स की शुरुआत। द्वितीय और तृतीय वर्ष-ग्रामीण बायोगैस नेटवर्क, जिला प्रसंस्करण केंद्रों और शहरी कचरा-टू-ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना। इसके साथ ही स्वदेशी तकनीकों के लिए नवाचार प्रतियोगिताओं का आयोजन। पांचवां वर्ष-भारत को दुनिया की अग्रणी 'वेस्ट-टू-एनर्जी' अर्थव्यवस्थाओं में शुमार करने का लक्ष्य।

इस मिशन की सफलता केवल पैदा की गई मेगावाट बिजली से नहीं, बल्कि साफ शहरों, कम होते लैंडफिल के पहाड़ों और कच्चे तेल के घटते आयात बिल से मापी जाएगी।

-श्री राम शा

खरी-खरी

ई-वाकिंग

सीमा देवेंद्र

आजकल लोग स्वास्थ्य के प्रति इतने जागरूक हो गए हैं कि बिना घर से बाहर निकले ही दस-दस किलोमीटर घूम आते हैं। पहले लोग पार्क में मार्निंग वाक करते थे, अब मोबाइल में "ई-वाकिंग" करते हैं। मेरे मोहल्ले की दुबे भाभी तो मुझे रोज टोकती हैं-"अरी बहन, थोड़ा घूम-फिर लिया करो।" मैं भी मुस्कराकर कह देती हूं, "भाभी, मैं तो रोज घूमती हूं, बल्कि आपसे कहीं ज्यादा।"

सुबह उठते ही सबसे पहले वाट्सएप नगर की सैर होती है। वहां पहुंचते ही सैकड़ों लोग सुप्रभात के फूल, सूर्य और मोर लेकर खड़े मिलते हैं। कुछ लोग इतने गुप्त साधक हैं कि आनलाइन रहते हुए भी आफलाइन दिखाई देते हैं। लगता है जैसे डिजिटल हिमालय की किसी गुफा में तपस्या कर रहे हों।

फिर धीरे-धीरे फेसबुक चौक की ओर बढ़ती हूं। यहां पुराने परिचित मिल जाते हैं। कोई अपनी पच्चीस साल पुरानी तस्वीर डालकर युवावस्था का प्रमाण दे रहा होता है, तो कोई रोज अपनी उपलब्धियों का उद्घाटन कर रहा होता है। यहां थोड़ी देर विश्राम भी हो जाता है, क्योंकि लोग लाइक और कमेंट के सहारे ही बातचीत कर लेते हैं।

इसके बाद इंस्टाग्राम बाजार का नंबर आता है। यहां पहुंचते ही ऐसा लगता है मानो पूरा देश माडलिंग, पर्यटन और खानपान मंत्रालय में भर्ती हो गया हो। हर व्यक्ति की जिंदगी किसी फिल्म के ट्रेलर जैसी दिखाई देती है। कोई चाय पीते हुए रील बना रहा है, तो कोई सीढ़ियां चढ़ने को भी ऐतिहासिक उपलब्धि की तरह प्रस्तुत कर रहा है। उधर एक्स नामक अखाड़े में जाने की मेरी हिम्मत नहीं पड़ती। वहां लोग चर्चा कम और कुश्ती ज्यादा करते हैं। सुबह का विषय शाम तक राष्ट्रीय संकट बन जाता है।

योग दिवस पर लोग एक दिन योग करके तस्वीरें डालते हैं, लेकिन हम जैसे ई-वाकर रोज अंगूठे और अंगुलियों का व्यायाम करते हैं। डाक्टर चाहे जितना पैदल चलने को कहें, हम डिजिटल युग के लोग अब स्क्रीन पर ही संसार नाप लेते हैं। सच तो यह है कि आजकल शरीर कम और डाटा ज्यादा चलता है। यही आधुनिक स्वास्थ्य मंत्र है-"चलो मत, स्क्राल करो!"

पोस्ट

अगर लोग आपको पहचानें तो समझिए आप खुशकिस्मत हैं। इसलिए जीवन में ऐसा कोई काम न करें, जिससे लोग आपको पहचानने से ही इन्कार कर दें।
रजत शर्मा@RajatSharmaLive

11 गेंदों में 50 रन मारकर वैभव सूर्यवंशी ने श्रीलंका के खिलाड़ियों के साथ पिछले मैच में हुई गाली-गलौज का सारा हिसाब सूद समेत चुकता कर दिया है।
सुशांत सिन्हा@SushantBSinha

मैदान पर वैभव सूर्यवंशी की आक्रामकता देखकर उनकी तुलना विराट कोहली से करना ज्यादती है। आइपीएल में आक्रामक खेल दिखाने के बाद तेंदुलकर से उनकी तुलना भी जल्दबाजी थी। यह 15 वर्षीय किशोर क्रिकेटर की मानसिकता पर आघात करने जैसा ही है।
सुशील दोशी@RealSushilDoshi

राम मंदिर में दान और चढ़ावे की ही चोरी नहीं हुई है, बल्कि हिंदू धर्म को बड़ा धक्का मारा गया है। जिन लोगों ने करोड़ों लोगों की श्रद्धा को जैसे लहूलुहान किया है, उसकी कोई भरपाई नहीं हो सकती।
राणा यशवंत@RanaYashwant1

जागरण जनमत

कल का परिणाम

क्या अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से विश्व में भारत की साफ्ट पावर बढ़ी है?

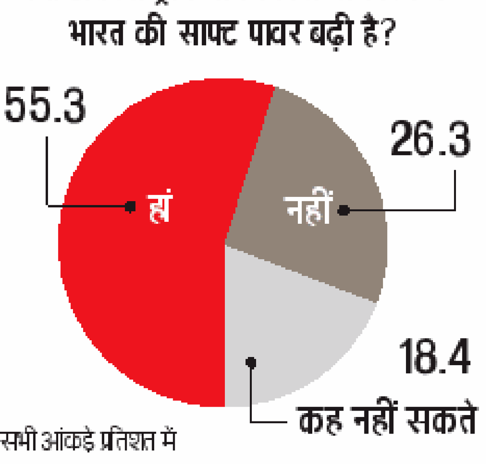

सभी आंकड़े प्रतिशत में

आज का सवाल

क्या इंग्लैंड दौरे के लिए वनडे टीम में यशस्वी जायसवाल को शामिल किया जाना चाहिए था?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है

जनपथ

सूरज बाबा तप रहे इंद्रदेव नाराज,
धरती तड़पे प्यास से तड़पे कृषक समाज।
तड़पे कृषक समाज नहीं गिर रहीं फुहारें,
कैसे बोएं बीज बिना बूंदें-बौछारें!
बिन पानी सब सून बिगड़ती सारी सजधज,
करके मद्धिम ताप बूंद बरसाओ सूरज।
-ओम प्रकाश तिवारी

उत्तर प्रदेश डायरी

सतह पर फूट रहे अंतर्धारा के सोते

अजय शुक्ला
ajay.shukla@lko.jagran.com

राजनीति की धाराएं कुछ सतह के ऊपर, कुछ सतह पर तो कुछ सतह के नीचे बहती हैं। बीते सप्ताह सतह से नीचे बह रही धारा के कुछ सोते सतह पर बुलबुले की तरह फूटकर बहने को बेकरार दिखे। उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग ने एक कार्ययोजना सार्वजनिक की जिसके अंतर्गत प्रदेश के सभी 75 जिलों में कुछ विभूतियों पर आधारित 14 नाटकों का मंचन किया जाना है।

इनमें दो नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। पहला नाम है, राजा सुहेलदेव राजभर का, तो दूसरा नाम है राजा बिजली पासी का। 11वीं शताब्दी के प्रतापी राजा सुहेलदेव की राजधानी श्रावस्ती रही और उनका प्रभाव श्रावस्ती से पूरब की तरफ विस्तार लिए था। आज का पूर्वी उत्तर प्रदेश भर (राजभर) शासकों और उनके सजातीयों का केंद्र रहा है। राजा बिजली पासी 12वीं शताब्दी के प्रतापी राजा थे। उनका शासन अवध क्षेत्र में विस्तार लिए था। लखनऊ में राजा बिजली पासी के किले के अवशेष आज भी मौजूद हैं।

जिस तरह भर या राजभर जाति का केंद्र पूर्वी उत्तर प्रदेश में रहा है, वैसे ही पासी जाति का अवध रहा है। वर्तमान अयोध्या को केंद्र मानकर देखें, तो अयोध्या एवं उसके आसपास से पूरब की तरफ भर जातियों का घनत्व प्रमुखता से दिखता है, तो पश्चिम की तरफ यानी अवध क्षेत्र में पासी समाज का। यहां यह जानना और भी रोचक है कि भर जातियां स्वयं को अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की खड़ाऊं रखकर 14 वर्ष शासन करने वाले अनुज भरत से जोड़ती हैं, तो पासी जातियां नाग देवता की उपासक रहीं और स्वयं को शेषावतार लक्ष्मण से जोड़ती रही हैं।

राजा सुहेलदेव के समकालीन राजा लाखन पासी (लखना पासी) नाग देवता के उपासक थे, जिनका किला वर्तमान लक्ष्मण टीला (जहां अब टीले वाली मस्जिद है और कोर्ट में वाद चल रहा) एवं किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के क्षेत्र तक विस्तृत माना जाता है। लाखन पासी के ही समकालीन राजपासी कंस थे। राजपासी कंस का किला वर्तमान मलिहाबाद के कसमंडी कला में था, जिसके अवशेष आज भी मौजूद हैं। राजपासी कंस ने यहां एक वृहद शिवालय का निर्माण कराया था जहां अब कुछ हिस्से में एक मस्जिद के अवशेष हैं। हाल के दिनों में पासी समाज द्वारा यहां से मस्जिद हटाए जाने को लेकर आंदोलन हुआ और अवशेषों को संरक्षित किए जाने की मांग उठी।

विदेशी आक्रांताओं ने जब इस्लाम के विस्तार के लिए उत्तर भारत की ओर रुख किया, तो उनके सेनापति सैयद सालार मसूद गाजी का सामना अवध में पासी योद्धाओं लाखन पासी एवं राजपासी कंस से हुआ था। दोनों ने वीरता से मुकाबला किया और सालार मसूद की सेना की कमर तोड़ दी। दुर्भाग्य से दोनों ही पासी राजा युद्ध में खेत रहे। किंतु इसका परिणाम यह रहा कि सालार मसूद गाजी जब श्रावस्ती की ओर बढ़ता हुआ बहराइच पहुंचा, तो राजा सुहेलदेव राजभर ने वहीं उसकी कब्र खोद दी।

बीते अप्रैल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतेंदु नाट्य अकादमी के नाटक आनंद मंठ की प्रस्तुति के समय विचार दिया था कि ऐसी गुमनाम विभूतियों के योगदान पर आधारित नाटक तैयार कर मंचन किया जाए जिन पर अब तक ध्यान नहीं गया। इसी के बाद सुहेलदेव एवं बिजली पासी पर नाटक तैयार किए जा रहे हैं, जिनका मंचन प्रदेश के सभी जिलों में किया जाना है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सुझाव पर राजा सुहेलदेव राजभर एवं राजा बिजली पासी जैसी विभूतियों पर नाटक तैयार किए जा रहे हैं, जिनका मंचन प्रदेश में किया जाना है। फाइल

इसके राजनीतिक निहितार्थ भी हैं। भाजपा ने हिंदुत्व की छतरी तले जिन जातियों को राम मंदिर आंदोलन के बहाने एकत्र किया था, विपक्ष ने चुपके से इसमें 2024 के लोकसभा चुनाव में सेंध लगा ली और सीएसडीएस एवं लोकनीति के सर्वे के अनुसार अवध क्षेत्र में भाजपा को पासी (अनुसूचित जाति) और पूर्वांचल में भर जातियों (ओबीसी) का वोट नाममात्र मिला। यहां तक कि भाजपा के उभार का केंद्र रही अयोध्या में भी सपा के अवधेश पासी सांसद निर्वाचित हो गए, जो भाजपा के लिए बड़ा झटका माना गया। जबकि 2014 से 2022 तक पासी समाज का बड़ा हिस्सा भाजपा के साथ रहा था।

विभिन्न आकलनों के अनुसार अनुसूचित वर्ग में पासी समाज जाटव समुदाय के बाद दूसरा सबसे बड़ा समुदाय है। यह प्रदेश की कुल अनुसूचित आबादी का लगभग 15 से 16 प्रतिशत हिस्सा है। राज्य की कुल आबादी में इनकी हिस्सेदारी करीब 3.5 प्रतिशत मानी जाती है। पासी समाज के मतदाताओं की संख्या लगभग 45 से 55 लाख के बीच आंकी जाती है और अवध क्षेत्र (जैसे लखनऊ, रायबरेली, अमेठी, बाराबंकी, उन्नाव, हरदोई और कौशांबी) और पूर्वांचल के कुछ जिलों में इनका राजनीतिक बड़ा प्रभाव माना जाता है।

इसी तरह राजभर समाज की हिस्सेदारी लगभग चार से पांच प्रतिशत अनुमानित है। कुल वोट बैंक के लिहाज से उत्तर प्रदेश में राजभर समाज के मतदाताओं की संख्या करीब 60 लाख से 75 लाख है। राजभर मतदाताओं का मुख्य दबदबा पूर्वांचल के लगभग 18 से 24 जिलों में है। वाराणसी, गाजीपुर, मऊ, बलिया, आजमगढ़, जौनपुर और देवरिया जैसे जिलों की कुछ सीटों पर इस समाज का अकेले 12 से 20 प्रतिशत तक वोट बैंक है। अब साल 2027 के विधानसभा चुनाव में इन्हें वापस पाले में समेटने के लिए जो प्रयास चल रहे हैं, वे सतह पर दिखने लगे हैं, जो इन नाटकों के माध्यम से और भी स्पष्ट होने जा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ डायरी

सरकार के ढाई साल का सफर

सतीश चंद्र श्रीवास्तव
संपादकीय प्रभारी, रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार के ढाई वर्ष पूरे हो चुके हैं। आधा कार्यकाल पूरा होने का अर्थ है कि भाजपा की कार्यप्रणाली के अनुसार अब दोबारा चुनाव की तैयारी को और अधिक चुस्त-दुरुस्त करने का समय आ गया है। दूसरी ओर सत्ता की गतिविधियों, उपलब्धियों, संतुलन, संभावित बदलावों और उनके परिणामों पर विपक्ष की भी पैनी नजर है। यही कारण है कि 19 जून, शुक्रवार को मंत्रियों के साथ रात नौ बजे से लेकर डेढ़ बजे तक चली मुख्यमंत्री साय की आपात बैठक सभी के लिए उत्सुकता का विषय बनी हुई है। शनिवार से ही कोई मंत्रिमंडल में फेरबदल की संभावना जता रहा है, तो कोई संगठनात्मक बदलाव की उम्मीद कर रहा है। मंत्रियों के प्रदर्शन की समीक्षा के आधार पर भविष्य के निर्णयों को लेकर भी विभिन्न आकलन किए जा रहे हैं। मंत्रियों के साथ सामूहिक तथा अलग-अलग हुई बैठकों में विभागवार समीक्षा, जनता से जुड़े मुद्दों के त्वरित समाधान और आवश्यक निर्णयों एवं निर्देशों पर भी चर्चा होने की बात कही जा रही है। हालांकि सभी की निगाहें विशेष रूप से उन मंत्रियों पर टिकी हैं, जिन्हें कमजोर प्रदर्शन के कारण सुधार करने के निर्देश दिए गए हैं।

सुशासन तिहार के दौरान गांवों में आयोजित कार्यक्रमों में पंचों और सरपंचों के मंच पर आने पर अपनी कुर्सी से खड़े होकर उनका स्वागत करने वाले सेवाभावी मुख्यमंत्री की देर रात तक चली बैठक ने हेकड़ीबाज मंत्रियों के लिए अवश्य चिंता बढ़ा दी है। मुख्यमंत्री सहज भाव से स्वयं बताते हैं कि पांचवीं कक्षा में अध्ययन के दौरान पिता के निधन के बाद उन्होंने खेती-किसानी करते हुए अपने भाइयों के पालन-पोषण की जिम्मेदारी निभाई और उससे आगे कभी कोई बड़ी महत्वाकांक्षा नहीं रखी थी। भाजपा में शामिल होने के बाद उन्हें बिना मांगे सरपंच, विधायक, सांसद, केंद्रीय मंत्री और अब मुख्यमंत्री जैसे महत्वपूर्ण दायित्व मिले। उनका मानना है कि जब यह सब बिना मांगे मिला है, तो इन्हें पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ निभाना ही उनका कर्तव्य है। यही ईमानदारी मुख्यमंत्री साय की ताकत भी है और उछलने-अकड़ने तथा ढैया चाल चलने वाले मंत्रियों और विधायकों के लिए चुनौती भी।

इनमें कुछ वर्तमान मंत्री हैं, तो कुछ ऐसे पूर्व मंत्री भी हैं जो इस बार मंत्रिमंडल में शामिल नहीं हो सके। भाजपा के क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल और प्रदेश संगठन मंत्री पवन साय भी मंत्रियों की कमियों और खामियों की समीक्षा के लिए उपस्थित रहे। इसी समीक्षा के आधार पर प्रदेश मंत्रिमंडल से लेकर पार्टी संगठन और केंद्रीय स्तर तक संभावित बदलावों के कयास तेज हो गए हैं।

दूसरी ओर, प्रदेश में विभिन्न गुटों में बंटी कांग्रेस के सामने राहुल गांधी को एक प्रभावी सूत्रधार के रूप में स्थापित करने की चुनौती भी है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डा. चरणदास महंत, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव तथा भिलाई के विधायक देवेंद्र यादव सहित कई महत्वाकांक्षी युवा नेताओं के बीच तालमेल बनाए रखना आसान नहीं होगा। कांग्रेस के जिला अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर में राहुल गांधी की उपस्थिति को भी सत्ता में वापसी के लिए संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

हेल्पलाइन पर अधिकारियों की परीक्षा : इधर 10 जून तक चले सुशासन तिहार के दौरान प्राप्त आवेदनों और शिकायतों ने भी सरकार को विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली से अवगत करा दिया है। राजस्व विभाग सबसे अधिक चर्चा में रहा। मंत्रियों और विधायकों की 'रीलबाजी' भी सवालों के घेरे में रही। इन सबके बीच एक महत्वपूर्ण तथ्य सामने आया कि पिछले वर्ष प्राप्त 40.94 लाख आवेदनों की तुलना में इस वर्ष केवल 7.38 लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें शिकायत संबंधी आवेदनों की संख्या भी 82 हजार से घटकर लगभग 30 हजार रह गई है। अब नौ जून से छत्तीसगढ़ मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 के माध्यम से प्रशासनिक व्यवस्था की पारदर्शी परीक्षा शुरू हो चुकी है। लगभग दस दिनों के भीतर ही 42 विभागों से संबंधित 34 हजार से अधिक आनलाइन शिकायतें दर्ज हो चुकी हैं। निर्धारित समय-सीमा के भीतर 1,200 से अधिक श्रेणियों से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए आठ हजार से अधिक अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। हालांकि फिलहाल शिकायतों के समाधान की दर केवल चार प्रतिशत है। प्रत्येक पखवाड़े समीक्षा की निर्धारित व्यवस्था के तहत बुधवार या गुरुवार को मुख्यमंत्री के समक्ष प्रशासनिक सक्रियता और जवाबदेही की परीक्षा होगी। इस प्रकार लगातार दो वर्षों तक प्रत्येक जिले में समस्याओं के समाधान के लिए सुशासन तिहार का अभियान चलाने के बाद अब सरकार हेल्पलाइन के माध्यम से एक जवाबदेह प्रशासनिक व्यवस्था विकसित करने के प्रयास में जुटी है। इन शिकायतों का ईमानदारी और प्रभावी ढंग से समाधान ही सरकार के भविष्य की दिशा तय करेगा।

योग दिवस पर योग करते मुख्यमंत्री विष्णु देव साय। फोटो डीपीआर

टाटा मोटर्स को मिले 3,400 से अधिक ईवी के आर्डर

मुंबई : वाणिज्यिक वाहन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी टाटा मोटर्स को माल ढुलाई, लाजिस्टिक्स और यात्री परिवहन के लिए 3,400 से अधिक इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहनों (ई-सीवी) के आर्डर प्राप्त हुए हैं। कंपनी ने कहा कि इन आर्डर में लगभग 2,000 छोटे वाणिज्यिक वाहन और पिक-अप, 900 ट्रक तथा 500 बसें शामिल हैं। इन वाहनों का उपयोग ई-वाणिज्य, लाजिस्टिक, रोजमर्रा के इस्तेमाल वाली वस्तुएं बनाने वाली (एफएमसीजी) कंपनियों, शहर के भीतर परिवहन सेवाओं आदि में किया जाएगा। (प्रेट्र)

कंपनी को अब तेल और गैस उत्पादक के बजाय "गैस और तेल" कंपनी के तौर पर देखा जाना चाहिए। इसका कारण यह है कि अब प्राकृतिक गैस का उत्पादन कच्चे तेल से ज्यादा हो रहा है।

- अरुण कुमार सिंह, चेयरमैन, ओएनजीसी

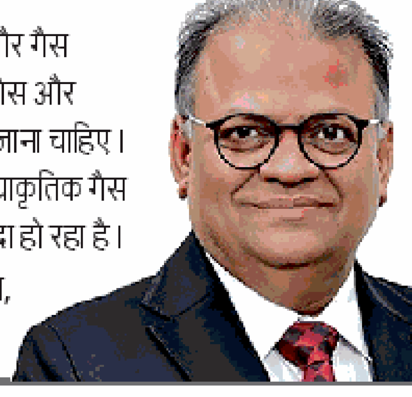

दिसंबर तक हो जाएगा भारत-ईयू के बीच एफटीए

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, अगले साल फरवरी-मार्च से इस समझौते के लागू होने की उम्मीद

नई दिल्ली, प्रेट्र: वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कहा कि भारत और 27 देशों का समूह यूरोपीय यूनियन (ईयू) दिसंबर तक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर करेंगे। इसके अगले साल फरवरी-मार्च से लागू होने की उम्मीद है। इस साल 27 जनवरी को भारत और ईयू ने 'सबसे बड़ी डील' के लिए बातचीत पूरी होने का एलान किया था।

मुंबई में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के साथ बातचीत के दौरान गोयल ने कहा, अब, लगभग शून्य शुल्क के साथ लगभग पूरा यूरोपीय बाजार हमारे लिए खुल जाएगा। भारत-ईयू एफटीए के तहत लगभग 93 प्रतिशत भारतीय निर्यात को 27 देशों के ब्लाक में शून्य शुल्क पहुंच मिलेगी। जबकि ईयू से लक्जरी कारों और वाइन का आयात सस्ता हो जाएगा। कुल मिलाकर भारत और यूरोपीय यूनियन का वैश्विक जीडीपी में 25 प्रतिशत और अंतरराष्ट्रीय व्यापार (लगभग 33 ट्रिलियन डालर) में एक-तिहाई (लगभग 11 ट्रिलियन डालर) हिस्सा है। कार्यक्रम से इतर मीडिया से बातचीत करते हुए गोयल ने कहा कि फ्रांस में जी-7 समिट के दौरान कनाडा के प्रधानमंत्री ने इस साल भारत के साथ प्रस्तावित एफटीए को पूरा करने की इच्छा जताई थी। दोनों पक्षों ने मई में काम्प्रिहेंसिव इकोनमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट के लिए बातचीत का दूसरा चरण पूरा किया है। उधर, गोयल ने यह भी कहा कि उनके अमेरिकी समकक्ष व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर इस हफ्ते उनके साथ ट्रेड समझौते पर बातचीत करने के लिए भारत आ रहे हैं। यह बैठक दो से चार जून के बीच होने जा रही है।

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने हाल ही में कहा है कि दोनों देशों के मंत्रियों के बीच बातचीत समझौते को अंतिम रूप देने पर केंद्रित रहने की उम्मीद है।

- एफटीए के तहत लगभग 93 प्रतिशत भारतीय निर्यात को 27 देशों के ब्लाक में शून्य शुल्क पहुंच मिलेगी
- अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर इस हफ्ते ट्रेड समझौते पर बातचीत करने के लिए आ रहे हैं भारत

अप्रैल-जून के दौरान भारत के निर्यात में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी

गोयल ने कहा कि आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद इस साल अप्रैल-जून के दौरान देश का निर्यात लगभग 15 प्रतिशत बढ़ा। वाणिज्य मंत्रालय औपचारिक रूप से जून के लिए निर्यात व आयात के आंकड़े 15 जुलाई को जारी करेगा। गोयल ने कहा कि अमेरिका द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के बावजूद, 2025-26 में भारत के निर्यात में अच्छी वृद्धि दर्ज की गई। मई में भारत का निर्यात छह महीने के उच्चतम स्तर 18 प्रतिशत बढ़कर 45.2 अरब डालर हो गया जबकि व्यापार घाटा बढ़कर 28.21 अरब डालर हो गया। अप्रैल-मई 2026-27 के दौरान निर्यात 16.09 प्रतिशत बढ़कर 88.91 अरब डालर और आयात 15.14 प्रतिशत बढ़कर 145.35 अरब डालर हो गया। इस दौरान व्यापार घाटा 56.44 अरब डालर रहा।

ब्रिटेन संग एफटीए का फायदा उठाने के लिए सामान की गुणवत्ता बढ़ाएं निर्यातक

विशेषज्ञों का कहना है कि 15 जुलाई से लागू होने वाले भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते का पूरा फायदा उठाना है तो भारतीय निर्यातकों को अपने सामान को ब्रिटिश नियामकीय जरूरतों के हिसाब से बनाना होगा। उनका यह भी कहना है कि सरकार को दोनों देशों के बीच हुए काम्प्रिहेंसिव इकोनमिक एंड ट्रेड एग्रीमेंट (सीईटीए) के बारे में घरेलू उद्योग को बताने के लिए देश के अलग-अलग हिस्सों में एक आउटरीच कार्यक्रम करना चाहिए। बता दें कि ब्रिटेन के व्यापार एवं वाणिज्य विभाग ने इस सप्ताह छह शहरों में एफटीए के बारे में बताने के लिए रोड शो की शुरुआत की है, जिससे ब्रिटिश कारोबारियों को समझौते को लागू करने के बारे में तैयार किया जा सके। ला फर्म सैम एंड कंपनी के साझेदार रुद्र कुमार पांडे ने कहा, भारत की तरफ से भी ऐसी ही कोशिश करनी चाहिए। भारत और ब्रिटेन के बीच द्विपक्षीय निवेश संधि को जल्द अंतिम रूप देना जरूरी है ताकि निवेशकों को कानूनी सुरक्षा का भरोसा मिले।

बिजनेस से जुड़ी खबरों और अपडेट के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

एफपीआइ ने 2,382 करोड़ के शेयर खरीदे

- 60,471 करोड़ रुपये पर आई जून में एफपीआइ की कुल निकासी
- विश्लेषकों को रुपये में मजबूती से एफपीआइ की वापसी की उम्मीद

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के लिए सरकार की ओर से किए गए उपायों और वैश्विक तनाव में कमी का पिछले सप्ताह असर दिखा है। जून के पहले दो सप्ताह में भारी बिकवाली करने वाले विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआइ) बीते सप्ताह (15-19 जून) शुद्ध खरीदार रहे हैं। नेशनल सिक्योरिटीज डिपाजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के डाटा के अनुसार, बीते सप्ताह के दौरान 2,382 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध खरीदारी की है।

एनएसडीएल के अनुसार, बीते सप्ताह के दौरान एफपीआइ दो कारोबारी सत्रों में बिकवाल और तीन सत्रों में शुद्ध खरीदार रहे। इस ताजा खरीदारी के बाद जून में अब तक एफपीआइ की कुल बिकवाली घटकर 60,471 करोड़ रुपये रह गई है। पहले दो सप्ताह (13 जून तक) के दौरान एफपीआइ ने शुद्ध रूप से 62,853 करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली की थी। 2026 में एफपीआइ की कुल बिकवाली घटकर 2,85,403 करोड़ रुपये रह गई है। **आइएएनएस** के अनुसार, विश्लेषकों का कहना है कि रुपये में आ रही मजबूती से आने वाले दिनों में एफपीआइ वापसी कर सकते हैं।

डेट एफएआर में 18 हजार करोड़ से ज्यादा निवेश

सरकारी प्रयासों के चलते फुली एक्सेसेबल रूट (एफएआर) वाले डेट या बांड में एफपीआइ का निवेश जारी है। 19 जून तक डेट एफएआर में एफपीआइ निवेश 18,780 करोड़ रुपये हो गया है। 13 जून तक यह 13,200 करोड़ रुपये था। इसके साथ एफएआर के जरिये कुल निवेश 33,393 करोड़ रुपये हो गया है। डेट एफएआर को सरकारी बांड भी कहा जाता है।

बीते सप्ताह एफपीआइ निवेश

15 जून	-596.85
16 जून	1014.12
17 जून	2885.14
18 जून	886.08
19 जून	-1806.59

नौ कंपनियों की पूंजी 2.15 लाख करोड़ रुपये बढ़ी

नई दिल्ली, प्रेट्र : बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में रही तेजी की बदौलत बीएसई में सूचीबद्ध शीर्ष-10 में से नौ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में 2.15 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। इस दौरान बीएसई के मानक सूचकांक सेंसेक्स में 1,274.95 अंक की वृद्धि रही है। सप्ताह के दौरान भारती एयरटेल का पूंजीकरण सबसे ज्यादा 52,432.67 करोड़ रुपये बढ़ा है। इसके अलावा बजाज फाइनेंस, रिलायंस इंडस्ट्रीज, लार्सन एंड टूब्रो, एसबीआइ, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आइसीआइसीआइ बैंक का पूंजीकरण भी बढ़ा है। इसके टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का पूंजीकरण घटा है।

इस सप्ताह लांच होंगे तीन मेनबोर्ड आइपीओ

नई दिल्ली, प्रेट्र: पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव कम होने से प्राथमिक बाजार में सुधार के संकेत दिख रहे हैं। इसी के चलते इस सप्ताह तीन मेनबोर्ड आइपीओ लांच होने जा रहे हैं। इसी के साथ भविष्य में और पब्लिक इश्यू आने का रास्ता साफ होता दिख रहा है।

कार्डेलिया क्रूज का आपरेटर वाटरवेज लीजर टूरिज्म, जयपुर की ज्वेलरी बनाने वाली कंपनी एडविट ज्वेल्स और आइटी साल्यूशंस प्रोवाइडर सीएसएम टेक्नोलाजीज कुछ दिनों में अपने पहले पब्लिक इश्यू लांच करेंगी। वहीं पैकेजिंग साल्यूशंस प्रोवाइडर नैक पैकेजिंग अपने आइपीओ का मूल्य दायरा तय कर सकती है। इसके अलावा अगले महीने एसबीआइ म्यूचुअल फंड अगले महीने अपना 13 हजार करोड़ रुपये आइपीओ ला सकता है।

आकस्मिक वित्तीय जरूरत के लिए बेहतर विकल्प है टाप-अप लोन

यदि आपने पहले से कोई लोन ले रखा है, इस बीच अचानक रुपयों की जरूरत पड़ जाए तो टाप-अप लोन आपके लिए बेहतर विकल्प हो सकता है। इसमें आपको लोन लेने के लिए बैंकों या वित्तीय संस्थानों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं होती। इसका कारण यह है कि बैंक आपके लोन के पेमेंट रिकार्ड को देखते हुए टाप-अप लोन दे देते हैं। आइए जानते हैं कि टाप-अप लोन क्या होता है...

क्या होता है टाप-अप लोन

टाप-अप लोन एक अतिरिक्त राशि होती है, जो मौजूदा लोन के ऊपर ली जाती है। यानी अगर आपने पहले से होम लोन, पर्सनल लोन या कोई अन्य लोन लिया है, तो उसी पर आपको अतिरिक्त पैसा मिल सकता है। इसमें आपको नई लोन प्रक्रिया से नहीं गुजरना होगा। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें प्रोसेसिंग तेज होती है और कागजी कार्रवाई भी कम होती है, क्योंकि बैंक के पास पहले से ही आपकी वित्तीय जानकारी मौजूद होती है। यही वजह है कि इसे आकस्मिक फंड की तरह भी देखा जाता है।

क्या है पात्रता

टाप-अप लोन हर किसी को नहीं मिल सकता है। इसके लिए सबसे जरूरी शर्त यह है कि आपके पास पहले से लोन हो और उसकी मासिक किस्त समय पर भरी हो। बैंक आपके क्रेडिट स्कोर, आय और लोन चुकाने की क्षमता का मूल्यांकन करता है। अगर आपका रिकार्ड अच्छा है तो लोन मंजूरी की संभावना बढ़ जाती है।

जरूरत पर ही लें लोन

टाप-अप लोन तभी लेना चाहिए जब आपको वास्तव में जरूरत हो और आपके पास आय का स्थिर स्रोत हो। अगर आप सिर्फ शौक या अनावश्यक खर्च के लिए लोन लेते हैं, तो यह आगे चलकर बोझ बन सकता है।

क्यों है सस्ता विकल्प

टाप-अप लोन की ब्याज दरें आमतौर पर असुरक्षित व्यक्तिगत लोन (अनसिक्योर्ड पर्सनल लोन) से कम होती हैं। इसका कारण यह है कि बैंक के लिए जोखिम कम होता है, क्योंकि वह पहले से ग्राहक को जानता है। टाप-अप लोन का इस्तेमाल अक्सर घर की मरम्मत, बच्चों की पढ़ाई, लोन चुकाने जैसे कामों के लिए किया जाता है।

खास बातें

- लोन लेने से पहले ब्याज दर, प्रोसेसिंग फीस और कुल चुकाई जाने वाली राशि की जांच करें।
- कई बार मासिक किस्त कम दिखती है, लेकिन लंबी अवधि के कारण कुल ब्याज ज्यादा देना पड़ सकता है।
- टाप-अप लोन एक आसान और तेज विकल्प जरूर है, लेकिन यह भी एक वित्तीय जिम्मेदारी है।
- सही प्लानिंग और जरूरत के आधार पर लिया गया टाप-अप लोन ही फायदेमंद साबित हो सकता है।

(नोट : यह लेख केवल जानकारी के लिए है। किसी भी प्रकार का लोन लेने से पहले बैंक से अच्छी तरह पड़ताल कर लें)

जागरण इन्फो

भारत ने जून में रूस और यूएई से कच्चे तेल की खरीद बढ़ाई

19 जून तक रूस से औसतन 26.60 लाख टन बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल का आयात किया, अमेरिका से आयात घटा

नई दिल्ली, प्रेट्र: जून में भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात जहां बढ़ा है वहीं संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से तेल की खरीद रिकार्ड स्तर के करीब पहुंच गई है। दरअसल, रिफाइनरी कंपनियां होर्मुज के फिर से खुलने से पहले खाड़ी देशों से तेल की आपूर्ति सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं। मैरीटाइम और कमोडिटी इंटेलिजेंस फर्म केप्लर के अनुसार, भारत ने 19 जून तक रूस से औसतन 26.60 लाख टन बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल का आयात किया। जबकि मई में यह आंकड़ा 19..10 लाख बैरल प्रतिदिन था।

19 जून तक यूएई से आयात 6.36 लाख बैरल प्रतिदिन रहा जो मई में आयात किए गए रिकार्ड 6.44 बैरल प्रतिदिन से थोड़ा कम है। वेनेजुएला 2.09 लाख बैरल प्रतिदन के साथ भारत का चौथा सबसे बड़ा कच्चे तेल का आपूर्तिकर्ता बन गया है। सऊदी अरब 3.84 लाख बैरल प्रतिदिन के साथ तीसरे स्थान पर है।

केप्लर के मुताबिक, जून में अमेरिका से आयात मई के 2.52 लाख बैरल प्रतिदिन से घटकर 91,000 बैरल प्रतिदिन रह गया। छूट के चलते रूसी कच्चा तेल आकर्षक बना हुआ है।

राष्ट्रीय फलक

डेडिकेटेड रेअर अर्थ कारिडोर पर काम शुरू

- 2026-27 के बजट में घोषित नीति को जमीन पर उतारने के लिए ओडिशा, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के साथ विमर्श शुरू
- भारी खनिज युक्त रेत से रेयर अर्थ मैग्नेट निकालकर इस क्षेत्र में बन सकते हैं आत्मनिर्भर
- इस कदम से आरइएम के लिए चीन पर निर्भरता को काफी हद तक कर सकते हैं कम

54 हजार टन आईएम का आयात किया 2024-25 में, इसमें 93% हिस्सा चीन से मंगाया गया

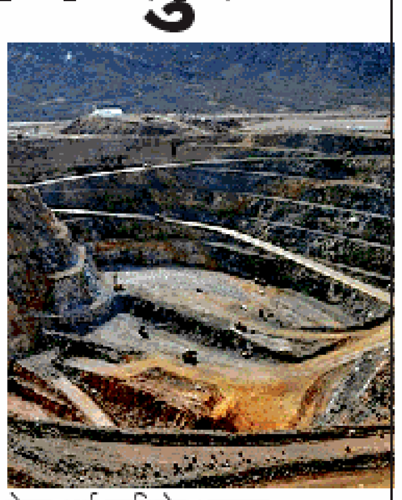

रेयर अर्थ कारिडोर। फाइल

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने 2026-27 के बजट में घोषित डेडिकेटेड रेअर अर्थ कारिडोर (डीआरईसी) को जमीन पर उतारने के लिए ओडिशा, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के साथ विमर्श शुरू कर दिया है। इन चारों राज्यों के समुद्री तटों पर मिलने वाली भारी खनिज युक्त रेत से रेयर अर्थ मैग्नेट निकालकर इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में सरकार एक बड़ा कदम उठा रही है। लक्ष्य यह है कि इन चार राज्यों को मिलाकर रेयर अर्थ मिनरल्स का एक इंटीग्रेटेड हब बनाया जाए, जहां खनन, प्रसंस्करण, रिसर्च और मैन्यूफैक्चरिंग एक साथ होंगे। यह कदम भारत की वर्तमान 90 प्रतिशत तक की आरईएम के लिए चीन पर निर्भरता को काफी हद तक कम कर सकता है।

भारत ने वर्ष 2024-25 में 54 हजार टन आरईएम का आयात किया था, जिसमें 93 प्रतिशत चीन से आया था। जबकि दिसंबर, 2024 से सितंबर, 2025 के दौरान चीन ने जब इसके निर्यात पर अंकुश लगा दिया तो भारतीय आटो कंपनियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा था। बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की थी कि केंद्र ओडिशा, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु जैसे खनिज समृद्ध राज्यों को मिलाकर एक समर्पित कारिडोर स्थापित करने में मदद करेगा। इसके तहत सरकारी क्षेत्र की आइआरईएल लिमिटेड की मौजूदा सुविधाओं, जैसे ओडिशा में रेयर अर्थ एक्सट्रैक्शन प्लांट, केरल के अलुवा में रिफाइनिंग यूनिट और तमिलनाडु के मनावलकुरिची में स्थित संयंत्र को इन कारीडोर के साथ संबंधित किया जाएगा। एक अनुमान के मुताबिक आंध्र प्रदेश में सबसे ज्यादा आरईपीएम के भंडार हो सकते हैं।

भारत के पास रेयर अर्थ मिनरल्स का तीसरा सबसे बड़ा भंडार

सरकारी अधिकारियों का कहना है, 'भारत में रेयर अर्थ मिनरल्स के बड़े भंडार होने की पूरी संभावना है। हमारे पास विश्व का तीसरा सबसे बड़ा भंडार है। हम विदेशी निर्भरता को काफी हद तक कम कर सकते हैं। रिफाइनिंग पर खास तौर पर ध्यान देना होगा, क्योंकि यही हमारी सबसे बड़ी कमजोरी है। इसके लिए हम अमेरिका, आस्ट्रेलिया, जापान और चीन जैसे देशों के साथ तकनीकी सहयोग बढ़ा रहे हैं।' इनका इस्तेमाल रक्षा क्षेत्र के अत्याधुनिक उपकरणों (ड्रोन आदि) के अलावा स्मार्टफोन, इलेक्ट्रिक वाहनों, विंड और सोलर एनर्जी आदि में तेजी से बढ़ रहा है। ईवी क्रांति, नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य और आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत इनकी मांग कई गुना बढ़ने वाली है।

4,000 टन है आरईपीएम की खपत अभी

रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट्स (आरईपीएम) की खपत अभी 4,000 टन है और वर्ष 2030 इसके 8,000 टन हो जाने की संभावना है। यह बहुत ज्यादा मात्रा है। सरकार का लक्ष्य है कि तब तक कुल खपत का 50 प्रतिशत घरेलू स्तर पर उपलब्ध हो। इसके लिए सरकार ने नवंबर, 2025 में 7,280 करोड़ रुपये की एक स्कीम को भी मंजूरी दी है।

भ्रामक दावे करने वाले कई खाद्य ब्रांड को एफएसएसएआइ का भेजा नोटिस

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

- 'एडेड शुगर' नहीं होने, प्रोडक्ट के प्राकृतिक होने संबंधित दावे को लेकर की कार्रवाई
- इन कंपनियों पर है ब्रांड नाम, और प्रोडक्ट को लेकर गुमराह करने का आरोप

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआइ) ने कई खाद्य ब्रांडों (फूड बिजनेस आपरेटरों) को नोटिस जारी किए हैं। इन कंपनियों पर ब्रांड नाम, ट्रेड नाम और उत्पाद से जुड़े भ्रामक दावे कर उपभोक्ताओं को गुमराह करने के आरोप हैं। यह कार्रवाई खाद्य सुरक्षा एवं मानक कानून के तहत की गई है। एफएसएसएआइ ने संबंधित कंपनियों को सुधारात्मक कदम उठाने और नियमों का पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। एफएसएसएआइ ने एक्स पर उन फूड बिजनेस आपरेटरों की पूरी सूची साझा की है जिन्हें नोटिस जारी किए गए है। इनमें प्लक्क मैंगो फ्रुट जूस, नेचुरल पनीर, गौर हेल्दी फूड का सिल्कन टोफू किंडर जाय शामिल हैं।

प्लक्क मैंगो फ्रुट जूस के पैक पर साफ़ तौर पर ''नो एडेड शुगर'' (कोई अतिरिक्त चीनी नहीं) का दावा किया गया था। हालांकि, इसकी सामग्री की सूची से पता चला कि इसमें 51 प्रतिशत आम का गूदा और 49 प्रतिशत गन्ने का रस था। नो एडेड शुगर का दावा भ्रामक है। नेचुरल पनीर ब्रांड ने अपनी पैकेजिंग पर "नेचुरल पनीर" नाम का इस्तेमाल किया। यह खाद्य सुरक्षा और मानक विनियम, 2018 की अनुसूची पांच का उल्लंघन है। गौर हेल्दी फ़ूड – सिल्कन टोफू के लेबल पर 100% वेज लिखा है। यह एफएसएसएआइ की एडवाइजरी का उल्लंघन है। इसमें बिना किसी ठोस जानकारी के न्यूट्रिशन से जुड़े दावे किए गए थे, जैसे कि "विटामिन से भरपूर" (बिना सही मात्रा बताए), और साथ ही "कैंसर-रोधी गुण" जैसे चिकित्सीय दावे भी किए गए थे।

मास्टरचाउ फूड्स – रामेन नूडल्स की पैकेजिंग पर "100% नेचुरल" और "फ्रेशली मेड" जैसे शब्दों का इस्तेमाल करने पर सवाल उठाए गए। इसे "हाई-क्वालिटी आर्गेनिक आटे" से बना बताकर बेचा गया था, लेकिन सामग्री की लिस्ट में आटे को आम "प्रीमियम क्वालिटी सफेद आटा" बताया गया था। फेरेरो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड – किंडर जाय पर "रिच इन मिल्क सालिड्स" (दूध के ठोस पदार्थों से भरपूर) का दावा प्रमुखता से दिखाने के लिए सवाल उठाए गए। मेडाइज़ेन लैब्स के एटम पीडब्ल्यूआर व्हे प्रोटीन एक्सएल के "प्योर एंड हेल्दी " (शुद्ध और सेहतमंद) और 100% आथेंटिक जैसे गुमराह करने वाले दावे पर नोटिस जारी किए गए । सैफोला टोटल हार्ट प्रो कुकिंग आयल प्रोडक्ट पर भ्रामक तस्वीरों और "हार्ट प्रो" जैसे दावों के लिए सवाल उठाए गए, जिनसे दिल की सेहत से जुड़े ऐसे फ़ायदों का संकेत मिल सकता है जो प्रमाणित नहीं हैं।

सेटेलाइट संचार सेवाओं के लिए लाइसेंस के साथ सुरक्षा मंजूरी भी जरूरी

- विभाग ने सेटेलाइट संचार स्पेक्ट्रम आवंटन को लेकर जारी किया मसौदा
- निश्चित वार्षिक शुल्क के साथ प्रशासनिक माध्यम से होगा स्पेक्ट्रम का आवंटन

नई दिल्ली, प्रेट्र : दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने सेटेलाइट संचार स्पेक्ट्रम आवंटन को लेकर नियमों का मसौदा जारी कर दिया है। इसके तहत सेटेलाइट संचार सेवाएं शुरू करने के लिए कंपनियों को डीओटी से लाइसेंस के अलावा केंद्र सरकार से सुरक्षा मंजूरी भी आवश्यक रूप से लेनी होगी।

मसौदा प्रस्ताव के अनुसार, कंपनियों को स्पेक्ट्रम का आवंटन एक निश्चित वार्षिक शुल्क के साथ नीलामी के बजाय प्रशासनिक प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। वार्षिक शुल्क सेवा के प्रकार के आधार पर 30 हजार से 50 लाख रुपये तक होगा। साथ ही एक हजार रुपये का नान-रिफंडेबल आवेदन शुल्क देना होगा। डीओटी की ओर से जारी दूरसंचार रूल्स 2026 के प्रस्ताव में एलन मस्क की स्टारलिंक, भारती समूह की यूटेलसैट वनवेब और जियो सैटकाम जैसी कंपनियों के लिए शर्त रखी गई है कि वे आम ग्राहकों के लिए सेटेलाइट संचार सेवा शुरू करें। सेटेलाइट संचार कंपनियों को आम लोगों के लिए सेटेलाइट फोन और ब्रांडबैंड सेवाएं शुरू करने से पहले केंद्र से अनुमति लेनी होगी। डीओटी ने मसौदा नियमों पर सभी हितधारकों से 30 दिन के भीतर टिप्पणियां मांगी हैं। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के पूर्व प्रमुख सलाहकार सत्य एन गुप्ता ने कहा कि यह अधिसूचना विभिन्न सेटेलाइट सेवाओं के लाइसेंसधारियों की ओर से सेटेलाइट आधारित सेवाएं के प्रविधान के लिए मार्ग प्रशस्त करती है। दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल के पूर्व सीएमडी अनुपम श्रीवास्तव ने कहा कि कंपनी को पहले स्पेक्ट्रम लेने और बाद में कागजी कार्रवाई पूरी करने की इजाजत देने से लालफीताशाही कम होगी और सेवा विस्तार में तेजी आएगी।

भरत भूषण एनकाउंटर के विरोध में ओवरहेड टैंक पर चढ़ा युवक

जागरण संवाददाता, शाहजहांपुर : बिहार में भरत भूषण तिवारी के हुए एनकाउंटर के विरोध में शनिवार रात यहां चार घंटे बखेड़ा हुआ। बिहार पुलिस की कार्रवाई के विरुद्ध शिवम मिश्र ओवरहेड टैंक पर चढ़ गए। उनकी मांग थी कि बिहार में फर्जी एनकाउंटर करने वालों पर कार्रवाई हो। उन्होंने स्थानीय पुलिसकर्मियों पर भी अभद्रता का आरोप लगाया। कहा कि मुझे भी एक मामले में पुलिसकर्मियों ने पीटा... आओ, मुझे भी गोली मार दो। बाद में उनके छह वर्षीय बेटे युवराज ने माइक से भावुक अपील की तब वह टैंक से उतरे।

वाहन चालक शिवम मिश्र शनिवार रात आठ बजे रसोई गैस सिलिंडर लेकर टैंक पर चढ़ गए, जिसमें पाइप लगा था। वह बीच-बीच में गैस का रेग्युलेटर खोलकर आग जलाते, धमकाते थे कि सबकुछ राख कर दूंगा। पुलिसकर्मी तेज आवाज में समझाते रहे, मगर वह कुछ सुनने को तैयार नहीं थे।

नौ सदस्यीय पर्वतारोही दल ने 'सतोपंथ' पर लहराया तिरंगा

जागरण संवाददाता, उत्तरकाशी

एवरेस्ट विजेता प्रवीण राणा के नेतृत्व में नौ सदस्यीय पर्वतारोहण दल ने गंगोत्री हिमालय की कठिन चोटियों में शामिल माउंट सतोपंथ (7075 मीटर) पर सफल आरोहण कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। अभियान के दौरान दल को भारी हिमपात, खराब मौसम, गहरी बर्फ, हिमस्खलन के खतरे और दुर्गम भूभाग जैसी अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन टीम ने साहस, धैर्य और दृढ़ संकल्प के बल पर लक्ष्य हासिल किया।

प्रवीण राणा ने बताया कि अभियान के दौरान कई ऐसे अवसर आए जब प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण वापसी ही एकमात्र विकल्प प्रतीत हो रही थी। लगातार कठिन हालात के चलते एक अन्य पर्वतारोहण दल को बीच में ही अभियान छोड़कर लौटना पड़ा। इन परिस्थितियों को देखकर उनकी टीम के सामने भी कई बार पीछे हटने का विचार आया, लेकिन आत्मविश्वास, टीम भावना और भगवान भोलेनाथ में आस्था ने उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

माउंट सतोपंथ पर्वत पर सफल आरोहण के दौरान दल के सदस्य। साभार प्रवीन राणा

जिस पिस्टल से मारा गया सिद्धू मूसेवाला, उसका सप्लायर गिरफ्तार

जासं, जयपुर : राजस्थान में श्रीगंगानगर पुलिस ने तीन राज्यों के बदमाशों को हथियारों की आपूर्ति करने वाले पंजाब के गैंगस्टर शकील अंसारी उर्फ आदिल को गिरफ्तार किया है। आरोपित गैंगस्टर रोहित गोदारा एवं गोल्डी बराड़ का प्रमुख साथी है। पुलिस के अनुसार, आरोपित दोनों गैंगस्टरों के गुर्गों के लिए हथियारों की सप्लाई करता था। पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की जिस जगना और ग्लाक पिस्टल से गोली मारकर हत्या की गई थी, वह पिस्टल शकील ने ही आरोपितों तक पहुंचाई थी।

शकील शनिवार को श्रीगंगानगर में एक कारोबारी पर फायरिंग करने के लिए पहुंचा था, लेकिन वारदात से पहले स्थानीय पुलिस को सूचना मिल गई। पुलिस ने बाइक सवार शकील को रोकने का प्रयास किया तो उसने फायरिंग की, जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई जो उसके पैर में लगी। पैर में गोली लगने के बाद शकील बाइक से गिर गया।

26 साल के एक भारतीय युवक की चाकू मारकर हत्या करने के आरोप में लंदन के साउथाल इलाके में भारतीय नागरिक पर केस दर्ज किया गया है। पिछले हफ्ते गुरभेज सिंह की हत्या के शक में गिरफ्तार 20 साल के नवजोत सिंह पर हत्या और खतरनाक हथियार रखने का आरोप लगाया गया है।

ईरान ने वार्ता को दिया 'मीनाब 168' नाम, वेंस बोले–हो नई शुरुआत

पहल ▶ मिसाइल हमले में मारी गई 168 स्कूली बच्चियों के सम्मान में दिया गया यह नाम

अमेरिका और ईरान के बीच 14 सूत्रीय सहमति पत्र को लागू करने की दिशा में चल रही कोशिशें

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

स्विट्जरलैंड में रविवार को अमेरिका के साथ शांति वार्ता के लिए गए ईरानी प्रतिनिधिमंडल को मीनाब 168 नाम दिया गया है। ईरानी प्रेस टीवी के अनुसार ये नाम मीनाब स्कूल पर अमेरिकी-इजरायली टामहाक मिसाइल हमले में मारी गईं 168 स्कूली बच्चियों के सम्मान में दिया गया है। इस स्कूल पर 28 फरवरी को युद्ध के पहले ही दिन हमला हुआ था।

ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने 14-सूत्रीय सहमति पत्र (एमओयू) को लागू करने की दिशा में चल रही कोशिशों के तहत पाकिस्तानी पक्ष के साथ अलग से बातचीत की।

गौरतलब है कि इस एमओयू को इस्लामाबाद मेमोरैंडम आफ अंडरस्टैंडिंग नाम दिया गया है। इस पर पिछले हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान और बतौर मध्यस्थ पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने डिजिटर हस्ताक्षर किए थे। रायटर के अनुसार, ईरानी विदेश मंत्रालय प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि अब इस सहमति पत्र पर आमने-सामने हस्ताक्षर नहीं होंगे, बल्कि आगे इसे लागू करने और फालोअप मेकेनिज्म पर बातचीत होगी। उन्होंने कहा कि स्विट्जरलैंड में वार्ता केवल एक दिन के लिए प्रस्तावित है। इस दौरान दो बैठकें होंगी, जिसमें सुबह पाकिस्तान और कतर के प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत हुई, जबकि शाम को व्यापक मुद्दों पर अमेरिका के साथ मध्यस्थों की मौजूदगी में बातचीत होगी। वार्ता में अमेरिका की तरफ से उपराष्ट्रपति वेंस के अलावा अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकाफ और सलाहकार जेरेड कुशनर शामिल हैं।

वहीं, ईरानी प्रतिनिधिमंडल में गलीबाफ संग विदेश मंत्री अब्बास अराघची, अली बाघेरी व सेंट्रल बैंक गवर्नर हेम्मती शामिल हैं।

स्विटजरलैंड के बर्जेनस्टाक रिजार्ट में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, पाक पीएम शहबाज व कतर के पीएम अब्दुलरहमान। एपी

वेंस बोले, ट्रंप नए अध्याय की शुरुआत चाहते हैं

न्यूयार्क टाइम्स के अनुसार, वेंस ने कहा कि ईरान के साथ बातचीत में अच्छी प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि ईरान के साथ ज्यादा से ज्यादा दो दिन बातचीत हो सकती है। इस दौरान ईरान के परमाणु मुद्दे और लेबनान में युद्धविराम पर बातचीत होगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका और ईरान अब ऐसा भविष्य देख रहे हैं, जहां दोनों देश मिलकर शांति और समृद्धि के लिए काम कर सकें। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्री मार्को रूबियो की टीम लेबनान में युद्धविराम के लिए प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि बातचीत का व्यापक उद्देश्य पश्चिम एशिया में स्थिरता बहाल करना है। वेंस ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरानी जनता के साथ संबंधों में 'नई शुरुआत' चाहते हैं।

ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान बोले, बातचीत के नतीजे जल्द दिखेंगे

एएनआइ के अनुसार, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने कहा है कि अमेरिका के साथ हुए शुरुआती समझौते के तहत करीब छह अरब डालर वापस मिलेंगे। तस्नीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक, पेजेश्कियान ने कहा कि एमओयू की सभी शर्तें ईरान के पक्ष में हैं और इन बातचीतों के नतीजे जल्द दिखाई देंगे। उन्होंने दावा किया कि ट्रंप ने जिन चीजों पर पहले रोक लगाने की बात की थी, अब उन्हें ईरानी जनता के अधिकार के तौर पर स्वीकार कर लिया है। अमेरिका की मुख्य चिंता ईरान की परमाणु क्षमता है। इस पर हमारे बलिदानी सुप्रीम लीडर पहले ही कह चुके हैं कि हम ये हथियार नहीं चाहते।

मेरी जिंदगी में एक भारतीय और एक पाकिस्तानी सबसे अहमः जेडी वेंस

बर्गेनस्टाक (स्विट्जरलैंड), एएनआइः अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ईरान के साथ शांति वार्ता के दौरान एक हल्के-फुल्के मजाक से माहौल को सहज कर दिया। उन्होंने कहा कि उनकी जिंदगी में दो लोग महत्वपूर्ण हैं—एक भारतीय और एक पाकिस्तानी। भारतीय पत्नी उषा वेंस और पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर।

पत्रकारों से बातचीत में वेंस ने कहा कि इस्लामाबाद में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और आसिम मुनीर से मुलाकात के बाद वह अक्सर यह बात मजाक में कहते रहे हैं। उनके इस बयान के समय शरीफ और मुनीर भी मौजूद थे, जो अमेरिका-ईरान वार्ता में कतर के साथ मध्यस्थ की भूमिका निभाने पहुंचे हैं। वेंस ने कहा कि पिछले तीन महीनों में उनकी सबसे ज्यादा बातचीत शायद मुनीर से ही हुई है। उन्होंने मुनीर की भूमिका की सराहना करते हुए उन्हें कुशल राजनयिक बताया। आंध्र प्रदेश से अमेरिका गए परिवार से जुड़ी उषा और जेडी वेंस की मुलाकात 2010 में येल ला स्कूल में हुई थी। दोनों ने 2014 में हिंदू रीति-रिवाजों को शामिल करते हुए अंतरधार्मिक विवाह किया था। उनके तीन बच्चे हैं। उषा का भारतीय मूल अक्सर अमेरिकी सार्वजनिक जीवन में सांस्कृतिक विविधता और भारतीय-अमेरिकी समुदाय की पहचान से जुड़ी चर्चाओं को भी सामने ले आता है।

ब्रिटेन में पीएम स्टार्मर आज दे सकते हैं इस्तीफा

- बीते दो दिनों में तेज हुई गतिविधियों से मिला संकेत
- लेबर पार्टी में नेतृत्व की दौड़ में बर्नहम सबसे आगे

लंदन, प्रेट्र : ब्रिटेन में प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर सोमवार को अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं। इस आशय के संकेत बीते दो दिनों में मंत्रियों, लेबर पार्टी के नेताओं, पार्टी के चंदादाताओं और ट्रेड यूनियन नेताओं से उनकी लगातार मुलाकात से मिल रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार निकाय चुनाव में लेबर पार्टी की हार के बाद से इस्तीफे का दबाव झेल रहे स्टार्मर ने अंततः पद छोड़ने का फैसला किया है। फिलहाल नए नेता की दौड़ में सबसे आगे एंडी बर्नहम नजर आ रहे हैं। खुद स्टार्मर ने संकेत में उनके नाम की सिफारिश कर दी है। देश में लेबर पार्टी के खिलाफ बने माहौल के बीच एंडी बर्नहम ने इसी सप्ताह उत्तर इंग्लैंड की मेकरफील्ड सीट के प्रतिष्ठापूर्ण उपचुनाव में जीत हासिल की है। इसलिए अन्य पार्टी नेताओं की तुलना में प्रधानमंत्री पद के लिए उनका दावा सबसे ज्यादा मजबूत माना जा रहा है। स्टार्मर ने साफ किया है कि दो वर्ष पूर्व उनके नेतृत्व में लेबर पार्टी ने संसदीय चुनाव जीता था लेकिन अब वह हर स्थिति के लिए तैयार हैं। पार्टी में नेता पद के लिए कोई विवाद नहीं है। हमारे लिए एंडी बर्नहम महत्वपूर्ण हैं। लेकिन यह भी कहा कि अगर किसी मुकाबले की स्थिति बनती है तो वह उसका सामना करेंगे। वैसे गार्जियन अखबार के मुताबिक लेबर पार्टी के करीब 300 सांसद नया नेता चुने जाने के पक्ष में हैं। ब्रिटेन के वाणिज्य मंत्री पीटर कायल ने कहा है कि हमारे लिए यह सप्ताहांत मुश्किल भरा है। हमें इस समय राजनीतिक वास्तविकताओं, चुनौतियों और अवसरों का सामना करना पड़ रहा है। पीटर ने यह बात स्टार्मर के भविष्य की योजनाओं के बारे में पूछे जाने पर कही है। सूत्रों के अनुसार स्टार्मर जल्द इस्तीफा दे सकते हैं लेकिन पार्टी में नए नेता का चुनाव होने तक वह हफ्ते 10, डाउनिंग स्ट्रीट में रहकर कार्यवाहक प्रधानमंत्री के तौर पर कार्य कर सकते हैं।

किएर स्टार्मर। फाइल

हीटवेव की चपेट में आया यूरोप, तापमान 40 डिग्री के करीब पहुंचा

यूरोप में रविवार को गर्मियों की पहली हीटवेव पड़ने पर स्पेन के ला कोंचा बीच पर जुटी लोगों की भारी भीड़। एएफपी

- कई जगहों पर परिवहन व्यवस्था बाधित हुई और वन्यजीवों व पर्यटन स्थलों पर भी बुरा असर पड़ा

रोम, रायटर : यूरोप के ज्यादातर हिस्सों में रविवार को हीटवेव का असर दिखा। तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया। इटली में चेतावनी जारी करनी पड़ी। परिवहन व्यवस्था बाधित हुई और वन्यजीवों व पर्यटन स्थलों पर भी बुरा असर पड़ा। कई दिनों तक तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहने के बाद आठ शहरों में रेड अलर्ट जारी किया।

वहीं, फ्रांस ने इमरजेंसी सेवाओं और सेना को जंगल की आग रोकने के लिए अलर्ट पर रखा है। कुछ आउटडोर स्पोर्ट्स इवेंट्स भी रद कर दिए हैं। म्यूजिक डे पर होने वाले कार्यक्रमों को देखते हुए सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने पर पाबंदी लगा दी गई है। रविवार को एक-तिहाई हिस्से लिए रेड अलर्ट जारी किया गया। कुछ इलाकों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की आशंका है। जर्मनी में तापमान 38 डिग्री तक पहुंच चुका है। मौसम विभाग ने बर्लिन समेत पूर्वी इलाकों में जबरदस्त तूफान की चेतावनी दी है। स्पेन में रविवार को तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने से पर्यटकों और स्थानीय लोगों को काफी परेशानी हुई।

यूक्रेन के हमले में क्रीमिया में चार मरे, ईंधन की बिक्री रुकी

मास्को, रायटर : यूक्रेन के रविवार को रूस और उसके नियंत्रण वाले क्रीमिया पर ड्रोन हमलों में चार लोग मारे गए और 28 घायल हुए हैं। यूक्रेन ने शनिवार-रविवार रात रूस के नियंत्रण वाले क्रीमिया प्रायद्वीप के तेल और गैस ठिकानों पर बड़ा हमला किया, जिसके चलते वहां पर जनसामान्य, कारोबारों और कारखानों को ईंधन की बिक्री रोक दी गई है।

रूस क्रैस्नोडर क्षेत्र में भी यूक्रेन ने ड्रोन हमले से तेल आपूर्ति व्यवस्था को नुकसान पहुंचाया है। वहां पर यूक्रेनी हमले में एक व्यक्ति की मौत हुई है। यहां रूसी नौसेना की ब्लैक सी फ्लीट, तेल-गैस के ठिकानों, ईंधन आपूर्ति व्यवस्था और बिजलीघरों को निशाना बनाया गया है। क्रीमिया और क्रैस्नोडर पर ताजा हमलों के बाद आवागमन रोक दिया गया है। दोनों भूभागों को कर्च स्ट्रेट अलग करता है। रूस को क्रीमिया से जोड़ने वाले ब्रिज पर नौ घंटे सड़क और रेल यातायात रुका रहा।

कतर ने बताया अमेरिका–ईरान शांति वार्ता का रोडमैप

प्रथम पृष्ठ से आगे

रायटर के अनुसार, कतर के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका-ईरान के बीच बातचीत शुरू होने की घोषणा करते हुए बताया कि वार्ता के जरिए सहमति पत्र (एमओयू) के सभी पहलुओं को शामिल करते हुए व्यापक और स्थायी समझौते तक पहुंचने की उम्मीद है।

अंतिम समझौते की शर्तों पर बातचीत के लिए विशेषज्ञों और तकनीकी अधिकारियों के अलग-अलग समूह गठित किए गए हैं। मंत्रालय के अनुसार, एमओयू के क्रियान्वयन, वार्ता की प्रगति की निगरानी और अंतिम समझौते को आगे बढ़ाने के लिए विशेष तकनीकी और फालो-अप समूह भी बनाए गए हैं।

स्विट्जरलैंड में चाक चौबंद सुरक्षा व्यवस्था : एपी के अनुसार, अमेरिका और ईरान के बीच हाई प्रोफाइल शांति वार्ता के लिए स्विट्जरलैंड में चाकचौबंद सुरक्षा व्यवस्था की गई।

वार्ता स्थल ओमान के बर्जेनस्टाक रिजार्ट के 50 किलोमीटर के दायरे को हाई सिक्योरिटी जोन में बदल दिया गया। इसके चलते रेंज में आनेवाले ज्यूरिख एयरपोर्ट के एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम में तकनीकी गड़बड़ी पैदा हो गई। हालांकि, इसे कुछ देर में दुरुस्त कर लिया गया। बर्जेनस्टाक के ऊपर सैन्य हेलीकाप्टरों ने पूरी निगरानी रखी। गड़बड़ी दूर होने के बाद ज्यूरिख हवाई अड्डे से 12 विमान उतरे और 14 विमानों ने उड़ान भरी।

इजरायल ने लेबनान पर बरसाए 1000 किलो के बम : एएनआइ के अनुसार, इजरायल ने लेबनान में रविवार को भी भीषण बमबारी की। इस हमले के लिए इजरायल ने दक्षिणी लेबनान और बेरूत के रिहायशी इलाकों पर 500 से 1000 किलो तक के बम बरसाए हैं। ये इलाके गाजा पट्टी की तरह नजर आने लगे हैं। शनिवार को हुए हमले में 32 लोगों के मारे जाने की खबर है।

इजरायल की हिब्रू यूनिवर्सिटी के एक पोल में 92 प्रतिशत इजरायली नागरिकों ने माना कि अमेरिका-ईरान समझौते में तेहरान को ज्यादा फायदा हुआ है। वहीं केवल आठ प्रतिशत लोग मानते हैं कि पश्चिम एशिया में टकराव में इजरायल विजेता बनकर उभरा है। 90 प्रतिशत का मानना है कि युद्ध के उद्देश्य पूरे नहीं हुए, जबकि 30 प्रतिशत लोग मानते हैं कि पीएम नेतन्याहू को इस युद्ध से बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। नेतन्याहू ने लेबनान से इजरायली सेना को वापस बुलाने से साफ इन्कार कर दिया है।

खेल जागरण

सूर्यवंशी के 94 रन से भारत–ए ने त्रिकोणीय सीरीज का खिताब जीता, श्रीलंका–ए को हराया

वैभव के तूफान में उड़ा श्रीलंका–ए

दांबुला, प्रेट्र: 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अपनी असाधारण प्रतिभा और बड़े मैचों में दबाव झेलने की क्षमता का शानदार प्रदर्शन करते हुए मात्र 29 गेंदों में 94 रन बनाए, जिससे भारत-ए ने रविवार को त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल में श्रीलंका-ए को 66 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया। सूर्यवंशी की विस्फोटक पारी में 11 गेंदों में अर्धशतक भी शामिल रहा, जो लिस्ट-ए क्रिकेट का सबसे तेज अर्धशतक है। उनकी तूफानी बल्लेबाजी की बदौलत भारत-ए ने नौ विकेट पर 377 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में श्रीलंका-ए की टीम 311 रन पर सिमट गई। भारत की ओर से तेज गेंदबाज यश ठाकुर ने 45 रन देकर तीन विकेट और स्पिनर विपराज ने 60 रन देकर तीन विकेट लिए।

वैभव की ताबड़तोड़ शुरुआत: बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर भारत-ए की शुरुआत वैभव सूर्यवंशी ने धमाकेदार अंदाज में की। टूर्नामेंट में अब तक शांत रहे इस युवा बल्लेबाज ने पहले ही ओवर से श्रीलंकाई गेंदबाजों पर हमला बोल दिया। सूर्यवंशी ने सिर्फ 11 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया और 2005 में श्रीलंका के कौशल्या वीररत्ने द्वारा 12 गेंदों में बनाए गए रिकार्ड को तोड़ दिया। उनकी पहली 11 गेंदों का स्कोर क्रम 4, 4, 4, 6, 6, 0, 6, 4, 4, 6, 6 रहा। उन्होंने पांच चौकों और पांच छक्कों की मदद से रिकार्ड अर्धशतक पूरा किया। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने ताकत और बेहतरीन टाइमिंग का शानदार मिश्रण दिखाया। खास तौर पर एक्स्ट्रा कवर के ऊपर लगाए गए उनके छक्के दर्शनीय रहे। सूर्यवंशी और प्रियांश आर्य (39) ने पहले विकेट के लिए 132 रन जोड़े। सूर्यवंशी लिस्ट-ए क्रिकेट का सबसे तेज शतक बनाने की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन नौवें ओवर में अराच्चिगे ने उन्हें मिडआफ पर कैच कराकर उनकी पारी का अंत किया। इसके बाद अगले ओवर में आर्या भी आउट हो गए। इसके बाद रुतुराज (40) और कप्तान तिलक (67) ने तीसरे विकेट के लिए 63 रन जोड़े और पारी को संभाला। अंतिम ओवरों में विकेट गिरने के बावजूद विराज निगम (27) और अनुकूल राय (39) ने तेज रन बनाकर भारत का स्कोर 350 के पार पहुंचाया।

श्रीलंका-ए की अच्छी शुरुआत नहीं: 377 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका-ए को अच्छी शुरुआत की जरूरत थी, लेकिन टीम ऐसा नहीं कर सकी। शीर्ष क्रम के निरोशन डिकवेल्ला, अविष्का फर्नांडो और नुवानिदु फर्नांडो पहले 10 ओवर में ही 75 रन के स्कोर तक पवेलियन लौट गए। श्रीलंका की ओर से समरविक्रमा (52) और कप्तान साहन (38) ने चौथे विकेट के लिए 53 रन जोड़े, जबकि वनुज (62) और विजयकांत (39) ने सातवें विकेट के लिए 77 रन की साझेदारी की। हालांकि इतने बड़े लक्ष्य के सामने ये प्रयास नाकाफी साबित हुए और टीम केवल 300 रन का आंकड़ा पार कर सकी।

वैभव सूर्यवंशी

लिंकन मेमोरियल रिफ्लेक्टिंग पूल तोड़फोड़ में कई गिरफ्तार : ट्रंप

वाशिंगटन, एपी : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म 'ट्रुथ सोशल' पर जानकारी दी कि वाशिंगटन डीसी में स्थित ऐतिहासिक 'लिंकन मेमोरियल रिफ्लेक्टिंग पूल' में तोड़फोड़ और नुकसान पहुंचाने के आरोप में अमेरिकी पार्क पुलिस ने कई लोगों को गिरफ्तार किया है।

ट्रंप ने कहा कि दोषियों को सालों की जेल हो सकती है। कहा कि पूल की मरम्मत का काम जल्द ही शुरू कर दिया जाएगा। द वाशिंगटन पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, गिरफ्तार किए गए लोगों में ओलंपिक साइक्लिस्ट डेविड हर्न भी शामिल हैं। हर्न पर सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। हर्न ने कहा कि वे साइकिलिंग के बाद रेनोवेट किए गए रिफ्लेक्टिंग पूल को देखने रुके थे। हर्न के अनुसार, वे सामग्री को छूकर देखने के लिए पानी में हाथ डाल रहे थे, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया।

भारत के साथ सीमा विवाद में नहीं की थी ब्रिटिश मध्यस्थता की मांग : बालेंद्र शाह

- कहा, कालापानी व लिपुलेख के नेपाली क्षेत्र होने के हैं सुबूत
- भारत के पास अगर इसके सुबूत हैं तो वे भी दिखा सकते हैं

काठमांडू, प्रेट्र : नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने रविवार को स्पष्ट किया कि उनकी सरकार ने भारत के साथ सीमा विवाद को सुलझाने के लिए ब्रिटेन से मध्यस्थता की मांग नहीं की थी। उनके इस संबंध में एक बयान पर पिछले महीने विवाद खड़ा हो गया था। बालेंद्र शाह ने चितवन जिले में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) की पहली आमसभा को संबोधित करते हुए कहा, "हमने कहा था कि अगर ब्रिटिश शासन (भारत में) के समय के सुबूतों की जरूरत पड़ी, तो हम उन्हें पेश करेंगे। हमने उनकी मध्यस्थता की मांग नहीं की थी। हमारे पास इस बात के सुबूत हैं कि कालापानी और लिपुलेख हमारे क्षेत्र का हिस्सा हैं। अगर उनके (भारत के) पास सुबूत हैं, तो वे भी दिखा सकते हैं।" उन्होंने अपने विरोधियों से कहा, "हम अपने पड़ोसी के साथ बातचीत करके इस मुद्दे को सुलझा लेंगे; इसके बारे में चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है।" प्रधानमंत्री ने लोगों से यह भी कहा कि वे राष्ट्रीयता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर संदेह न करें।

बालेंद्र शाह ने पिछले महीने संसद में कहा था कि नेपाल ने अलग-अलग जगहों पर भारतीय क्षेत्रों पर कब्जा किया है और इस मुद्दे को सुलझाने के लिए चीन व ब्रिटेन को शामिल किया है, जिससे विवाद खड़ा हो गया था। भारत ने इस विवाद को सुलझाने में किसी तीसरे पक्ष की भूमिका को साफ तौर पर खारिज कर दिया था। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने बाद में कहा था कि पीएम की टिप्पणी दोनों देशों के बीच 'नो-मैंस लैंड' और सीमापार कब्जे से संबंधित थी। नेपाल व भारत के बीच लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी को लेकर पुराना विवाद है।

बालेंद्र शाह। फाइल

अमेरिका में बोर्डिंग स्कूल में अपनी ही कब्र खोदने व उल्टी खाने पर छात्रों को किया मजबूर

- एक पूर्व छात्र ने 10 मिलियन डालर का मुकदमा दायर किया है
- जिस शिक्षक की देखरेख में रखा गया उसने किया यौन शोषण

नई दिल्ली, जेएनएन

अमेरिका में न्यूयार्क के अब बंद हो चुके 'फैमिली फाउंडेशन स्कूल' के एक पूर्व छात्र ने आरोप लगाया है कि इस प्राइवेट बोर्डिंग स्कूल में रहने के दौरान उसके साथ बहुत बुरा बर्ताव किया गया। उसने 10 मिलियन डालर का सिविल मुकदमा दायर किया है और आरोप लगाया है कि छात्रों को अपनी कब्रें खोदने और खुद की उल्टी खाने जैसी यातनाएं दी जाती थीं।

वह 2000 से 2003 के बीच इस स्कूल में पढ़ता था। न्यूयार्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, यह स्कूल 2014 में बंद हो गया। स्कूल अभिभावकों से सालाना 80,000 डालर तक की फीस वसूलता था। कोर्ट में दायर मुकदमे में पीड़ित ने बोर्डिंग स्कूल चलाने वाले अर्गिरोस परिवार के साथ-साथ स्थानीय पुलिस और स्कूल से जुड़े दूसरे लोगों और संस्थाओं पर भी आरोप लगाए हैं। आरोप है कि बोर्डिंग स्कूल में बच्चों की कथित तौर पर कपड़े उतरवाकर तलाशी ली गई, उन्हें अलमारियों में बंद किया गया और अपनी कब्रें खुद खोदने के लिए मजबूर किया गया। संस्थान के अमीर मालिकों की वजह से स्थानीय अधिकारियों ने इस दुर्व्यवहार को नजरअंदाज कर दिया।

पीड़ित के अनुसार, स्कूल में रहने के दौरान उसे संगीत शिक्षक पाल गीर की देखरेख में रखा गया था। गीर ने टोरंटो की यात्रा के दौरान यौन शोषण किया। कोर्ट के दस्तावेजों के अनुसार, जब उसने माइक आर्गिरोस को इस शोषण के बारे में बताया, तो कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसके बजाय उन्हीं पर पाबंदियां लगा दी गईं।

स्कूल में भागने की कोशिश करने वाले बच्चों का पीछा करने और उन्हें जबरदस्ती वापस लाने के लिए के9 कुत्तों का इस्तेमाल किया जाता था। एक रिपोर्ट के मुताबिक, माइकल आर्गिरोस ने बयान में दावा किया कि स्कूल में रहते हुए उन्हें दुर्व्यवहार की किसी भी घटना की जानकारी नहीं थी। पुलिस अधिकारियों ने टिप्पणी के लिए भेजे गए संदेशों का कोई जवाब नहीं दिया। आर्गिरोस और उनके वकीलों ने भी टिप्पणी के लिए भेजे गए संदेशों का कोई जवाब नहीं दिया।

पीपीपी ने गिलगित–बाल्टिस्तान के लिए मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार का नाम घोषित किया

इस्लामाबाद, प्रेट्र : पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) ने रविवार को गिलगित-बाल्टिस्तान में मुख्यमंत्री पद के लिए अपने उम्मीदवार का नाम घोषित किया। पार्टी चेयरमैन बिलावल भुट्टो-जरदारी ने अमजद हुसैन को इस शीर्ष पद के लिए नामित किया है।

चुनावों के बाद, पाकिस्तान पीपल्स पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। उसने 24 सदस्यों वाली गिलगित-बाल्टिस्तान विधानसभा में 12 सीटें जीतीं। अमजद हुसैन 2020 से 2025 तक गिलगित-बाल्टिस्तान असेंबली के सदस्य रहे और 2009 से 2014 तक इस क्षेत्र की लेजिस्लेटिव काउंसिल के सदस्य भी रहे।

इससे पहले, डान अखबार ने खबर दी थी कि पीपीपी, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के समर्थन से सरकार बनाएगी। यह सरकार पावर शेयरिंग के फार्मूले के तहत बनेगी।

गठबंधन सरकार बनाने का फैसला आपसी भरोसे, आम सहमति और बातचीत पर आधारित था।

महिला टीम को मिली पहली हार

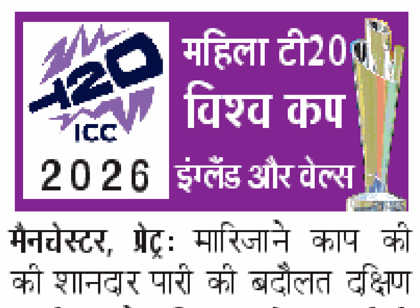

मैनचेस्टर, प्रेट्र: मारिजाने काप की की शानदार पारी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने रविवार को आइसीसी महिला टी-20 विश्व कप मुकाबले में भारत को छह विकेट से हरा दिया। भारतीय टीम की यह मौजूदा विश्व कप में पहली हार है। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने सात विकेट पर 158 रन बनाए। जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने काप (81*) और तजमिन ब्रिट्स (40) की बेहतरीन पारी की मदद से 19.1 ओवर में चार विकेट खोकर 159 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। भारत की ओर से श्रीचरणी ने 24 रन देकर तीन विकेट लिए।

इससे पहले भारत को शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने तेज शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों के आक्रामक रुख के कारण भारत ने पावरप्ले में 59 रन बनाए। शेफाली ने 31 रन, जबकि स्मृति ने 17 रन की पारी खेली। हालांकि इसके बाद दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों ने शानदार वापसी करते हुए मध्य ओवरों में भारत की रनगति पर अंकुश लगाया और नियमित अंतराल पर विकेट झटके। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपने करियर का 200वां टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला। वह क्रिकेट इतिहास में पुरुष और महिला दोनों वर्गों में 200 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं। अपने इस ऐतिहासिक मैच में हरमनप्रीत ने 24 रन बनाए। इसके अलावा दीप्ति शर्मा ने 21 गेंदों पर उपयोगी 29 रन का योगदान दिया।

हरमनप्रीत कौर

काप की विस्फोटक पारी से दक्षिण अफ्रीका ने भारत को छह विकेट से हराया

न्यूजीलैंड को हराकर महिला टीम ने जीता नेशंस कप

आकलैंड, प्रेट्र: शानदार फार्म को जारी रखते हुए भारतीय महिला हाकी टीम ने रविवार को मेजबान न्यूजीलैंड को फाइनल में 2-0 से हराकर दूसरी बार एफआइएच महिला नेशंस कप का खिताब जीत लिया। इस जीत के साथ भारत ने अगले सत्र की एफआइएच महिला प्रो लीग में भी अपना स्थान पक्का कर लिया।

भारत की ओर से नवनीत कौर ने चौथे मिनट में गोल कर टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई, जबकि सुनेलिता टोप्पो ने 15वें मिनट में दूसरा गोल दागकर बढ़त दोगुनी कर दी। इसके बाद भारतीय टीम ने बेहतरीन रक्षात्मक खेल का प्रदर्शन करते हुए बढ़त को अंत तक बरकरार रखा और खिताब अपने नाम किया।

फाइनल में लालरेमसियामी को प्लेयर आफ द मैच चुना गया, जबकि दीपिका छह गोल के साथ टूर्नामेंट की संयुक्त शीर्ष स्कोरर रहीं। उन्होंने अमेरिका की एशले सेसा के साथ यह सम्मान साझा किया। यह भारत का दूसरा नेशंस कप खिताब है। इससे पहले भारतीय टीम ने 2022 में टूर्नामेंट का पहला संस्करण जीता था। भारत पूरे टूर्नामेंट में अपराजित रहा। टीम ने पूल ए में अमेरिका को 3-2, जापान को 2-1 और उरुग्वे को 3-2 से हराया। इसके बाद सेमीफाइनल में चिली को 6-0 से करारी शिकस्त देकर फाइनल में जगह बनाई।

जश्न मनाती हुई महिला टीम • एक्स

भारत ने जीत के साथ अगले सत्र की एफआइएच महिला प्रो लीग में भी अपना स्थान पक्का कर लिया

आइवरी कोस्ट को 2-1 से हराकर 2014 के बाद पहली बार नाकआउट में पहुंची जर्मनी

फैक्ट्री से निकलकर जर्मनी के नायक बने उंडव

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: जर्मनी ने जब पिछला विश्व कप जीता था लगभग उसी वक्त 17 साल का एक लड़का फैक्ट्री में मजदूरी करते हुए अपने फुटबालर बनने के सपने को जिंदा रखने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा था। सुबह चार बजे उठकर फैक्ट्री जाना और फिर आठ घंटे की शिफ्ट के बाद सेमी-प्रोफेशनल फुटबाल खेलना। फुटबाल से पेट पालने भर की कमाई ना होने के चलते इसे मजदूरी करनी पड़ती थी। इन दिनों के 12 साल बाद 20 जून 2026 की बीतती रात इसी लड़के ने 2014 के बाद जर्मनी को पहली बार फुटबाल विश्व कप के नाकआउट में पहुंचा दिया। नाम याद कर लीजिएगा- डेनिज उंडव।

यजीदी मूल के डेनिज का परिवार उनके जन्म से कई साल पहले अपनी जन्मभूमि छोड़कर जर्मनी आ बसा था। डेनिज बीते कुछ वक्त से लगातार जर्मनी की फुटबाल टीम के साथ हैं लेकिन कोच जूलियन को इन पर इतना भरोसा नहीं है, वह डेनिज को शुरुआत में मौका देते ही नहीं ज्यादातर वक्त यह स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में ही खेलते हैं। शनिवार देर रात भी इन्हें 59वें मिनट में मौका दिया, इस वक्त तक जर्मनी की टीम 1-0 से पीछे थी। कनाडा के टोरंटो स्टेडियम में आइवरी कोस्ट ने जर्मनी को परेशान कर रखा था। पहला हाफ जर्मनी के लिए बहुत झुंझलाहट भरा बीता। आइवरी के लिए फ्रैंक केस्सिए ने 30वें मिनट में गोल कर दिया, जर्मन डिफेंडर निको श्लोटरबेक चोटिल होकर बाहर जा चुके थे और तो और इसी हाफ में जर्मनी के दो गोल भी अमान्य करार दिए जा चुके थे।

इन स्थितियों के बीच जब मैच में लगभग आधे घंटे का वक्त बाकी था, उंडव मैदान पर आए। मैच का 68वां मिनट, उंडव के साथ ही मैदान पर आए नदीम अमीरी ने मैदान के बाईं ओर से एक लंबा क्रास आइवरी के बाक्स में डाला। काइ हावर्त्ज उछले लेकिन गेंद उन्हें पार करते हुए उंडव तक आ गई और उंडव ने मौके का पूरा फायदा उठाते हुए हेडर के जरिए इसे गोल में पहुंचाकर जर्मनी को बराबरी दिला दी।

आइवरी कोस्ट की टीम इससे निराश तो थी लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और तय कर लिया कि मैच से कम से कम एक अंक तो लेकर ही जाएंगे। नियत 90 मिनट तक वो सफल होते भी दिख रहे थे लेकिन अतिरिक्त समय के चौथे मिनट में उंडव ने उनका दिल ही तोड़ दिया। फेलिक्स मेचा के पास पर उंडव ने घूमते हुए बाक्स के अंदर से ऐसा करारा शाट जमाया कि आइवरी कोस्ट का गोलकीपर जब तक हिल पाता, गेंद गोल के अंदर थी। उंडव इस विश्व कप के पहले दोनों मैचों में मिलाकर तीन गोल और दो असिस्ट कर चुके हैं।

2002 के बाद जर्मनी के लिए अपने पहले दो विश्व कप मैचों में गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बने डेनिज उंडव। इससे पहले 2002 में मिरोस्लाव क्लोस ने ये कारनामा किया था

गेंद रखी: जर्मनी 55% – आइवरी कोस्ट 45%

जर्मनी		आइवरी कोस्ट
16	शाट	9
7	टार्गेट पर शाट	2
591	पास	413
5	फाउल	7
0	येलो कार्ड	0
0	रेड कार्ड	0
8	कार्नर	3

जर्मनी 2 – आइवरी कोस्ट 1

उंडव : 68वें और 90+4 मिनट | केस्सिए : 30वें मिनट

आइवरी कोस्ट के विरुद्ध गोल करते जर्मनी के डेनिज उंडव ● एएफपी

स्पेन ने निकाला सऊदी का तेल

सऊदी अरब को 4-0 से हराकर ग्रुप के शीर्ष पर स्पेन, मिकेल रहे हीरो

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: लामिने यमाल की दिलाई शुरुआत को आगे बढ़ाते हुए मिकेल ओयारजबाल ने सऊदी अरब के विरुद्ध स्पेन को बड़ी जीत दिला दी। अटलांटा के अटलांटा स्टेडियम में खेले गए ग्रुप एच के इस मैच को स्पेन ने 4-0 से अपने नाम किया। यह इस ग्रुप में किसी भी टीम द्वारा दर्ज की गई पहली जीत है। इससे पहले ग्रुप के दो मैच ड्रा रहे थे। इस जीत के साथ ही स्पेन ने ग्रुप में शीर्ष स्थान भी हासिल कर लिया।

पहले मैच में केप वेर्डे के विरुद्ध 0-0 से ड्रा खेलने वाली स्पेन की टीम इस मैच में अपने सर्वश्रेष्ठ पर दिखी। स्पेन के खिलाड़ियों ने इस मैच में दिखाया कि क्यों लोग उन्हें फीफा विश्व कप 2026 जीतने का दावेदार मान रहे हैं। चोट से वापसी कर रहे फारवर्ड लामिने यमाल ने इस मैच में स्पेन के लिए शुरुआत की और दसवें मिनट में ही अपना नाम स्कोर शीट पर लिखा लिया।

स्पेन की टीम इस मैच में अलग तरीके से खेल रही थी, उन्होंने गेंद को बहुत देर तक अपने पास रखा ही नहीं। उन्होंने सामने वाली टीम के साथ शारीरिक प्रतिस्पर्धा स्पेन की टीम ने गेंद को खूबसूरती से पास करने का अपना जांचा-परखा तरीका अपनाया और इसका असर मैच पर भी दिखा। पहले मैच में पहले 30 मिनट तक एक बार भी गेंद ना छू पाए ओयारजबाल इस मैच के पहले दस मिनट में ही कई हमलों के साथ एक असिस्ट भी कर चुके थे। उन्होंने 21वें मिनट में अपना पहला गोल भी कर दिया जब सऊदी के डिफेंडर एक कार्नर पर गेंद को दूर हटाने में नाकाम रहे। ओयारजबाल ने बाक्स के अंदर, गोल के एकदम करीब से झन्नाटेदार शाट जमाकर स्कोर 2-0 कर दिया।

मैच के 24वें मिनट में ओयारजबाल के हिस्से एक और गोल आया जब दानी ओल्मो के एक पास पर इन्होंने एक बार फिर से नजदीक से बेहतरीन शाट मारते हुए स्कोर 3-0 किया। पहले हाफ की समाप्ति तक स्पेन 3-0 से आगे था। टीम की जीत सुनिश्चित देख स्पेन के कोच ने यमाल को पहले हाफ के बाद ही बाहर बुला लिया। स्पेन की टीम ने दूसरे हाफ में एक और गोल अपने खाते में जोड़ा, लेकिन इस गोल का श्रेय अरब के डिफेंडर हसन अल्तमबक्ती को गया जिन्होंने 49वें मिनट में गेंद अपने ही गोल में मार ली। यह इस विश्व कप का सातवां आत्मघाती गोल था। पिछले विश्व कप में कुल दो आत्मघाती गोल हुए थे।

गेंद के लिए जूझते यमाल (मध्य) ● एपी

गेंद रखी: स्पेन 65% – सऊदी अरब 35%

स्पेन		सऊदी अरब
21	शाट	3
9	टार्गेट पर शाट	1
639	पास	238
10	फाउल	2
0	येलो कार्ड	2
0	रेड कार्ड	0
6	कार्नर	1

स्पेन 4 – सऊदी 0

यमाल : 10वां, ओयारजबाल : 21वां, 24वां, अल्तमबक्ती : 49वां मिनट (आत्मघाती)

1000वें फीफा विश्व कप मैच में जमकर चली जापानी तलवार

जापान ने एकतरफा मुकाबले में ट्यूनीशिया को 4-0 से हराया

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: अपनी तलवारबाजी के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध जापान ने फीफा विश्व कप के हजारवें मैच को ऐतिहासिक बना दिया। प्रशंसकों द्वारा 'नीले समुराई' बुलाए जाने वाले इन खिलाड़ियों ने अफ्रीकी देश ट्यूनीशिया को एशियाई फुटबाल का अच्छा पाठ पढ़ाते हुए 4-0 से हराया। जापानी टीम फीफा विश्व कप के किसी एक मैच में इतने गोल करने वाली पहली एशियाई टीम भी बन गई। मैच के चौथे ही मिनट में मिडफील्डर दाइची कमादा ने फारवर्ड कीतो नाकामुरा के असिस्ट पर गोल मार प्रशंसकों को उनकी सीटों पर बैठने से पहले ही उछाल दिया। कमादा के नाम अब फीफा विश्व कप में जापान के लिए सबसे तेज गोल का रिकार्ड दर्ज हो गया है। कमादा ने लीजेंडरी शिंजी कगावा का रिकार्ड तोड़ा जिन्होंने 2018 में कोलंबिया के विरुद्ध छठे मिनट में गोल किया था।

पस्त हुआ ट्यूनीशिया: मैच के 31वें मिनट में स्ट्राइकर अयासे उएदा ने जापान की बढ़त दोगुनी कर दी। पहला हाफ खत्म होने तक स्कोर 2-0 से जापान के पक्ष में था। हालांकि असली खेल तो दूसरे हाफ में हुआ। जापानी टीम पूरी तरह से रंग में आ चुकी थी और उन्होंने ट्यूनीशिया के खिलाड़ियों की तरफ से होते थोड़े-बहुत विरोध को भी कुचलना शुरू कर दिया। ट्यूनीशिया के नए कोच हेर्वे रेनार्ड की रणनीति और उनके खिलाड़ियों का जोश, दोनों की हवा निकल चुकी थी। सीनियर फारवर्ड जुन्या इतो ने 69वें मिनट में स्कोर 3-0 किया जबकि उएदा ने 83वें मिनट में अपना दूसरा और मैच का चौथा गोल दागते हुए जापान की 4-0 से जीत सुनिश्चित कर दी।

गेंद के लिए जापानी खिलाड़ी से जूझता ट्यूनीशिया का खिलाड़ी (सफेद) ● एपी

15 गोल बचाकर एलाय बने कुराकाओ की दीवार

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: 76 हजार से ज्यादा दर्शकों की क्षमता वाला कंसास सिटी स्टेडियम, जहां कुराकाओ की आधी आबादी बैठ सकती है पूरी तरह से पीले रंग में रंगा था। बीच-बीच में किसी कोने पर दो-चार नीली जर्सियां दिख जाती थीं तो लगता था कि मैदान में कुराकाओ की टीम के अलावा भी ऐसे लोग हैं जो चाहते हैं कि कुराकाओ अच्छा करे। हालांकि कुराकाओ के गोलपोस्ट की रक्षा में तैनात 37 साल के गोलकीपर एलाय रूम को किसी की जरूरत नहीं थी। वह अकेले ही पूरे इक्वाडोर को थामने की तैयारी करके आए थे। ग्रुप ई के इस मैच में रूम ने इक्वाडोर को जरा भी रूम ना देते हुए रिकार्ड 15 शाट बचाए। उनके इस प्रदर्शन की बदौलत कुराकाओ ने इक्वाडोर को 0-0 की बराबरी पर रोकते हुए पहली बार विश्व कप में कोई अंक हासिल कर लिया। इक्वाडोर के अटैकर्स ने कुराकाओ के गोल पर 26 शाट मारे, इनमें से 15 तो निशाने पर ही थे और इन 15 में से एक भी गोल के अंदर नहीं जा पाया। इक्वाडोर ने 75 प्रतिशत वक्त तक गेंद अपने कब्जे में रखी, लगातार गोल पर हमले भी किए लेकिन रूम ने उन्हें एक भी गोल नहीं करने दिया। पिछले मैच में जर्मनी के खिलाफ सात गोल खाने वाले रूम ने जैसे अपना बेस्ट इसी मैच के लिए बचा रखा हो।

नाकआउट के लिए आज आखिरी वार करेंगे मेसी

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: अल्जीरिया को 3-0 से हराने और इसमें अपने स्टार लियोन मेसी की शानदार हैटट्रिक से इस फीफा विश्व कप में अपना शानदार आगाज करने वाली गत चैंपियन अर्जेंटीना को टूर्नामेंट के नाकआउट में पहुंचने के लिए सोमवार को आखिरी बार और करना होगा। अमेरिका के टेक्सास के डलास स्टेडियम में होने वाले ग्रुप जे के इस मुकाबले में अर्जेंटीना के सामने आस्ट्रिया की चुनौती होगी।

मेसी की हालिया फार्म को देखते हुए दुनिया भर में अर्जेंटीना के समर्थक पहले से ही आस्ट्रिया के विरुद्ध मुकाबले में अपने पक्ष में परिणाम को लेकर आश्वस्त हैं। हालांकि अपने शुरुआती मुकाबले में जार्डन को 3-1 से हराकर शानदार आगाज करने वाली आस्ट्रिया टीम को मेसी की टीम हल्के में लेने की गलती नहीं करेगी। मुकाबले से पहले आस्ट्रिया के दिग्गज मिडफील्डर कानराड लाइमर का कहना है कि मेसी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ फुटबालर हैं। हालांकि इस गत सीजन में बायर्न म्यूनिख के लिए 47 मैचों में 16 गोल में योगदान देने वाले लाइमर से अर्जेंटीना को भी इसी तरह सतर्क रहने की जरूरत होगी, जिस तरह आस्ट्रिया टीम मेसी के विरुद्ध रणनीति बनाकर आएगी।

अभ्यास के दौरान लियोन मेसी ● एएफपी

एमबापे के हमलों से बचना चाहेगा इराक

ग्रुप आइ के मुकाबले में गत उपविजेता फ्रांस के सामने अब इराक की चुनौती होगी। अमेरिका के फिलाडेल्फिया में होने वाले इस मुकाबले में एमबापे की टीम फ्रांस भी जीत दर्ज कर लगभग नाकआउट में पहुंच जाएगी। अपने पहले मुकाबले में एमबापे के डबल कमाल से सेनेगल को 3-1 से शिकस्त देने के बाद फ्रांस की टीम के लिए यह मुकाबला जीतना ज्यादा मुश्किल काम नहीं होना चाहिए। इराक अपने शुरुआती मुकाबले में नार्वे से 4-1 से शिकस्त झेल चुका है, लेकिन सेनेगल के विरुद्ध जिस तरह पहले हाफ में फ्रांस की टीम लय में नजर नहीं आई थी, उससे इराक को भी कुछ आत्मविश्वास मिला होगा।

नार्वे को भी परेशान करने की पूरी कोशिश करेगी सेनेगल की टीम

ग्रुप आइ के एक अन्य मुकाबले में नार्वे का सामना सेनेगल से होगा। स्टार एर्लिंग हालैंड के दो गोल से इराक पर जीत के साथ न्यूयार्क के न्यू जर्सी में होने वाले इस मुकाबले में आ रहे नार्वे को सेनेगल उसी तरह परेशान करने की कोशिश करेगा, जैसे उसने फ्रांस को पहले हाफ में विचलित किया था, हालांकि हालैंड पर ही पूरी तरह से निर्भर यह टीम अपने इस स्टार की हालिया फार्म को देखते हुए इस मुकाबले को लेकर अधिक चिंतित नहीं होगी।

जार्डन-अल्जीरिया विश्व कप में पहली जीत के लिए बेताब

ग्रुप जे में जार्डन और अल्जीरिया जब सेन फ्रांसिस्को में आमने-सामने होंगे तो दोनों टीम टूर्नामेंट की अपनी पहली जीत दर्ज करना चाहेंगी। जार्डन अपने पहले मुकाबले में आस्ट्रिया और अल्जीरिया अपने पहले मुकाबले में अर्जेंटीना से हार झेलने के बाद इस मुकाबले में आ रह रही है, हालांकि अब लगभग बराबर की ताकत वाली इन दोनों टीमों के बीच मुकाबला रोमांचक हो सकता है।

मेसी से आगे निकलना असंभव : लामिने यमाल

अटलांटा, एएनआइ: स्पेन की युवा सनसनी लामिने यमाल ने अर्जेंटीना के लीजेंड लियोन मेसी से आगे निकलने की संभावनाओं को सिरे से खारिज कर दिया है। यमाल का मानना है कि मेसी फुटबाल के सर्वकालिक महान खिलाड़ी बने रहेंगे। उन्होंने कहा, असंभव। मेरे लिए मेसी सर्वश्रेष्ठ हैं और वह इसे साबित भी करते रहते हैं। 40 साल की उम्र में भी वह सबसे बेहतर हैं। यमाल का मानना है कि वह लोगों की अपेक्षाओं से कहीं बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम हैं, लोग जितना सोचते हैं वह उससे भी आगे जा सकते हैं। यमाल के मुताबिक अभी उनमें सुधार की बहुत गुंजाइश है और उनका करियर भी अभी बहुत लंबा चलेगा। यमाल का पूरा ध्यान अपने खेल को बेहतर बनाने पर है।

ईरानी कोच का अमेरिका पर खराब बर्ताव का आरोप

फीफा विश्व कप डायरी

इंगलवुड, एपी: ईरान के कोच आमिर घलेनोई ने कहा कि विश्व कप में अमेरिका यात्रा प्रतिबंधों और वीजा अस्वीकृति के जरिए उनकी टीम के साथ अब भी खराब बर्ताव कर रहा है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि फीफा अगले सप्ताह मेजबान देश को इनमें से कुछ कड़े नियमों को कम करने के लिए मना लेगा।

घलेनोई ने कहा कि मुझे बहुत खुशी है कि हमारा देश हमारे साथ खड़ा है। हम ईरान में अपने शहीदों के लिए खेल रहे हैं। लेकिन मैं जानता हूं कि इस तरह के व्यवहार से हमारे लोगों को ठेस पहुंची है। उन्होंने कहा कि यहां तक कि अगर हम अरबों डालर खर्च करते हैं तब भी अपने लोगों को न्याय नहीं दिला पाएंगे। इससे पता चलता है कि हम एक शोषित देश हैं। फिर भी मुझे उम्मीद है कि हमें शांति मिलेगी और विश्व कप में इस तरह का व्यवहार संस्थागत रूप नहीं लेगा। ईरान की टीम रविवार को बेल्जियम के विरुद्ध अपने दूसरे मैच के लिए शनिवार को लास एंजिलिस लौट आई, लेकिन घलेनोई ने कहा कि उनकी टीम इस मैच के लिए पर्याप्त अभ्यास नहीं कर पाई।

उन्होंने कहा कि हमें लास एंजिलिस में 24 घंटे चाहिए थे, लेकिन उन्होंने हमें 16 घंटे से भी कम समय दिया और इसी वजह से हमें अपना अभ्यास बीच में छोड़ना पड़ा। घलेनोई ने विश्व कप की अन्य टीमों और कोच से भी ईरानी टीम के साथ किए जा रहे व्यवहार के विरुद्ध आवाज उठाने की अपील की।

आमिर घलेनोई ● एएफपी

ब्राजील के फारवर्ड राफिन्हा की मांसपेशियों में खिंचाव

न्यू जर्सी, एपी: ब्राजील की राष्ट्रीय टीम ने शनिवार को कहा कि उसके फारवर्ड राफिन्हा मांसपेशियों में खिंचाव का इलाज कराएंगे और उम्मीद है कि वह जल्द ही विश्व कप में वापसी करेंगे। फिलाडेल्फिया में शुक्रवार को हैती पर टीम की जीत के दौरान राफिन्हा को यह चोट लगी थी और मैदान पर चिकित्सा सहायता लेने के बाद उन्हें बाहर जाना पड़ा था। ब्राजील के फुटबाल महासंघ ने बाद में कहा कि इस 29 वर्षीय खिलाड़ी की दाहिनी जांघ की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था और उसकी आगे जांच कराई गई। जांच से खिंचाव की पुष्टि हुई है लेकिन यह ऐसी चोट नहीं जिसके कारण उन्हें टूर्नामेंट से बाहर होना पड़े। ब्राजील बुधवार को फ्लोरिडा के मियामी गार्डेंस में स्काटलैंड के विरुद्ध ग्रुप चरण का अपना अंतिम मैच खेलेगा।

बुमराह की वापसी, हार्दिक टीम से बाहर

- इंग्लैंड के विरुद्ध वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान
- चोटिल विराट कोहली का आज बेंगलुरु में होगा फिटनेस टेस्ट

नई दिल्ली, प्रेट्र: चोटिल विराट कोहली को अगले महीने इंग्लैंड के विरुद्ध होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। हालांकि उनका चयन फिटनेस मंजूरी पर निर्भर करेगा। इसके अलावा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की टीम में वापसी हुई है। वहीं, स्टार आलराउंडर हार्दिक पांड्या को चोट के कारण टीम में जगह नहीं मिली है। वह अभी वनडे क्रिकेट के लिए जरूरी गेंदबाजी कार्यभार और अपेक्षित फिटनेस स्तर तक नहीं पहुंच पाए हैं। बीसीसीआइ ने रविवार को इस सीमित ओवरों की सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की। कोहली सोमवार को बेंगलुरु स्थित बीसीसीआइ के सेंटर आफ एक्सीलेंस (सीओई) में फिटनेस टेस्ट देंगे।

शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम में कोई बड़ा चौंकाने वाला फैसला नहीं लिया गया है। हालांकि युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को टीम से बाहर कर दिया गया है। जायसवाल अफगानिस्तान सीरीज में कोहली के विकल्प के रूप में शामिल किए गए थे और उन्होंने तीसरे वनडे में शतक भी जड़ा था। बीसीसीआइ के सूत्र ने कहा कि इंग्लैंड के विरुद्ध शीर्ष क्रम में ज्यादा प्रयोग नहीं होंगे। विराट नंबर-3 पर वापसी करेंगे, जबकि गिल और रोहित पारी की शुरुआत करेंगे। बैकअप ओपनर के तौर पर इशान रहेंगे।

बुमराह को दिया गया था आराम: बुमराह की भी टीम में वापसी हुई है। उन्हें कार्यभार प्रबंधन के तहत आराम दिया गया था। वहीं अनुभवी आलराउंडर अक्षर पटेल को भी टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने बाएं हाथ के युवा स्पिनर हर्ष दुबे की जगह ली है। हर्ष अब श्रीलंका-ए के विरुद्ध बहुदिवसीय सीरीज के लिए भारत-ए से जुड़ेंगे। टीम प्रबंधन समय-समय पर अक्षर और हर्ष दोनों को मौके देगा, ताकि यह देखा जा सके कि विश्व कप को देखते हुए कौन अधिक उपयुक्त है। भारत और इंग्लैंड के बीच तीन वनडे मुकाबले 14 जुलाई को एजबेस्टन, 16 जुलाई को सोफिया गार्डन्स और 19 जुलाई को लार्ड्स में खेले जाएंगे।

आयरलैंड सीरीज से बाहर हुए वरुण: स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को पैर की चोट से पूरी तरह नहीं उबर पाने के कारण आयरलैंड के विरुद्ध टी-20 सीरीज की टीम से बाहर कर दिया गया है।

बुमराह ● फाइल फोटो

इंग्लैंड के विरुद्ध भारतीय वनडे टीम: गिल (कप्तान), अय्यर (उपकप्तान), रोहित, कोहली*, केएल राहुल, इशान, वाशिंगटन, अक्षर, नितीश कुमार रेड्डी, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह और गुरनूर बरार।

आयरलैंड टी-20 सीरीज के लिए संशोधित टीम: श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, इशान किशन, शिवम दुबे, तिलक (उपकप्तान), नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा, अर्शदीप, प्रिंस यादव, वैभव और प्रसिद्ध कृष्णा।

कोहली ने टेस्ट में वापसी की संभावना को किया खारिज

नई दिल्ली, प्रेट्र: भारतीय सुपरस्टार विराट कोहली से रविवार को जब पूछा गया कि वह फिर से सफेद जर्सी पहनकर मैदान में लौटना चाहेंगे तो उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि वह अपने नए लांच किए गए जूतों की बिक्री कम होना पसंद करेंगे, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में वापसी नहीं करेंगे। पिछले वर्ष टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले कोहली अब केवल एक प्रारूप में ही खेलते हैं। उन्होंने अपने टेस्ट करियर में 9,230 रन बनाए थे। दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने अपने नए जूतों की कीमत भी अपने टेस्ट रन के बराबर रखी है। वन8 ग्लोबल के प्रीमियर कार्यक्रम में उनसे मजाक में पूछा गया कि क्या वह टेस्ट क्रिकेट में वापसी करना चाहेंगे ताकि उनके लाल रंग के जूतों की बिक्री और मुनाफा बढ़ सके। ये जूते टेस्ट क्रिकेट में उनके योगदान और समर्पण से प्रेरित हैं। इस पर कोहली ने हंसते हुए कहा कि मैं कम बिक्री होना पसंद करूंगा। मैं इससे (टेस्ट क्रिकेट से) आगे बढ़ चुका हूं। उनके इस जवाब पर मौजूद लोगों की हंसी छूट गई। इस बातचीत के दौरान कोहली ने अपने कभी हार नहीं मानने वाले रवैये पर भी बात की, जिसके साथ वह हमेशा खेलते रहे हैं। अपनी बात समझाते हुए उन्होंने उदाहरण के तौर पर 2022 टी-20 विश्व कप में पाकिस्तान के विरुद्ध मेलबर्न में खेली गई अपनी यादगार मैच जीताने वाली पारी का जिक्र किया।

वन8 ग्लोबल के प्रीमियर कार्यक्रम में विराट ने मजाकिया अंदाज में दिया जवाब

गायक करन औजला के साथ थिरकते विराट ● प्रेट्र

विश्व कप के 33 मैचों में लगा गोलों का शतक

नई दिल्ली, आइएएनएस: फीफा विश्व कप 2026 में गोलों की बरसात देखने को मिल रही है। इस सीजन में हुए 33 मैचों में ही 100 गोल का आंकड़ा पार हो चुका है, जो पिछले 68 वर्षों में सबसे तेज है। 1958 के बाद विश्व कप के एक संस्करण में यह सबसे कम मुकाबलों में 100 गोल लगे हैं। मेक्सिको के जूलियन क्विनोनेस ने 12 जून को साउथ अफ्रीका पर 2-0 की जीत में इस विश्व कप में स्कोरिंग की शुरुआत की। नीदरलैंड्स के कोडी गकपो ने स्वीडन पर 5-1 की जीत में नीदरलैंड्स का तीसरा गोल करके इस साल के टूर्नामेंट का 100वां गोल किया। सिर्फ 33 मैचों में 100 गोल तक पहुंचना 68 साल के टूर्नामेंट का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन है। इससे पहले 1982 और 2014 के विश्व कप में 100 गोल का आंकड़ा 36 मैचों में पूरा हुआ था, जबकि 1978 और 1994 में इसके लिए 38 मैच लगे थे। हालांकि, सबसे तेज 100 गोल स्विट्जरलैंड में 1954 में हुए विश्व कप में लगे थे। इस विश्व कप में 100 गोल सिर्फ 20 मैच में लगे थे। उस टूर्नामेंट का खिताब वेस्ट जर्मनी ने जीता था। इसके अलावा, नीदरलैंड्स ने भी एक खास उपलब्धि हासिल की।

फीफा विश्व कप 2026 का 100वां गोल दागते नीदरलैंड्स के गकपो ● रायटर

क्रिकेट और स्पोर्ट्स की अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

गीत

गरिमा सक्सेना
लखनऊ, उत्तर प्रदेश

संबंध नेह के

क्षरित हुए संबंध नेह के
जीवन के बदलावों से।

टीवी मोबाइल में खोए
कैसे समकालीन हुए हैं,
चिट्ठी खोई, नुक्कड़ सूना
सुविधाओं में लीन हुए हैं,
नकली मुखड़े मित्र हो गए,
दूर हुए सद्भावों से।

बूढ़ी आंखें अपनी हालत
किसे दिखाएं किसे बताएं,
व्यस्त सभी बच्चे खुद में ही
कथा-कहानी किसे सुनाएं,
धन की कमी कहीं अच्छी थी,
मन को मिले अभावों से।

अपना-अपना राग अलापें
कोई मेल-मिलाप नहीं है,
मैं-मैं की इस नई सदी में
दिखता 'पहले आप' नहीं है,
सुख की परिभाषा को जोड़ा,
है हमने अलगावों से।

garimasaxena1990@gmail.com

पुस्तक परिचय

एक शिक्षक की आत्मकथा

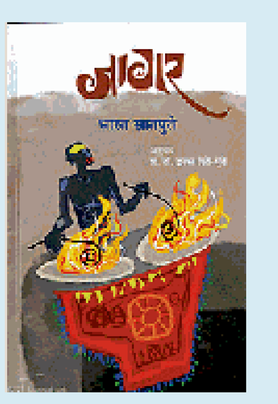

मराठी भाषा के कवि व कथाकार भारत सातपुते का आत्मकथात्मक उपन्यास जागर, उनके मराठी उपन्यास का हिंदी अनुवाद है। अनुवाद डा. द्वारका गिते-मुंडे ने किया है। इसमें कथा है एक शिक्षक की, वह कैसे व्यवस्था से लड़कर समाज में जागरण लाता है।

प्रकाशक : मांजरा प्रकाशन, लातूर
मूल्य : 300 रुपये

पुस्तकें मिलीं

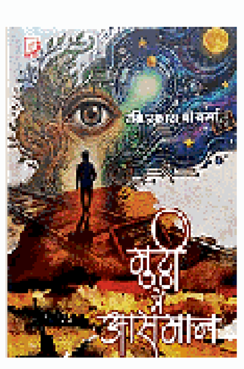

मुट्ठी में आसमान (प्रेरक लेख संग्रह)
लेखक : रवि प्रकाश बी वर्मा
प्रकाशक : प्रवासी प्रेम पब्लिशिंग
मूल्य : 240 रुपये

सूरज की जल-समाधि
लेखक : शिवानन्द सिंह सहयोगी
प्रकाशक : अनुभव प्रकाशन
मूल्य : 200 रुपये

जन्म जयंती विशेष

डा. बुद्धिनाथ मिश्र
देहरादून, उत्तराखंड

राष्ट्रधर्मी युगांतकारी रचनाकार

वर्तमान सरकार ने वंदेमातरम... पूरे गीत को राष्ट्रगीत घोषित कर इसे कार्यक्रमों में गाने का विधान किया है। इसके रचनाकार बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने बांग्ला भाषा में विपुल साहित्य का सृजन किया, जिसमें भारत के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की झलक मिलती है। उन्होंने पद्याश्रित बांग्ला गद्य को तोड़कर गद्य की नई धारा प्रवाहित की, जिससे अन्य भाषाओं के गद्यकार भी लाभान्वित हुए। तभी उन्हें साहित्य-सम्राट कहकर पुकारा गया। बंकिम की जन्मजयंती (26 जून) पर विशेष...

बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय
(26 जून, 1838 -8 अप्रैल,1894)

जनता ने दी साहित्य-सम्राट की उपाधि

26 जून, 1838 को बंगाल के 24 परगना जिले में नैहाटी के पास कांथालपाड़ा गांव में सरकारी अधिकारी यादवचंद्र के घर जन्मे बंकिम भाग्यशाली भी थे और अत्यंत मेधावी भी। कलकत्ता विश्वविद्यालय से स्नातक होने वाले पहले दो छात्रों में एक बंकिम बाबू थे। 20 वर्ष की आयु में वे डिप्टी कलेक्टर बने और तदनंतर डिप्टी मजिस्ट्रेट। 1891 में जब वे रिटायर हुए तो ब्रिटिश सरकार ने उन्हें 'राय बहादुर' के साथ-साथ सीआइई (कंपैनियन आफ द आर्डर आफ इंडियन एंपायर) की उपाधि दी। उनका निधन 8 अप्रैल, 1894 को हो गया। जीवन भर प्रशासन और राष्ट्रवादी साहित्य-सृजन के बीच वे अद्भुत संतुलन बनाकर चले। उनका मजिस्ट्रेट तो इतिहास के गर्त में समा गया, मगर उनका साहित्यकार रामकथा की आयु लेकर आया। उन्हें 'साहित्य-सम्राट' की उपाधि बंगाल की जनता ने उसी प्रकार प्रेम और श्रद्धा से दी, जैसे बनारस की जनता ने युवा हिंदी साहित्यकार हरिश्चंद्र को 'भारतेंदु' की।

19वीं सदी का बंगाल यदि आज राष्ट्रीय पुनर्जागरण की गंगोत्री माना जाता है, तो इसका बड़ा श्रेय बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय को जाता है, जो वर्दी से ब्रिटिश सरकार के मजिस्ट्रेट थे, लेकिन भीतर से राष्ट्रधर्म के पोषक युगांतरकारी साहित्यकार। उन्होंने बांग्ला साहित्य में विपुल रचना कर जो नवनिर्माण किया, उससे अन्य भारतीय भाषाएं भी उपकृत हुईं। इसीलिए उन्हें 'साहित्य सम्राट' कहकर पुकारा गया। बंकिम बाबू ने अनेक उपन्यास, निबंध और संस्मरण लिखे और इन गद्य रचनाओं के माध्यम से उन्होंने पद्याश्रित बांग्ला गद्य की धारा को तोड़कर गद्य की नई धारा प्रवाहित की, जिससे अन्य भाषाओं के गद्यकार भी लाभान्वित हुए। पहले बांग्ला में गद्य भी पद्य की तरह लिखा जाता था।

बंकिम बाबू ने सबसे पहले वर्ष 1864 में अंग्रेजी में 'राजमोहन्स वाइफ' लघु उपन्यास लिखा, जिसका विशेष प्रभाव नहीं पड़ा, सिवाय इसके कि बाद में विमल मित्र ने उसी पैटर्न पर 'जाब चार्नाक की बीबी' उपन्यास लिखा। बंकिम बाबू की लेखनी तब चमकी, जब उन्होंने बांग्ला में लिखना शुरू किया। पहले उपन्यास 'दुर्गेशनंदिनी' (1865) ने बांग्ला में ही नहीं, सभी भारतीय भाषाओं में पहला सुपरिभाषित उपन्यास होने का गौरव प्राप्त किया। आरामबाग के गढ़ मंदारन के अवशेष पर आधारित इस उपन्यास का कथानक अकबरकालीन इतिहास को कल्पना में घोलकर लिखा गया है। कहानी किले के स्वामी की बेटी तिलोत्तमा, मुगल सेनापति जगत सिंह और पठान शहजादी आयशा के त्रिकोण की परिधि में बुनी गई है, जिसमें सांप्रदायिक सद्भाव सहजता से उभरा है। जिन लोगों को 'आनंदमठ' में सांप्रदायिकता की गंध आती है, उन्हें यह उपन्यास पढ़ना चाहिए।

1866 में आए उपन्यास 'कपालकुंडला' में दुर्गम वन में एक कापालिक द्वारा पालित कन्या की कहानी है, जिसने किशोरावस्था तक अपने पिता के सिवा किसी मनुष्य को नहीं देखा था। इसकी पृष्ठभूमि मेदिनीपुर है, जहां कथाकार बंकिम डिप्टी मजिस्ट्रेट थे। इसमें सप्तग्राम का युवक नवकुमार गंगा सागर से लौटते समय जंगल में अपने साथियों से बिछड़ जाता है। एक तांत्रिक उसे भैरवी को बलि देने के लिए पकड़ लेता है, मगर उसकी पुत्री कपालकुंडला उससे प्रेम करने लगती है और उससे प्रेमविवाह कर सप्तग्राम चली जाती है, जहां उसे युवक की पहली पत्नी पद्मावती मिलती है। वह कई साल पहले जबरन मुस्लिम बना दिए जाने के कारण पति द्वारा परित्यक्त होकर, मोती बीबी के नाम से किसी तरह जी रही है। दोनों के मिलने के बाद कहानी रोचक मोड़ लेती है। अपने रोचक कथानक, 'साधु बांग्ला भाषा' और नवीन शिल्प के कारण यह उनका सर्वश्रेष्ठ उपन्यास माना जाता है। इसके बाद मृणालिनी (1869), विषवृक्ष(1873), इंदिरा, जुगलांगुरीय (1874), चंद्रशेखर और कमलाकांतेरदफ्तर (1875), राधारानी (1876), रजनी (1877) कृष्णकांतेर विल (1878), आनंद मठ (1882), देवी चौधरानी (1884), कमलाकांत (1885) और सीताराम (1887) तक लगातार उपन्यास लिखते हुए वे बांग्ला साहित्य को समृद्ध करते रहे। गौड़ीय वैष्णव मत के अनुयायी बंकिम बाबू के लेखन का एक आध्यात्मिक पक्ष भी है। उन्होंने कृष्णचरित, धर्मतत्व, देवतत्व, अनुशीलन तत्व और श्रीमद्भगवद्गीता पर भाषा-टीका लिखी है। उनके 'अनुशीलन तत्व' से ही प्रेरित होकर प्रमथनाथ मित्र ने 'अनुशील समिति' गठित की थी।

उनका पहला काव्य संग्रह 'ललिता ओ मानस' 1858 में प्रकाशित हुआ। उनके निबंध संग्रह 'लोक रहस्य', 'विज्ञान रहस्य' और 'विचित्र प्रबंध' बांग्ला में और कुछ निबंध अंग्रेजी में छपे हैं। बंकिम ने 1870 में 'बंग-दर्शन' पत्रिका निकाली थी, जिसने बांग्ला साहित्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

महर्षि अरविंद ने यह सही कहा है कि 'प्रारंभिक बंकिम कवि और शैलीकार थे, जबकि परवर्ती बंकिम भविष्यद्रष्टा और राष्ट्र-निर्माता'। बंकिम बाबू के कुल 14 उपन्यासों में दुर्गेश नंदिनी, कपालकुंडला, विषवृक्ष, आनंदमठ और देवी चौधरानी विशेष चर्चित रहे, जिन पर नाटक भी लिखे गए और फिल्में भी बनीं। 'आनंदमठ' का वंदेमातरम गीत तो स्वतंत्रता संग्राम का अमर मंत्र हो गया, जिसे गाकर कितने ही युवक राष्ट्र की बलिवेदी पर चढ़ गए।

बंगाल में योगेश्वर शिव को समर्पित तारकेश्वर मठ सदियों से राष्ट्रवादी संन्यासियों का केंद्र रहा है। यहां आप मात्र एक दिन के लिए भी संन्यासी बन सकते हैं। बंगाल और आसपास के क्षेत्रों में मुगलों द्वारा जबरन धर्म-परिवर्तन व अत्याचारों के विरुद्ध वहां के संन्यासियों द्वारा उठाई गई तलवारों की चमक ने बंकिम बाबू की कलम को भी राष्ट्रवादी धार दी। 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की घटनाएं उनके सामने से होकर गुजरी थीं। उन्हीं की पृष्ठभूमि में तारकेश्वर मठ के संन्यासियों के माध्यम से जब 'आनंदमठ' का बिगुल फूंका गया, तब उसने राष्ट्रीय स्वाधीनता की सैद्धांतिकी रच दी। तारकेश्वर के आसपास के बुजुर्ग बताते थे कि 'वंदे मातरम्' के कुछ संस्कृत अंश उन्हीं संन्यासियों द्वारा गाया जानेवाला वंदना गीत है, जिसे बंकिम बाबू ने बांग्ला में नई पंक्तियां जोड़कर अद्यतन किया था। यह अनुसंधान का विषय है कि बंकिम बाबू ने संन्यासियों के उस परंपरागत वंदना-गीत में क्या जोड़ा और क्या घटाया। स्वाधीन भारत के राष्ट्रगीत के रूप में प्रतिष्ठित होने से पहले इसमें देशवासियों की संख्या को लेकर कई परिवर्तन किए गए थे। फिलहाल, भारत सरकार ने कानून बनाकर पूरे 'वंदेमातरम' गीत को राष्ट्रगीत घोषित कर दिया है, जिसकी अवहेलना करने पर कठोर दंड का विधान है। बंगभूमि सौभाग्यशाली है कि राष्ट्रगीत के रचयिता बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय और राष्ट्रगान के रचनाकार रवींद्रनाथ ठाकुर दोनों उसी भूमि के बोधिवृक्ष हैं।

buddhinathji@gmail.com

संगीतायन

डा. राजेश कुमार व्यास
जयपुर, राजस्थान

स्वरों का वशीकरण मंत्र था उनका गायन

स्वाधीन भारत के दिन का आरंभ पंडित ओंकारनाथ ठाकुर के वंदेमातरम गायन से हुआ था। उनके द्वारा आविष्कृत स्वर-प्रक्षेपण की शैली लुभाती है। उनकी जन्मजयंती (24 जून) पर विशेष...

पंडित ओंकारनाथ ठाकुर का गायन सम्मोहन में बांधता है। मंद्र से तार तक सप्तकों का विस्तार करता उनका गायन सुगठित भावों की गगरी-सा है। शब्दों संग स्वरों के उतार-चढ़ाव व स्वर-प्रक्षेपण की उनकी शैली मन को मथती है। वह गायन में स्वराभिनय कर भी लुभाते हैं। वह राग से समाधिस्थ चित्त मे ले जाने की क्षमता रखते थे, तभी तो इटली का तानाशाह मुसोलिनी उनका गायन सुनकर रो पड़ा था। जगदीशचंद्र बसु ने स्वीकारा कि पेड़-पौधे उनके संगीत से झूमते हैं। महात्मा गांधी को कहना पड़ा कि उनके एक ही गान में वह जितना हासिल कर सकते हैं, उतना बहुत सारे भाषणों से प्राप्त नहीं कर सकते। सूरत के लोगों का मानना था कि उनका गायन उन्हें अकाल से बचा सकता है। वह जीते-जी किंवदंती बन गए थे।

स्वाधीन भारत के प्रथम सूर्योदय पर आकाशवाणी के लिए उन्हें 'वंदेमातरम' गाने के लिए आमंत्रित किया गया। पंडित जी ने शर्त रखी कि वह उसे पूरा गाएंगे। 15 अगस्त, 1947 को प्रातः 6.30 बजे उन्होंने 'वंदे मातरम्' के सम्मान में खड़े होकर रिकार्डिंग की। ओंकारनाथ ठाकुर संगीत के विरल व्याख्याता भी थे। पं. जसराज ने उन्हें इसीलिए 'रस-मर्मज्ञ' से अभिहित किया था।

ओंकारनाथ ठाकुर का गायन राग का रस रूपांतरण है! राग भैरवी में मीरा का भजन 'जोगी मत जा' सुनें। शब्दों में निहित भाव जैसे संगीत में रूपांतरित हो गए हैं। स्वरों की विरल पुकार यहां है। इसमें उभरता और सदा के लिए मन में बसा रह जाता है-स्वरोच्चार, 'जोगी'! ऐसे ही मालकौंस में 'पग घुंघरू बांध मीरा' में उन्होंने सरलतम रूप में स्वरों को साधा है। सुनकर लगेगा कि राग को दार्शनिक गहराई में उतारते वह अद्भुत सम्मोहन से हमें बांध रहे हैं। और यही क्यों? आसावरी में विलंबित और द्रुत ताल में उनका गायन जैसे अमृत की वर्षा करता है। ध्रुपद अंग को गले में बिठाते वह स्वरों का जैसे वशीकरण मंत्र पढ़ते हैं। राग भीमपलासी में विलंबित एकताल सुनें, उनका आलाप सुहाता है तो रागों का निभाव अंतर्मन आलोक से भरता है। मालकौंस में उन्हें सुनेंगे तो लगेगा जीवन-उजास मिल रहा है। भैरवी सुनेंगे तो पाएंगे स्वर-सम्मोहन की किसी डोर से हम बंध रहे हैं। और हां, स्वरों को प्रक्षेपित (फेंकने) करने का उनका अंदाज भी लुभाता है। मुझे लगता है, उनकी सीख से ही कुमार गंधर्व ने बाद में स्वर फेंकने की सर्वथा नई गायन-तकनीक ईजाद की।

पंडित विष्णु दिगंबर पलुस्कर के शिष्य ओंकारनाथ ठाकुर ने भारतीय संगीत का इतिहास, दर्शन और रागों की सैद्धांतिकी तथा 'संगीतांजलि', 'प्रणव-भारती' जैसी पुस्तकें लिखीं। जब भी गायन में रस की बात आएगी, तो उनका नाम सर्वप्रथम आएगा।

drrajeshkumarvyas@gmail.com

भाषा की पाठशाला

कमलेश कमल
नई दिल्ली

दैनिक जागरण | हिंदी हैं हम

आज के शब्द : सूचना, संवाद, समाचार और खबर

सूचना : शब्द किस तरह अपने अर्थ का विस्तार करते हैं, इसका एक सुंदर उदाहरण है सूचना। यह 'सूच्' धातु से व्युत्पन्न है, जिसमें चुभाने, बींधने आदि का भाव है। इसी से बने 'सूच' का हिंदी अर्थ है- कुश (घास) का नुकीला हिस्सा। इसी 'सूच्' से बने 'सूचिका' (सुई) में भी वही नुकीला हिस्सा है, जिससे बेधा जाता है। दैनंदिन जीवन में किसी को कुछ दिखाने या बताने के लिए भी अंगुली को कुछ कोंचकर ध्यान खींचा जाता है। अतः कालांतर में जानकारी देने के लिए 'सूचना' शब्द का प्रयोग होने लगा। सूचना देनेवाले को 'सूचक' कहा गया। जिसे सूचना दी गई, वह 'सूचित' हुआ। फिर पुस्तकों, समाचारपत्र, इंटरनेट इत्यादि से जो कुछ पता लगा, जानकारी मिली, सब 'सूचना' के दायरे में आ गई और यह 'सूचना का युग' हो गया।

संवाद : 'वद्' धातु से बने 'वाद' (वद्+घञ्) शब्द का मूल अर्थ है- बातें करना, बोलना। इसमें 'सम्' उपसर्ग (अर्थ : सम्यक रूप से, अच्छी तरह) जुड़कर संवाद शब्द बना है। संवाद का मूल अर्थ 'सम्यक रूप से बोलना' या अच्छा बोलना है। जो यह संवाद दे या अच्छा बोले, वह 'संवाददाता', जो ऐसा संवाद करे (सामने वाले की जिज्ञासा के अनुसार) वह 'संवादी'। 'संवादी' सुंदर चर्चा करता है, संवाद करता है।

समाचार : आचार शब्द में 'सम्' (अर्थ- सम्यक्) उपसर्ग मिलकर समाचार शब्द बनता है। आचार 'चर्' धातु से बना है, जिसमें चलने या गति का भाव है। किसी का चाल-चलन उसका 'आचार' कहलाता है। इस प्रकार, समाचार का मूल अर्थ है- सदाचार या अच्छा चालचलन। अब खराब या विषम सूचना भी 'समाचार' के अंतर्गत आ गई।

खबर : यह अरबी भाषा का स्त्रीलिंग शब्द है, जो सूचना, संवाद का द्योतक है। खबर लेनेवाला 'खबरगीर', जबकि 'खबररसां' का अर्थ है- खबर अथवा सूचना पहुंचानेवाला या संदेशवाहक। मुखबिर भी खबर ही पहुंचाता है, भले छुप-छुपाकर पहुंचाता है। और तो और, इसी खबर का बहुवचन बना 'अखबार', जिससे हमें देश-दुनिया की खबर मिलती है।

kamalkeekalam@gmail.com

आज का भविष्यफल-22 जून, 2026 सोमवार

पं. के.ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति
ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष अष्टमी का राशिफल।
आज का राहुकाल : प्रातः 07 बजकर 30 मिनट से 09 बजे तक।
आज का दिशाशूल : पूर्व।
आज का पर्व एवं त्योहार : धूमावती जयंती, श्रीदुर्गाष्टमी।
विशेष : बुध कर्क राशि में।

कल 23 जून, 2026 का पंचांग

कल का दिशाशूल: उत्तर।
विक्रम संवत 2083 शके 1948 उत्तरायण, उत्तरगोल, ग्रीष्म ऋतु ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष की नवमी 16 घंटे 40 मिनट तक तत्पश्चात दशमी, हस्त नक्षत्र 11 घंटे 54 मिनट तक तत्पश्चात चित्रा नक्षत्र, वरियान योग 10 घंटे 14 मिनट तक तत्पश्चात परिघ योग, कन्या में चंद्रमा 24 घंटे 52 मिनट तक तत्पश्चात तुला में।

मेष : पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी, लेकिन वाहन चलाते समय सावधानी रखें। व्यर्थ की उलझन रहेगी।
वृष : आर्थिक प्रयास फलीभूत होगा। जीवनसाथी का सहयोग रहेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।
मिथुन : छोटी-छोटी बातों को प्रतिष्ठा का प्रश्न न बनाएं, रिश्तों को सुधारने का प्रयास करें।
कर्क : योजना फलीभूत होगी। आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। रिश्तों में निकटता आएगी।
सिंह : बहुप्रतीक्षित कार्य संपन्न होने से सफलता मिलेगी। पारिवारिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे।
कन्या : व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। शासनसत्ता का सहयोग रहेगा।
तुला : बहुप्रतीक्षित कार्य संपन्न होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा।
वृश्चिक : सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।
धनु : छोटी-छोटी बातों पर क्रोध न करें, संयम रखना हितकर होगा। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होगा।
मकर : संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। अधिकारी का सहयोग रहेगा। रिश्तों में निकटता आएगी।
कुंभ : बुद्धि कौशल से किया गया कार्य संपन्न होगा। भाई-बहन या पड़ोसी से तनाव मिल सकता है।
मीन : संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में चल रहा प्रयास सार्थक होगा।

वर्ग पहेली-3373

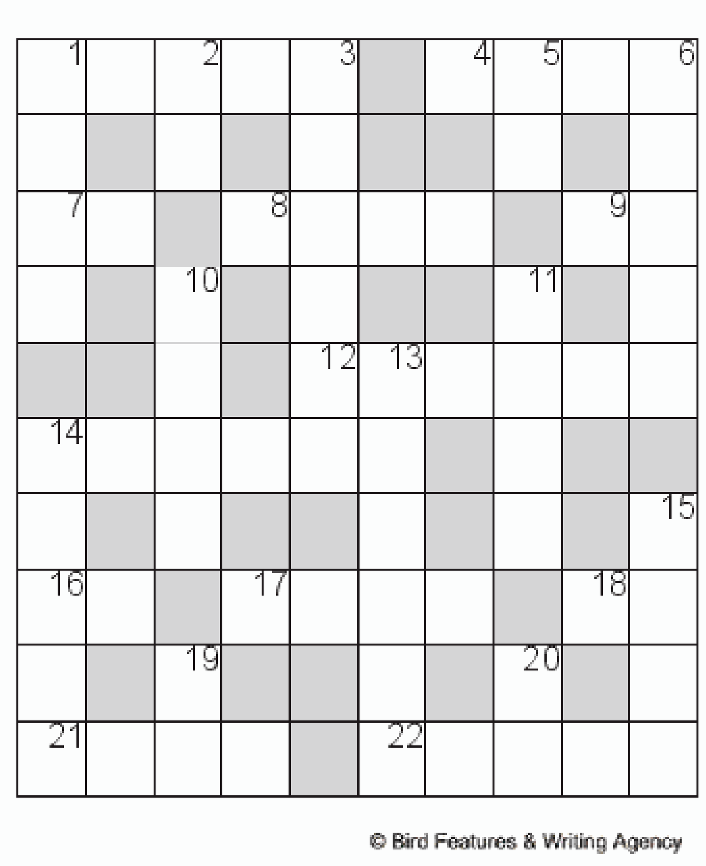

© Bird Features & Writing Agency

बाएं से दाएं:
1. अपनत्व का भाव (5)।
4. अंत तक साथ देने वाला मित्र (4)।
7. सत्कार, सम्मान, महत्व (2)।
8. हमेशा, सर्वदा (4)।
9. तलाश, फेर (2)।
12. बनाना, कहानी-कविता आदि लिखना (3,3)। 14. अंट-शंट (3,3)। 16. कम, अल्प (2)।
17. भड़कना, फटना (4)।
18. गाने के साथ बजाया जाने वाला बाजा (2)।
21. तीर रखने का चोंगा (4)।
22. सेवा या खिदमत करने वाला (5)।

ऊपर से नीचे:
1. लालसा, कामना (4)।
2. नासिका, प्रतिष्ठा (2)।
3. मुंह मोड़ लेना, बदल जाना (3,3)।
5. साधु-संन्यासियों के रहने का स्थान (2)।
6. इन्कार करना (2,3)।
10. भोजन का नहीं पचना (4)।
11. घमंड करना (4)।
13. खुशामद करके पेट पालने वाला (3,3)। 14. महत्व (5)।
15. सांप की एक बड़ी प्रजाति (4)।
19. दबदबा, आतंक (2)।
20. पराजय, माला (2)।

कल का हल

सुडोकू-3373

	1			2		4		
2					4			8
		9	8		6		2	
8			5			1		7
		5			1		4	
1	7		6	9				5
5		1		7		2		
		2			5		7	4
4			2		8		1	

कल का हल

8	1	6	2	4	7	9	3	5
2	7	4	9	5	3	1	8	6
3	5	9	6	1	8	7	4	2
1	3	8	4	9	5	2	6	7
4	6	7	3	2	1	5	9	8
9	2	5	7	8	6	4	1	3
5	4	2	8	6	9	3	7	1
6	9	3	1	7	2	8	5	4
7	8	1	5	3	4	6	2	9

राष्ट्रीय फलक

लेह में प्रथम सिंधु कुंभ आज से, तिरंगे लेकर पहुंचे श्रद्धालु

राज्य ब्यूरो, जागरण

- पांच दिवसीय कुंभ में शामिल होकर लद्दाख में फैलाएंगे देशभक्ति का संदेश
- 30वीं सिंधु दर्शन यात्रा को कुछ श्रद्धालु अपने साथ हल्दी घाटी की मिट्टी भी लेकर आए
- पूर्व उपप्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी ने की थी यात्रा की शुरुआत

जम्मू : लद्दाख के लेह में प्रथम सिंधु कुंभ में शामिल होने के लिए देश-विदेश से करीब 2,800 श्रद्धालु तिरंगे के साथ लेह पहुंचे हैं। ये यात्री सोमवार से शुरू हो रही पांच दिवसीय 30वीं सिंधु दर्शन यात्रा में भाग लेंगे और इस यात्रा के माध्यम से देश की एकता, अखंडता और देशभक्ति का संदेश फैलाएंगे।

इस बार 30वीं सिंधु दर्शन यात्रा को प्रथम सिंधु कुंभ के रूप में आयोजित किया जा रहा है। जम्मू से निकला 1200 श्रद्धालुओं का जत्था देर शाम लेह पहुंच गया है।

करीब इतने ही श्रद्धालु हिमाचल के मनाली से भी लेह पहुंचे हैं। श्रद्धालुओं ने सुबह कारगिल में योग दिवस कार्यक्रम में भाग लेने के बाद लेह के लिए यात्रा शुरू की थी।

शाम सात बजे श्रद्धालुओं के वाहन पहुंचने लगे थे। इनमें से कुछ श्रद्धालु अपने साथ हल्दी घाटी की मिट्टी भी लेकर आए हैं। लेह में सिंधु दर्शन यात्रा 27 जून तक चलेगी। इस दौरान लेह के सिंधु घाट से एक कदम कैलाश की ओर कार्यक्रम के तहत डेम चौक के रास्ते कैलाश मानसरोवर यात्रा शुरू करने की मांग उठाई जाएगी।

बता दें कि सिंधु नदी के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व को उजागर करने के लिए पूर्व उप प्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी ने वर्ष 1997 में सिंधु दर्शन यात्रा की शुरुआत की थी।

उनके साथ इस यात्रा में प्रधानमंत्री मोदी भी शामिल हुए थे। इसके बाद से हर वर्ष यात्रा का आयोजन हो रहा है।

हरिद्वार से उठी संतों की आवाज, हिंदुओं के हों दो से तीन बच्चे

राज्य ब्यूरो, जागरण ● देहरादून

- संतों ने चर्च और मिशनरी गतिविधियों को लेकर भी जताई चिंता

विहिप ने हिंदुओं की आबादी को लेकर चिंता जताई है और संकल्प लिया है कि संगठन हिंदुओं को जगाने का अभियान चलाएगा। हिंदू समाज में अब एक बच्चे का चलन छोड़कर दो से तीन बच्चे होने चाहिए। विश्व हिंदू परिषद ने इस विषय को अपनी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल किया है। हरिद्वार में विश्व हिन्दू परिषद की केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल की बैठक में इस पर संत समाज ने निर्णय लिया है। संतों ने चर्च और मिशनरी गतिविधियों को लेकर भी चिंता जताई। सीमावर्ती राज्यों, विशेषकर बंगाल जैसे क्षेत्रों में धार्मिक-सांस्कृतिक गतिविधियां बढ़ाने की बात भी की गई।

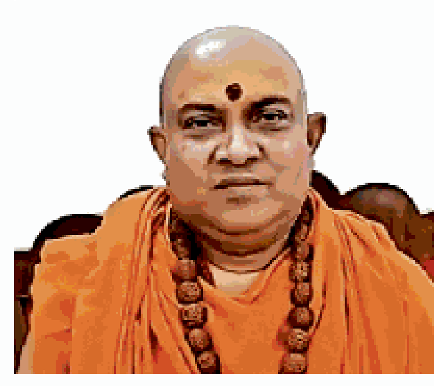

अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महासचिव दंडी स्वामी जितेंद्रानन्द सरस्वती

अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महासचिव दंडी स्वामी जितेंद्रानन्द सरस्वती ने हिंदुओं में घटती प्रजनन दर और जनसांख्यिकीय बदलावों पर चिंता जताई। कहा, विहिप का चिंतन केवल मंदिर, तीर्थ और धार्मिक प्रतीकों तक सीमित नहीं। वह समाज की संरचना, परिवार की अवधारणा और भविष्य के भारत की जनसंख्या तस्वीर तक अपना विस्तार कर रहा है। राम मंदिर आंदोलन के बाद हिंदुत्व की राजनीति के सामने स्वाभाविक प्रश्न था कि आगे का मार्ग क्या होगा। ऐसे में विहिप ने तय किया कि अब समाज की मूल इकाइयों को पुनर्परिभाषित करने की जरूरत है। परिवार, विवाह, जनसंख्या व सांस्कृतिक एकता को नए विमर्श का केंद्र बनाया जाएगा। संत समाज ने कहा कि हिंदुओं की कई जाति-वर्गों में प्रजनन दर 1.5 प्रतिशत से नीचे जा चुकी है। यह चिंता का विषय है।

संत समाज ने लिव-इन व्यवस्था पर प्रश्न उठाकर पारिवारिक कानूनों की समीक्षा की मांग की। उनकी चिंता थी कि भारतीय परिवार व्यवस्था केवल पति-पत्नी के निजी संबंधों का ढांचा नहीं है, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक संस्कार है। इसलिए जब लिव-इन संबंधों को कानूनी संरक्षण मिलता है या ऐसे संबंधों से जुड़े अधिकारों को मान्यता दी जाती है, तब समाज के सामने कई प्रश्न खड़े होते हैं।

महाराजा रणजीत सिंह की बरसी पर 438 श्रद्धालुओं का जत्था पाक रवाना

महाराजा रणजीत सिंह की बरसी मनाने व गुरुधामों के दर्शन के लिए पाकिस्तान रवाना होने से पहले जो बोले सो निहाल के जयकारे लगाते हुए सिख श्रद्धालु। सरबजीत सिंह

जागरण संवाददाता, अमृतसर

शेर-ए-पंजाब महाराजा रणजीत सिंह की बरसी के अवसर पर पाकिस्तान स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारों के दर्शन के लिए 438 सिख श्रद्धालुओं का जत्था अमृतसर से रवाना हुआ। यह जत्था विभिन्न गुरुद्वारों के दर्शन करने के बाद 30 जून को लौटेगा। इस जत्थे में एसजीपीसी के 290 श्रद्धालु भी शामिल हैं, जिनकी अगुआई बाबा बूटा सिंह कर रहे हैं। एसजीपीसी के मुख्य सचिव कुलवंत सिंह मनन ने बताया कि पाकिस्तान प्रवास के दौरान श्रद्धालु गुरुद्वारा श्री ननकाना साहिब, गुरुद्वारा सच्चा सौदा साहिब, गुरुद्वारा श्री पंजा साहिब, गुरुद्वारा श्री दरबार करतारपुर साहिब, गुरुद्वारा रोड़ी साहिब तथा गुरुद्वारा डेरा साहिब लाहौर सहित कई ऐतिहासिक गुरुधामों के दर्शन करेंगे।

राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार, 22 जून, 2026
आजकल
14
www.jagran.com

एडाल्फ हिटलर ने किया सोवियत संघ पर हमला

1941 में आज ही द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी के तानाशाह एडाल्फ हिटलर ने सोवियत संघ पर आक्रमण किया था। इसे आपरेशन बारबारोसा का नाम दिया गया। इतिहास के सबसे बड़े हमले ने विश्व युद्ध का रुख बदल दिया और अंततः हिटलर के पतन की शुरुआत की।

सुभाष चंद्र बोस ने किया आल इंडिया फारवर्ड ब्लाक का गठन

1939 में आज ही नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने आल इंडिया फारवर्ड ब्लाक पार्टी के गठन की घोषणा की थी। कांग्रेस के त्रिपुरी अधिवेशन के बाद महात्मा गांधी से वैचारिक मतभेदों के चलते नेताजी ने कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा देकर इस नए वामपंथी दल की स्थापना की थी।

टाम आल्टर ने भारतीय रंगमंच को समृद्ध बनाने में दिया अहम योगदान

टाम आल्टर का जन्म 1950 में आज ही उत्तर प्रदेश के मसूरी में हुआ था। मसूरी के प्रसिद्ध वुडस्टाक स्कूल में शिक्षा प्राप्त की। पुणे के फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट आफ इंडिया से अभिनय का प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद फिल्मों, टेलीविजन धारावाहिकों और रंगमंच में लंबा और सफल करियर बनाया। उनकी प्रमुख फिल्मों में क्रांति, आशिकी, परिंदा, सरदार और वीर जारा शामिल हैं। उन्होंने लगभग 300 से अधिक फिल्मों और अनेक टीवी कार्यक्रमों में काम किया। वे एक कुशल लेखक, पत्रकार और क्रिकेट प्रेमी भी थे। 2008 में उनको पद्म श्री सम्मान दिया गया। 29 सितंबर, 2017 को उनका निधन हो गया।

नासा ने फीफा विश्व कप की फुटबाल को अंतरिक्ष में भेजा

शोध ▶ सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण में बाल 'ट्रायोंडा' के संतुलन और उसके केंद्र को मापते हुए अनुकूलित किया जाएगा

इससे पहले 2019 में आइएसएस प्रयोगशाला में हो चुका है प्रयोग

वाशिंगटन, आइएएनएस : अंतरिक्ष विज्ञान और खेल इंजीनियरिंग के अद्वितीय संगम में 2026 फीफा विश्व कप के लिए आधिकारिक मैच बाल 'ट्रायोंडा' को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आइएसएस) पर भेजा गया है, ताकि सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण (माइक्रोग्रैविटी) में बाल के संतुलन का अध्ययन किया जा सके। नासा ने इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा कि फीफा विश्व कप की बाल अंतरिक्ष में गई है। फुटबाल को पूर्वानुमानित तरीके से चलने की आवश्यकता होती है, इसलिए खेल इंजीनियर ध्यानपूर्वक उनके केंद्र और संतुलन को मापते और अनुकूलित करते हैं।

2019 में आइएसएस राष्ट्रीय प्रयोगशाला के साथ साझेदारी में शोधकर्ताओं ने स्टेशन के सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण वातावरण का उपयोग करके अध्ययन किया कि कैसे एक फुटबाल का आंतरिक द्रव्यमान उसकी गति, स्थिरता और घूर्णन को प्रभावित करता है। इन निष्कर्षों ने यह समझने में सुधार किया है कि मैच में बाल सेंसर कैसे एम्बेडेड तकनीकें के दौरान प्रदर्शन को प्रभावित करते हैं। यह शोध प्रमुख अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिए फुटबाल के विकसित करने के मूल्यांकन में उपयोग किए गए अध्ययनों में योगदान दिया।

अंतरिक्ष में फुटवाल से प्रयोग : अब नासा और एडिडास उस विज्ञान को एक एसटीईमानिट्रेसन के माध्यम से प्रस्तुत कर रहे हैं जो दिखाता है कि सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण में संतुलित फुटबाल कैसे अलग-अलग घूमते और चलते हैं। यह प्रयोग दिखाता है कि कैसे वही भौतिकी जो अंतरिक्ष में गति को नियंत्रित करती है, पृथ्वी पर लाखों लोगों द्वारा देखे जाने वाले खेल को भी आकार देती है।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष आइएसएस क्रू ने एडिडास 2026 ट्रायोंडा के साथ 2019 के प्रयोग को फिर से बनाया, ताकि फुटबाल में अच्छे और बुरे संतुलन के प्रभाव को दिखाया जा सके।

फुटबाल का आकार और तकनीक का प्रयोग

फीफा का कहना है कि ट्रायोंडा में प्रदर्शनों से जुड़े कई खास इनोवेशन हैं। इसके चार पैनल वाले डिजाइन में जान बूझकर गहरी सीम (जोड़) बनाई गई हैं, जिससे एक ऐसी सतह बनती है जो हवा में गेंद के चलते समय सही और समान रूप से ड्रैग (हवा का प्रतिरोध) पैदा करके उसे बेहतर स्थिरता देती है। इसमें उभरे हुए आइकन हैं जो सिर्फ पास से ही दिखते हैं। ये गीले या नमी वाले मौसम में गेंद को किक करने या ड्रिबल करने पर बेहतर ग्रिप देते हैं। फीफा वर्ल्ड कप की की आधिकारिक मैच बाल में एक बार फिर 'कनेक्टेड बाल टेक्नोलाजी' का इस्तेमाल किया गया है, जिसमें एक अत्याधुनिक 500एचजेड मोशन सेंसर चिप लगी है जो गेंद की हर हरकत की जानकारी देती है।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 की बाल ट्रायोंडा। इंटरनेट मीडिया

ट्रायोंडा की डिजाइन

2026 फीफा वर्ल्ड कप की बाल 'ट्रायोंडा' का स्पेनिश में मतलब है "तीन लहरें"। इसके शानदार डिजाइन में लाल, हरे और नीले रंगों का इस्तेमाल किया गया है जो तीनों मेजबान देशों को सम्मान देते हैं। ये पैनल बाल के बीच में त्रिकोण बनाते हैं, जो तीनों मेज़बान देशों के मिलन का प्रतीक है। इस बाल पर हर मेजबान के निशान बने हैं जैसे कनाडा के लिए मेपल का पत्ता, मैक्सिको के लिए ईगल और अमेरिका के लिए एक तारा है।

लास एंजिल्स में पहला एआइ आर्ट म्यूजियम

अमेरिका के लास एंजिल्स में शनिवार को उद्घाटन के दिन लोगों ने दुनिया के पहले एआइ आर्ट्स म्यूजियम डाटालैंड का अनुभव किया। रेफिक अनाडोल और एफसुन एर्किलिक द्वारा स्थापित, 25,000 वर्ग फुट के इस म्यूजियम में पांच इमर्सिव गैलरी हैं। ये गैलरी "लार्ज नेचर माडल" से चलती हैं, जो ओपन एक्सेस एआइ सिस्टम है और गूगल क्लाउड सर्वर पर होस्ट किया गया। यह सिस्टम 87 प्रतिशत कार्बन मुक्त ऊर्जा पर चलता है। डाटालैंड की पहली प्रदर्शनी 'मशीन ड्रीम्स : रेनफारेस्ट' अमेजन वर्षावन यात्राओं से प्रेरित है और पर्यावरण संबंधी डेटासेट के लिए 'एथिकल एआइ' सोर्सिंग प्रथाओं का इस्तेमाल करती है। म्यूजियम 360 डिग्री मल्टी सेंसरी व बदलते आर्ट अनुभव का प्रदर्शन करता है, जिसमें 1.5 बिलियन पिक्सल शामिल हैं। यह फ्रैंक गेहरी द्वारा डिजाइन किए गए ग्रैंड एलए काम्प्लेक्स में स्थित है। एएफपी

इधर-उधर

बीवरों ने अंडरग्राउंड स्टेशन को बाढ़ से बचाया

शिकार के कारण विलुप्त हो गए थे बीवर। इंटरनेट मीडिया

लंदन, एजेंसी: लंदन का एक अंडरग्राउंड स्टेशन, जो कभी बाढ़ की समस्या से जूझता था, अब सूखा और सुरक्षित है। इसकी वजह इलाके में हाल ही में आए बीवर हैं। लंदन के ईलिंग बरो में स्थित ग्रीनफोर्ड स्टेशन की सड़कें बारिश के दौरान जलमग्न हो जाती थीं। बाद में संरक्षणवादियों ने बीवरों को फिर से इस क्षेत्र में बसाने का सुझाव दिया। ब्रिटेन में लगभग 400 साल पहले शिकार के कारण बीवर विलुप्त हो गए थे।

नदी बेसिन वाले भारतीय शहरों में भूकंप भी बढ़ा सकते हैं खतरा

▶ गंगा-यमुना के मैदानी इलाकों, दिल्ली-एनसीआर और हिमालयी राज्यों के शहरों के लिए चेतावनी

▶ तलछटी मिट्टी में फंसकर कई गुना तेज हो सकती हैं भूकंपीय तरंगें, भवन मानकों और माइक्रोजोनेशन पर जोर

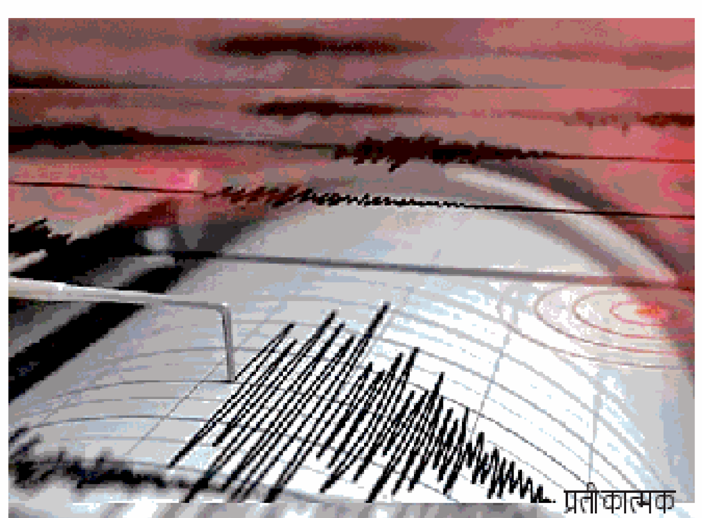

प्रतीकात्मक

वेलिंगटन, द कन्वर्सेशन : देश में बढ़ती आबादी के चलते नदियों के किनारे बसावट गंभीर होती जा रही है। ऐसे में नदियों के किनारे और तलछटी बेसिन में बसे भारतीय शहरों के लिए दूरस्थ भूकंप भी गंभीर खतरा बन सकते हैं। नए अध्ययन में पाया गया है कि धरती की सतह के नीचे मौजूद गहरे तलछटी बेसिन भूकंपीय तरंगों को रोककर उन्हें बार-बार परावर्तित कर सकते हैं। इससे कंपन की तीव्रता कई गुना बढ़ जाती है और भूकंप का केंद्र दूर होने पर भी शहरों में भारी नुकसान की आशंका रहती है।

भारत के संदर्भ में यह निष्कर्ष दिल्ली-एनसीआर, गंगा-यमुना के मैदानी शहरों, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल तथा हिमालय की तलहटी में बसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों के लिए अहम है। इन इलाकों में बड़ी आबादी नदी तटों और मुलायम जलोढ़ मिट्टी वाले मैदानों में रहती है। ऐसी मिट्टी कठोर चट्टानों की तुलना में भूकंपीय तरंगों को धीमा करती है, लेकिन उनकी ऊर्जा बढ़ा सकती है।

न्यूजीलैंड के वेलिंगटन बेसिन पर किए गए अध्ययन में विज्ञानियों ने पाया कि बेसिन की गहराई और किनारों की बनावट के कारण जमीन का क्षैतिज कंपन सामान्य स्तर से 2.5 से तीन गुना तक बढ़ सकता है। 2016 के काइकौरा भूकंप में केंद्र से करीब 80 किलोमीटर दूर वेलिंगटन के कई बहुमंजिला भवनों और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा था। विज्ञानियों के अनुसार, भारत में केवल भूकंप संभावित क्षेत्रों की सामान्य श्रेणी तय करना पर्याप्त नहीं है। शहरों के भीतर तलछटी बेसिन, नदी किनारे की जमीन, भरी हुई भूमि और कमजोर मिट्टी वाले हिस्सों का विस्तृत भूकंपीय माइक्रोजोनेशन जरूरी है। इससे यह पता लगाया जा सकेगा कि किसी शहर के कौन से इलाके तेज झटकों के प्रति अधिक संवेदनशील हैं।

बता दें इंडियन टेक्टोनिक प्लेट जहां पर तिब्बत की प्लेट से टकराती है, उसे हिमालयन टकराव क्षेत्र कहते हैं। ये जोन दिल्ली-एनसीआर से मात्र 250 किमी दूर मौजूद है। यानी चीन की तरफ हर साल 15 से 20 मिमी बढ़ रही भारतीय प्लेट से जो ऊर्जा निकलती है, उससे भूकंप आता है या फिर 1000 किलोमीटर दूर मौजूद हिंदूकुश में कोई भूकंप आता है, तब भी दिल्ली हिलने लगती है। विशेषज्ञों का मानना है कि दिल्ली-एनसीआर जैसे तेजी से फैलते शहरी क्षेत्रों में भवन निर्माण नियमों का सख्ती से पालन, पुराने भवनों की भूकंपरोधी मजबूती और मेट्रो, पुल, अस्पताल, बिजली तथा जलापूर्ति जैसे महत्वपूर्ण ढांचे की विशेष सुरक्षा जरूरी है। अध्ययन यह भी रेखांकित करता है कि भूकंप का खतरा केवल सक्रिय फाल्ट के पास के शहरों तक सीमित नहीं है।

बचपन में विपरीत हालात से बदलता है कोशिकाओं के ऊर्जा बनाने का तरीका

अनुसंधान

बचपन में मुश्किल हालात, जैसे बुरा बर्ताव या नजरअंदाज किए जाने का संबंध व्यक्ति की पूरी जिंदगी में खराब शारीरिक और मानसिक सेहत से होता है। शोध से पता चला है कि गरीबी और सदमे के असर को शारीरिक कामकाज और मानसिक सेहत में बदलने वाले बायोलाजिकल प्रोसेस कैसे काम करते हैं। अमेरिकी शोधकर्ता शिलो क्लीवलैंड ने कहा कि शुरुआत में ज्यादा मुश्किल हालात का सामना करने के बाद सेल्स में माइटोकांड्रिया की रेस्पिरेटरी क्षमता (सांस लेने और ऊर्जा बनाने की क्षमता) बढ़ जाती है।

बायोलाजिकल साइकियाट्री जर्नल में प्रकाशित यह शोध बताता है कि माइटोकांड्रिया अधिक ऊर्जा बनाकर सेलुलर स्ट्रेस का बेहतर तरीके से सामना कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह की बढ़ी हुई प्रतिक्रिया लंबे समय में नुकसानदेह भी हो सकती है। क्लीवलैंड ने कहा, "यह शोध वयस्क पुरुषों और महिलाओं के एक विविध समूह में बचपन में मुश्किल हालात और माइटोकांड्रियल बायोएनर्जेटिक्स की जांच करने वाला पहला अध्ययन है। साथ ही, यह माइटोकांड्रियल फंक्शन के संबंध में खतरे और अभाव के अलग-अलग पहलुओं की जांच करने वाला भी पहला शोध है। उन्होंने कहा, "यह समझना कि बचपन में मुश्किल हालात माइटोकांड्रियल फंक्शन से कैसे जुड़े हैं, बेहतर सेहत के लिए जिंदगी की शुरुआत में ही खास तरह के उपाय करने में मदद कर सकता है।" (प्रेट्र)

स्क्रीन शाट

प्रेम संबंधों की वजह से नहीं मिली थी त्रिदेव : सोनम

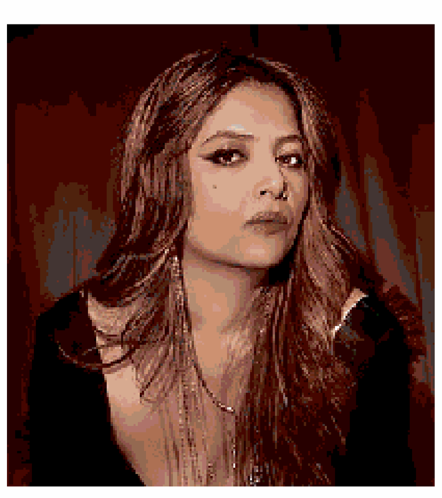

सिनेमा में वापसी की इच्छा जता चुकी हैं सोनम।(@sonamkhan_72)

वर्षों तक सिनेमाई गलियारों में यह माना जाता रहा कि फिल्म त्रिदेव में दमदार भूमिका और सुपरहिट गीत अभिनेत्री सोनम खान को फिल्म के निर्देशक राजीव राय के साथ कथित प्रेम संबंधों की वजह से मिला था। अब अभिनेत्री ने खुद इस धारणा को खारिज किया है। अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में सोनम ने कहा कि 1989 की इस ब्लाकबस्टर फिल्म के निर्माण के दौरान उनका राजीव राय के साथ कोई प्रेम संबंध नहीं था। शनिवार को सोनम ने इंस्टाग्राम पर ओए ओए.. गाने का वीडियो साझा करते हुए लिखा कि त्रिदेव रिलीज होने के बाद यह माना जाने लगा कि शूटिंग के दौरान मैं निर्देशक के साथ रोमांस में व्यस्त थी, जिसकी वजह से मुझे दूसरी दो प्रमुख अभिनेत्रियों की तुलना में अधिक महत्व मिला। सोनम ने आगे कहा कि ओए ओए तो बस संयोगवश मुझे मिल गया। सच तो यह है कि राजीव मुझे त्रिदेव में लेना ही नहीं चाहते थे। उन्होंने दूसरी अभिनेत्री से बात कर ली थी और लगभग उसे फिल्म के लिए फाइनल भी कर लिया था।। जब उन्होंने विजय के रशेज देखे, जो यशजी (यश चोपड़ा) ने उन्हें दिखाए थे, तब उन्हें मैं ज्यादा पसंद नहीं आई थी। मैं उनकी आखिरी पसंद थी, जब उनके पास कोई और विकल्प नहीं बचा। इसलिए न कोई रोमांस था, न कोई गुप्त फोन काल और न ही कोई तथाकथित 'डायरेक्टर प्रिविलेज' (निर्देशक की विशेष कृपा)।'

एंजेलीना के साथ काम करेंगी प्रियंका

हिंदी सिनेमा की देसी गर्ल अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा एक तरफ जहां एसएस राजामौली निर्देशित फिल्म वाराणसी से एक अंतराल के बाद भारतीय सिनेमा में वापसी की तैयारी में हैं। वहीं दूसरी तरफ वह हालीवुड में लगातार नई बुलंदियों की तरफ अग्रसर हैं। जान सीना और इदरिस अल्बा जैसे हालीवुड सितारों के साथ काम करने के बाद अब वह प्रख्यात हालीवुड अभिनेत्री एंजेलीना जोली के साथ काम करने जा रही हैं, जिसकी पुष्टि उन्होंने स्वयं की है। प्रियंका ने यह जानकारी हाल ही में एक इंटरव्यू में साझा की, जहां उन्होंने अपने आगे बढ़ने के सफर और करियर पर बातें की। उन्होंने इस प्रोजेक्ट के बारे में कोई जानकारी साझा नहीं की। इस बातचीत के दौरान प्रियंका ने स्वयं को एंजेलीना का प्रशंसक भी बताया। प्रियंका आगामी दिनों में राजामौली निर्देशित फिल्म वाराणसी में अभिनेता महेश बाबू के साथ नजर आएंगी। इसके साथ उनकी कुछ और भारतीय फिल्मकारों से बातचीत चल रही है।

हालीवुड में भी लगातार अपना लोहा मनवा रही हैं प्रियंका। फाइल

जीनत ने बताया कैसे चुनती थी फिल्में

पिछली सदी के सातवें-आठवें दशक के दौरान अभिनेत्री जीनत अमान ने कई ग्लैमरस रोल किए। फिल्म हरे रामा हरे कृष्णा, सत्यम शिव सुंदरम, डान, कुर्बानी जैसी कई फिल्मों ने उन्हें लोकप्रिय बनाया। आगामी दिनों में वेब सीरीज शोस्टापर में दिखेंगी। हाल ही में फिल्मों के चयन को लेकर जीनत ने बताया कि हरे रामा हरे कृष्णा के बाद मुझे लोगों ने अच्छे-बुरे पात्रों में कास्ट करना शुरू किया। चाहे रोटी कपड़ा मकान हो या धुंध, वो ग्रे किरदार थे। वो खलनायिका नहीं थी। उस वक्त मैं देखती कि कौन अच्छी फिल्म बनाएगा। कौन उसे पूरा करेगा। मुझे मौका मिला कि उस वक्त के अहम फिल्ममेकर्स के साथ काम कर सकूं। चाहे मनमोहन देसाई हो, फिरोज खान हो राज कपूर, मनोज कुमार। लोग मुझसे पूछते हैं कि आपका पसंदीदा हीरो कौन है ? इससे फर्क नहीं पड़ता हीरो कौन है। अहम बात यह है कि आपका निर्देशक कौन है। आगे उन्होंने बताया कि देवानंद, राज कपूर, मनोज कुमार और फिरोज खान का नजरिया बेहतरीन था। उनके साथ काम करना शानदार रहा। अब जीनत इंटरनेट मीडिया पर काफी सक्रिय रहती है। हालांकि गुजरे दौर में कलाकारों के पास अपनी बात दर्शकों के समक्ष सीधे रखने का कोई प्लेटफार्म नहीं था। वह कहती हैं कि उस दौर में सब सहना पड़ता था।

वेब सीरीज शोस्टापर में नजर आएंगी। @thezeenataman)

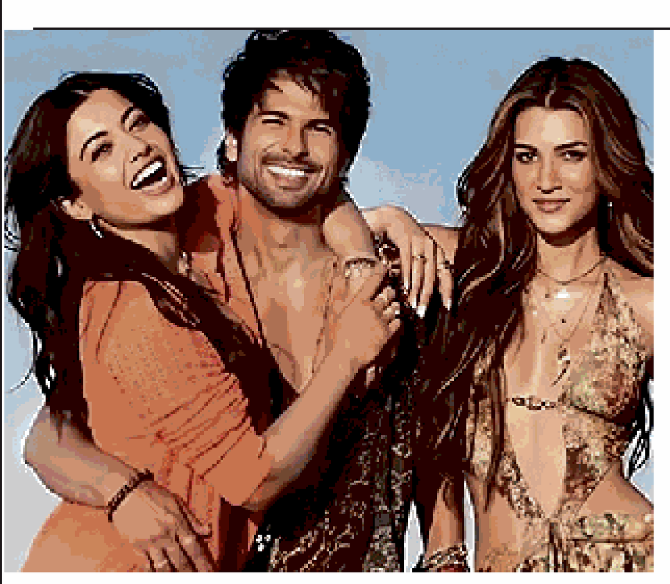

फिल्म काकटेल 2 में साथ दिखी शाहिद, रश्मिका और कृति की तिकड़ी। फाइल

काकटेल 2 को मिली अच्छी शुरुआत

फिल्म ओ रोमियो के बाद अभिनेता शाहिद कपूर की इस साल की दूसरी फिल्म काकटेल 2 शुक्रवार को टिकट खिड़की पर प्रदर्शित हुई। 2012 में प्रदर्शित फिल्म काकटेल से शुरू हुई फ्रेंचाइजी की यह दूसरी फिल्म है। जिसे शुक्रवार को 3000 से ज्यादा स्क्रीन पर प्रदर्शित किया गया। फिल्म को लेकर समीक्षकों की मिली जुली प्रतिक्रियाएं रही। हालांकि, कमाई के मामले में शुरुआत अच्छी रही। शुक्रवार को काकटेल 2 को 13.1 करोड़ रुपये की ओपनिंग मिली। ओपनिंग के मामले में यह पद्मावत (24 करोड़) और कबीर सिंह (20.21 करोड़) के बाद शाहिद की तीसरी सबसे बड़ी ओपनिंग वाली फिल्म है। इसके साथ ही कोरोना काल के बाद यह शाहिद की सबसे बड़ी ओपनिंग वाली फिल्म है। दूसरे दिन शनिवार को थोड़ी बढ़त के साथ फिल्म की कमाई 16.39 करोड़ रुपये हुई। जिससे पहले दो दिनों में फिल्म ने 29.49 करोड़ कमाए। वहीं हालीवुड एनिमेशन फिल्म द टाय 5 को सिर्फ 1.23 करोड़ रुपये मिली। पहले दो दोनों में फिल्म ने कुल मिलाकर 3.39 करोड़ रुपये कमाए।

लोकप्रियता एक कठघरे में बांध देती है: मुकेश तिवारी

सात सवाल

फिल्म चाइना गेट में खलनायक जगीरा की भूमिका में हिंदी सिनेमा में अपना सफर शुरू करने वाले अभिनेता मुकेश तिवारी ने फिर कामेडी भूमिकाओं में भी अपना रंग जमाया। हालिया प्रदर्शित फिल्म द नर्मदा स्टोरी में पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आए मुकेश इससे पहले भी कई फिल्मों में पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा चुके हैं। आगामी दिनों में उनकी वेलकम टू द जंगल, गोलमाल 5 और एक वेब सीरीज समेत कई प्रोजेक्ट रिलीज की कतार में हैं। मुकेश से उनके अभिनय सफर और हिंदी सिनेमा के वर्तमान दौर पर बातचीत :

● **बार-बार पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाते समय, एक ही पेशे के पात्रों में विविधता कैसे लाते हैं?**

– पुलिस अधिकारियों की भूमिका निभाते समय मेरे सामने सबसे बड़ा संकट यह आता है कि वर्दी पहनते ही अंदर अलग किस्म की अकड़ आ जाती है। एक अलग तरीके का हाव-भाव, रवैया और स्वर पकड़ लेते हैं। ऐसा लगता है कि सारे कानून आप ही जानते हैं और आपको सभी पर चिल्लाने का अधिकार है। उस भाव को तोड़ना ही सबसे महत्वपूर्ण होता है। उसके बाद अगर अलग तरीके से लिखा गया है तो मैं उसमें कुछ अलग करने का प्रयास नहीं करता हूं। कोशिश यही रहती है कि न अपने को उस पर थोपूं, ना ही वर्दी उस पर थोपी जाए।

● **खलनायक से कामेडी करने का सफर सहज रहा या कुछ चौंकाने वाला?**

– मैं एक जागरूक अभिनेता हूं। हमें जागरूक रहना चाहिए कि लोगों का देखने का नजरिया बदल रहा है। 25 साल पहले अगर कोई खलनायक की भूमिका निभा देता था तो उसे दूसरी भूमिका में स्वीकार ही नहीं करते थे। इसलिए निर्माता भी कलाकार को बार-बार एक ही तरह की भूमिकाओं में लेने के लिए बाध्य थे। अब दर्शक कलाकार को हर भूमिका में खुले मन से स्वीकार कर रहे हैं, उन्हें पात्र से मतलब है, अभिनेता की छवि से नहीं।

● **आपकी कामेडी अभिनेता की छवि के पीछे गोलमाल के वसूली भाई के पात्र का बड़ा हाथ रहा। अपने लिए उसे कैसे देखते है?**

– लोकप्रियता दो तरीके की संभावनाएं लेकर आती है। पहला हिट होने की खुशी देती है कि पात्र हिट हो गया। उसके साथ ही आपके एक कठघरे में भी बांध देती है। फिर लोग आपको उसी परिवेश में देखना चाहते हैं। मेरे पास हर दूसरे-तीसरे दिन ऐसे आफर आते हैं, आप वसूली भाई की तरह या वैसा ही कुछ पात्र कर लीजिए। मैं उन्हें समझाते-समझाते परेशान हो चुका हूं कि वो एक किरदार था, उसको जितना मैंने निभाया है, उससे ज्यादा दर्शकों ने प्यार देकर बड़ा किया है। बतौर अभिनेता इसी मोड़ पर हमें सही काम चुनना पड़ता है।

● **द लीजेंड आफ भगत सिंह से गोलमाल फ्रेंचाइजी तक अजय देवगन के साथ काफी काम किया है। आप दोनों के रिश्ते किस तरह बदले हैं?**

– अजय देवगन के साथ सबसे अच्छी बात यह है कि उनमें असुरक्षा की कोई भावना नहीं है। उनके साथ मैंने 15-20 फिल्में की है। हमारी पहली मुलाकात फिल्म द लीजेंड आफ भगत सिंह के सेट पर हुई थी, उसी के साथ हम साथ में एक और फिल्म एलओसी : कारगिल भी कर रहे थे। उसमें हम दोनों एक ही बटालियन में थे, तो थोड़ी मित्रता बढ़ी। हमने तीन साल में साथ में पांच फिल्में की।

● **काम को लेकर शुरुआत से लेकर अब तक के पैमानों में क्या बदलाव आएं हैं?**

– मैं बहुत ज्यादा रोल पर केंद्रित होकर नहीं सोचता हूं। अगर मुझे कहानी अच्छी लगती है, तो उसमें मेरा रोल भले ही सिर्फ दो सीन ही क्यों न हो, मैं उसे कर लेता हूं। कहानी और निर्देशक का नजरिया पहले है।

● **इन दिनों मल्टीस्टारर फिल्मों के बढ़ते चलन को लेकर क्या कहेंगे?**

– इसे हम इस दौर की मांग नहीं कह सकते हैं। धुरंधर भी मल्टीस्टारर फिल्म थी। अगर दो-तीन फिल्में एक तरह की लगातार चल जाए, तो लोग समझते हैं कि उनका दौर आ रहा है। दरअसल, हर फिल्मकार को जाने-पहचाने चेहरे चाहिए, तो वो मल्टीस्टारर फिल्मों की तरफ बढ़ते हैं। ऐसी फिल्मों में सबसे ज्यादा सावधानी इस बात पर रखनी पड़ती है कि आप हर पात्र के साथ न्याय कर पा रहे हैं या नहीं।

● **गोलमाल 5 पर कितना काम हो चुका है? उसमें वसूली भाई का नया अंदाज दिखेगा?**

– इस पात्र के लिए लोगों का इतना प्यार मिला है कि जिम्मेदारी बढ़ जाती है और डर भी लगता है। वसूली भाई के चरित्र की वही नवीनता, मासूमियत और अंदाज बनाए रखना चुनौतीपूर्ण होता है। आधे से ज्यादा फिल्म की शूटिंग हो चुकी है। अगले महीने से फिर इसकी शूटिंग शुरू हो जाएगी। इसके अलावा फिल्म वेलकम टू द जंगल और अमेजन प्राइम वीडियो वेब सीरीज 'रफू' भी रिलीज होने की कतार में है। (**दीपेश पांडेय**)

टाक्सिक 26 अगस्त को कई भाषाओं में होगी रिलीज

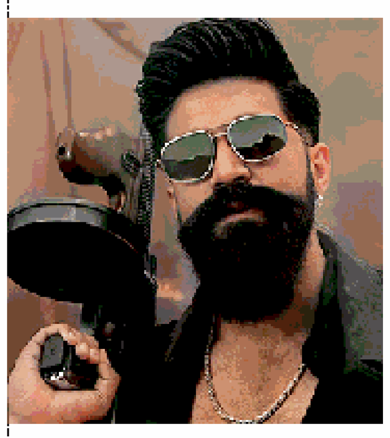

टाक्सिक में डबल रोल में होंगे यश

कन्नड़ सुपरस्टार यश अभिनीत फिल्म टाक्सिक का इंतजार कर रहे प्रशंसकों के लिए अच्छी खबर है। यह फिल्म 26 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यश ने फादर्स डे के अवसर पर एक नया पोस्टर साझा करते हुए इसकी रिलीज डेट की पुष्टि की। गीतू मोहनदास निर्देशित इस फिल्म में यश दोहरी भूमिका निभाते नजर आएंगे। शुरुआत में इसे मार्च में रिलीज किया जाना था। बाद में इसे जून तक स्थगित किया गया। पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण फिल्म की रिलीज और आगे बढ़ानी पड़ी। यह एक पीरियड एक्शन ड्रामा है, जिसकी कहानी 1960 के दौरान गोवा पर आधारित है। फिल्म की शूटिंग कन्नड़ व अंग्रेजी में की गई है। करीब 800 करोड़ के बजट के साथ टाक्सिक इस साल की महंगी फिल्मों में शामिल है। फिल्म में नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, हुमा कुरैशी व रुक्मिणी वसंत है। टाक्सिक को कन्नड़, अंग्रेजी, हिंदी, मलयालम, तमिल व तेलुगु भाषाओं में रिलीज किया जाएगा।

मनोरंजन से जुड़ी अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com